वार्षिक रिपोर्ट | Annual Report

2020-2021

लाल बहादुर शास्त्री
राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
मसूरी-248179
ईपीएबीएक्स लाइंस: +91-0135-2222000, 2632236, 2632489, 2632367, 2632374 & 2632405
वेब: http://www.lbsnaa.gov.in

Lal Bahadur Shastri
National Academy of Administration
Mussoorie-248179
EPABX . : 0135-2222000, 2632236, 2632489, 2632367, 2632374 & 2632405
Fax No. : 0135-2632350 & 0135-2632720
Website : http://www.lbsnaa.gov.in

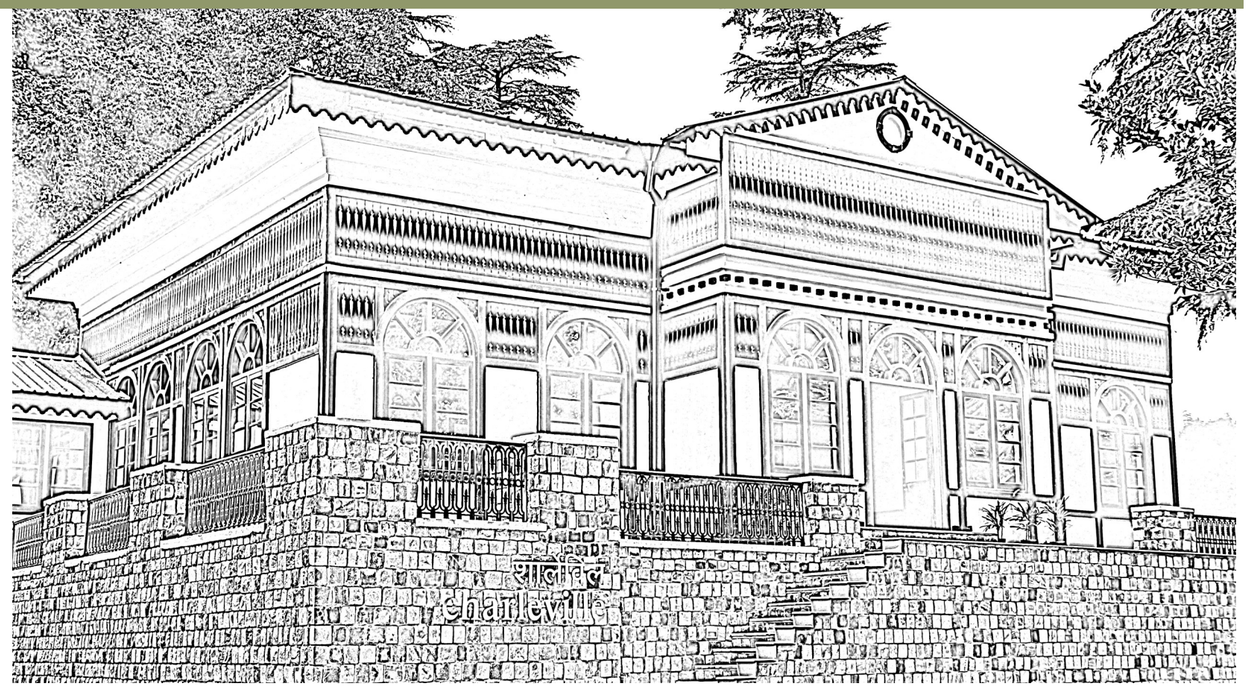

वार्षिक रिपोर्ट

2020-2021

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
मसूरी

विषय सूची

अकादमी मिशन एवं आधारभूत मूल्य.....6

मिशन.....6

आधारभूत मूल्य.....6

अध्याय-1.....8

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी.....8

एक परिचय.....8

प्रारंभ एवं विकास.....8

कालक्रम.....9

प्रशिक्षण पद्धति 11

क्षेत्र दौरा.....12

मैत्रीभाव को प्रोत्साहन 12

परिसर.....12

अध्याय-2 14

वर्ष 2020-2021 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 14

अध्याय-3.....16

पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां - मुख्य अंश.....16

नवनियुक्त अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग 16

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I (2019 बैच) (22 सप्ताह).....17

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I (2020 बैच) (22 सप्ताह).....25

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-II (2018 बैच) (6 सप्ताह).....38
अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए फाउंडेशन कोर्स (10 सप्ताह).....45
आई.ए.एस. अधिकारियों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम 56
मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम फेज़-III (4 सप्ताह).....56
मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम फेज़- III (4 सप्ताह).....60
राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए 122वां इंडक्शन प्रशिक्षण (6 सप्ताह).....65
अध्याय-4.....70
अनुसंधान केंद्र.....70
आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम).....70
बी.एन. युगान्धर ग्रामीण अध्ययन केंद्र (बीएनवाईसीआरएस).....85
नेशनल जेंडर एवं चाइल्ड सेंटर(एनजीसीसी).....92
सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र (सीपीएसएम).....95
अध्याय-5..... 100
क्लब एवं सोसाइटियां.....100
साहसिक खेल क्लब.....100
ललित कला सोसायटी.....101
कंप्यूटर सोसायटी.....101
फिल्म सोसायटी.....103
अभिरूचि क्लब 104
हाउस जर्नल सोसायटी.....105
नवोन्मेष क्लब 105

प्रबंधन मंडल.....107

प्रकृति प्रेमी क्लब.....109

अधिकारी क्लब 110

अधिकारी मेस.....111

राइफल एवं तीरंदाज़ी क्लब.....112

समकालीन क्रियाकलाप सोसायटी.....113

समाज सेवा सोसायटी.....114

राहुल सांकृत्यायन हिंदी मंच 118

अध्याय-6.....123

प्रशिक्षण सहयोग.....123

एनआईसी प्रशिक्षण यूनिट.....123

गांधी स्मृति पुस्तकालय 128

राजभाषा.....133

कंप्यूटर केंद्र 134

अध्याय - 7.....136

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का वित्तीय विवरण.....136

संकाय तथा कर्मचारी कौशल विकास कार्यक्रम.....137

शिष्टमंडल/टीम जिन्होंने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का दौरा किया.....139

अध्याय - 8.....140

परिशिष्ट-1: भौतिक अवसंरचना 140

परिशिष्ट-2: हमारे निदेशक एवं संयुक्त निदेशक.....141

परिशिष्ट-3: आई.ए.एस. फेज़-I के प्रतिभागी (2019 बैच).....143

परिशिष्ट-4: आई.ए.एस. फेज़- I के प्रतिभागी (2020 बैच).....144

परिशिष्ट-5: आई.ए.एस. फेज़- II के प्रतिभागी (2018 बैच).....145

परिशिष्ट-6: 95वें फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागी.....146

परिशिष्ट-7: आई.ए.एस. फेज़-III के 16वें दौर के प्रतिभागी.....147

परिशिष्ट-8: आई.ए.एस. फेज़- III के 17वें दौर के प्रतिभागी.....149

परिशिष्ट-9: 122वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी.....151

परिशिष्ट-10: अकादमी में संकाय सदस्य एवं अधिकारी.....152

अकादमी मिशन तथा आधारभूत मूल्य

मिशन

"हमारा लक्ष्य है गुणात्मक प्रशिक्षण द्वारा कार्यकुशल और जवाबदेह सिविल सेवा का निर्माण करके सुशासन स्थापित करना और इसके लिए सहयोगपूर्ण, नैतिक और पारदर्शी परिवेश स्थापित करना।"

आधारभूत मूल्य

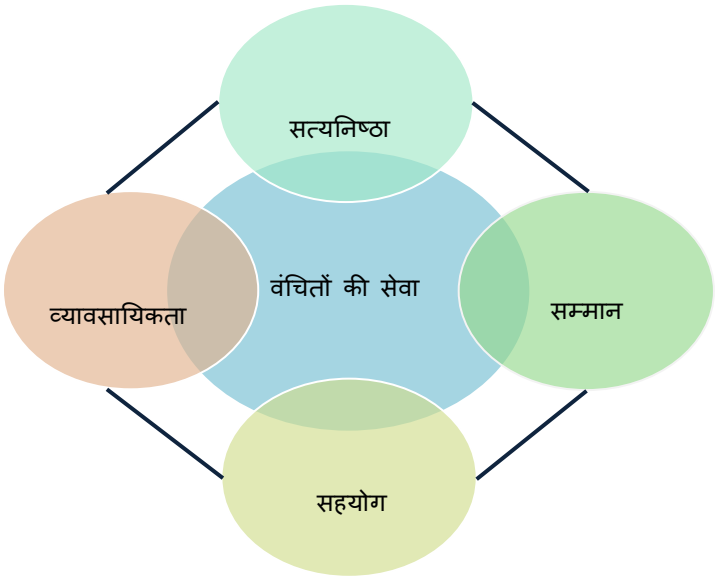

वंचितों की सेवा

लोगों के साथ व्यवहार में अपने दृष्टिकोण में मानवता रखें, वंचितों की ताकत बनें तथा उनके खिलाफ किसी भी अन्याय को रोकने में सक्रिय रहें। आप इस प्रयास में सफलता प्राप्त कर सकते हैं यदि आप सत्यनिष्ठा, सम्मान, व्यावसायिकता और सहयोग के साथ कार्य करें।

सत्यनिष्ठा

अपने विचारों, शब्दों तथा कार्यों में एकरूप रहें जो आपको विश्वसनीय बनाती है। अपनी बात कहने का साहस रखें तथा सदैव बिना किसी भय के, यहां तक कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति से भी सत्य बोलें। किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को कदापि सहन न करें, भले वह राशि, सामग्री या बौद्धिक हो।

सम्मान

जाति, धर्म, रंग, लिंग, आयु, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति की भिन्नता को अपनाएं। सभी के साथ विनम्रता तथा सहानुभूति के साथ पेश आएं। भावात्मक रूप से स्थिर रहें, विश्वास के साथ तथा अहंकार के बिना आगे बढ़ें।

व्यावसायिकता

अपने दृष्टिकोण में न्यायसंगत तथा अराजनैतिक रहें, कार्य तथा परिणाम के लिए दृढ़ता के साथ अपने कार्य के प्रति व्यावसायिक तथा पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहें और नियमित रूप से सुधार एवं उत्कृष्टता का लक्ष्य रखें।

सहयोग

एक मत बनाने के लिए सभी के साथ गंभीरता से कार्य करके विचारों तथा कार्यों में सहयोग करें। दूसरों को प्रोत्साहित करें, टीम भावना को बढ़ावा दें तथा दूसरों से सीखने के लिए खुलकर चर्चा करें। पहल करें तथा जिम्मेदारी लें।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

एक परिचय

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) के अधीन लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी भारत में सर्वोच्च सिविल सेवाओं के सदस्यों के लिए शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान है। इसका नेतृत्व निदेशक द्वारा किया जाता है जो भारत सरकार के सचिव स्तर के अधिकारी हैं।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, विभिन्न रैंकों पर नियुक्त सिविल सेवकों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूल्स का संचालन करता है। यहां अखिल भारतीय सेवाओं और अन्य केन्द्रीय सेवाओं के समूह 'क' के नव-नियुक्त अधिकारियों के लिए संयुक्त फाउंडेशन कोर्स संचालित किया जाता है। यह अकादमी फाउंडेशन कोर्स के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्यों तथा रॉयल भूटान सेवा के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देती है। अकादमी भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्यों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) और राज्य सिविल सेवाओं से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है। इसके साथ-साथ नीतिगत मामलों पर कार्यशालाओं तथा सेमिनारों का भी नियमित अंतराल पर आयोजन किया जाता है।

प्रारंभ एवं विकास

तत्कालीन गृह मंत्री ने 15 अप्रैल, 1958 को लोकसभा में एक ऐसी राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव रखा था जहां वरिष्ठ सिविल सेवाओं में भर्ती सभी सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाए। गृह मंत्रालय ने आई.ए.एस. ट्रेनिंग स्कूल, दिल्ली और आई.ए.एस. स्टाफ कालेज, शिमला को मिलाकर मसूरी में राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने का निर्णय लिया। 1959 में अकादमी की स्थापना की गई तथा इसका नाम 'राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' रखा गया। कुछ वर्षों के लिए इस अकादमी ने गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य किया। अक्तूबर, 1972 में इसका नाम बदलकर 'लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी' कर दिया गया। जुलाई 1973 में, इसके नाम में 'राष्ट्रीय' शब्द भी जोड़ा गया और अब यह अकादमी 'लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' के नाम से जानी जाती है।

कालक्रम

1958	लोकसभा में तत्कालीन केन्द्रीय गृह मंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत द्वारा राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने की घोषणा।
1959	1959 मसूरी में अकादमी की स्थापना और निदेशक कार्यालय, भाषा ब्लॉक (बाद में नवीनीकरण के उपरांत शार्लेविल नाम रखा गया), सरदार पटेल हॉल (एसपीएच) और हैप्पी वैली गेस्ट हाऊस स्थापित।
1960	भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा तथा अन्य सिविल सेवाओं के लिए संयुक्त फाउंडेशन कोर्स की शुरुआत।
1969	अकादमी में सेंडविच पैटर्न की शुरूआत जिसमें फेज़-।, संबंधित संवर्गों में जिला प्रशिक्षण और तदुपरान्त फेज़-।। प्रशिक्षण आरंभ किया गया।
1970	अकादमी ने 1970 तक और 1977 से 1985 तक गृह मंत्रालय के अधीन कार्य किया।
1970-1977	अकादमी ने मंत्रिमंडल सचिवालय के अधीन कार्य-किया।
1972	अकादमी का नाम बदलकर ''लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी'' किया गया।
1973	तदुपरान्त ''राष्ट्रीय'' शब्द जोड़ा गया और अकादमी का नाम ''लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी'' के हो गया।.
1975-1978	गंगा, कावेरी और नर्मदा छात्रावासों का निर्माण किया गया।
1984	मई 1984 में कैम्पस का एक भाग, जहां अधिकारी मेस, पुस्तकालय, वीआईपी गेस्ट हाऊस, निदेशक आवास इत्यादि थे, आग की चपेट में आ गया।
1985	अकादमी ने कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्य करना आरंभ किया।
1988	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र एवं प्रशिक्षण यूनिट (निक्ट्) की स्थापना की गई।
1989	ग्रामीण अध्ययन केंद्र (पूर्व में भूमि सुधार यूनिट) की स्थापना की गई।
1991	अक्टूबर, 1991 में, उत्तरकाशी के भूकंप से महिला ब्लॉक तथा जीबी पंत ब्लॉक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और इन दोनों स्थानों पर ''ध्रुवशिला'' तथा ''कालिंदी गेस्ट हाऊस'' का निर्माण किया गया।

1991	उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संपूर्णानंद सभागार का निर्माण किया गया तथा उसका नाम राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री के नाम पर रखा गया।
1992	कर्मशिला भवन का उद्घाटन भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री के.आर. नारायणन द्वारा किया गया।
1995	नेशनल जेंडर सेंटर की स्थापन, यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत सोसाइटी है।
1996	कालिंदी भवन का उद्घाटन तत्कालीन राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्य मंत्री माननीय श्री एस.आर. बालासुब्रह्मणयम द्वारा किया गया।
1996	ध्रुवशिला भवन का उद्घाटन तत्कालीन राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्य मंत्री माननीय श्री एस.आर. बालासुब्रह्मणयम द्वारा किया गया।.
2004	अस्पताल ब्लॉक का उद्घाटन तत्कालीन गृह मंत्री श्री शिवराज वी. पाटिल द्वारा किया गया।
2004	आपदा प्रबंधन केंद्र का उद्घाटन किया गया।
2010	ज्ञानशिला भवन को क्रियाशील बनाया गया। सिल्वरवुड एग्जिक्यूटिव हॉस्टल का उद्घाटन किया गया।
2012	महानदी एग्जिक्यूटिव हॉस्टल का उद्घाटन किया गया।
2014	नेशनल सेंटर फॉर लीडरशिप डेवलपमेंट एण्ड कॉम्पिटेंसी एसेसमेंट (एनसीएलडीसीए) की स्थापना, यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत सोसायटी है।
2015	आधारशिला ब्लॉक का उद्घाटन माननीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन, डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा किया गया।
2016	1995 में सेन्टर फॉर कोऑपरेटिव्स एण्ड रूरल डेवलपमेंट की स्थापना की गई थी बाद में इसका नाम बदल कर सेंटर फॉर पब्लिक सिस्टम मैनेजमेंट (सीपीएसएम) रखा गया।

प्रशिक्षण पद्धति

इस अकादमी का यह प्रयास रहता है कि देश के लिए ऐसा अधिकारी-तंत्र तैयार करने में मदद की जाए जो अपने पद की अपेक्षा, अपने कार्यों से सम्मान पा सकें। पाठ्य-विवरण को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उनकी निरंतर समीक्षा कर अद्यतन किया जाता है। यह कार्य राज्य सरकारों की सलाह, प्रतिभागियों के फीडबैक और इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से भी समय-समय पर विचार-विमर्श किया जाता है। यह स्पष्ट है कि प्रशिक्षुओं की प्रवृत्तियों और मूल्यों की महत्ता को उजागर करने के लिए कक्षा-व्याख्यान की विधि हर समय बहुत उपयुक्त नहीं होती इसलिए अनेक पद्धतियां अपनाई जाती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूल के अनुसार चलते हैं, इसके अनुसार उपयुक्त विषय चुने जाते हैं और उसके विशेष मुद्दों के सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, सुव्यस्थित तरीके से उसका व्यापक अध्ययन किया जाता है।

मॉड्यूल में निम्नलिखित सभी या कुछ विधियां प्रयुक्त की जाती हैं:-

- अकादमी के संकाय तथा अतिथि संकाय द्वारा व्याख्यान
- विविध विचारों को जानने के लिए पैनल परिचर्चा
- प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी)
- फिल्में
- समूह परिचर्चा
- अनुकरण (सिमुलेशन) अभ्यास
- संगोष्ठियां
- मूट कोर्ट और मॉक ट्रायल
- आदेश और निर्णय लेखन अभ्यास
- व्यावहारिक प्रदर्शन
- समस्या समाधान अभ्यास
- रिपोर्ट लेखन (सत्र आलेख)
- समूह कार्य

क्षेत्र दौरे

हिमालय ट्रैक

ऐसे ट्रैकों के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थी कठिन भू-क्षेत्र, अप्रत्याशित मौसम, अपर्याप्त आवास और खाद्य-पदार्थों की समिति उपलब्धता जैसी परिस्थितियों का सामना करते हैं। और ऐसी दशाओं में प्रशिक्षु अधिकारियों की हिम्मत की परीक्षा होती है तथा उन्हें मजबूत बनाया जाता है।

पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा

प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा ग्रामीण जीवन की समस्याओं और वास्तविकताओं को समझने के लिए पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा किया जाता है। इन फील्ड दौरों तथा लाभार्थियों के साथ विचार-विनिमय के जरिए, समाज पर सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव का क्रियात्मक अनुसंधान भी किया जाता है।

"मैत्री-भाव को प्रोत्साहन"

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केंद्रीय सेवा समूह 'क' के सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से ही अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत करते हैं। यह सरकारी क्षेत्र में कार्य करने का उनका पहला अनुभव होता है। परिणामस्वरूप, यह संस्था विभिन्न सिविल सेवाओं के युवा अधिकारियों के बीच मिलजुल कर काम करने की भावना कायम करती है। इस प्रकार यह अकादमी अधिकारियों के बीच ऐसा भाईचारा स्थापित करती है कि वे इस संस्था में अपने पुराने दिनों को याद करते हैं और इन मूल्यों को अपनाने का दृढ़ संकल्प रखते हैं।

परिसर

अकादमी की मुख्य विशेषता यह है कि उसकी नवीनतम अवसंरचना के अतिरिक्त, उसके अद्वितीय पुरातन एवं नवीनता का मेल है। प्रसिद्ध शार्लेविल होटल जिसका निर्माण 1870 में किया गया था,

अकादमी की अवस्थिति एवं आरंभिक अवसंरचना का परिचायक है, तत्पश्चात इसका विस्तार किया गया। विभिन्न विगत वर्षों के दौरान नये भवन निर्मित किए गए तथा अन्य का अधिग्रहण किया गया। अकादमी तीन परिसरों शार्लेविल, ग्लेनमायर तथा इंदिरा भवन में फैली हुई है। प्रत्येक की अपनी विशिष्ट प्रकृति है। शार्लेविल में नये प्रशिक्षणार्थियों को संरचित पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जाता है। ग्लेनमायर में पूर्व का एन.सी.जी.जी. अवस्थित है तथा इंदिरा भवन परिसर में सेवाकालीन प्रशिक्षण तथा अन्य विशिष्ट पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। अकादमी की अवसंरचनाओं का अतिरिक्त विवरण परिशिष्ट-**I** में दिया गया है।

वर्ष 2020-2021 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान अकादमी में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षणार्थियों का विवरण निम्नानुसार है।

क्रम संख्या	कोर्स का नाम	समन्वयक श्री/सुश्री	कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या		
				पुरुष	महिला	कुल
अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग						
1.	आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज- I (2019 बैच)	नंदिनी पालीवाल	09-12-2019 से 08-05-2020 तक	127	58	185
2.	आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज- I (2020 बैच)	गौरी पराशर जोशी	21-12-2020 से 26-03-2021 तक	129	53	182
3.	आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज- II (2018-2020 बैच)	निरंजन कुमार सुधांशु	06-07-2020 से 07-08-2020 तक	135	50	185
4.	अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए 95वां फाउंडेशन कोर्स (2020 बैच)	विद्या भूषण	12-10-2020 से 18-12-2020 तक	291	136	427
आईएएस अधिकारियों के लिए मिड करियर कार्यक्रम						
5.	7-9 वर्ष की वरिष्ठता वाले आईएएस अधिकारियों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के फेज़-III का 16वां दौर	अश्वती एस.	17-02-2020 से 13-03-2020 तक	58	25	83
6.	7-9 वर्ष की वरिष्ठता वाले आईएएस अधिकारियों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के फेज़-III का 17वां दौर	नंदिनी पालीवाल	22-02-2021 से 19-03-2021 तक	68	16	84
7.	राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए 122वीं इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम	विद्या भूषण	09-03-2020 से 19-03-2020 तक और 01-02-2021 से 12-02-2021 तक	47	12	59
शॉर्ट टर्म कोर्स/सेमिनार/वर्कशॉप/अन्य						
8.	जलवायु परिवर्तन: महिला वैज्ञानिकों के लिए चुनौतियाँ और प्रतिक्रिया	आपदा प्रबंधन केंद्र	05-10-2020 से 09-10-2020 तक	0	48	48

9.	वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका	आपदा प्रबंधन केंद्र	23-11-2020 से 27-11-2020 तक	27	8	35
10.	जलवायु परिवर्तन: वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए चुनौतियां और प्रतिक्रिया	आपदा प्रबंधन केंद्र	14-12-2020 से 18-12-2020 तक	28	16	44
11.	आईएएस/केंद्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों के लिए जिला आपदा प्रबंधन योजना	आपदा प्रबंधन केंद्र	23-12-2020 से 24-12-2020 तक	24	8	32
12.	वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका	आपदा प्रबंधन केंद्र	01-02-2021 से 05-02-2021 तक	34	3	37
13.	आईएएस/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए घटना प्रतिक्रिया प्रणाली	आपदा प्रबंधन केंद्र	24-02-2021 से 25-02-2021 तक	42	7	49
14.	नीति निर्माताओं के लिए जेंडर इंक्लूसिव गवर्नेंस पर ई-आईटीईसी कार्यशाला	एनजीसीसी	12-11-2020 से 12-11-2020 तक	18	32	50
15.	नीति निर्माताओं के लिए जेंडर इंक्लूसिव गवर्नेंस पर ई-आईटीईसी कार्यशाला	एनजीसीसी	17-02-2021 से 18-02-2021 तक	34	80	114
16.	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2021 के अवसर पर वेबिनार	एनजीसीसी	08-03-2021	5	22	27
17.	आईएमएफ और एसएआरटीटीएसी के सहयोग से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए चयनित मैक्रोइकोनॉमिक मुद्दों पर वर्चुअल सेमिनार	सीपीएसएम	10-08-2020 से 14-08-2020 तक	35	17	52
18.	आईएमएफ, एसएआरटीटीएसी और वित्तीय कार्य विभाग के सहयोग से राज्य के वित्तीय सचिवों के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन पर वर्चुअल सेमिनार	सीपीएसएम	31-08-2020 to 04-09-2020	43	19	62
कुल प्रतिभागी				**1145**	**610**	**1755**

संक्षिप्तियां

सीडीएम - आपदा प्रबंधन केंद्र
एनजीसीसी - नेशनल जेंडर एवं चाइल्ड सेंटर
सीपीएसएम - सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र

पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां-मुख्य अंश

अकादमी में प्रत्येक वर्ष कई पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें से फाउंडेशन कोर्स मुख्यतः ज्ञान पर आधारित होता है। प्रोफेशनल कोर्स मूलतः कौशल केंद्रित होते हैं तथा सेवाकालीन पाठ्यक्रम मुख्यतः सरकार में वरिष्ठ पदभार ग्रहण करने हेतु नीति निर्धारण क्षमताओं में वृद्धि करने पर केंद्रित होते हैं।

नवनियुक्त अधिकारियों की इंडक्शन ट्रेनिंग

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I (22 सप्ताह)

अकादमी इंडक्शन स्तर और सेवकालीन प्रशिक्षण प्रदान करती है। संघ की अखिल भारतीय सेवाओं और सभी समूह 'क' सेवाओं के नए अधिकारियों के लिए एक संयुक्त फाउंडेशन कोर्स आयोजित किया जाता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (भा.प्र.से.) और रॉयल भूटान सिविल सेवा के नियमित भर्ती अधिकारियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण फाउंडेशन कोर्स के बाद आयोजित किया जाता है। अकादमी भा.प्र.से. के अधिकारियों के लिए सेवकालीन और मिड-करिअर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमसीटीपी) तथा राज्य सिविल सेवा से भा.प्र.से. में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित करती है, साथ ही लोक प्रशासन में विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित करती है।

फाउंडेशन कोर्स के पश्चात भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I में पहुंचते हैं। यह पाठ्यक्रम उस वातावरण की समझ को मजबूत करने का प्रयास करता है, जिसके अंतर्गत भा.प्र. सेवा के अधिकारी को कार्य करना होता है। सार्वजनिक प्रणालियों एवं उनके प्रबंधन पर बल दिया जाता है। फेज़-I के दौरान प्रारंभ में भा.प्र. सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को शीतकालीन अध्ययन दौरे पर भेजा जाता है जिसमें तीन सशस्त्र बलों, सार्वजनिक उपक्रम, निजी सेक्टर, नगर निगम निकायों, स्वैच्छिक एजेंसियों, जनजाति क्षेत्रों, ई-गवर्नेंस क्षेत्र तथा गैर-सरकारी संगठनों के साथ अटैचमेंट शामिल है। सशस्त्र बलों के साथ अटैचमेंट से उनकी भूमिका की बेहतर समझ का प्रयोजन पूरा होता है। ये अटैचमेंट्स प्रशिक्षु अधिकारियों को देश की विविध व्यवस्था का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्हें विभिन्न संगठनों की कार्य पद्धति को नजदीक से देखने तथा समझने का अवसर भी प्राप्त होता है।

तत्पश्चात, अधिकारियों को कक्षा प्रशिक्षण की व्यवस्था से गुजरना होता है। अतः भारत सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षु अधिकारियों को लोक प्रशासन, प्रबंधन, विधि, कंप्यूटर तथा

अर्थशास्त्र के विषयों की व्यावसायिक जानकारी दी जाती है। फेज़-I पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर, प्रशिक्षु अधिकारियों को एक वर्ष के जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I (2019-21 बैच)

(09 दिसंबर 2019 से 08 मई, 2020 तक)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	भा.प्र. सेवा में नवनियुक्त अधिकारियों के लिए प्रोफेशनल कोर्स
पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री नंदिनी पालीवाल, उप निदेशक (वरिष्ठ)
एसोसिएट-पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री सी. श्रीधर, उप निदेशक (वरिष्ठ) श्री मनोज वी. नायर, उप निदेशक (वरिष्ठ) श्री विद्या भूषण, उप निदेशक सुश्री गौरी पराशर जोशी, उप निदेशक
समापन के समय संबोधन	श्री संजीव चोपड़ा, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
कुल प्रतिभागी	कुल 185 जिसमें 03 रॉयल भूटान सिविल सेवा के अधिकारी प्रशिक्षु सम्मिलित (पुरुष-127, महिला-58)

आईएएस फेज़-I (2019-21 बैच) के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

पाठ्यक्रम के लक्ष्य

- प्रभावी सिविल सेवक बनने के लिए प्रशिक्षु अधिकारियों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करना तथा व्यवहार को बेहतर बनाना जिससे कि उन्हें -
- नीति-परक एवं विकासात्मक प्रशासन से संबंधित लर्निंग एक्सपीरियेंस से अवगत कराया जाए।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य में नए सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक-विधिक रूझानों से अवगत कराना, आईएएस की नई भूमिका एवं अन्य सेवाओं के साथ अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझना।

- सेवा (करिअर) के पहले दशक में निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्रदान करना:
    - o विधि एवं विधिक प्रावधान
    - o प्रशासनिक नियम, प्रक्रियाएं तथा कार्यक्रम दिशानिर्देश
    - o आधुनिक प्रबंधन साधन तथा
    - o आर्थिक विश्लेषण
    - o प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक लोकाचार की बेहतर समझ के लिए आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में कुशलता प्रदान करना।
    - o आवंटित राज्य की सांस्कृतिक तथा सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
    - o अंतर्वैयक्तिक तथा संगठनात्मक, दोनों संदर्भों में लिखित/मौखिक संप्रेषण कौशल का प्रभावी प्रदर्शन करना।
    - o उचित जीवन मूल्यों एवं उचित व्यवहार की जानकारी प्रदान करना।
    - o शारीरिक फिटनेस को बनाए रखना।
    - o "शीलम् परम् भूषणम्" की भावना पर अटल रहना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

फेज़-I कार्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा ज्ञान एवं विषय वस्तु के संदर्भ में सोच-समझ कर बनायी गई है। अध्ययन, शिक्षा, खेल तथा मनोरंजन को पर्याप्त स्थान देते हुए यहां प्रशिक्षु अधिकारियों में ज्ञान, कौशल तथा उचित व्यवहार का एक ऐसा परिवेश तैयार किया जाता है जिससे वे कार्यक्षेत्र तथा आयाम दोनों में ऐसे भावी उत्तरदायित्वों को निभाने में सक्षम होंगे जो कि काफी पेचीदा होते हैं।

22 सप्ताह का आईएएस प्रोफेशनल कोर्स, फेज़-I, 2019 बैच 09 दिसंबर, 2019 को प्रारंभ हुआ तथा 08 मई, 2020 को समाप्त हुआ था। इसमें दो मुख्य घटक थेः-

- शीतकालीन अध्ययन दौरा (13 दिसंबर, 2019 से 31 जनवरी, 2020 तक)
- ऑन कैंपस ट्रेनिंग इनपुट्स पार्ट 01 (09 दिसंबर, 2019 से 13 दिसंबर, 2019 तक)
- ऑन कैंपस ट्रेनिंग इनपुट्स पार्ट 21 (10 फरवरी, 2020 से 08 मई, 2020 तक)

फेज़-I एक पूर्णकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है जिसमें पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतिविधियों का मिश्रण होता है। दिन की शुरूआत हैप्पी वैली ग्राउंड में शारीरिक व्यायाम के साथ प्रात: 06:30 बजे होती है। शाम को क्लब तथा सोसाइटियों द्वारा सांस्कृतिक तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे।

शैक्षणिक इनपुट्स

ऑन कैंपस शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 फरवरी, 2020 को आरंभ हुआ था। हालांकि ''भारतीय प्रशासनिक सेवा (अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की अंतिम परीक्षा) विनियम, 1955'' के अंतर्गत निर्धारित पाठ्य-विवरण बुनियादी फ्रेमवर्क है, तथापि आई.ए.एस. सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें समुचित संशोधन किए गए हैं। शैक्षणिक मॉड्यूल विषयवार तैयार किए गए जिसमें अलग-अलग कार्य के ऐसे विषय शामिल किए गए जो विभिन्न कार्य-क्षेत्रों में आई.ए.एस. सेवा के अधिकारियों को करने होते हैं। इसमें विधि, लोक प्रशासन, राजनीति शास्त्र तथा संविधान, प्रबंधन एवं अर्थशास्त्र शामिल हैं। इस दौरान भाषा एवं आई.सी.टी. के व्यापक सत्र भी आयोजित किए गए।

अपनाई गई प्रशिक्षण कार्य-प्रणाली में अन्य बातों के साथ-साथ व्याख्यान, प्रकरण अध्ययन परिचर्चा, सेमीनार, पैनल चर्चा, आदेश लेखन अभ्यास, मूट कोर्ट तथा मॉक ट्रायल, मेनेजमेंट गेम तथा रोल प्ले, समूह अभ्यास, फिल्म, क्षेत्रीय तथा आउटडोर विजिट कार्यक्रम शामिल हैं। अधिकारियों को संबोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ एवं ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को वैकल्पिक आयामों और विचारों की विविधता का परिचय दिया जो महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए अनिवार्य है।

एक भा.प्र. सेवा अधिकारी के तौर पर प्रशिक्षु अधिकारियों को आवंटित काडर की भाषा में निपुण होना होता है। फेज़-I पाठ्यक्रम में वैधानिक भाषा परीक्षा आयोजित की गई। जो प्रशिक्षु अधिकारी पहले से ही संवर्ग की भाषा से परिचित थे उनको भाषा के प्रशासनिक प्रयोग के बारे में आगे की जानकारी दी गई तथा उनसे वैकल्पिक मॉड्यूल एवं गतिविधियां भी कराई गई। अधिकारी प्रशिक्षुओं से अपना 'स्टेट पेपर' संवर्ग की भाषा में प्रस्तुत करने को कहा गया। फेज़-I का आईसीटी का मॉड्यूल प्रशिक्षु अधिकारियों को जिलों में सूचना प्रौद्योगिकी वातावरण तैयार करने, किसी सिस्टम का कंप्यूटरीकरण करने में उपयोग होने वाले कॉनसेप्ट/विषय, प्रौद्योगिकी के नवीनतम रूझानों, वेब डिजाइन, क्लाइंट/सर्वर कंप्यूटिंग, ई-गवर्नेन्स इत्यादि से परिचित करने हेतु डिजाइन किया गया। इसका उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को कंप्यूटर प्रोफेशनल बनाना नहीं है बल्कि उनको वास्तविक कार्य क्षेत्र से परिचित कराना और प्रौद्योगिकी संबंधी क्षमताएं अर्जित कराना होता है।

मूल्यांकन किए गए शैक्षिक कार्य: पाठ्यक्रम में पुस्तक समीक्षा तथा स्टेट टर्म पेपर के माध्यम से एक स्वअध्ययन आधारित लर्निंग भी कोर्स डिजाइन में समाहित की गई। जिसे परामर्शी समूह बैठक में आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में प्रस्तुत किया गया। शीतकालीन अध्ययन दौरा (डबल्यूएसटी): इसमें ग्रुप प्रेजेंटेशन्स वैयक्तिक शीतकालीन अध्ययन डायरी तथा यात्रावृत्त शामिल थे।

बाह्य गतिविधियां: भा.प्र. सेवा में करिअर अक्सर चुनौतीपूर्ण तथा तनाव मुक्त होता है। सेवा के अधिकारी का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना सेवा की आवश्यकता है। फेज़-I पाठ्यक्रम में प्रशिक्षु अधिकारियों को नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम की आदत विकसित करने एवं उसे बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सुबह का शारीरिक प्रशिक्षण अनिवार्य होता है। शारीरिक व्यायाम तथा बाह्य गतिविधियां इस पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण भाग हैं।

पाठ्येतर गतिविधियां: अधिकारी जिनकी अन्य गतिविधियों में भी रूचि होती है वे सेवा में उत्पन्न होने वाले तनाव से निपटने में अधिक सक्षम होते हैं। फेज़-I पाठ्यक्रम में प्रशिक्षु अधिकारियों को मॉड्यूल द्वारा सृजनात्मक गतिविधियों में रूचि लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

आंचलिक दिवस: प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा फेज़-I पाठ्यक्रम के दौरान आंचलिक दिवस आयोजित किया गया। आंचलिक दिवस आयोजित करने का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके आवंटित संवर्गों की संस्कृति एवं खान-पान से परिचित करना है। प्रत्येक क्षेत्र के लिए समूह का गठन आवंटित राज्य पर आधारित होता है।

मॉड्यूल्स: पाठ्यक्रम के दौरान विषय पर आधारित मॉड्यूल्स जैसे आई.ए.एस. सेवा के परिप्रेक्ष्य में जिला प्रशासन, ग्रामीण विकास एवं कृषि, भू-प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, सामाजिक क्षेत्र: शिक्षा, सामाजिक क्षेत्र: स्वास्थ्य, सार्वजनिक वित्त, जल प्रबंधन, सामाजिक सुरक्षा, निर्वाचन मॉड्यूल्स, ई-गवर्नेन्स एवं मीडिया, कानून एवं व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन तथा इनोवेशन संगोष्ठियाँ आयोजित की गई।

सराहनीय कार्यनिष्पादन के लिए पुरस्कार: प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I के दौरान शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार और पदक प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के प्रख्यात अतिथि वक्ता

- सुश्री उपमा चौधरी, आईएएस, सचिव, भारत सरकार, युवा मामले विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय, कमरा नंबर 1, सी-विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001
- श्री अंबुज शर्मा, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व महासचिव और विशेष मॉनिटर, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

- श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, आईएएस, संयुक्त सचिव (पीएस), भारत सरकार, उर्वरक विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री शाम लाल गोयल, आईएएस, रेजिडेंट कमिश्नर, रेजिडेंट कमिश्नर और अपर मुख्य सचिव, न्यू महाराष्ट्र सदन, केजी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
- डॉ. सी. अशोक वर्धन, आईएएस (सेवानिवृत्त), सदस्य, बिहार भूमि न्यायाधिकरण, 11, ऑफ पोलो रोड, पटना-800001 (बिहार)
- श्री विनोद के. अग्रवाल, आईएएस (सेवानिवृत्त), 139, रोड नंबर 17, प्रशासन नगर, जुबली हिल्स, हैदराबाद-500110 (तेलंगाना)
- सुश्री शारदा मुरलीधरण, आईएएस, प्रधान सचिव, स्थानीय स्वशासन विभाग-ग्रामीण, केरल सरकार, तिरुवनंतपुरम (केरल)
- श्री एस. चोकलिंगम, आईएएस, सेटलमेंट आयुक्त, महाराष्ट्र सरकार, तीसरा तल, नया प्रशासनिक भवन, काउंसिल हॉल के सामने, बंद गार्डन रोड, पुणे-411001 (महाराष्ट्र)
- श्री पोन्नूराज वी., आईएएस, प्रबंध निदेशक, कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कर्नाटक सरकार, नंबर 82, शक्ति भवन, रेस कोर्स रोड, बेंगलुरु-560001 (कर्नाटक)
- सुश्री विजया जाधव, आईएएस, विकास उपायुक्त, जिला कलेक्टरेट, जिला हजारीबाग (झारखंड)
- श्री पी. संपत कुमार, आईएएस, आयुक्त और सचिव, सामुदायिक और ग्रामीण विकास विभाग, मेघालय सरकार, शिलांग-793 001 (मेघालय)
- सुश्री आर.वी. शाजीवन, आईएएस, अपर निदेशक, तमिलनाडु सरकार, उद्यमिता विकास और इनोवेशन संस्थान (ईडीआईआई), पार्थसारथी कोइल स्ट्रीट, सिडको, गिंडी, चेन्नई (तमिलनाडु)
- डॉ. ए. संतोष मैथ्यू, आईएएस (आर), कंट्री लीड फॉर सोशल एंड पब्लिक फाइनेंस पॉलिसी, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, नई दिल्ली
- श्री रविशंकर शुक्ला, आईएएस, उपायुक्त, उपायुक्त कार्यालय, स्वर्णरेखा लिंक रोड, साकची, जमशेदपुर-831001 (झारखंड)
- श्री बालमुरुगन डी., आईएएस, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, बिहार निर्वाचन आयोग, पटना (बिहार)
- श्री अमरजीत सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, ग्रामीण विकास, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, आईएएस, सीईओ, जिला पंचायत, सीहोर, मध्य प्रदेश
- श्री प्रभात मलिक, आईएएस, निदेशक, संस्थागत वित्त और मुख्य परिचालन अधिकारी, चिप्स (आईटी सोसाइटी), छत्तीसगढ़ सरकार, रायपुर (छत्तीसगढ़)
- श्री जे. निवास, आईएएस, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, श्रीकाकुलम
- डॉ. उमा शंकर एस., आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट, बांकुरा (पश्चिम बंगाल)
- श्री कर्ण सत्यार्थी, आईएएस, सब डिवीजनल अधिकारी, राज महल (झारखंड)
- सुश्री फौजिया तरनुम, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला पंचायत, चिक्काबल्लापुर (कर्नाटक)

- सुश्री बीना विजयन, अध्यक्ष, मीनांगडी ग्राम पंचायत, वायनाड जिला (केरल)
- श्री वी. सुरेश, मीनांगडी ग्राम पंचायत, वायनाड जिला (केरल)
- श्रीमती अलका उपाध्याय, आईएएस, अपर सचिव, भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय और महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी (एनआरआईडीए), कृषि भवन, नई दिल्ली-110001
- श्री विजय नागराजू, कार्यकारी निदेशक, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिज़ाइन (ईपीओडी) इंडिया, एट लीड एच, केआरईए यूनिवर्सिटी
- सुश्री अंशु सिंह, सीनियर रिसर्च एसोसिएट, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिज़ाइन (ईपीओडी) इंडिया, एट आईएफएमआर, नई दिल्ली
- सुश्री समीक्षा जैन, फैकल्टी, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिज़ाइन (ईपीओडी) इंडिया, एट आईएफएमआर, नई दिल्ली
- सुश्री आर्तिका शुक्ला, आईएएस, एसडीएम, अजमेर (राजस्थान)
- श्री रघुराज राजेंद्रन, आईएएस, माननीय मंत्री के निजी सचिव, भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय, नई दिल्ली -110001
- श्री रवि कपूर, आईएएस, सचिव, भारत सरकार, कपड़ा मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री गौतम भान, सीनियर लीड-एकेडमिक एंड रिसर्च, आईआईएचएस बैंगलोर सिटी कैंपस, नंबर 197/36, दूसरा मेन रोड, सदाशिवनगर, बैंगलोर 560080
- श्री जीमती वतनन, आईएएस, प्रधान सचिव, आवास और शहरी विकास विभाग, ओडिशा सरकार, प्रथम तल, राज्य सचिवालय, एनेक्स-बी, भुवनेश्वर
- सुश्री श्रेया गडेपल्ली, क्षेत्रीय निदेशक दक्षिण एशिया, परिवहन और विकास नीति संस्थान (आईटीडीपी), चेन्नई (तमिलनाडु)
- श्री संजय दुबे, आईएएस, प्रधान सचिव, शहरी विकास एवं आवास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल (मध्य प्रदेश)
- सुश्री वर्षा जोशी, आईएएस, आयुक्त, उत्तरी दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली
- डॉ. आशीष कुमार भूटानी, आईएएस, सीईओ (पीएमएफबीवाई) और संयुक्त सचिव (क्रेडिट), भारत सरकार, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली
- प्रो. रमेश चंद, सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री इकबाल धालीवाल, वैश्विक कार्यकारी निदेशक, जे-पाल वैज्ञानिक निदेशक, जे-पाल दक्षिण एशिया
- सुश्री शगुन सभरवाल, निदेशक नीति, जे-पाल दक्षिण एशिया, प्रशिक्षण और संचार और निदेशक, क्लियर साउथ एशिया सेंटर
- श्री गगनदीप सिंह बेदी, आईएएस, कृषि उत्पादन आयुक्त और प्रधान सचिव, तमिलनाडु सरकार, तमिलनाडु, चेन्नई (तमिलनाडु)

- श्री कोना शशिधर, आईएएस, आयुक्त नागरिक आपूर्ति और पदेन सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, उपभोक्ता मामले, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग और एलएम, 1-1521, नागरिक आपूर्ति भवन, अशोक नगर, कनुरू, विजयवाड़ा
- श्री अंबलगन पी., आईएएस, सचिव, खनन विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार, रायपुर (छत्तीसगढ़)
- डॉ. रतिन रॉय, निदेशक, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त और नीति संस्थान, 18/2, सत्संग विहार मार्ग, स्पेशल इस्टीट्यूशनल एरिया (निकट जेएनयू), नई दिल्ली-110067
- सुश्री आनंदी, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, जिला उदयपुर (राजस्थान)
- सुश्री रश्मिता पांडा, आईएएस, निदेशक, रोजगार-एवं-सीईओ, ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर (ओडिशा)
- श्री कबीर वाजपेयी, अशोक फेलो प्रिंसिपल आर्किटेक्ट, विन्यास, सेंटर फॉर आर्किटेक्चरल रिसर्च एंड डिज़ाइन और सीईओ, विन्यास सोसायटी, सोसायटी फॉर रिसर्च, डिज़ाइन, कैपेसिटी बिल्डिंग, एडवोकेसी एंड पॉलिसी, नई दिल्ली
- डॉ. प्रीति वाजपेयी, पूर्व प्रमुख और एसोसिएट प्रोफेसर, वास्तुकला और योजना विभाग, इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली-110006
- डॉ. रुक्मिणी बनर्जी, सीईओ प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन, बी 4/54 सफदरजंग एन्क्लेव (निकट कमल सिनेमा), नई दिल्ली 110029
- सुश्री मिताली सेठी, आईएएस, सहायक कलेक्टर और परियोजना अधिकारी, एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना (आईटीडीपी), जिला अमरावती (महाराष्ट्र)
- सुश्री बीनू जॉर्ज, कार्मिक परामर्शदाता, वुडस्टॉक स्कूल, मसूरी
- डॉ. आदित्य दहिया, आईएएस, उपायुक्त, जिला जींद, हरियाणा
- श्री रघुराज राजेंद्रन, आईएएस, माननीय मंत्री के निजी सचिव, भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री डी. कृष्ण भास्कर, आईएएस, कलेक्टर, सिरिसिला (तेलंगाना)
- श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री देवेश कपूर, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, निदेशक, सीएएसआई, पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय
- डॉ. राजेंद्र डोभाल, महानिदेशक उत्तराखंड विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तराखंड

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I (2020-22 बैच)

(21 दिसंबर 2020 से 26 मार्च, 2021 तक)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	भा.प्र. सेवा में नवनियुक्त अधिकारियों के लिए प्रोफेशनल कोर्स
पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री गौरी पराशर जोशी, उप निदेशक
एसोसिएट-पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री नंदिनी पालीवाल, उप निदेशक (वरिष्ठ) (मेंटर) श्री मिलिंद डी. रामटेके, उप निदेशक श्री अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक श्री नितेश झा, रीडर (राजनीतिक सिद्धांत एवं संवैधानिक विधि) सुश्री दिशा पन्नू, उप निदेशक सुश्री एकता उनियाल, सहायक निदेशक
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री संजीव चोपड़ा, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
कुल प्रतिभागी	कुल 182 जिसमें 03 रॉयल भूटान सिविल सेवा (पुरुष-129, महिला-53)

आईएएस फेज़-I (2020-22 बैच) के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-4 में दिया गया है।

पाठ्यक्रम के लक्ष्य

- प्रभावी सिविल सेवक बनने के लिए प्रशिक्षु अधिकारियों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करना तथा व्यवहार को बेहतर बनाना जिससे कि उन्हें-
- नीतिगत एवं विकासात्मक प्रशासन से संबंधित लर्निंग एक्सपीरियेंस से अवगत कराया जाए।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य में नए सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक-विधिक रूझानों से अवगत कराना, आईएएस की नई भूमिका एवं अन्य सेवाओं के साथ अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझना।
- सेवा (करिअर) के पहले दशक में निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्रदान करना:
    - o विधि एवं विधिक प्रावधान
    - o प्रशासनिक नियम, प्रक्रियाएं तथा कार्यक्रम दिशानिर्देश
    - o आधुनिक प्रबंधन साधन तथा
    - o आर्थिक विश्लेषण

- प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक लोकाचार की बेहतर समझ के लिए आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में कुशलता प्रदान करना।
- आवंटित राज्य की सांस्कृतिक तथा सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
- अंतर्वैयक्तिक तथा संगठनात्मक, दोनों संदर्भों में लिखित/मौखिक संप्रेषण कौशल का प्रभावी प्रदर्शन करना।
- उचित जीवन मूल्यों एवं उचित व्यवहार की जानकारी प्रदान करना।
- शारीरिक फिटनेस को बनाए रखना।
- "शीलम् परम् भूषणम्" की भावना पर अटल रहना।

पृष्ठभूमि

कोविड-19 ने अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों पर दीर्घकालीन प्रभाव डाला है। प्रशिक्षण को भी पुनः आयोजित किया गया, जैसे कि कोविड ने विश्व को सभी कार्य निरंतर करते रहने के लिए प्रेरित किया। अकादमी की यह परंपरा रही है कि जैसे ही फाउंडेशन कोर्स समाप्त होता है, परिसर में फेज़-I शुरू हो जाता है और एक सप्ताह तक चलता है, जिसके बाद प्रशिक्षु अधिकारी भारत दर्शन या शीतकालीन अध्ययन दौरे पर जाते हैं। इस बार, हालांकि, यह निर्णय लिया गया था कि प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए पूरे देश का दौरा करना सुरक्षित नहीं होगा और यदि उन्हें भारत दर्शन पर भेजा जाता है तो कोविड होने की अधिक संभावना होगी। निदेशक, संकाय सदस्यों और नवगठित पाठ्यक्रम टीम के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा यह निर्णय लिया गया कि फेज़-1 दिनांक 21 दिसंबर, 2020 से आरंभ होगा और 26 मार्च, 2021 तक चलेगा। देश में फैले कोविड पर निर्भर करेगा कि कोर्स के बाद भारत दर्शन को स्थगित किया जाए या नहीं। यह भी निर्णय लिया गया कि चूंकि प्रशिक्षु अधिकारी फाउंडेशन कोर्स के दौरान परिसर में ही थे और भारत दर्शन में गए बिना तथा इसके बाद मिलने वाली ब्लॉक लीव के बिना ही फेज-1 में शामिल हुए, परिसर में निरंतर उपस्थिति के संभावित ब्रेक के लिए एक छोटा सा भ्रमण, संभवतः उत्तराखंड में ही आयोजित किया जाएगा। चूंकि यह विशिष्ट फेज़-1 होगा जब प्रशिक्षु अधिकारी यहां अत्यधिक सर्दी के मौसम में रहेंगे, अकादमी को बुनियादी ढांचे और चिकित्सा संसाधनों, दोनों मामलों में बर्फीले दिनों का सामना करने के लिए बड़े स्तर पर तैयारी की तथा ऑनलाइन-कक्षाओं के लिए फ्रेंडली आईटी क्षमताओं की पुष्टि की गई और प्रशिक्षु अधिकारियों को अच्छी तरह से तैयार रहने की सलाह दी गई। इस उद्देश्य के लिए, पाठ्यक्रम समन्वयक और उनकी टीम ने संपदा और सीपीडब्ल्यूडी तथा चिकित्सा अनुभाग पर विशेष बल देते हुए, नमक (जमी हुई बर्फ को पिघलाने के लिए), जनरेटर के लिए पीओएल तथा बर्फबारी के दौरान होने वाली बिजली की कटौती की आपूर्ति हेतु बिजली की हॉटलाइन के लिए संपर्क किया। संपदा और मेस अनुभाग को अतिरिक्त स्टाफ तैनात करने के लिए कहा गया ताकि स्टाफ के न होने पर लॉजिस्टिक समस्या न हो। चिकित्सा अनुभाग सक्रिय रहा और पाठ्यक्रम टीम तथा डॉक्टरों द्वारा समय पर परामर्शी मेमो और जाँच द्वारा सुनिश्चित किया गया कि पाठ्यक्रम

के दौरान कोई भी प्रशिक्षु अधिकारी गंभीर रूप से बीमार न हो। वास्तव में, पाठ्यक्रम के दौरान किसी भी समय चिकित्सा-समस्या संबंधी कोई भी समस्या नहीं हुई।

भारत दर्शन के संबंध में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा देश के सभी संवर्गों के मुख्य सचिवों को सूचित किया गया कि जब प्रशिक्षु अधिकारी को सर्दियों में शीतकालीन अध्ययन दौरे पर जाएंगे तब उन्हें सात सप्ताह की अवधि के लिए जिला प्रशिक्षण से कार्यमुक्त किया जाए।

प्रारंभ

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2020-22 बैच) का उद्घाटन समारोह

21 दिसंबर, 2020 को पूरे दिन कार्यक्रम चला। रॉयल भूटान सिविल सर्विस के तीन प्रशिक्षु अधिकारियों सहित 182 प्रशिक्षु अधिकारियों वाले इस कोर्स का उद्घाटन श्री पी.के. सिन्हा, माननीय प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार द्वारा किया गया, उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपने और कुछ अन्य अधिकारियों के अनुभव साझा किए और प्रशिक्षु अधिकारियों को अनुभव से शिक्षा प्राप्त करने के लिए व्यापक परिवेश दिया। सामान्य सेवा में विशेषज्ञता की आवश्यकता के उनके विचारपूर्ण मूल्यांकन से प्रशिक्षु अधिकारियों को यह समझने में सहायता मिली कि एकीकृत दृष्टिकोण और गहन चिंतन-मनन की क्षमता, दोनों विशेषताएं एक आईएएस अधिकारी मे अपेक्षित हैं। दोपहर के उद्घाटन से पूर्व आईएएस परिप्रेक्ष्य पर पैनल चर्चा हुई। इस चर्चा के प्रत्येक पैनल में एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, एक मध्यम स्तर की वरिष्ठता वाले आईएएस अधिकारी और एक लगभग छः से दस वर्ष की सेवा वाले आईएएस अधिकारी शामिल थे। इसका उद्देश्य कार्य और जीवन, सेवा की धारणा में बदलाव, आईएएस से राज्य और सिविक सोसाइटी द्वारा अपेक्षित प्रतिक्रिया में परिवर्तन के पहलुओं पर

और अंततः भाईचारे की भावना पर चर्चा करना था जिससे कि वे मुसीबत में एक-दूसरे के साथ खड़े हो सकें, विशेष रूप से जब कनिष्ठ अधिकारी अपने सिद्धांतों पर अटल रहने के बावजूद किसी मुसीबत का सामना कर रहे हों। इस कोर्स में 129 पुरुष प्रशिक्षु अधिकारी और 53 महिला प्रशिक्षु अधिकारी थे और हमारा प्रयास यह रहा कि सिविल सेवा के नैतिक आदर्शों को समझने में उनकी सहायता करें तथा हमने उनमें हर जेंडर, निशक्तजन के प्रति सम्मान की भावना, तथा समानता के सिद्धांत को भी विकसित किया।

लक्ष्य और विशेष ध्यान

और इस प्रकार हम आईएएस 2020 बैच के फेज-1 कोर्स पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने तथा इसके उद्देश्य की ओर अग्रसर होते हैं। सदैव ईमानदार रहना, आगामी कठिन जीवन के लिए तैयार रहना, व्यक्तिगत कारणों से नहीं बल्कि जनहित में चुनौतियों का सामना करना, कानून-व्यवस्था जैसी स्थितियों में, हस्तक्षेप करने के लिए मौका देखना और सही समय की प्रतीक्षा करना, टीम के सदस्य के रूप में, अपने कनिष्ठों को प्रोत्साहित करना, उनकी सहायता के लिए उस समय खड़ा होना जब उन्होंने न्यायपूर्ण और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य किया हो, एक मिसाल पेश करना, पूर्व में किए गए अच्छे कामों की सराहना करना, सेवा के मूल्यों को मजबूत बनाना और इस बात को महसूस करना कि सेवा का निर्माण जनहित के नैतिक मूल्यों के आधार पर किया गया है, यह बात याद रखना कि सबसे कमजोर व्यक्ति की आवश्यकता सबसे महत्वपूर्ण है, अपने अधिकार क्षेत्र को ध्यान में रखना और पूरे कार्य को समझना, संक्षेप में, आत्म-सम्मान, दूसरों के प्रति सम्मान, सीखने के लिए विनम्रता और सत्यनिष्ठा को सबसे अधिक महत्व देना हमारा मुख्य उद्देश्य है।

शैक्षणिक और पाठ्येतर संरचना

सभी गतिविधियों के सार्थक समायोजन के उद्देश्य से पाठ्यक्रम टीम ने तीन स्तंभों-शैक्षणिक, पाठ्येत्तर संबंधी गतिविधियों और पीयर लर्निंग के आधार पर पाठ्यक्रम की संरचना तैयार की। शारीरिक प्रशिक्षण पूरे पाठ्यक्रम की रूपरेखा का महत्वपूर्ण भाग था और इसे अनुशासन के आधार पर बनाया गया था जिसे अकादमी हमेशा युवा प्रशिक्षुओं में विकसित करने का दृढ़ संकल्प रखती है।

शैक्षणिक विषय में विधि, राजनीति विज्ञान और भारत का संविधान, लोक प्रशासन, भारतीय इतिहास, अर्थशास्त्र, प्रबंधन और आईटी शामिल थे। सत्र आंतरिक संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित किए गए जिन्होंने क्षेत्र तथा विभागों में अपने अनुभव का उपयोग प्रशिक्षु अधिकारियों को बुनियादी स्तर पर सलाह देने के लिए किया, जैसे कि दंड प्रक्रिया संहिता के विशिष्ट निवारक भागों की जानकारी दी गई, इस प्रकार निरंतर ज्ञान को साझा करने के साथ-साथ इस परंपरा को बनाए रखा गया। अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा भी सत्र लिए गए जिनका चयन उनकी विशेषज्ञता, नवीनता लाने की योग्यता और अच्छी परंपरा

को बनाए रखने की योग्यता के आधार पर किया गया था, जिससे सकारात्मक बदलाव लाया जाए। उदाहरण के लिए, हमारे अतिथि वक्ताओं में अपर सचिव, गृह, श्री विवेक भारद्वाज, संयुक्त सचिव, नागरिक विमानन मंत्रालय, सुश्री उषा पाधी, वैज्ञानिक और उद्यमी सम्मिलित थे जिन्होंने सामाजिक मार्केटिंग पर व्याख्यान दिए, इसके अलावा श्री सोनम वांगचुक जैसे इनोवेटर्स और भारतीय पुलिस सेवा जैसी सेवाओं के अधिकारी शामिल रहे। इस सेवा के अधिकारी श्री आशीष गुप्ता ने दंड प्रक्रिया संहिता के निवारक खंडों पर व्याख्यान दिए, जो आंतरिक संकाय द्वारा लिए गए कुछ सत्रों के पूरक थे। उन्होंने इतिहास के बारे में बताया कि ये खंड, उपाख्यान और कानून कैसे बने एवं प्रशिक्षु अधिकारियों को काफी प्रभावित किया। हमारे अतिथि वक्ताओं में मनु पिल्लई जैसे इतिहासकार भी थे जिनका विश्लेषण गहन था तथा उन्होंने कई प्रश्न पूछे और प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श कराया। ऐसे अधिकारी भी उपस्थित थे जो आईएएस से सेवानिवृत्त हुए थे, उदाहरण के लिए, श्री रवि कपूर और श्री सी. चंद्रमौली ने व्याख्यान दिए जिनका परामर्श तीन दशकों से भी ज्यादा समय तक अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

शारीरिक प्रशिक्षण

सुबह की गतिविधियों में योग, जिमनैजियम वर्क आउट, ज़ुम्बा, एरोबिक्स, बैडमिंटन, टेनिस और साइकिलिंग को शामिल किया गया। हालांकि प्रशिक्षु अधिकारी सुबह की सैर के लिए भी पोलो ग्राउंड जा सकते थे (जो संयोगवश, फाउंडेशन कोर्स के दौरान भी उनके कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बन पाया), फिर भी उनके लिए छोटे-छोटे समूह में इन गतिविधियों में भाग लेना अनिवार्य था। आस-पास के स्थानीय ट्रेक से बैच के साथियों के बीच अच्छे संबंध बने और उनमें सहयोग एवं नेतृत्व की भावना का विकास हुआ।

पाठ्येत्तर गतिविधियां और आंचलिक दिवस

अनेक पाठ्येत्तर गतिविधियां आयोजित की गई जिनसे प्रशिक्षु अधिकारी स्वयं में कलाकार, संगीतकार, शेफ, मार्शल आर्ट जैसी प्रतिभाओं को उभारने में व्यक्ति का पता लगाने के लिए सक्षम हुए। इन गतिविधियों में इन्सट्रूमेंटल और वोकल संगीत, स्केचिंग तथा पेंटिंग, नृत्य, आयुर्वेदिक पाक कला, मार्शल आर्ट सम्मिलित थे। राज्यों की संस्कृति और व्यंजनों का उत्सव मनाया गया, इस दौरान भूटान के प्रशिक्षुओं सहित सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को अपनी परंपराओं, पोशाक, व्यंजन और सजावट के प्रदर्शन का गौरव प्राप्त हुआ। प्रशिक्षु अधिकारियों ने वाद-विवाद, कविता पाठ संध्या, क्षेत्रीय भाषाओं, हिंदी और अंग्रेजी में काव्य प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उन्होंने सआदत हसन मंटो द्वारा रचित टोबा टेक सिंह जैसे मार्मिक नाटकों के माध्यम से अपने बैचमेट्स और संकाय सदस्यों का मनोरंजन किया।

साहित्य महोत्सव

कई प्रशिक्षु अधिकारी पढ़ने और लिखने में रुचि रखते हैं, दो प्रशिक्षु अधिकारी सुश्री अनु जोशी और श्री प्रत्यूष पांडेय ने पुस्तक लेखन का परिचय दिया। साहित्य महोत्सव में वाद-विवाद, चर्चा और कविता पाठ

संध्याओं का आयोजन किया गया जिसने पाठ्यक्रम की गतिशीलता बनाए रखी। अतिथियों में सेवारत और सेवानिवृत्त सिविल सेवक, आंतरिक संकाय सदस्य और तत्कालीन निदेशक, डॉ. संजीव चोपड़ा शामिल थे, जिन्होंने स्वयं उत्सव के आयोजन में प्रशिक्षु अधिकारियों और संकाय सदस्यों के प्रयासों को आगे बढ़ाया। मसूरी के सुप्रसिद्ध लेखक, श्री गणेश सैली ने भी पहले दिन साहित्य महोत्सव में भाग लिया।

पीयर लर्निंग

हमने प्रशिक्षु अधिकारियों के समूह बनाने का प्रयोग किया जो कानून और प्रबंधन के छात्र थे या जिनकी किसी विषय में विशेष रुचि या ज्ञान प्राप्त था और जिन्होंने अन्य प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ सत्रों का आयोजन किया। इसका परिणाम पाठ्यक्रम के अंत में देखने को मिला। पहली बात यह कि प्रशिक्षु अधिकारियों को संकाय सदस्यों और अतिथि वक्ताओं को सुनने से छूट मिली और कभी-कभी वे अपने साथियों से बात करते समय उन्हें अधिक ध्यान से सुनते थे। दूसरी यह कि कुछ प्रशिक्षु अधिकारियों ने अपनी फीडबैक में कहा कि वे अपने साथियों की तरह स्वयं को अनुभवी महसूस करते हैं और इसलिए यदि संकाय सदस्यों या अतिथि वक्ताओं द्वारा पढ़ाया जाता है तो वे अधिक जानकारी प्राप्त करेंगे। इससे वे सोचने, बोलने तथा सभी आयु और सभी प्रकार के अनुभव का सम्मान करने के लिए बाध्य हुए।

उत्तराखंड भ्रमण

प्रशिक्षु अधिकारियों को जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क और ऋषिकेश के चार दिवसीय दौरे पर ले जाया गया, जहां उन्होंने रिवर राफ्टिंग की और गंगा के एक्वामरीन पानी में समय बिताया। वहाँ पर कई बाघ देखे गए और प्रशिक्षु अधिकारियों को जानवरों के साथ समय व्यतीत करने और साथ ही कैंपस में लंबे समय तक रहने के बाद, भारत दर्शन पर गए बिना और ब्लॉक लीव छूट के बिना मनोबल और उत्साह को बनाए रखने का अवसर मिला।

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2020-22 बैच) के दौरान पुरस्कार वितरण

यह कोर्स 26 मार्च, 2021 को समाप्त हुआ, जिसमें लगभग 150 अतिथि वक्ताओं की मेजबानी की गई और प्रशिक्षु अधिकारियों को कोविड से बचाकर स्वस्थ रखा गया और उन्हें जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा गया। कोर्स टीम ने प्रशिक्षु अधिकारियों को अनुशासन में रहना और इस बात को हमेशा याद रखना सिखाया कि वे अपने सिर को ऊंचा रखने के साथ-साथ विनम्रता ज्ञानार्जन के लिए जरूरी है। समापन के दौरान निदेशक, डॉ. संजीव चोपड़ा ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया।

अतिथि वक्ता

- श्री विवेक भारद्वाज, आईएएस, अपर सचिव (पीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार
- श्री अमित कुमार घोष, आईएएस, संयुक्त सचिव, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार
- सुश्री उषा पाधी, आईएएस, संयुक्त सचिव (यू), नागरिक विमानन मंत्रालय, भारत सरकार
- श्री तेजवीर सिंह, आईएएस, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, पंजाब
- श्री धवल जैन, आईएएस, प्रबंध निदेशक, पश्चिम बंगाल कृषि विपणन निगम लिमिटेड
- डॉ. सी. के. मैथ्यू, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य सचिव, राजस्थान और विजिटिंग प्रोफेसर, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय
- श्री नितिन कुमार यादव, आईएएस, महानिदेशक, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, हरियाणा
- श्री तरनजोत सिंह, आईएएस, विकास उपायुक्त, डीआरडीए कार्यालय, कलेक्टरेट सीतामढ़ी, बिहार
- डॉ. सी. चंद्रमौली, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय, भारत सरकार

- डॉ. विशाल आर, आईएएस, आयुक्त, ग्रामीण पेयजल और स्वच्छता विभाग, कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड कॉम्प्लेक्स, बेंगलुरु
- श्री कुमेर-उल-ज़मान चौधरी, आईएएस, आयुक्त, जोधपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
- श्री विजय किरण आनंद, महानिदेशक, स्कूली शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
- न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया, भिलंगना प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनीताल
- श्री डी. कृष्ण भास्कर, आईएएस, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट विद्यानगर, तेलंगाना
- श्री एस. चोकलिंगम, आईएएस, सेटलमेंट आयुक्त और भू-अभिलेख निदेशक, पुणे
- श्री बुदिति राजशेखर, आईएएस, प्रधान सचिव, स्कूली शिक्षा, आंध्र प्रदेश, वेलगापुडी
- श्री आमोद कुमार, आईएएस, प्रधान सचिव, योजना विभाग, योजना भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- सुश्री प्रियंका निरंजन, आईएएस, विशेष सचिव, सिंचाई और जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार
- श्री दिव्यांशु पटेल, आईएएस, संयुक्त मजिस्ट्रेट, जिलाधिकारी कार्यालय, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश
- श्री मल्लेपल्ली लक्ष्मैया, अध्यक्ष, दलित अध्ययन केंद्र, तेलंगाना
- श्री मुनीश मौदगिल, आईएएस, सचिव, डीपीएआर (प्रशासनिक सुधार), बेंगलुरु
- डॉ. बागडी गौतम, आईएएस, उपायुक्त और जिला मजिस्ट्रेट, चिक्कमगलुरु जिला, कर्नाटक
- सुश्री वी. ललिता लक्ष्मी, आईएएस, निदेशक, उपभोक्ता वस्तु, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, कोलकाता
- सुश्री जसप्रीत तलवार, आईएएस, प्रधान सचिव, जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग, पंजाब सरकार
- श्री अमरजीत सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त) प्रधानमंत्री के सलाहकार, प्रधानमंत्री कार्यालय
- डॉ. शाहिद इकबाल चौधरी, आईएएस, उपायुक्त, श्रीनगर
- सुश्री नेहा सिंह, जिला विकास अधिकारी, तापी, गुजरात
- श्री अतहर आमिर उल शफी खान, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, जयपुर
- श्री सी. श्रीधर, आईएएस, संयुक्त सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय
- श्री प्रबीर कुमार नायक, ओएएस (एस), परियोजना निदेशक, कोरापुट, डीआरडीए कोरापुट, ओडिशा
- श्री. एस. हरिकिशोर, आईएएस, कार्यकारी निदेशक, कुदुम्बश्री राज्य मिशन कार्यालय, तिरुवनंतपुरम
- श्री प्रशांत नरनावरे, आईएएस, आयुक्त समाज कल्याण, पुणे
- डॉ. राम कुमार ककानी, प्रोफेसर, आईआईएम को झीकोड
- सुश्री वर्षा जोशी, आईएएस, संयुक्त सचिव (सीडीडी), कृषि भवन, नई दिल्ली
- श्री गगनदीप सिंह बेदी, आईएएस, कृषि उत्पादन आयुक्त और प्रधान सचिव, तमिलनाडु सरकार
- सुश्री प्रियंका शुक्ला, आईएएस, संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ सरकार

- प्रो. श्रीधर विश्वनाथ, सहायक प्रोफेसर, कार्यनीतिक प्रबंधन, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद (आईआरएमए)
- प्रो. राकेश अरावटिया, एसोसिएट प्रोफेसर, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद (आईआरएमए)
- श्री संजीव चड्ढा, आईएफएस, प्रबंध निदेशक, नेफेड, नई दिल्ली
- सुश्री शशांक आला, आईएएस, अपर सचिव, श्रम, रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता, मिजोरम सरकार
- श्री रवि कपूर, आईएएस (सेवानिवृत्त), नई दिल्ली
- सुश्री निशा अनंत, सीडीओ, बदायूं, उत्तर प्रदेश
- डॉ. पी.सी. जाफर, आईएएस, सचिव (व्यय), कर्नाटक सरकार
- डॉ. हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर
- डॉ. आर. एस. प्रवीण कुमार, आईपीएस, सचिव, तेलंगाना समाज कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी
- श्री संदीप दत्त, स्कूल इम्प्रूवमेंट कोच, लर्निंग फॉरवर्ड इंडिया फाउंडेशन
- श्री उदित प्रकाश राय, आईएएस, निदेशक, शिक्षा निदेशालय, शिक्षा निदेशक (डीओई), नई दिल्ली
- सुश्री कामायनी जोशी, टीजीटी अंग्रेजी, राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, हरि नगर, दिल्ली
- सुश्री सौम्या गुप्ता, आईएएस, सचिव, उच्च शिक्षा, त्रिपुरा सरकार
- श्री रंजीतसिंह डिसाले, अलीपुर रोड, शिवाजी नगर, सोलापुर
- श्री सोनम वांगचुक, वास्तुकार, आईस स्तूप, लद्दाख
- सुश्री मेरलिया शौकत, सीईओ, माधी फाउंडेशन
- श्री मोहम्मद रोशन, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, हावेरी, कर्नाटक
- श्री जटाशंकर, आईएएस, विशेष सचिव एवं निदेशक माध्यमिक शिक्षा, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विकास विभाग, रांची, झारखंड
- श्री रोहन चंद ठाकुर, आईएएस, आयुक्त, राज्य कर और उत्पाद शुल्क, एमडी, कौशल विकास निगम, एमडी, हिमाचल प्रदेश वित्तीय निगम, हिमाचल प्रदेश सरकार
- श्री के. जी. जगदीश, आईएएस, सीईओ और सचिव, कॉफी बोर्ड, भारत सरकार
- डॉ. रुक्मिणी बनर्जी, सीईओ प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन, नई दिल्ली
- श्री अजीत बालाजी जोशी, आईएएस, महानिदेशक, उच्च और तकनीकी शिक्षा, हरियाणा सरकार
- डॉ. सुरेश कुमार, निदेशक, डब्ल्यूएचओ कोलैबोरेटिंग सेंटर फॉर कम्युनिटी पार्टिसिपेशन इन पैलिएटिव केयर एंड लॉन्ग टर्म केयर एंड टेक्निकल एडवाइजर, इंस्टिट्यूट ऑफ पैलिएटिव मेडिसिन, कालीकट
- श्री अरुण बरोका, आईएएस, अपर सचिव (एसबीएम और सीवीओ), पेयजल और स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार
- श्री प्रदीप कुमार जेना, आईएएस, ग्रामीण विकास विभाग, ओडिशा सरकार

- सुश्री अपर्णा गुप्ता, आईएएस, एसडीएम बड़गांव कार्यालय, उदयपुर, राजस्थान
- सुश्री पुष्प लता, आईएएस, सहायक कलेक्टर, भावनगर, गुजरात
- श्री ऋषि राज, आईएएस, संयुक्त मजिस्ट्रेट/एसडीएम मैनपुरी, उत्तर प्रदेश
- सुश्री नेहा व्यास, वरिष्ठ पर्यावरण विशेषज्ञ, विश्व बैंक
- श्री जी. श्रीहरि, सामाजिक विकास विशेषज्ञ, विश्व बैंक
- श्री कृष्ण प्रकाश, आईपीएस, पुलिस आयुक्त, पिंपरी-चिंचवाड़, महाराष्ट्र
- सुश्री सौम्या शर्मा, सब डिवीजन मजिस्ट्रेट कार्यालय (कांझावाला), नई दिल्ली
- श्री फजलुल हसीब, हाउस नंबर 24 सी, गवर्नमेंट क्वार्टर्स, एसडीपीओ कार्यालय के पीछे, गांधी नगर, जम्मू
- श्री ऋतुराज चौधरी, एसडीएम निवास, गोड्डा, झारखंड
- श्री मिहिर मनकड, प्रोफेसर, प्रेक्टिस, लीडरशिप कम्युनिकेशन, टफ्ट्स विश्वविद्यालय
- जी.एस.समीरन, आईएएस, जिला कलेक्टर तेनकासी, तमिलनाडु
- सुश्री कीर्ति तिवारी, आईआईएस, राष्ट्रपति की उप प्रेस सचिव, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली
- श्री सौरभ सिंह, आईआईएस, उप निदेशक (आर एंड सी), सोशल मीडिया सेल, प्रेस सूचना ब्यूरो
- श्री के. एस. धतवालिया, आईआईएस, प्रधान महानिदेशक, प्रेस सूचना ब्यूरो
- श्री सबाहत अजीम, आईएएस (सेवानिवृत्त), सीईओ और संस्थापक ग्लोकल हेल्थ केयर प्रा. लिमिटेड
- प्रो. (डॉ.) हिताशी लोमश, संकाय सदस्य, सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली
- श्री कृष्ण गोपाल तिवारी, अपर आयुक्त (जनजाति कल्याण), मध्य प्रदेश सरकार
- श्री अकुन सभरवाल, आईपीएस, कैबिनेट सचिवालय
- डॉ. अमर केजेआर नायक, प्रोफेसर, कार्यनीतिक प्रबंधन, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर
- श्री आलोक मिश्रा, आईआईएस, उप महानिदेशक (डीएमईओ), नीति आयोग, नई दिल्ली
- श्री निशांत वारवाड़े, आईएएस, आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा, मध्य प्रदेश सरकार
- श्री दीप जॉय, आईआईएस, प्रेस सूचना ब्यूरो
- डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, माननीय सांसद, राज्य सभा, और अध्यक्ष, आईसीसीआर, भारत सरकार (नेटग्रिड)
- श्री आशीष गुप्ता, आईपीएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय आसूचना ग्रिड (NATGRID), गृह मंत्रालय, भारत सरकार
- श्री कृष्ण मोहन उप्पू, आईएएस, उप सचिव (एनई - III), गृह मंत्रालय, भारत सरकार
- डॉ. ज्ञानेंद्र बड़गैयां, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, नई दिल्ली
- श्री अभिषेक सिंह, आईएएस, अध्यक्ष और सीईओ, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन और सीईओ, माइ गॉव
- डॉ. के. सत्यगोपाल, आईएएस (सेवानिवृत्त), विशेषज्ञ सदस्य, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल
- सुश्री तिलोतमा वर्मा, आईपीएस, अपर निदेशक, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो

- श्री अंकुर बिसेन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, खुदरा और उपभोक्ता उत्पाद प्रभाग, टेक्नोपार्क, गुड़गांव
- श्री कार्तिकेय मिश्रा, आईएएस, विशेष सचिव, वित्त विभाग, आंध्र प्रदेश सचिवालय और प्रबंध निदेशक, आंध्र प्रदेश राज्य वित्त निगम, आंध्र प्रदेश सरकार
- सुश्री रितु सेन, आईएएस, संपदा निदेशक-I, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
- सुश्री पे. अमुधा, आईएएस, संयुक्त सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय
- श्री रजत कुमार, आईएएस, जनगणना संचालन निदेशक, छत्तीसगढ़
- श्री गौरांग राठी, आईएएस, नगर निगम आयुक्त, वाराणसी नगर निगम
- श्री अविनाश लवानिया, आईएएस, कलेक्टर एवं जिलाधिकारी, भोपाल
- श्री राजेश भूषण, आईएएस, सचिव, परिवार और स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
- डॉ. वी. के. पॉल, सदस्य (स्वास्थ्य), नीति आयोग
- डॉ. सिद्धार्थ शिव जायसवाल, आईएएस, नगर निगम आयुक्त, अगरतला
- सुश्री गरिमा अग्रवाल, आईएएस, सहायक कलेक्टर (यूटी), यादाद्री-भुवनगिरी, तेलंगाना
- सुश्री निधि सिवाच, आईएएस, सुपरन्यूमिरेरी सहायक कलेक्टर (यूटी), कच्छ-भुज
- सुश्री श्रीलक्ष्मी आर, आईएएस, सहायक कलेक्टर (यू/टी), कन्नूर, केरल
- श्री सी.ए. ऋषभ, आई.ए.एस, सहायक कलेक्टर (यू/टी), जिला कलेक्टरेट नागरकोइल, कन्याकुमारी, तमिलनाडु
- श्री मनीष मीणा, आईएएस, सहायक कलेक्टर/सहायक मजिस्ट्रेट (यू/टी), वाराणसी छावनी
- श्री चमन लाल, आईपीएस (सेवानिवृत्त)
- श्री के. के. वेणुगोपाल, भारत के महान्यायवादी
- श्री विवेक भारद्वाज, आईएएस, अपर सचिव (पीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार
- श्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री, जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
- डॉ. पल्लब साहा, मुख्य वास्तुकार, द ओपन ग्रुप और अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ एंटरप्राइज आर्किटेक्ट्स (इंडिया)
- श्री भास्कर खुल्बे, आईएएस (सेवानिवृत्त), प्रधानमंत्री के सलाहकार, प्रधानमंत्री कार्यालय
- श्री रजनी कांत, जीआई विशेषज्ञ, वाराणसी
- डॉ. प्रेम सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त), नई दिल्ली
- सुश्री निधि शर्मा, आईआरएस, सीआईटी (सतर्कता), सीबीडीटी, डीओआर, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार
- डॉ. आदित्य दहिया, आई.ए.एस., उपायुक्त, जींद, हरियाणा
- सुश्री नयनतारा जैन, कार्यकारी निदेशक, रीफवॉच मरीन कंजर्वेशन, बेंगलुरु
- सुश्री कात्यायनी संजय भाटिया, आईआरएस, सहायक आयकर आयुक्त (यूटी)
- सुश्री अशरफ पटेल, सह-संस्थापक, कॉमम्यूटीनी-द यूथ कलेक्टिव, नई दिल्ली

- श्री सुजय सांत्रा, संस्थापक और सीईओ-इकूर, कोलकाता
- श्री ललित गुप्ता, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व कलेक्टर, चुरू
- श्री राहुल बरहट, आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक, राजस्थान
- श्री आर.एस.मणि, उप महानिदेशक, प्रमुख, नेटवर्क योजना और लेखा परीक्षा, एनआईसी-सीईआरटी डिविजन, नेटवर्क सर्विसेज़ डिविजन, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) मुख्यालय, नई दिल्ली
- सुश्री सीमा खन्ना, उप महानिदेशक, अध्यक्ष, संदेश और एसएमएस सेवाएं और आरोग्य सेतु परियोजना राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) मुख्यालय, नई दिल्ली
- सुश्री श्रुति कौशिक, सहेली ट्रस्ट, हिमालयन अकादमी, देहरादून
- सुश्री सौजन्या, आईएएस, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड
- डॉ. श्रीवत्स कृष्ण, आईएएस, सीईओ और सचिव, भारतीय कॉफी बोर्ड
- श्री आदित्य महेश्वरन, प्रबंधन सलाहकार, ग्लोबल कंसल्टिंग फर्म
- बिभु प्रसाद आचार्य, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक, एमसीआरएचआरडी, तेलंगाना
- श्री श्रीनिवास रामास्वामी कटिकिथाला, आईएएस, स्थापना अधिकारी एवं अपर सचिव, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली
- प्रोफेसर मकरंद आर. परांजपे, निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, शिमला
- डॉ. चिन्मय उप पंड्या, उप कुलपति/अध्यक्ष, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, गायत्री कुंज-शांति कुंज, हरिद्वार
- श्री पार्थ घोष, वरिष्ठ फेलो, सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- श्री मनीष सभरवाल, सह-संस्थापक और अध्यक्ष, टीमलीज सर्विसेज लिमिटेड, बेंगलुरु
- श्री पंकज जोशी, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग, गुजरात सरकार
- श्री रवि कैलाश, अध्यक्ष, मित्र एनर्जी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद
- श्री जी. के. बंसल, आईआरटीएस, वरिष्ठ प्रोफेसर, वाणिज्यिक प्रबंधन (एसपीसीएम), भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी, वड़ोदरा
- श्री निशांत जैन, आईएएस, निदेशक, पर्यटन, राजस्थान सरकार
- श्री गणेश सैली, लेखक, मसूरी
- श्री कुलधर सैकिया, आईपीएस (सेवानिवृत्त), गुवाहाटी
- सुश्री अनु जोशी, आईआरएस

2019 बैच का जिला प्रशिक्षण (53 सप्ताह)

जिला प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को जिला स्तर पर संपूर्ण गतिविधियों की जानकारी प्रदान करना है। सभी राज्यों के अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम होते हैं तथा तदनुसार, प्रशिक्षण की विभिन्न अटैचमेंट्स के लिए समय अवधि अलग-अलग हो सकती है। परंतु इन अटैचमेंट के दौरान, प्रशिक्षु

अधिकारी कलेक्टरेट के कार्य, राजस्व प्रशासन की प्रक्रियाओं, कार्यकारी मजिस्ट्रेट की भूमिका, केंद्र और राज्य प्रायोजित विभिन्न विकास योजनाओं और कार्यक्रमों, पुलिस तथा वन प्रशासन, अदालती कार्य तथा अन्य जिला स्तरीय विभागों के कार्यों से परिचित होते हैं। यद्यपि, अटैचमेंट्स की अवधि तथा निर्धारित कार्य की प्रकृति प्रत्येक राज्य में अलग-अलग हो सकती है, तथापि ये प्रशिक्षु अधिकारियों के फील्ड प्रशिक्षण के दौरान निम्नलिखित कार्यों की जानकारी प्राप्त करने में उपयोगी है।

- जिले में विभिन्न कार्यालयों तथा विभागों के साथ अटैचमेंट्स
- प्रशिक्षु अधिकारियों को स्वतंत्र प्रभार
- राज्य प्रशिक्षण संस्थान के साथ अटैचमेंट
- राज्य सचिवालय के साथ अटैचमेंट

प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए जिला प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक विभाग/यूनिट के साथ अटैचमेंट के दौरान निम्नलिखित विषयों को समझने का अवसर प्राप्त करना।

- विभाग में संगठनात्मक संरचना, भूमिकाएं तथा दायित्व
- विभाग को शासित करने वाले अधिनियमों एवं नियमों की बुनियादी जानकारी
- कार्यालय प्रक्रियाएं-फाइल, टिप्पणी तथा मसौदा लेखन की पद्धति को समझना, कार्यालय आदेश को तैयार करना तथा फाइल का संचलन
- बजट एवं लेखापरीक्षा-संसाधन आवंटन की प्रक्रिया, व्यय के दिशानिर्देश, अधिकारियों के पास निहित वित्तीय शक्तियों और लेखापरीक्षा की प्रक्रिया और उसकी क्रम व्यवस्था को समझना
- कार्यक्रम कार्यान्वयन, मॉनिटरिंग तथा रिपोर्ट की पद्धति

जिला प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को निम्नलिखित कार्यों को भी समझना होता है:

- दो माह में एक बार अर्ध शासकीय (अ.शा.) पत्रों का मसौदा तैयार करना
- ग्रामीण अध्ययन असाइनमेंट एवं भू-राजस्व असाइनमेंट
- तहसीलदार सर्वेक्षण असाइनमेंट
- ईंट भट्ठा असाइनमेंट/प्रवासी श्रम असाइनमेंट/भौगोलिक संकेत असाइनमेंट
- अकादमी द्वारा सौंपे गए विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर शोध निबंध रिपोर्ट
- अदालती कार्य असाइनमेंट
- भाषा असाइनमेंट

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स, फेज़-II (6 सप्ताह ऑनलाइन)

हालांकि फाउंडेशन कोर्स तथा फेज़-I में सैद्धांतिक संकल्पनाएँ समझाई जाती हैं और जिला प्रशिक्षण के दौरान बुनियादी स्तर की वास्तविकताओं का अध्ययन कराया जाता है, फेज़-II कोर्स देशभर से प्राप्त अनुभवों को बांटने का समय होता है जब प्रशिक्षु अधिकारी भारत के अलग-अलग जिलों से अकादमी में लौटते हैं। फेज़-II कोर्स की विषय वस्तु प्रशासन के मामलों को समझने के लिए जिला प्रशिक्षण में राज्य स्तर पर वर्ष-भर प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा ज्ञानार्जन को समेकित करने तथा जिलों के अनुभवों से अवगत कराने के लिए तैयार की गई है। इसके जरिए प्रशिक्षु अधिकारी अपने करिअर के आरंभिक वर्षों में आने वाली समस्याओं तथा परिस्थितियों से अवगत होते हैं।

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स, फेज़-II (2018-20 बैच)

(06 जुलाई, 2020 से 07 अगस्त 2020)

कार्यक्रम का लक्ष्य/समूह	नवनियुक्त आई.ए.एस. प्रशिक्षु अधिकारी
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री एन. के. सुधांशु, प्रोफेसर
एसोसिएट पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री मोनिका धामी, उप निदेशक (वरिष्ठ) श्री मनोज वी. नायर, उप निदेशक (वरिष्ठ) सुश्री अलंकृता सिंह, उप निदेशक सुश्री गौरी पराशर जोशी, उप निदेशक डॉ. मिलिंद रामटेके, उप निदेशक
समापन कार्यक्रम के दौरान संबोधन	श्री एम. वेंकैया नायडू, भारत के उपराष्ट्रपति
प्रतिभागियों की कुल संख्या	185 (179 प्रशिक्षु अधिकारी 2018 बैच, 2017 बैच से 03 और आरबीसीएस से 03) (पुरुष- 135; महिला-50)

आई.ए.एस. फेज़-II (2018-2020 बैच) के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-5 में दिया गया है।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-II में प्रशिक्षु अधिकारियों को व्यापक विषयों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे पहले दस साल की सेवा में विभिन्न तरह के कार्यभार संभालने में सक्षम हो सकें।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- जिला प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त व्यक्तिगत तथा सामूहिक अनुभवों के विश्लेषण और उसके विश्लेषण के लिए संरचित दृष्टिकोण अपनाना।
- कार्यालय एवं मानव संसाधन प्रबंधन के व्यावहारिक विषय पर बल
- राजनीतिक अर्थशास्त्र, सार्वजनिक सेवा सुपुर्दगी प्रणाली तथा विधि में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना।
- प्रशासनिक, प्रबंधकीय तथा आईसीटी कौशल में निखार लाना।
- संवर्ग की क्षेत्रीय भाषा में दक्षता हासिल करना।
- नेतृत्व भूमिका के लिए प्रगतिशील मूल्यों एवं प्रवृत्तियों को अपनाना तथा उन पर अमल करना।
- श्रेष्ठ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं की जानकारी प्रदान करना।
- अधिकारियों को उत्तम स्वास्थ्य एवं उच्च स्तरीय तन्दरुस्ती को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- परिसर में सक्रिय जीवन के माध्यम से बैच के अंदर सौहार्द एवं एकता का विकास करना।

पाठ्यक्रम का डिजाइन

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-।। में प्रशिक्षु अधिकारियों की प्रवृतियों, ज्ञान और कौशलताओं को निखारने तथा प्रशिक्षु अधिकारियों में उनकी संभावनाओं को महसूस कराने का प्रयास किया जाता है। यह पाठ्यक्रम फाउंडेशन और आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I से काफी अलग है जिसमें प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशासनिक सिद्धांत, आरंभिक दक्षताओं के बुनियादी ज्ञान तथा सरकारी स्कीमों और कार्यक्रमों की जानकारी दी जाती है। इन 53 सप्ताह के कार्यक्रमों में प्रशिक्षु अधिकारियों को जिला प्रशासन के विभिन्न अत्याधुनिक पहलुओं के कार्यकरण का अनुभाव दिलाया गया और कार्यक्रम के डिजाइन तथा फेज़-।। की संरचना पर प्रशिक्षु अधिकारियों से सुझाव मांगे गए तथा उनसे प्राप्त सुझावों के आधार पर कार्यक्रम का डिजाइन तैयार किया गया। इसमें समूह द्वारा किए गए उन सत्रों, परिचर्चाओं और सेमिनारों को शामिल किया गया जब उन्होंने मुख्य रूप से क्षेत्र में रहते हुए कमियों को चिह्नित किया था।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

06 जुलाई, 2020 को आरंभ फेज़-II कार्यक्रम में पहले से काफी परिवर्तन देखे गए। ये परिवर्तन पिछले फेज़-II कार्यक्रमों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर तथा लोक प्रबंधन कार्यक्रम में जे.एन.यू. की मास्टर्स

डिग्री के कारण भी किए गए थे। प्रशिक्षु अधिकारियों को एक दूसरे से शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारियों को अपनी रूचि के विषयों में अपनी जानकारियों का पीपीटी प्रस्तुत करना था। यह भी सुनिश्चित किया गया कि कक्षा में प्रस्तुतियों के किसी भी विषय को दोहराया न जाए।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दौरान देश के कुछ श्रेष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत के द्वारा प्रभावी अधिकारी बनने की पूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होंने डीएम, सीईओ (जेडपी) तथा नगर निगम आयुक्तों के साथ बातचीत की। प्रभावी एसडीओ सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें प्रशिक्षु अधिकारियों के कुछ वरिष्ठ साथियों के साथ बातचीत पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

इस समूह ने कक्षा से इतर कार्यक्रमों में काफी रूचि दिखाई तथा संध्या एवं सप्ताहांत कार्यक्रमों से सराबोर रहे। यथा उल्लिखित, इस पाठ्यक्रम का मुख्य जोर अनुभव का आदान-प्रदान तथा विश्लेषण के माध्यम से परस्पर ज्ञान प्राप्त करना है। सभी के द्वारा पीपीटी के प्रस्तुतीकरण के बजाय केवल निश्चित विषय तथा प्रकरण चुने गए थे जिनसे परिचर्चा संचालकों के रूप में सत्र का उद्देश्य पूरा हो सके। प्रस्तुति सत्रों को संकाय सदस्यों तथा/अतिथि वक्ताओं द्वारा परिमार्जित किया गया। यह पहला बैच था जिसने जेएनयू से लोक प्रबंधन में मास्टर डिग्री प्राप्त की जिसके लिए उन्होंने शोध-प्रबंध प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन बाह्य मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया गया।

प्रशिक्षु अधिकारियों का मूल्यांकन शोध-प्रबंध, कक्षा संवाद तथा कक्षा के दौरान या कक्षा के बाहर पाठ्यक्रम गतिविधियों में सहभागिता के आधार पर किया गया। सीखने की प्रवृत्ति, अनुशासन तथा सामान्य आचरण भी फेज़-।। में निदेशक के मूल्यांकन का आधार रहा।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा में ऐसे विषय शामिल थे जो उनकी सेवा के पहले 8 वर्षों में सार्थक, प्रासंगिक तथा उपयुक्त हैं।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- सुश्री स्मृति ईरानी, माननीय कपड़ा और महिला एवं बाल विकास मंत्री, नई दिल्ली
- श्री आचार्य देवव्रत, गुजरात के माननीय राज्यपाल
- श्री नीरज त्रिवेदी, प्रथम
- श्री रवि शंकर शुक्ल, डीसी पूर्व जमशेदपुर
- श्री नकुल कुमार, डीसी, बेल्लारी
- श्री ईशु सिंधु, आईपीएस, महाराष्ट्र

- श्री प्रवीण गेदम, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण
- श्री सबाहत अजीम, सीईओ, ग्लोकल हेल्थकेयर प्रा. लिमिटेड
- श्री मीर मोहम्मद, आईएएस, डीसी, कन्नूर
- श्री बिनॉय के. बहल, फिल्म निर्माता और इतिहासकार
- श्री रोहित कुमार सिंह, आईएएस, राजस्थान
- श्री पी.बी. नूह, आईएएस, केरल
- डॉ. प्रियंका शुक्ला, आईएएस, छत्तीसगढ़
- श्री शिरसत कपिल अशोक, आईएएस, बिहार
- सुश्री टीना डाबी, एसडीएम, भीलवाड़ा, राजस्थान
- सुश्री आर. मेनका, कलेक्टर उत्तरी गोवा, गोवा
- श्री. बी.एच. अनिल कुमार, आईएएस, कर्नाटक
- श्री समर्थ वर्मा, आईएएस, ओडिशा
- सुश्री एम. पल्लवी बलदेव, आईएएस, तमिलनाडु
- सुश्री आइरीन सिंथिया, आईएएस, मध्य प्रदेश
- सुश्री आर. विमला, आईएएस, महाराष्ट्र
- सुश्री एनी जॉय, आईएएस, कर्नाटक
- श्री मनीष कुमार
- श्री नंद कुमारम, मध्य प्रदेश
- श्री संतोष के मिश्रा
- श्री श्रीराम एस. शिव राव
- श्री प्रवीण परदेशी, आईएएस, महाराष्ट्र
- श्री पंकज कुमार, आईएएस, उत्तर प्रदेश
- श्री संजीव कुमार, आईएएस, नागपुर
- श्री प्रभजोत सिंह, आईएएस, हरियाणा
- श्री रघुराज राजेंद्रन, आईएएस, मध्य प्रदेश
- सुश्री शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना
- श्री डी. कृष्ण भास्कर, आईएएस, तेलंगाना
- श्री संजीव कुमार, राज्य कर आयुक्त (जीएसटी), महाराष्ट्र राज्य, मुंबई
- श्री शैलेश नवाल, आईएएस, डीसी, अमरावती, महाराष्ट्र
- श्री गजेंद्र नारवाने, उप वन संरक्षक, अमरावती
- श्री हरि बालाजी, एसपी, अमरावती महाराष्ट्र
- श्री अजीत बालाजी जोशी, आईएएस, हरियाणा

- सुश्री अमृता सिन्हा, पुलिस अधीक्षक, चूड़ाचांदपुर, मणिपुर
- श्री कुमार रवि, आईएएस, बिहार
- श्री आर्मस्ट्रांग पामे, आईएएस, मणिपुर
- श्री अयाज तंबोली, आईएएस, छत्तीसगढ़
- श्री दीपक अग्रवाल, आईएएस, उत्तर प्रदेश
- श्री पी. उमानाथ, आईएएस, तमिलनाडु
- श्री रतन केलकर, आईएएस, केरल
- श्री लक्ष्मणन, आईएएस, असमश्री मनोज कुमार, कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, बिहार
- श्री रथिन रॉय, निदेशक, एनआईपीएफपी, नई दिल्ली
- श्री प्रत्यय अमृत, प्रमुख सचिव, ऊर्जा विभाग, बिहार
- श्री आयुष गर्ग, आईएएस, अतिरिक्त उपायुक्त, प्रभारी तिताबार सिविल सब-डिवीजन, जिला जोरहाट, पिन:785630 (असम)
- श्री इंद्रजीत सिंह, आईएएस, जिला कलेक्टर, अलवर (राजस्थान)
- श्री उमेश एन.एस.के., आईएएस, कार्यकारी निदेशक, केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम एवं उप सचिव, उद्योग विभाग, केरल सरकार, तिरुवनंतपुरम (केरल)
- श्री ललित नारायण सिंह संदू, आईएएस, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत, बोटाद (गुजरात)
- श्री इंद्रजीत सिंह, आईएएस, संयुक्त मजिस्ट्रेट, इटावा (यूपी)
- श्री प्रशांत कुमार सी.एच., आईएएस, जिलाधिकारी, जिला अररिया (बिहार)
- डॉ. सूदम पंढरीनाथ खाड़े, आयुक्त, जनसंपर्क, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल
- श्री आदित्य दहिया, आईएएस, उपायुक्त, जींद, हरियाणा
- श्री अश्विन शेनवी, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जींद, हरियाणा
- रवि शुक्ला, लेफ्टिनेंट जनरल पी.जे.एस. पन्नू, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, डिप्टी चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (डीओटी), कश्मीर हाउस, राजाजी मार्ग, नई दिल्ली-110011
- श्री अशोक के. कांथा, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनिज़ स्टडीज़, दिल्ली
- श्री गौरांग राठी, आईएएस, नगर निगम आयुक्त, उत्तर प्रदेश सरकार, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- श्री अंकित कुमार, आईएएस, नगर निगम आयुक्त, राजस्थान सरकार, उदयपुर, राजस्थान
- श्री पी.एस. गिरीशा, आईएएस, नगर निगम आयुक्त, आंध्र प्रदेश सरकार, तिरुपति, आंध्र प्रदेश
- श्री बीनू फ्रांसिस, आईएएस, नगर निगम आयुक्त, केरल सरकार, कोझीकोड, केरल
- श्री सूरज येंगडे, फेलो, आईएआरए, हार्वर्ड केनेडी स्कूल
- सुश्री कल्पना अवस्थी, प्रधान सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार

- श्री अमित अग्रवाल, आईएएस, संयुक्त सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, छत्तीसगढ़
- श्री महिमापत राय, आईएएस, जिला कलेक्टर, रांची
- श्री रवि अरोड़ा, विदेश मंत्री के निजी सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- सुश्री रंजना चोपड़ा, आईएएस, महानिदेशक (प्रशिक्षण समन्वय), गोपाबंधु प्रशासन अकादमी, चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर, ओडिशा
- श्री परिमल सिंह, परियोजना निदेशक, महाराष्ट्र राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (एमएसएसीएस), एकवर्थ लेप्रोसी कंपाउंड अस्पताल, आरआर किदवई मार्ग, वडाला (पश्चिम), मुंबई-400031
- श्रीमती के.के. शैलजा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय मंत्री, केरल
- श्री राजशेखर वुंड्रू, आईएएस, प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार
- श्री नजमुल हुड्डा, आईपीएस, तमिलनाडु
- श्री दीपक रमोला, संस्थापक, प्रोजेक्ट फ्यूल
- श्री सुनील बरनवाल, एडिशनल मेंबर राजस्व बोर्ड, एचटीआई भवन, निकट गोल चक्कर, धुरवा, रांची, झारखंड
- श्री डॉ. इनोशी शर्मा, निदेशक, एफएसएसएआई, नई दिल्ली
- सुश्री स्वाति भारद्वाज, सलाहकार, एफएसएसएआई, नई दिल्ली
- डॉ. शिखा शर्मा, पोषण विशेषज्ञ, एफएसएसएआई, नई दिल्ली
- डॉ. जोशिता लांबा, सलाहकार, वर्ल्ड बैंक
- श्री राम सिंह, आईएएस, असम-मेघालय
- श्री सुरेन्द्र सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- डॉ. सी. चंद्रमौली, आईएएस, सचिव, डीओपीटी, नई दिल्ली
- श्री वरुण कप्पल, कार्यक्रम प्रबंधक, राजस्थान प्रवासन, तारा ट्रस्ट, जयपुर, राजस्थान
- श्री अंकुर बिसेन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, खुदरा और उपभोक्ता उत्पाद प्रभाग, गुड़गांव, हरियाणा
- श्री श्रीनिवास रामास्वामी कटिकिथाला, आईएएस, स्थापना अधिकारी और अपर सचिव, डीओपीटी, नई दिल्ली
- श्री विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, नई दिल्ली
- श्री विवेक भारद्वाज, अपर सचिव, गृह विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ. शीतल आमटे, सामाजिक उद्यमी, नई दिल्ली
- श्री रोहन चंद ठाकुर, आईएएस, निदेशक, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हिमाचल सरकार, शिमला, हिमाचल प्रदेश
- सुश्री आनंदी, आईएएस, जिला कलेक्टर, उदयपुर, राजस्थान
- श्री आयुष प्रसाद, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद पुणे, महाराष्ट्र
- सुश्री पामेला सत्पथी, आईएएस, आयुक्त, जीडब्ल्यूएमसी, वारंगल, तेलंगाना

- श्री आर. विनील कृष्णा, प्रबंध निदेशक ओडिशा खनन निगम, ओडिशा
- श्री एम.एच. खान, नई दिल्ली
- श्री आलोक मिश्रा, नई दिल्ली
- श्री रघुराम राजेंद्रन, आईएएस, मध्य प्रदेश
- डॉ. सी. चंद्रमौली, आईएएस, सचिव, डीओपीटी, नई दिल्ली
- श्री रवि कपूर, सचिव, कपड़ा मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली
- श्री धवल जैन, आईएएस, आयुक्त, हावड़ा, पश्चिम बंगाल
- श्री संदीप महात्म, आईएएस, डीएम और कलेक्टर, पश्चिम त्रिपुरा
- सुश्री उमा महादेवन, प्रधान सचिव, कर्नाटक
- श्री के.एम. सरयू, परियोजना निदेशक, पहाड़ी क्षेत्र विकास उद्योगमंडलम, नीलगिरी, तमिलनाडु
- सुश्री मानसी सहाय ठाकुर, आईएएस, निदेशक (ऊर्जा), ऊर्जा निदेशालय, हिमाचल प्रदेश
- सुश्री काजल, निदेशक, स्थानीय निकाय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- श्री भास्कर खुल्बे, प्रधानमंत्री के सलाहकार, प्रधानमंत्री कार्यालय, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली
- सुश्री सोना झरिया मिंज, सामाजिक कार्यकर्ता
- सुश्री अर्चना वर्मा, आईएएस, प्रधान सचिव, असम सरकार, गुवाहाटी
- श्री विजय किरण आनंद, आईएएस विशेष सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार
- श्री प्रबोध सक्सेना, प्रधान सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला

अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए फाउंडेशन कोर्स (10 सप्ताह)

यह पाठ्यक्रम अखिल भारतीय सेवाओं जैसे भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा और भारतीय विदेश सेवा एवं विभिन्न केंद्रीय सेवाओं (समूह-'क') के सदस्यों के लिए आयोजित किया जाता है। इसे अब साल में एक बार आयोजित किया जा रहा है। चूंकि प्रशिक्षु अधिकारी सरकार में नव नियुक्त होते हैं, इसलिए अकादमी सुनियोजित पाठ्यक्रम के माध्यम से उन्हें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक विषयों से परिचित कराने का प्रयास करती है।

95वां फाउंडेशन कोर्स

(12 अक्तूबर, 2020 से 18 दिसंबर, 2020 तक)

कार्यक्रम की तिथि	12 अक्तूबर, 2020 से 18 दिसंबर, 2020 तक
कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	अखिल भारतीय सेवाओं तथा विभिन्न केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) (रॉयल भूटान सेवाओं सहित) के नए भर्ती अधिकारी
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री विद्या भूषण, उप निदेशक
एसोसिएट पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री एन. के. सुधांशु, प्रोफेसर सुश्री मोनिका धामी, उप निदेशक (वरिष्ठ) सुश्री अलंकृता सिंह, उप निदेशक सुश्री गौरी पराशर जोशी, उप निदेशक डॉ. मिलिंद रामटेके, उप निदेशक डॉ. सुनीता रानी, प्रोफेसर
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री संजीव चोपड़ा, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
समापन समारोह के दौरान संबोधन	डॉ. जितेंद्र सिंह, राज्य मंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय) (ऑनलाइन)
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल-427 (पुरुष अधिकारी- 291; महिला अधिकारी- 136)

95वें फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-6 में दिया गया है।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य

95वें फाउंडेशन कोर्स का उद्देश्य 427 युवा प्रशिक्षु अधिकारियों में अधिकारी-सदृश गुणों को विकसित करना था। फाउंडेशन कोर्स का मुख्य उद्देश्य देश की विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों में मैत्री-भाव को विकसित करना था। अकादमी ने रॉयल भूटान सिविल सेवा के अधिकारियों को भी 95वें फाउंडेशन कोर्स में प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की। इस वर्ष 10 सप्ताह का यह पाठ्यक्रम 12 अक्तूबर 2020 से आरंभ हो कर 18 दिसंबर, 2020 को समाप्त हुआ। यह प्रशिक्षण अध्ययन विषयों तथा पाठ्येतर गतिविधियों का एक सम्मिश्रण है जिसे अकादमी के संकाय के अतिरिक्त प्रशिक्षकों और सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों से आमंत्रित वक्ताओं के माध्यम से निष्पादित किया जाता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- प्रशिक्षु अधिकारियों को देश के प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिदृय की जानकारी देना।
- प्रशिक्षु अधिकारियों को सिविल सेवा में आने वाली चुनौतियों तथा अवसरों से अवगत कराना।
- प्रशिक्षु अधिकारियों के व्यक्तित्व की सभी विशेषताओं जैसे बुद्धिमत्ता, नैतिकता, शारीरिक स्वास्थ्य तथा रूचियों का विकास करना।
- मैत्री-भाव विकसित करके विभिन्न सिविल सेवाओं के सदस्यों के बीच अधिक समन्वय को बढ़ावा देना।

पाठ्यक्रम का डिजाइन

फाउंडेशन कोर्स में प्रशिक्षु अधिकारियों को कॉलेज तथा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक दुनिया से सरकार की व्यवस्थित प्रणाली में कार्य करने के लिए रूपांतरित किया जाता है। अधिकांश प्रतिभागियों के लिए यह पाठ्यक्रम सरकार और शासन एवं समाज में सरकार की भूमिका के बारे में पहला परिचय था। पाठ्यक्रम की रूपरेखा इस तरह से बनाई गई है ताकि शैक्षणिक, बाह्य क्रियाकलाप, पाठ्येतर तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का समिश्रण करके रेखांकित उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके। अकादमी का उद्देश्य प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को उन आधारिक मूल्यों, कौशलताओं तथा ज्ञान से परिपूर्ण करना है जो उनके व्यवसाय में सहायक हों। उन्हें सरकारी क्षेत्रों में प्रभावी कार्य-निष्पादन के लिए जरूरी शासन की बुनियादी अवधारणाओं, नियमों तथा विनियमों को समझने में उपयोगी प्रशिक्षण समग्रियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

शैक्षिक इनपुट्स

इस पाठ्यक्रम में शैक्षिक इनपुट दिए गए, जिसमें लोक प्रशासन, प्रबंधन एवं व्यवहारपरक ज्ञान, विधि, प्रशासकों के लिए आधारभूत अर्थशास्त्र, राजनीतिक अवधारणा तथा संवैधानिक विधि, भारतीय इतिहास तथा संस्कृति एवं भाषाएँ शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त कक्षा से बाहर की गतिविधियों (शारीरिक प्रशिक्षण, योग कक्षाएं तथा घुड़सवारी) द्वारा पाठ्येतर इनपुट दिए गए: जिनमें सांस्कृतिक गतिविधियां और पाठ्येतर मॉड्यूल शामिल थे।

प्रशिक्षु अधिकारियों को परामर्शदाताओं तथा अन्य संकाय सदस्यों के साथ मिलने तथा उनके आवास पर अनौपचारिक रूप से मिलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ये अनौपचारिक बैठकें अकादमी में प्रशिक्षु अधिकारियों के सामुदायिक जीवन का महत्वपूर्ण भाग समझी जाती हैं।

अकादमी में जो प्रशिक्षु अधिकारी विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्टता दिखाते हैं उन्हें मेडल एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया जाता है।

फाउंडेशन कोर्स के दौरान आयोजित मुख्य गतिविधियां:

- **ट्रेकिंग:** ट्रेक का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षुओं में साहस पैदा करना और मैत्री-भाव को मजबूत बनाना है। ट्रेक समूह की गतिशीलता, पारस्परिक संबंधों, साहस, धीरज और प्रकृति के प्रति प्रेम और सम्मान में महत्वपूर्ण ज्ञानार्जन का अनुभव है।
- **पाठ्येतर गतिविधियां:** प्रशिक्षु अधिकारियों में विविध रूचियों तथा पूर्ण विकसित व्यक्तित्व की आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से प्रशिक्षुओं को शैक्षणिक विषयों के अलावा कौशल प्रदान करने के लिए दोपहर तथा शाम को पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। मुख्य रूप से, इसमें भारत दिवस समारोह, भूटान दिवस, ए.के. सिन्हा एकांकी नाटक प्रतियोगिता, क्रॉस कंट्री दौड़, एथलेटिक मीट तथा रक्तदान शिविर शामिल हैं।

आरंभ 2020

भारत में शासन @100 (वर्ष 2047)

प्रत्येक वर्ष अक्टूबर-दिसंबर के महीने में युवा सिविल सेवक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी (अकादमी) में आयोजित फाउंडेशन कोर्स में शामिल होते हैं। युवा मस्तिष्क के लिए, फाउंडेशन कोर्स एक विशाल और विविधतापूर्ण देश में शासन के विषयों, चुनौतियों और जिम्मेदारियों का पहला परिचय है। अकादमी में, फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागियों को नेतृत्व, सिविल सेवकों के लिए कौशल, प्रशासन और देश के लिए व्यक्तिगत कौशल एवं विजन पर इनपुट दिए जाते हैं, जिसका उद्देश्य प्रशासन

को लोगों की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाना है। साढ़े तीन महीनों के दौरान, देश और विदेश के कई वक्ताओं, विशेषज्ञों और प्रेरक हस्तियों ने लोक प्रशासक के रूप में अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए अधिकारी प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की।

सिविल सेवकों को ट्रान्स्फ़ोर्मेशन का नेतृत्व करने तथा विभागों और क्षेत्रों में निर्बाध रूप से कार्य करने में सक्षम बनाने के विजन से कॉमन फाउंडेशन कोर्स (सीएफसी) को 'आरंभ' नाम दिया गया, जिसे वर्ष 2019 में 94वें फाउंडेशन कोर्स के भाग के रूप में शुरू किया गया था। इस कोर्स में कुल 425 प्रशिक्षु अधिकारी शामिल थे, जो विश्व स्तर के संस्थानों के विशेषज्ञों की सहायता से बदलती तकनीक और शासन के लिए इसकी संभावनाओं को समझने हेतु एक सप्ताह के लिए केवड़िया, गुजरात में एकत्रित हुए। इस कार्य का विषय "सिविल सेवकों को भविष्य के लिए तैयार करना-5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर होना" था। इस कार्यक्रम का समापन प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुतिकरण, उनके साथ बातचीत के बाद प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधन के साथ हुआ।

वर्ष 2020 में, 95वें फाउंडेशन कोर्स विभिन्न सेवाओं के 427 प्रतिभागियों के साथ 12 अक्टूबर 2020 से आरंभ हुआ। कोविड महामारी के कारण, इस वर्ष "आरम्भ -2020"-14 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2020 तक आयोजित किया गया जिसमें विशेषज्ञों और वैश्विक विद्वानों ने इस वर्ष के लिए चुने गए विषय "भारत में शासन @100" पर अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया।

इस विषय को चुनने का उद्देश्य देश और विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों और विशेषज्ञों की मदद से अगले 25 वर्षों के लिए भारत की सबसे महत्वपूर्ण ताकत और शासन में चुनौतियों को सामने लाना है। आगामी सिविल सेवकों को इस कार्यक्रम के अंत में शासन की प्राथमिकताओं और उनकी भूमिका को स्पष्ट रूप से समझने में सक्षम होना चाहिए। शासन @ वर्ष 2047 को तीन विषयों में विभाजित किया गया है, जिन्हें इसके बाद उसमें निहित सीमित केन्द्रित विषयों में विभाजित किया गया। पूरे कार्य में जाने-माने विषय विशेषज्ञों और वैश्विक नेताओं के साथ काफी विचार-विमर्श और विचार-मंथन शामिल था। उप-विषय तथा केन्द्रित विषय निम्नलिखित हैं -

विषय- भारत में शासन @100	
उप विषय	केन्द्रित क्षेत्र
एक भारत श्रेष्ठ भारत	प्रेरक के रूप में भारत में सांस्कृतिक विविधता और तालमेल
	आर्थिक विविधता और शक्ति के रूप में एकजुटता

आत्मनिर्भर भारत	ऊर्जा में आत्मनिर्भर
	स्वास्थ्य में आत्मनिर्भर
	ब्लैक स्वान इवेंट्स के लिए बड़े सिस्टम का निर्माण
नवीन भारत	शिक्षा और उद्योग में अनुसंधान और नए कार्य
	प्रशासन में अनुसंधान और नए कार्य

इस कार्यक्रम को प्रतिष्ठित संस्थानों, विश्वविद्यालयों, विचारकों, मंत्रालयों और विश्व बैंक, डब्ल्यूएचओ, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, एमआईटी, सांता फ़े इंस्टीट्यूट, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नीति अनुसंधान केंद्र, नेशनल इन्नोवेशन फाउंडेशन, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया और आईआईटी जैसे मल्टी-लेटरल ऑर्गेनाइजेशन के सहयोग से समृद्ध बनाया गया। इसमें कुल 92 विशेषज्ञों और विचारकों ने प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ बातचीत की और उक्त उप-विषयों और केंद्रित क्षेत्रों पर गहन विचार-विमर्श में योगदान दिया। इस बातचीत में बौद्धिक रूप से प्रेरणादायक कार्य की शुरुआत के साथ तथा अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिष्ठित वैश्विक अग्रणी व्यक्तियों के साथ वार्ता की गई और इसका समापन, 31 अक्टूबर 2020 को हुआ। प्रख्यात व्यक्तियों के साथ कार्यक्रम निम्नानुसार था:

क्रम सं.	**नाम और पदनाम**	**तिथि**
1	श्री के.श्रीनिवास, ईओ और अपर सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग	16 अक्टूबर 2020
2	श्री पी.के. मिश्रा, प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव	20 अक्टूबर 2020
3	श्री अजय भल्ला, सचिव, गृह मंत्रालय और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग	22 अक्टूबर 2020
4	श्री राजीव गौबा, कैबिनेट सचिव	23 अक्टूबर 2020
5	प्रो. क्राकाउर, सांता फ़े इंस्टीट्यूट	27 अक्टूबर 2020
6	श्री प्रसून जोशी, अध्यक्ष सीबीएफसी	29 अक्टूबर 2020
7	श्री संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार	30 अक्टूबर 2020
8	श्री विवेक वाधवा, विशिष्ट फेलो हार्वर्ड लॉ स्कूल	30 अक्टूबर 2020
9.	श्री एक्सल वैन ट्रोट्सेनबर्ग, एमडी, विश्व बैंक	31 अक्टूबर 2020

प्रशिक्षु अधिकारियों के ज्ञानार्जन को विभिन्न उप-विषयों पर संक्षिप्त रिपोर्ट में शामिल किया गया। कक्षाओं में ज्ञानार्जन और इंटरेक्शन के अलावा, आरंभ 2020 में प्रसिद्ध लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, योग, ध्यान, पेंटिंग, फोटोग्राफी, अपशिष्ट से कला, सांकेतिक भाषा सीखना, रॉक क्लाइम्बिंग

आदि और "नीव" नामक वृक्षारोपण अभियान जैसी पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और भारत के सामर्थ्य से अवगत करने वाली गतिविधियां शामिल थीं।

आरंभ 2020 का समापन केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड, प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ और प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री की बहुत ही रोचक एवं लंबी बातचीत तथा उनके द्वारा संबोधन के साथ हुआ। प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ अपनी बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री ने कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे महामारी और ब्लैक स्वान की घटनाएं जैसे कि कोविड के खिलाफ हमारी लड़ाई को मजबूत बनाने में भारत के पारंपरिक और सांस्कृतिक ज्ञान के महत्व, संस्थागत इन्नोवेशन, भारतीय दर्शन का संवर्धन, निवारक स्वास्थ्य देखभाल और एकीकृत स्वास्थ्य दृष्टिकोण, जेंडर संवेदनशील बुनियादी ढांचे के डिजाइन तथा योजना और निरंतर ज्ञानार्जन और शासन में साइलो को समाप्त करने की आवश्यकता जैसे विषयों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए नवीन, श्रेष्ठ और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साझा किया। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को "मिशन कर्मयोगी" के तहत परिकल्पित भूमिका आधारित दृष्टिकोण के साथ निरंतर ज्ञानार्जन और क्षमता निर्माण हेतु प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन की अवधारणा के तहत एक उत्तरदायी शासन की आवश्यकता पर भी बल दिया।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

भूटान के प्रशिक्षु अधिकारियों सहित विभिन्न सेवाओं के 427 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ 95वें फाउंडेशन कोर्स का आरंभ हुआ। प्रशिक्षु अधिकारियों को अधिकारी सदृश गुणों तथा प्रवृत्तियों को विकसित करने में सक्षम बनाने और मैत्री-भाव को आत्मसात करने के लिए उन्हें जेंडर, सेवा तथा क्षेत्र जैसी परिवर्तनशील परिस्थितियों में समूहबद्ध किया गया।

यद्यपि उन्होंने कक्षा में आचार नीति, शिष्टाचार तथा नेतृत्व की बुनियादी जानकारी प्राप्त की तथापि उन्होंने कैंपटी फॉल, बिनोग हिल और लाल टिब्बा के छोटे ट्रेकों के दौरान खराब मौसम और जोंक का भी सामना किया। वे ट्रेकिंग के अन्य चुनौतीपूर्ण स्थानों के साथ-साथ रूप कुंड तथा रुपिन पास की कठिन ऊंचाइयों पर भी गए। यद्यपि उन्होंने कई अन्य विधाओं के अलावा विधि, लोक प्रशासन तथा अर्थशास्त्र की गहन पढ़ाई की तथापि उन्होंने भारत दिवस समारोह के दौरान राष्ट्र की संस्कृति और परंपराओं को मंच पर प्रदर्शित किया। प्रौद्योगिकी और गवर्नेंस के सत्रों में नए युग की सूचना प्रोद्यौगिकी के बारे में उनकी कौशलता को निखारा गया जबकि भारत के गांवों के दौरा कार्यक्रम से उन्हें शुरुआती स्तर पर प्रशासन की वास्तविकताओं को समझने का अवसर मिला।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री अतुल करवाल, आईपीएस निदेशक, एसवीपीएनपीए, हैदराबाद
- सुश्री रश्मि चौधरी, अपर सचिव, डीओपीटी
- श्री तेजवीर सिंह, आईएएस, पंजाब के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव
- सुश्री जसप्रीत तलवार, आईएएस, प्रधान सचिव, पंजाब सरकार
- श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला, आईएएस, स्थापना अधिकारी, डीओपीटी, नई दिल्ली
- डॉ. टी.सी.ए. राघवन, आईएफएस (सेवानिवृत्त), महानिदेशक, इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली
- श्री मनु एस. पिल्लई, लेखक और इतिहासकार
- श्री सुहृत पार्थसारथी, अधिवक्ता, मद्रास उच्च न्यायालय, चेन्नई
- श्री डी.सी. पाठक, आईपीएस (सेवानिवृत्त)
- श्री ए.बी. माथुर, आईपीएस (सेवानिवृत्त) सदस्य, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड, नई दिल्ली
- डॉ. पी. के. मिश्रा, प्रधानमंत्री के सचिव, पीएमओ, नई दिल्ली
- श्री आर.आर. सवाईं, विशेष पुलिस महानिदेशक, कश्मीर
- श्री मृणाल तालुकदार, वरिष्ठ पत्रकार, प्रतिदिन टाइम (असम न्यूज चैनल), गुवाहाटी, असम
- श्री नीलेश कुमार, आईपीएस, संयुक्त सचिव, कैबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली
- डॉ. फैजन मुस्तफा, वी.सी. एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ़ लॉ, हैदराबाद
- सुश्री इरा सिंघल, आईएएस संयुक्त निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, नई दिल्ली
- श्री निपुण मल्होत्रा, संस्थापक और सीईओ, निपम फाउंडेशन, गुरुग्राम (हरियाणा)
- श्री अमर जैन, एडवोकेट और सर्टिफाइड प्रोफेशनल इन वेब एक्सेसिबिलिटी, मुंब
- लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एस. एल. नरसिम्हन, सदस्य, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड, नई दिल्ली
- श्री मनोज यादव, आईपीएस, डीजीपी, हरियाणा
- श्री पंकज सरन, आईएफएस (सेवानिवृत्त), उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, नई दिल्ली
- लेफ्टिनेंट जनरल अनिल भट्ट, सैन्य सचिव, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली
- श्री अजय कुमार भल्ला, आईएएस, सचिव (पी) और गृह सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री ज्ञानेंद्र बड़गैयां, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व डी.जी., एनसीजीजी, नई दिल्ली
- श्री राजीव गौबा, आईएएस, कैबिनेट सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली
- प्रो. (डॉ.) ए. एस. रामचंद्र, वरिष्ठ संकाय, एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ तेलंगाना, हैदराबाद
- डॉ. कृति भारती, प्रबंध न्यासी, सारथी, जोधपुर, राजस्थान
- श्री विवेक वाधवा, विशिष्ट फेलो, हार्वर्ड लॉ स्कूल, लेबर एंड वर्कलाइफ कैलिफोर्निया (यूएसए)
- श्री डेविड सी. क्राकाउर, निदेशक, सांता फ़े इंस्टीट्यूट, संयुक्त राज्य

- श्री संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री प्रसून जोशी, अध्यक्ष, सीबीएफसी, मुंबई
- श्री राजेश्वर उपाध्याय, निदेशक, पार एक्सीलेंस, नवी मुंबई
- श्री धर्मेश्वर उपाध्याय, एसोसिएट डायरेक्टर, पार एक्सीलेंस, नवी मुंबई
- श्री आकाश सिंह रटोरे, दार्शनिक और सहायक संकाय, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत
- श्री के.एस. समरेंद्र नाथ (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारका, नई दिल्ली
- प्रो. (डॉ.) ए. एस. रामचंद्र, वरिष्ठ संकाय, एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ तेलंगाना, हैदराबाद
- श्री योगेश वी. कुंभेजकर, सीईओ, जिला परिषद, नागपुर (महाराष्ट्र)
- डॉ. प्रेम सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त), सलाहकार, नीति आयोग, नई दिल्ली
- श्री आर.एन. पराशर, आईएएस (सेवानिवृत्त), पंचकुला (हरियाणा)
- श्री तल्लीन कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सरकारी ई-मार्केटप्लेस, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री संदीप वर्मा, प्रधान सचिव, राजस्थान सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जयपुर
- श्री जीमती वतनन, प्रधान सचिव, आवास एवं शहरी विकास विभाग, ओडिशा सरकार
- सुश्री दिव्या वर्मा, कार्यक्रम प्रबंधक, प्रवासन और श्रम समाधान केंद्र, आजीविका ब्यूरो
- प्रो. चिन्मय तुम्बे, आईआईएम, अहमदाबाद
- सुश्री प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, आईपीएस, एडीजी, एससी/एसटी कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल
- सुश्री जसप्रीत तलवार, आईएएस, प्रधान सचिव, पंजाब सरकार, चंडीगढ़
- प्रो. राम कुमार ककानी, प्रोफेसर और अध्यक्ष, आईआईएम, कोझीकोड
- श्री बी.पी. आचार्य, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व डी.जी. एमसीआरएचआरडी, हैदराबाद
- श्री राजीव भार्गव, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन थॉट, दिल्ली
- प्रो. ए. दामोदरन, आईआईएम, बेंगलुरु
- सुश्री सुनीता नारायण, महानिदेशक, केंद्र और कोषाध्यक्ष, सोसाइटी फॉर एनवायर्नमेंटल कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
- श्री वी. आर. के. तेजा मायलावरापु, प्रबंध निदेशक, केरल पर्यटन विकास निगम, त्रिवेंद्रम
- श्री दत्तात्रेय शिंदे भाऊसाहेब, परियोजना निदेशक, डीआरडीए, गंजम, छतरपुर (ओडिशा)
- डॉ. मिताली सेठी, सहायक कलेक्टर और परियोजना निदेशक, आईटीडीपी, अमरावती
- श्री गजेंद्र नरवाने, उप सचिव (वन), महाराष्ट्र सरकार, मंत्रालय
- श्री जितेंद्र रामगावकर, फील्ड निदेशक, तडाबा अंधेरी टाइगर रिजर्व, वन विभाग, चंद्रपुर
- श्री रजत बंसल, आईएएस, कलेक्टर, बस्तर
- श्री सूरज येंगडे, सीनियर फेलो, हार्वर्ड केनेडी स्कूल, कैंब्रिज

- सुश्री पी. अमुधा, प्रधानमंत्री की संयुक्त सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली
- श्री अभिषेक सिंह, आईएएस, अध्यक्ष और सीईओ (अतिरिक्त प्रभार) राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), नई दिल्ली
- श्री रतन संजय कटियार, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक, पूर्णिया (बिहार)
- श्री प्रबोध सक्सेना, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला
- लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि, एवीएसएम/एसएम/वीएसएम, जीओसी मुख्यालय, यूबी एरिया, गवर्नमेंट सेक्रेटेरिएट यू.बी. एरिया
- सुश्री अर्चना वर्मा, आईएएस, प्रधान सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, दिसपुर, गुवाहाटी
- श्री अन्नू त्यागी, आईआरटीएस, क्षेत्र अधिकारी, वलसाड रेलवे स्टेशन, पश्चिम रेलवे, वलसाड
- श्री इंद्रजीत सिंह, आईएएस, सी.डी.ओ. गोरखपुर
- डॉ. संतोष बाबू, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व प्रधान सचिव (आईटी), तमिलनाडु सरकार, चेन्नई
- प्रो. खगेश गौतम एसोसिएट प्रोफेसर विधि और सहायक डीन (अनुसंधान और प्रकाशन), जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत
- श्री सौरव राय, आईडीईएस, संयुक्त सचिव, कस्टेडियन ऑफ एनिमी प्रॉपर्टी फॉर इंडिया, नई दिल्ली
- श्री ज्ञानेंद्र बड़गैयां, पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, नई दिल्ली
- श्री गौतम भाटिया, वास्तुकार, लेखक और कलाकार, नई दिल्ली
- श्री दीपक रमीला, संस्थापक और कलात्मक निदेशक फ्यूल प्रोजेक्ट, देहरादून
- श्री मनोज वी. नायर, आईएफओएस, उप निदेशक (वरिष्ठ), लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (अवकाश पर)
- श्री अमिताभ कांत, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नीति आयोग, नई दिल्ली
- सुश्री ऋजुता दिवाकर, पोषण और व्यायाम विज्ञान विशेषज्ञ, मुंबई
- श्री शांतिलाल मुथा, संस्थापक और अध्यक्ष, शांतिलाल मुथा फाउंडेशन, पुणे (महाराष्ट्र)
- श्री बेनी वर्गीज, सहायक प्रोफेसर, एस.एच. कॉलेज, थेवरा, एर्नाकुलम (केरल)
- श्री धर्मवीर कम्बोज, यमुनानगर (हरियाणा)
- ब्रिगेडियर गणेशम, अध्यक्ष, पल्ले सृजना, इनोवेशन डिफ्यूजन सेंटर, सिकंदराबाद
- श्री विमल गोविंद, सह-संस्थापक, सीईओ और उत्पाद वास्तुकार, जेनरोबोटिक, तिरुवनंतपुरम (केरल)
- श्री सौरभ गर्ग, संयुक्त सचिव, निवेश और मुद्रा, आर्थिक कार्य विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली

95वां फाउंडेशन कोर्स उद्घाटन समारोह

95वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान भूटान दिवस

95वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान बिनोग हिल ट्रेक और वृक्षारोपण

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए मिड-करियर कार्यक्रम

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए करियर के मध्य में अनिवार्य तथा व्यवस्थित प्रशिक्षण हेतु वर्ष में 2007 में मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) की शुरुआत की गई। एमसीटीपी का उद्देश्य अधिकारियों को उनके करिअर के उच्च स्तर के विशिष्ट दायित्वों को संभालने के लिए तैयार करना था, जो मुख्यत: क्षेत्र में (7-9 वर्ष), नीति निर्माण स्तर पर (15-18 वर्ष) तथा अंत: क्षेत्रीय नीति निर्माण और कार्यान्वयन स्तर (27-28 वर्ष) में कार्य कर रहे होते हैं। ये तीन स्तर क्रमशः फ़ेज-III, IV तथा V थे। पहले तीन में इन कार्यक्रमों को मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संस्थानों को आउट सोर्स के माध्यम से चलाया गया था। हालांकि वर्ष 2010 से, अकादमी के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तथा उसके संचालन का अधिदेश सरकार द्वारा तैयार किया गया है। सरकार द्वारा एमसीटीपी कार्यक्रम की समीक्षा की गई तथा उसकी अवधि कम कर दी गई। संशोधित कार्यक्रम निम्नानुसार है: फ़ेज-III (4 सप्ताह), फ़ेज-IV (एक सप्ताह के विदेश अध्ययन दौरे सहित 4 सप्ताह) और फ़ेज- V (3 सप्ताह)।

आई.ए.एस. फ़ेज-III (16वां दौर) मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम का नाम अवधि (विशिष्ट तारीख)	**आई.ए.एस. फ़ेज-III (2020), 16वां दौर** **17 फरवरी से 13 मार्च, 2020 तक**
पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री अश्वती एस.
कोर्स टीम के अन्य सदस्य	श्री श्रीधर चिरुवोलू, सुश्री पे. अमुधा, श्री. एन. के. सुधांशु
प्रतिभागियों की कुल संख्या सम्मिलित बैच	कुल पुरुष महिलाएं 83 58 25 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012 बैच
उद्घाटन समरोह के दौरान संबोधन	श्री राजीव गौबा, कैबिनेट सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली
समापन समारोह के दौरान संबोधन	डॉ. अमिता प्रसाद, अध्यक्ष, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, नोएडा

आई.ए.एस. फ़ेज- III (16वां दौर) के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-7 में दिया गया है।

लक्ष्य

सेवा के सात से नौ वर्ष पूरे कर चुके अधिकारियों को फील्ड प्रशासन के अग्रणी क्षेत्र में अलग-अलग तथा विभिन्न प्रकार की जिम्मेदारियां निभाने में सक्षम बनाना।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- अधिकारियों को ऐसे उपकरणों, कौशल तथा ज्ञान से अवगत कराना जो उन्हें कार्यक्रम के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायक होंगे;
- सरकार में बिजेनस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग (बी.पी.आर.) का डिजाइन तैयार करना एवं उसका कार्यान्वयन करना तथा जनसेवा सुपुर्दगी में सुधार हेतु सूचना प्रौद्रयोगिकी का लाभ उठाना;
- संचार, अंतर वैयक्तिक तथा टीम बिल्डिंग दक्षताओं को मजबूत करना तथा गवर्नेंस में मूल्यों की मुख्य भूमिका से अवगत कराना;
- राज्यों से प्राप्त अनुभव से विशिष्ट क्षेत्रों में कुशल सेवा सुपुर्दगी की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम की सप्ताहवार रूपरेखा

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- **सप्ताह-1** रिफ्लेक्शन्स, साक्ष्य आधारित नीति निर्माण, खरीद, नेतृत्व तथा नैतिकता
- **सप्ताह-2** परियोजना मूल्यांकन, व्यवहारपरक अर्थशास्त्र और कृषि, शहरी विकास, बुनियादी सुविधाएं और पीपीपी और बातचीत पर क्षेत्रीय फोकस के साथ कार्यान्वयन।
- **सप्ताह-3** कौशल विकास और आजीविका, भविष्य के लिए प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और पोषण, रोजगार कौशल और आजीविका, पर्यावरण और आपदा प्रबंधन और ई-गवर्नेंस।
- **सप्ताह-4** भविष्य के लिए प्रौद्योगिकी और सूचना का अधिकार

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- डॉ. जी.डी. बड़गैयां, पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, नई दिल्ली।
- सुश्री माधवी दास, पूर्व कार्यकारी निदेशक, एफएसएसएआई।
- डॉ. दीपिका आनंद, पोषण विशेषज्ञ, विश्व बैंक।
- डॉ. शिखा शर्मा, संस्थापक, न्यूट्रीहेल्थ।
- प्रो. राम कुमार ककानी, आईआईएम कोजीकोड।
- श्री राजेश्वर उपाध्याय, निदेशक, पार एक्सिलेन्स लीडरशिप प्रा. लिमिटेड, नवी मुंबई।
- प्रो. नेहारिका वोहरा, संकाय (संगठित व्यवहार), भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद।
- सुश्री अंशु सिंह, सीनियर रिसर्च एसोसिएट, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिज़ाइन (ईपीओडी), नई दिल्ली।

- श्री विनय नागराजू, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिज़ाइन (ईपीओडी), नई दिल्ली।
- सुश्री समीक्षा जैन, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिज़ाइन (ईपीओडी), नई दिल्ली।
- सुश्री निधि शर्मा, आईआरएस, सीआईटी (सतर्कता), केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।
- श्री रवि कपूर, आईएएस, सचिव, भारत सरकार, कपड़ा मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली।
- श्री रघुराज राजेंद्र, आईएएस, कैबिनेट मंत्री के निजी सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली।
- श्री संजय दुबे, आईएएस, प्रधान सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, शहरी विकास एवं आवास विभाग, भोपाल, मध्य प्रदेश
- श्री गौतम भान, सीनियर लीडर-अकेडमिक और अनुसंधान, आईआईएचएस बैंगलोर सिटी कैंपस, बैंगलोर।
- सुश्री श्रेया गडेपल्ली, क्षेत्रीय निदेशक दक्षिण एशिया, परिवहन और विकास नीति संस्थान, चेन्नई।
- श्री जीमती वतनन वथानन, आईएएस, प्रधान सचिव, ओडिशा सरकार, आवास और शहरी विकास विभाग, भुवनेश्वर।
- डॉ. अश्विन महालिंगम, सहायक प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास, चेन्नई।
- श्री आर. लक्ष्मणन, आईएएस, कार्यकारी निदेशक, आरईसीएल, नई दिल्ली।
- श्री राधाकृष्णन बी, आईएएस, मुख्य अधिकारी, महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण, मुंबई।
- श्री रमेश चंद, सदस्य, नीति आयोग, नई दिल्ली।
- प्रो. राजेश सिन्हा, एमडी और सीईओ, एनसीडीईएक्स ई-मार्केट लिमिटेड, मुंबई।
- श्री सुनील कुमार सिंह, अपर प्रबंध निदेशक, नेफेड, नई दिल्ली।
- श्री पवनेक्स कोहली, पूर्व मुख्य सलाहकार और सीईओ (एनसीसीडी), नई दिल्ली।
- श्री प्रिमल ओसवाल, प्रबंध निदेशक, हारवेल अगुआ इंडिया प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली।
- श्री देबाशीष मित्रा, प्रबंध निदेशक, कैलिप्सो बंगाल फूड्स प्रा. लिमिटेड, दार्जिलिंग।
- माननीय न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर, नई दिल्ली।
- डॉ. रतिन रॉय, निदेशक, राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान, नई दिल्ली।
- मेजर जनरल बी.के. शर्मा, एवीएसएम, एसएम और बार (सेवानिवृत्त), निदेशक, यूएसआई ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
- श्री ए. गोस्वामी, आईएएस (सेवानिवृत्त)।
- अम्ब योगेंद्र कुमार, आईएफएस (सेवानिवृत्त)।
- लेफ्टिनेंट जनरल प्रवीण बख्शी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त)।

- लेफ्टिनेंट जनरल देवराज अंबू, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम (सेवानिवृत्त)।
- मेजर जनरल आर.पी.एस. भदौरिया, वीएसएम (सेवानिवृत्त)।
- श्री जितेश खोसला, आईएएस (सेवानिवृत्त)।
- श्री जयंतो एन चौधरी, आईपीएस (सेवानिवृत्त)।
- सुश्री जैस्मीन कल्हा, प्रोग्राम मैनेजर और रिसर्च फेलो, सेंटर फॉर मेंटल हेल्थ लॉ एंड पॉलिसी, इंडियन लॉ सोसाइटी, पुणे।
- डॉ. इंदु भूषण, सीईओ, आयुष्मान भाट, नई दिल्ली।
- सुश्री रितु सैनी, चन्नव फाउंडेशन, नई दिल्ली।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन

ग्रेड	प्रतिभागियों की संख्या
ए+	11
ए	52
ए-	20

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणी

यह फेज़-।।। कार्यक्रम कार्यान्वयन में उत्कृष्टता पर ध्यान देने के साथ प्रतिभागियों को व्यापक और विस्तृत पद्धतियों से अवगत कराने के लिए संशोधित किया गया था। विशेषज्ञ सलाह के तहत सभी प्रतिभागियों के लिए भावनात्मक कोशेंट का व्यक्तिगत मूल्यांकन किया गया था। रिफ़्लेक्शन, लोक नीति, नेतृत्व, शहरी विकास, बातचीत, सार्वजनिक निजी भागीदारी, कृषि और स्वास्थ्य पर इनपुट की सराहना की गई।

आंतरिक संकाय द्वारा संचालित मॉड्यूल्स को प्रतिभागियों ने बहुत अच्छी तरीके से समझा। मूल्यांकन काफी कठोर था जिसमें परियोजना मूल्यांकन, प्रकरण अध्ययन, प्रकरण अध्ययन प्रस्तुतियाँ और कक्षा में भागीदारी सम्मिलित थी और इसे उद्देश्य पूर्ण और व्यवस्थित तरीके से किया गया। बाह्य गतिविधियां जैसे कि रिवर राफ्टिंग, लाल टिब्बा और विशिंग वेल की ट्रेकिंग चुनौतीपूर्ण थी और इससे प्रतिभागी काफी रोमांचित हुए। कुल मिलाकर कार्यक्रम काफी तकनीकी, कठोर और अत्यधिक आकांक्षापूर्ण होने के बावजूद भी बहुत अच्छी तरह से ग्रहण किया गया और पाठ्यक्रम की समग्र रेटिंग 99.74 थी जो एमसीटीपी पाठ्यक्रमों की उच्चतम रेटिंग में से एक है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा फ़ेज-III (17वां दौर मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम)

कार्यक्रम का नाम अवधि (तारीख का उल्लेख)	फ़ेज-III (2021), 17वां दौर 22 फरवरी से 19 मार्च, 2021 तक
पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री नंदिनी पालीवाल
कोर्स टीम के अन्य सदस्य	श्री विजय बी. वसंत, श्री विद्या भूषण, श्री नितेश झा, सुश्री अनुपम तलवार
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल पुरुष महिलाएं 84 68 16 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013 बैच
उद्घाटन के दौरान संबोधन	श्री आरिफ मोहम्मद खान, माननीय राज्यपाल, केरल
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री दीपक खांडेकर, सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार (वर्चुअल)

भारतीय प्रशासनिक सेवा फ़ेज- III (17वां दौर) के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-8 में दिया गया है।

लक्ष्य

उन अधिकारियों को उत्कृष्ट बनाना जो सेवा के सात से नौ वर्ष पूरे कर चुके हैं जिससे वे फील्ड प्रशासन के अग्रणी क्षेत्र में अलग-अलग तथा विभिन्न प्रकार की जिम्मेदारियां निभा सकें।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- अधिकारियों को ऐसे उपकरणों, कौशल तथा ज्ञान से अवगत कराना जो उन्हें कार्यक्रम के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायक होंगे;
- सरकार में बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग (बी.पी.आर.) का डिजाइन एवं कार्यान्वयन करना तथा जनसेवा सुपुर्दगी में सुधार हेतु सूचना प्रौद्रयोगिकी का लाभ उठाना;
- संचार, अंतर वैयक्तिक तथा टीम बिल्डिंग दक्षताओं को मजबूत करना तथा गवर्नेंस में मूल्यों की मुख्य भूमिका से अवगत कराना;
- राज्यों से प्राप्त अनुभव से विशिष्ट क्षेत्रों में कुशल सेवा सुपुर्दगी की जानकारी प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम की सप्ताहवार रूप रेखा

- **सप्ताह-1** रिफ्लेक्शन्स, नेतृत्व, लोक नीति, भावात्मक कोशियंट तथा नैतिकता
- **सप्ताह-2** साक्ष्य आधारित नीति निर्माण, मानव व्यवहार, पीपीपी और बातचीत, व्यवहारपरक अर्थशास्त्र और कृषि पर क्षेत्रीय फोकस, शहरी विकास और सामाजिक विकास ।
- **सप्ताह-3** परियोजना मूल्यांकन, निगरानी और सरकारी कार्यक्रमों का मूल्यांकन।
- **सप्ताह-4** परियोजना प्रबंधन और खरीद।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

• डॉ. जी.डी. बड़गैयां, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, नई दिल्ली।

• श्री राज राजेश्वर उपाध्याय, निदेशक, पार एक्सिलेन्स लीडरशिप सोल्युशंस प्रा. लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र।

• श्री तेजवीर सिंह, आईएएस, माननीय मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, पंजाब सरकार, चंडीगढ़, पंजाब।

• श्री विनय नागराजू, कार्यकारी निदेशक, ईपीओडी इंडिया, नई दिल्ली।

• प्रो. नेहारिका वोहरा, संकाय (संगठनात्मक व्यवहार), भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद, वस्त्रपुर, अहमदाबाद, गुजरात।

• श्री इकबाल धालीवाल, वैश्विक कार्यकारी निदेशक, जे-पाल वैज्ञानिक निदेशक, जे-पाल दक्षिण एशिया सदस्य।

• डॉ. पी. उमानाथ, आईएएस, प्रबंध निदेशक, तमिलनाडु चिकित्सा सेवा निगम (टीएनएमएससी), चेन्नई, तमिलनाडु।

• कैप्टन/प्रो. पवनेक्स कोहली, पूर्व सीईओ, नेशनल सेंटर फॉर कोल्ड-चेन डेवलपमेंट और मुख्य सलाहकार, डीएसी एंड एफडब्ल्यू, गुड़गांव।

• सुश्री श्रेया गडेपल्ली, क्षेत्रीय निदेशक दक्षिण एशिया, परिवहन और विकास नीति संस्थान (आईटीडीपी), चेन्नई।

• डॉ. अश्विन महालिंगम, फैकल्टी, बिल्डिंग टेक्नोलॉजी एंड कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट डिवीजन, आईआईटी मद्रास, चेन्नई।

• डॉ. इंदु भूषण, पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी - पीएमजेएवाई) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए), भारत सरकार, नई दिल्ली।

• डॉ. अरबिंद के. पाढी, आईएएस, निदेशक, कंट्री रिलेशन्स, सीआरआईएसएटी, नई दिल्ली।

• श्री अमृत अभिजात, आईएएस, संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक (एचएफए), आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, नई दिल्ली।

• श्री देवेश कपूर, प्रोफेसर, स्टार फाउंडेशन साउथ एशियन स्टडीज, निदेशक, एशियन प्रोग्राम्स, जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज (एसएआईएस), वाशिंगटन, डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका।

• श्री भास्कर खुल्बे, भारत के माननीय प्रधानमंत्री के सलाहकार, प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली।

• डॉ. सैयद सबहत अजीम, संस्थापक और सीईओ, ग्लोकल हेल्थकेयर सिस्टम्स लिमिटेड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

• श्री गौतम भान, सीनियर लीड- एकेडमिक एंड रिसर्च, आईआईएचएस बैंगलोर सिटी कैंपस, बेंगलुरु।

• डॉ. रजनी कांत, पद्म श्री अवार्डी, जीआई उत्पादों के विशेषज्ञ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।

• डॉ. धीर झिंगरान, आईएएस (सेवानिवृत्त), संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी, भाषा और शिक्षण फाउंडेशन, नई दिल्ली।

• श्री पी. संपत कुमार, आईएएस, प्रधान सचिव, कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन विभाग, मेघालय सरकार, शिलांग।

• श्री अलकेश कुमार शर्मा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड, भारत सरकार और केरल सरकार की संयुक्त उद्यम कंपनी, कलूर, एर्नाकुलम, केरल

• डॉ. प्रेम सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त), सलाहकार, नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली।

• सुश्री निधि शर्मा, आईआरएस, सीआईटी (सतर्कता), केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।

• श्री आलोक कुमार, आईएएस, प्रधान सचिव, चिकित्सा शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

• श्री संजीव कुमार चड्ढा, आईएफएस, प्रबंध निदेशक, नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, नेफेड हाउस, सिद्धार्थ एन्क्लेव, रिंग रोड, आश्रम चौक, नई दिल्ली।

•प्रो. ओ.पी. माथुर, सीनियर फेलो और अध्यक्ष, शहरी अध्ययन विभाग, सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

• श्री अमित यादव, आईएएस, महानिदेशक, विदेश व्यापार महानिदेशालय उद्योग भवन, नई दिल्ली।

• प्रो. अनिल के. गुप्ता, सीएसआईआर भटनागर फेलो, संस्थापक, हनी बी नेटवर्क, सृष्टि, जियान और एनआईएफ, विजिटिंग फैकल्टी, आईआईएमए और आईआईटीबी और अकादमी प्रोफेसर, एसीएसआईआर, वस्त्रपुर, अहमदाबाद, गुजरात।

• सुश्री देबाश्री मुखर्जी, आईएएस, अपर सचिव, जल संसाधन विभाग, आरडी और जीआर, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

• डॉ शेखर बोनू, महानिदेशक, विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ), नीति आयोग, नई दिल्ली।

• श्री आशुतोष जैन, उप महानिदेशक, विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ), नीति आयोग, नई दिल्ली।

• सुश्री ऋजुता दिवेकर, पोषण विशेषज्ञ, मुंबई।

• डॉ. मंगू सिंह, प्रबंध निदेशक, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मेट्रो भवन, नई दिल्ली।

• श्री ए.बी. माथुर, आईपीएस (सेवानिवृत्त), सदस्य, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड, भारत सरकार, नई दिल्ली।

• श्री आर.आर. स्वार्र, आईपीएस, विशेष पुलिस महानिदेशक, जम्मू और कश्मीर सरकार, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर।

• श्री दिनकर गुप्ता, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, पंजाब सरकार, चंडीगढ़, पंजाब।

• श्री संदीप वर्मा, आईएएस, महानिदेशक, एचसीएम रीपा, जयपुर, राजस्थान)।

• श्री संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।

• श्री पी.एस. राघवन, आईएफएस (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड और रूस में पूर्व राजदूत।

• जनरल एस.एल. नरसिम्हन (सेवानिवृत्त), महानिदेशक, समकालीन चीन अध्ययन केंद्र, भारत सरकार, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली।

• श्री मनोज यादव, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़, हरियाणा।

• डॉ. टी.वी. सोमनाथन, आईएएस, सचिव (व्यय), भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।

• श्री संजीव कुमार, आईएएस, सचिव (सीमा प्रबंधन), भारत सरकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली।

• डॉ. श्रीवत्स कृष्ण, आईएएस, अपर सचिव, भारत सरकार।

• सुश्री सुजाता सौनिक, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, महाराष्ट्र सरकार।

• योगी डॉ. अमृत राज, माँ योग आश्रम, आरोग्यधाम आयुर्वेद उपचार केंद्र, ऋषिकेश।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन

ग्रेड	प्रतिभागियों की संख्या
ए+	02
ए	55
बी+	23
बी	04

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणी

यह फ़ेज-III कार्यक्रम कार्यान्वयन में उत्कृष्टता पर ध्यान देने के साथ प्रतिभागियों को व्यापक और विस्तृत पद्धतियों से अवगत कराने के लिए संशोधित किया गया था। इस पाठ्यक्रम में, एलेक्टिव प्रणाली शुरू की गई थी, जहां प्रतिभागियों ने अपनी रुचि के आधार पर किसी एक क्षेत्र अर्थात (I) सामाजिक विकास (II) कृषि और ग्रामीण विकास (III) शहरी और बुनियादी ढांचा विकास पर पांच गहन सत्रों में भाग लिया। विशेषज्ञ सलाह के तहत सभी प्रतिभागियों के लिए भावनात्मक कोशियंट का व्यक्तिगत मूल्यांकन किया गया। रिफ्लेक्शंस, लोक नीति, नेतृत्व, बातचीत, सार्वजनिक निजी सहभागिता में इनपुट बहुत अच्छे तरीके से प्राप्त किए गए। आंतरिक संकाय सदस्यों द्वारा चलाए जा रहे मॉड्यूल्स को प्रतिभागियों द्वारा बहुत अच्छी तरह से समझा। परियोजना मूल्यांकन, केस स्टडी, पुस्तक समीक्षा, और कक्षा में भागीदारी सहित मूल्यांकन काफी कठोर था और इसे उद्देश्यपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से किया गया। प्रतिभागियों ने उचित खान-पान और समग्र जीवन जीने के तरीके एवं तनाव प्रबंधन पर आयोजित सत्रों को भी काफी पसंद किया। बाह्य गतिविधियाँ - खेल गतिविधियाँ, रिवर राफ्टिंग, ट्रेकिंग प्रतिभागियों के लिए चुनौतीपूर्ण तथा नवीन थी। कुल मिलाकर कार्यक्रम काफी तकनीकी और कठोर होने के बावजूद इसे बहुत अधिक पसंद किया गया और पाठ्यक्रम की समग्र रेटिंग 94.52 थी।

राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग (4 सप्ताह)

इंडक्शन कोर्स विभिन्न राज्यों की चयन सूची में अधिकारियों अथवा राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत किए गए अधिकारियों के लिए आयोजित किए जाते हैं। इस कोर्स का उद्देश्य ज्ञान एवं कौशल के स्तरों का उन्नयन करना तथा उन व्यक्तियों के साथ विचार, मत तथा अनुभव के आदान-प्रदान का अवसर उपलब्ध कराना है जिन्होंने राष्ट्र विकास के विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकसित किया है। नए प्रबंधन विचारों, तकनीकों तथा कौशल एवं प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन के अग्रणी क्षेत्रों पर भी पर्याप्त बल दिया जाता है। प्रतिभागियों को एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य देने पर बल दिया जाता है। अधिकारियों को देश के अग्रणी संस्थानों के दौरे के लिए भी ले जाया जाता है, जिससे उन्हें सेवा की अखिल भारतीय प्रकृति से अवगत कराया जा सके।

राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए 122वां इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम

(09 मार्च, 2020 से 19 मार्च, 2020 तथा 01 फरवरी, 2021 से 12 फरवरी, 2021 तक)

कार्यक्रम का उद्देश्य /लक्ष्य समूह	राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में (पदोन्नत/चयन सूची) अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री विद्या भूषण
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री मोनिका धामी, सुश्री अलंकृता सिंह, सुश्री गौरी पराशर जोशी, श्री मिलिंद डी. रामटेके
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री संजीव चोपड़ा, भा.प्र. सेवा, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री भगत सिंह कोश्यारी, महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल 59 (पुरुष- 47, महिलाएं 12)

122वें इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-9 में दिया गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

प्रशासनिक सेवाओं की अखिल भारतीय प्रवृत्ति को बहेतर ढंग से समझना तथा देश के लोक प्रशासन एवं मैक्रो-इकोनोमी से सबंधित एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य विकसित करना।

विभिन्न क्षेत्रों में अद्यतन नीतियों तथा कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त करने के साथ अपने साथी प्रतिभागियों के अनुभवों से सीखना।
अपने कार्य क्षेत्र में सहयोगी कार्य और नेतृत्व एवं वार्ता के सिद्धांतों को लागू करने में समर्थ होना।

पाठ्यक्रम के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में व्याख्यान, परिचर्चा, प्रकरण अध्ययन, कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान, अनुभव का आदान-प्रदान, फिल्म एवं चर्चा, मैनेजमेंट गेम्स, समूह कार्य तथा क्षेत्र दौरे शामिल किए गए।

पाठ्यक्रम का डिजाइन

सप्ताह 1 भारतीय प्रशासनिक सेवा, सिस्टम थिंकिंग, राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों और चुनौतियों के बारे में पैनल चर्चा, पूर्वोत्तर चुनौतियों और संभावनाओं और दो दिवसीय गतिविधि आधारित नेतृत्व मॉड्यूल
सप्ताह 2 भारत को मानचित्रों, प्रशासकों के लिए राजनीतिक संकल्पनाएँ, एआई और चौथी औद्योगिक क्रांति, बायनेरिज़ और बहिष्करण, सैनिटेशन-विगत, वर्तमान और भविष्य, ह्यूमन ट्रेफिकिंग, सार्वजनिक खरीद, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, वर्णनात्मक साक्ष्य पर डिजिटल मॉड्यूल और एक दिवसीय गतिविधि आधारित बातचीत और संचार मॉड्यूल के माध्यम से ज्ञानार्जन।
सप्ताह 3 सर्वेक्षण, व्यवस्था और भूमि आधुनिकीकरण-II, समावेशी गतिशीलता, प्राथमिक शिक्षा में ज्ञानार्जन के परिणामों में सुधार, भारत में जन स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यान्वयन संबंधी चुनौतियां, भारत में प्रवासन, निवारक स्वास्थ्य देखभाल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर मॉड्यूल, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और सिविल सेवाओं में करियर की प्रगति
सप्ताह 4 पर्यावरण और स्थिरता, समावेशी शहरीकरण, भारत में कृषि रोडमैप

अनुभव साझा करने वाले असाइनमेंट के आधार पर, चयनित प्रतिभागियों ने उनके द्वारा किए गए अच्छे कार्य के जरिए पियर लर्निंग को बढ़ाने के उद्देश्य से कक्षा से पूर्व प्रस्तुतियाँ दी। प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित किया गया और समस्या समाधान अभ्यास के लिए विषय दिया गया जिसका मूल्यांकन बाहरी संकाय द्वारा किया गया। प्रतिभागियों ने संकाय सदस्यों और बाहरी संकाय से लिए गए संकाय सदस्यों के समूह के समक्ष प्रस्तुतियां दीं। चार सप्ताह में चार सत्रों के दौरान आई.सी.टी. इनपुट भी प्रदान किए गए। समूह में प्रतिभागियों ने पिछले दिन के व्याख्यान के बारे में प्रतिदिन डीब्रीफिंग भी प्रस्तुत की। प्रतिभागियों का मूल्यांकन 100 अंकों में से किया गया जिनमें से 40 अंक एम.सी.क्यू. परीक्षा के लिए, 20-20 अंक अनुभव साझा करने संबंधी पत्र और समस्या के समाधान संबंधी दस्तावेज एवं प्रस्तुतीकरण के लिए और 20 अंक अनुशासन, पाठ्येतर गतिविधियों एवं ओ.एल.क्यू. के लिए निर्धारित थे।

देश और विदेश अध्ययन दौरा

पिछले वित्तीय वर्ष (अर्थात 2020-21) के दौरान केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा विदेशी प्रशिक्षण के संबंध में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के दिनांक 15 जून, 2020 के पत्र संख्या-टी-16017/11/2019-आईजीओटी के संदर्भ में और मौजूदा कोविड स्थितियों के संबंध में, प्रशिक्षण-एमसीटीपी के दिनांक 04 जनवरी, 2021 के का.ज्ञा. सं. टी-17011(33)/1/2020 के तहत यह निर्णय लिया गया कि एक सप्ताह के विदेश अध्ययन दौरे और एक सप्ताह के देशीय अध्ययन दौरे के बिना ही 122वें इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जाए।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

122वें इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम (आईटीपी) में 14 संवर्गों के अधिकारी प्रतिभागी शामिल थे। राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यवहारपरक अर्थशास्त्र, अंतर्विभागीयता और समावेशन, उत्तर-पूर्व में चुनौतियां और संभावनाएं, सर्वेक्षण, बंदोबस्त और भूमि आधुनिकीकरण- II, प्राथमिक शिक्षा के परिणामों में सुधार के लिए फाउंडेशन कौशल, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और स्थिरता, तथा समावेशी शहरीकरण सहित विभिन्न विषयों पर 4 सप्ताह के शैक्षिक विषय शामिल थे।

हमारे पास शासन के उभरते क्षेत्रों और भारत में प्रौद्योगिकी की भूमिका, एआई तथा चौथी औद्योगिक क्रांति, ईपीओडी टीम द्वारा वर्णनात्मक साक्ष्य पर डिजिटल मॉड्यूल के इनपुट भी थे।

इस बैच ने श्री टीसीए राघवन, लेफ्टिनेंट जनरल पीजेएस पन्नू, श्री रवि कपूर, सचिव, कपड़ा मंत्रालय, सुश्री सुनीता नारायण, श्री रंजीत सिंह डिसाले, वैश्विक शिक्षक पुरस्कार विजेता जैसे प्रख्यात वक्ताओं के साथ बातचीत की।

सामाजिक समावेश पर मॉड्यूल में, प्रतिभागियों ने मुद्दों की गहन समझ और समस्या समाधान दृष्टिकोण विकसित करने के लिए अधिकारियों, गैर-सरकारी संगठनों के साथ-साथ हिंसा के पीड़ितों जैसे कई हितधारकों के साथ बातचीत की।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर मॉड्यूल में श्री राजेश्वर उपाध्याय ने 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जिसमें जौहरी विंडो, स्व-नियमन, सहानुभूति और सामाजिक कौशल जैसी अवधारणाओं को शामिल किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के साथ एक के बाद एक कोचिंग सत्र भी आयोजित किए और उन्हें व्यक्तिगत फीडबैक प्रदान की।

पीयर लर्निंग की सुविधा के लिए, प्रतिभागियों ने सभी के लिए आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आरोग्य, जेंडर संवेदनशीलता, व्यवसाय करने में आसानी, स्लम अपग्रेडेशन और संबंधित मुद्दों जैसे विषयों पर 12 समूहों में कार्य किया। प्रतिभागियों ने संबंधित क्षेत्रों में अपने विश्लेषण और प्रस्तावित व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए। इस अभ्यास ने प्रतिभागियों को एक सहयोगी तरीके से समस्या समाधान और महत्वपूर्ण मुद्दों पर सोच विचार करने में सक्षम बनाया।

प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में समूह ने एक अध्ययन दौरे के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग का भी दौरा किया और भूमि सर्वेक्षण और बंदोबस्त के विभिन्न उपकरणों और तकनीकों से ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने देहरादून में एक धर्मार्थ संगठन आरएपीएचएईएल का भी दौरा किया और धर्मार्थ संगठन के कामकाज को जानने तथा परिवार और समुदाय में समर्थन एवं पुनर्वास के माध्यम से दिव्यांग बच्चों और वयस्कों की क्षमता से परिचित हुए।

शारीरिक गतिविधियां जैसी योग, ध्यान, सुबह की सैर और जिम में प्रतिभागी व्यस्त रहे। सप्ताहांत में ट्रेक आयोजित किए गए जहां प्रतिभागियों ने हिमालय के शांत वातावरण अनुभव किया। उन्होंने महाराष्ट्र के जलगाँव के एक प्रतिभाशाली कलाकार श्री सचिन मुसाले के साथ वाटर कलर और कला में भी रुचि दिखाई।

प्रतिभागियों की मूल्यांकन रिपोर्ट इस प्रकार है:-

ग्रेड	प्रतिभागियों की संख्या
ए+	4
ए	41
बी+	13
बी	1

प्रख्यात अतिथि वक्ता

• श्री तेजवीर सिंह, आईएएस, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, पंजाब, पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़।

• श्री स्नेहिल कुमार, लीड फेलो और ट्रेनर, लीड इंडिया, जयपुर, राजस्थान।

• सुश्री भावना लूथरा, लीड फेलो और सह-प्रशिक्षक, लीड इंडिया, नई दिल्ली।

• श्री टीसीए राघवन, आईएफएस (सेवानिवृत्त), महानिदेशक, इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, सप्रू हाउस, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

• लेफ्टिनेंट जनरल पीजेएस पन्नू, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, गुड़गांव, हरियाणा।

• श्री विवेक भारद्वाज, आईएएस, अपर सचिव (पीएम), गृह मंत्रालय, नई दिल्ली।

• श्री रवि कपूर, आईएएस, सचिव, कपड़ा मंत्रालय, नई दिल्ली।

• डॉ. राम कुमार ककानी, प्रोफेसर, वित्त पोषण, लेखांकन और नियंत्रण, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझीकोड, केरल।

• डॉ. हिताशी लोमश, एसोसिएट डीन, मनोविज्ञान, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, गुड़गांव, हरियाणा।

• सुश्री रितु सैनी, प्रचारक, स्टॉप एसिड अटैक, नोएडा।

• श्री हरीश अय्यर, सामाजिक कार्यकर्ता, मुंबई।

• श्री अरुणेन्द्र पाण्डेय, निदेशक, अर्ज (अन्याय राहत ज़िन्दगी), वास्को, गोवा।

• डॉ. लेविंसन मार्टिन, निदेशक (विज्ञान और प्रौद्योगिकी), विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विभाग, गोवा।

• श्री आशिफ शेख, जन साहस, सामाजिक विकास समिति, देवास, मध्य प्रदेश।

• श्री एस. चॉकलिंगम, आईएएस, बंदोबस्त आयुक्त और भूमि अभिलेख निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, पुणे।

• श्री ओपी अग्रवाल, आईएएस (सेवानिवृत्त), मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विश्व संसाधन संस्थान, मुंबई।

• श्री डी. झिंगरान, आईएएस (सेवानिवृत्त), संस्थापक निदेशक, भाषा और शिक्षण फाउंडेशन, नई दिल्ली।

• डॉ. सबाहत अजीम, आईएएस (सेवानिवृत्त), मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ग्लोकल हेल्थकेयर सिस्टम्स लिमिटेड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

• श्री रंजीतसिंह डिसाले, शिक्षक, अलीपुर रोड, शिवाजी नगर, बरशी, सोलापुर, महाराष्ट्र।

• सुश्री दिव्या वर्मा, कार्यक्रम प्रबंधक, प्रवासन और श्रम समाधान केंद्र, उदयपुर, राजस्थान।

• प्रो. चिन्मय तुम्बे, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात।

• श्री प्रमित कुमार गर्ग, आईआरएसई, निदेशक (व्यवसाय विकास), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली।

• श्री केशवेंद्र कुमार, आईएएस, अपर कार्यकारी निदेशक, राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, पटना, बिहार।

• श्री राजेश्वर उपाध्याय, निदेशक, पार एक्सिलेन्स, नवी मुंबई, महाराष्ट्र।

• सुश्री सुनीता नारायण, महानिदेशक, विज्ञान और पर्यावरण केंद्र और कोषाध्यक्ष, संचार सोसायटी, नई दिल्ली।

• श्री ज्ञानेंद्र बड़गैयां आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, नई दिल्ली।

• श्री जी.मति वतनन, आईएएस, प्रधान सचिव, आवास और शहरी विकास विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर।

• श्री अरबिंद कुमार पाढी, कंट्री डायरेक्टर, इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स, नई दिल्ली।

• कैप्टन/प्रोफेसर पवनेक्स कोहली, पूर्व सीईओ, एनसीसीडी और पूर्व मुख्य सलाहकार, डीएसी एंड एफडब्ल्यू, नई दिल्ली ।

अनुसंधान केंद्र

आपदा प्रबंधन केंद्र

आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम) एक अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र है और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), भारत सरकार की यूनिट है। इसकी स्थापना वर्ष 2003 में की गई थी और यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम (पंजीकरण संख्या-199/2007-2008 दिनांक 26-05-2007) के तहत स्वायत्त सोसायटी के रूप में पंजीकृत है। यह केंद्र कक्षा, सत्र, केस स्टडी, अनुभव साझा करने वाली प्रस्तुतियाँ, पैनल चर्चा, कार्यशालाएँ, मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा न्यूनीकरण (नीति, योजना, कार्यक्रम निर्माण और कार्यान्वयन) के विभिन्न पहलुओं में मिड-करियर के साथ-साथ इंडक्शन स्तर के प्रोग्राम में सिविल सेवा (आईएएस और अन्य समूह- क सिविल सेवाओं) के अधिकारियों के प्रशिक्षण में शामिल रहा। अनुसंधान कार्य परियोजनाओं के अलावा, यह केंद्र प्रकाशन गतिविधियों जैसे श्रेष्ठ कार्यों का डॉक्युमेंटेशन, केस स्टडी का विकास, पुस्तकों, और आपदा और आपातकालीन प्रबंधन और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आईईसी सामग्री के विकास में भी शामिल रहा है।

यह केंद्र वर्ष 2007 से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से "सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों तथा प्रौद्योगिकीविदों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" की योजना के लिए ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के तहत अनेक विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। देशभर के सैकड़ों वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों को अद्वितीय शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ प्रमुख संस्थान के प्रशिक्षण परिदृश्य से अवगत कराया गया। वर्ष 2012-13 से केंद्र को गृह मंत्रालय द्वारा समर्थन दिया गया। सीडीएम को "आपदा प्रबंधन पर भा.प्र. सेवा/केंद्रीय सेवा अधिकारियों का क्षमता निर्माण" नामक परियोजना के तहत एनडीएमए से समर्थन प्राप्त हो रहा है।

क. मानव संसाधनों के विकास तथा प्रबंधन के लिए आपदा प्रबंधन केंद्र की मुख्य पहलें/उपलब्धियां

आपदा प्रबंधन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ने भा.प्र.से./भारत में केंद्रीय सेवा के अधिकारियों के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

1. जलवायु परिवर्तन: महिला वैज्ञानिकों के लिए चुनौतियां और प्रतिक्रिया (05 - 09 अक्टूबर 2020)

कार्यक्रम का उद्देश्य /लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत महिला वैज्ञानिक
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	डॉ संजीव चोपड़ा, आईएएस निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी और श्रीमती अंजू भल्ला संयुक्त सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
समापन समारोह के दौरान सम्बोधन	श्री अभिराम जी. शंकर आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 48 (महिलाएं: 48)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रतिभागियों को जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और आजीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराना
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए यूएनएफ़सीसीसी - पेरिस समझौते, सतत विकास लक्ष्यों (एसजीडीएस) और सेंदई फ्रेम्वर्क के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान करना और समावेशी ज्ञानार्जन को आसान बनाना।

विषयगत क्षेत्र:

- जलवायु परिवर्तन के जेंडर आयाम
- लो कार्बन लाइफ स्टाइल
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण
- प्रौद्योगिकी की भूमिका और सीसीए एवं डीआरआर में उसके कार्य
- जलवायु परिवर्तन को मुख्यधारा में लाना

प्रख्यात अतिथि वक्ता:

- डॉ. अखिलेश गुप्ता, सलाहकार/वैज्ञानिक-जी और अध्यक्ष, एसपीएलआईसीई और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली
- सुश्री सुरुचि भड़वाल- सीनियर फेलो (इंपेक्ट्स, वलनीरेबिलिटी और एडेप्टेशन एक्सपर्ट), द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी), नई दिल्ली
- डॉ. पी. के. चंपती राय, ग्रुप हेड, जियोसाइंस एंड डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग, इसरो, देहरादून
- श्री बिष्णुपद सेठी, आईएएस, प्रधान सचिव, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग, ओडिशा सरकार।
- प्रो. ए. दामोदरन, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान, भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु (आईआईएमबी), बेंगलुरु
- डॉ. एन. एच. रवींद्रनाथ, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), सतत प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएसटी), भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर
- श्रीमती नगमा फिरदौस, पूर्व वरिष्ठ सलाहकार (सीबीडीएम), एनडीएमए, नई दिल्ली
- श्री वी.आर.के. तेजा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, केरल पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, केरल
- डॉ. एम. महापात्र, मौसम विज्ञान महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली
- डॉ. वाई. पी. सुंदरियाल, अध्यक्ष और प्रोफेसर, भू-विज्ञान विभाग, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड

2. वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए सामुदायिक स्तर पर आपदा शमन में प्रौद्योगिकी की भूमिका (23-27 नवंबर 2020)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिक
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	सुश्री एकता उनियाल सहायक निदेशक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
समापन समारोह के दौरान सम्बोधन	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 35 (पुरुष: 27; महिलाएं: 08)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रतिभागियों को आपदा न्यूनीकरण के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण को सक्षम करने के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और एकीकृत आजीविका पर आपदाओं के प्रभावों से अवगत कराना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराना
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसजीडीएस*)* और सेंदई फ्रेम्वर्क के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान करना और समावेशी ज्ञानार्जन को आसान बनाना।

विषयगत क्षेत्र:

• आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर)

• पार्टिसिपेटरी लर्निंग एवं एक्शन (पीएलए)

• समुदाय आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीबीडीआरएम) योजना

• आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका

• कार्यालय आपदा प्रबंधन योजना

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री सरबजीत सिंह सहोता, आपातकालीन विशेषज्ञ, आपदा जोखिम न्यूनीकरण अनुभाग, यूनिसेफ इंडिया, यूनिसेफ हाउस, 73 लोदी एस्टेट, नई दिल्ली 110 003
- प्रो. विनोद के. शर्मा, वरिष्ठ प्रोफेसर (आपदा प्रबंधन), भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली और उपाध्यक्ष, सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गंगटोक, सिक्किम सरकार
- प्रो. हरीश सी. पोखरियाल, कार्यकारी निदेशक, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5, कैवर्ली लेन, दिल्ली
- डॉ. अजिंदर वालिया, सहायक प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), *(*गृह मंत्रालय, भारत सरकार), ए-विंग, चौथा तल, एनडीसीसी-II भवन, जय सिंह रोड, नई दिल्ली - 110001
- श्री विशाल वासवानी, आपातकालीन अधिकारी, यूनिसेफ इंडिया, यूनिसेफ कार्यालय छत्तीसगढ़, 503, सिविल लाइंस, रायपुर - 492001, छत्तीसगढ़
- ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह, वरिष्ठ सलाहकार, (आईआरएस और मॉक एक्सरसाइज), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार, एनडीएमए भवन, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली - 110029
- डॉ. के. शेखर, प्रोफेसर और रजिस्ट्रार, मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरो विज्ञान संस्थान (निमहंस), 101. डॉ. एम वी. गोविंदस्वामी केंद्र, निमहंस, बैंगलोर - 560029, भारत
- डॉ. हरीश चंद्र कर्नाटक, वैज्ञानिक/इंजीनियर - एसजी और प्रमुख, जियोवेब सर्विसेज, आईटी एंड डिस्टेंस लर्निंग (जीआईटी एंड डीएल) विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग (आईआईआरएस), इसरो, भारत सरकार, 4, कालिदास रोड, देहरादून- 248001 भारत
- डॉ. नीलेश एम. देसाई, एसोसिएट निदेशक, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अहमदाबाद-380015 गुजरात, भारत
- श्री अनिल के सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त), सह-अध्यक्ष, यूएनडीआरआर अराइज फिक्की फॉर इंडिया और फेलो - नीति सलाहकार, अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी), काठमांडू।

3. जलवायु परिवर्तन: वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों के लिए चुनौतियां और प्रतिक्रिया (14 - 18 दिसंबर 2020)

कार्यक्रम का उद्देश्य /लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम

	लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
समापन समारोह के दौरान सम्बोधन	श्री अनिल के सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त) सह-अध्यक्ष, यूएनडीईआरआर एआरआईएसई एफ़आईसीसीआई फॉर इंडिया और फेलो - नीति सलाहकार, इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी), काठमांडू
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 44 (पुरुष: 28; महिलाएं-16)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रतिभागियों को जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और आजीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराना
- जेंडर समानता से अवगत कराना, जेंडर क्षमता निर्माण और प्रतिभागियों को सभी स्तरों पर अपने कार्य में लक्ष्य बढ़ाने में सक्षम बनाना
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए यूएनएफ़सीसीसी - पेरिस समझौते, सतत विकास लक्ष्यों (एसजीडीएस) और सेंदई फ्रेम्वर्क के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान करना और समावेशी ज्ञानार्जन को आसान बनाना।

विषयगत क्षेत्र:

- जलवायु परिवर्तन के जेंडर आयाम
- लो कार्बन लाइफ स्टाइल
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण
- प्रौद्योगिकी की भूमिका और सीसीए एवं डीआरआर में उसके कार्य

- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण को विकास योजना की मुख्यधारा में लाना

प्रख्यात अतिथि वक्ता:

- प्रो. अनिल के. गुप्ता, प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), (*गृह* मंत्रालय, भारत सरकार), ए-विंग, चौथा तल, एनडीसीसी-II भवन, जय सिंह रोड, नई दिल्ली - 110001
- डॉ. उमामहेश्वरन राजशेखर, अध्यक्ष, अर्बन रेजिलिएंस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स, नई दिल्ली
- डॉ. अखिलेश गुप्ता, सलाहकार/वैज्ञानिक-जी और अध्यक्ष, एसपीएलआईसीई और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ. एन. एच. रवींद्रनाथ, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), सतत प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएसटी), भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर
- श्री विशाल वासवानी, आपातकालीन अधिकारी, यूनिसेफ इंडिया, यूनिसेफ कार्यालय छत्तीसगढ़, 503, सिविल लाइंस, रायपुर - 492001, छत्तीसगढ़
- डॉ. शैलेंदर कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, इनोवेशन सिस्टम फॉर द ड्राइलैंड्स, आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद
- डॉ. के. शेखर, प्रोफेसर, मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरो विज्ञान संस्थान (निमहंस), 101. डॉ. एम. वी. गोविंदस्वामी केंद्र, निमहंस, बैंगलोर -560029, भारत
- प्रो. महुआ मुखर्जी, प्रोफेसर और अध्यक्ष, सीओई, आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की
- डॉ. अरिजीत रॉय, वैज्ञानिक एसजी और अध्यक्ष, आपदा प्रबंधन विज्ञान विभाग, भारतीय रिमोट सेन्सिंग संस्थान (आईआईआरएस), देहरादून
- श्री अनिल के सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त), सह-अध्यक्ष, यूएनडीआरआर अराइज फिक्की फॉर इंडिया, आईसीआईएमओडी फेलो - नीति सलाहकार, एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी), काठमांडू

4. आईएएस/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए जिला आपदा प्रबंधन योजना (23 - 24 दिसंबर 2020)

कार्यक्रम का उद्देश्य /लक्ष्य समूह	आईएएस/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारी (सचिव/संयुक्त सचिव (डीएम विभाग), जिला मजिस्ट्रेट/उपायुक्त, अपर जिला मजिस्ट्रेट/अपर उपायुक्त, मल्टी हजार्ड प्रोन जिलों के सब-डिवीज़नल मजिस्ट्रेट)

पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री जी. वी. वी. शर्मा, आईएएस सदस्य सचिव राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भारत सरकार, नई दिल्ली
समापन समारोह के दौरान सम्बोधन	श्री अनिल के सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त), सह-अध्यक्ष, यूएनडीआरआर अराइज फिक्की फॉर इंडिया, और फेलो - नीति सलाहकार, एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी), काठमांडू
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 32 (पुरुष-24; महिलाएं - 8)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य:

- इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा प्रबंधकों, जो समुदायों पर विनाशकारी घटनाओं के प्रभाव को कम करने की दिशा में कार्य करते हैं, की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आपदा जोखिम प्रबंधन की आवश्यक और उपयोगी मूलभूत शिक्षा तथा कौशल प्रदान करना है।
- प्रतिभागियों को मुख्य कौशल विकसित करने तथा कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर इंटरैक्टिव व्याख्यानों में भागीदारी के माध्यम से सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने के लिए करना।

परिणाम:

- प्रतिभागी डीडीएमपी तैयार करने तथा उसकी समीक्षा करने में सक्षम हो जाते हैं। प्रतिभागी सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए इन-हाउस प्रशिक्षकों, बाह्य संकाय और पारस्परिक बातचीत के माध्यम से सहकर्मी और समावेशी ज्ञानार्जन का लाभ प्राप्त करते हैं।

विषयगत क्षेत्र:

- जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी)- लीगल फ्रेमवर्क और सामुदायिक भागीदारी की भूमिका
- समुदाय आधारित जिला आपदा प्रबंधन योजना

- जोखिम, खतरा, वलनीरेबिलिटी और क्षमता मूल्यांकन-उपकरण और तकनीक
- आपदाओं की रोकथाम: आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 और उसके अनुप्रयोग
- जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) में प्रौद्योगिकी का उपयोग
- संकट संचार और मीडिया प्रबंधन योजना
- आपदाओं में मनो सामाजिक देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना
- जिला स्तर पर डीडीएमपी की तैयारी में चुनौतियां और मुद्दे: एक केस स्टडी
- आपदा पुनर्निर्माण और पुनर्वास योजना
- आपदा प्रतिक्रिया और जोखिम न्यूनीकरण: राज्यों से ज्ञानार्जन/सीख
- प्रभावी योजना और तैयारी के लिए चक्रवातों के प्रबंधन से सीख
- अत्याधुनिक ईओसी: अवधारणा, भूमिका और कार्य
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और योजना के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली (भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियां)
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और योजना के लिए भुवन जियोपोर्टल पर व्यावहारिक ज्ञान
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण: वैश्विक परिप्रेक्ष्य
- डीआरआर के लिए राज्य और जिला स्तर के संस्थानों को मजबूत बनाना: चुनौतियां और अवसर
- विकास योजना में सीसीए और डीआरआर को मुख्यधारा में लाना
- भारतीय शहरों के लिए आपदा प्रतिरोधी शहरी योजना: क्रॉस कटिंग मुद्दे और समाधान
- कोविड-19 का शमन और प्रबंधन: राज्यों के अनुभव और राज्यों की विभिन्न पहलें
- जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) की समीक्षा पर समूह कार्य

प्रख्यात अतिथि वक्ता:

- प्रो. संतोष कुमार, प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), (गृह मंत्रालय, भारत सरकार), ए-विंग, चौथा तल, एनडीसीसी-II भवन, जय सिंह रोड, नई दिल्ली - 110001
- श्री बिष्णुपद सेठी, आईएएस, प्रधान सचिव, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर, ओडिशा - 751001
- श्री केशवेंद्र कुमार, आईएएस, अपर सचिव, पशु और मत्स्य संसाधन विभाग एवं अपर कार्यकारी निदेशक, राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, बिहार सरकार, परिवार कल्याण भवन, शेखपुरा, पटना-800014
- प्रो. अनिल के. गुप्ता, प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), (*गृह* मंत्रालय, भारत सरकार), ए-विंग, चौथा तल, एनडीसीसी-II भवन, जय सिंह रोड, नई दिल्ली - 110001
- डॉ. उमामहेश्वरन राजशेखर, अध्यक्ष, अर्बन रेजिलिएंस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (एनआईयूए), प्रथम तल, कोर 4बी इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली -110003

- डॉ. हरीश चंद्र कर्नाटक, वैज्ञानिक/ इंजीनियर - एसएफ और अध्यक्ष, जियोवेब सर्विसेज, आईटी और दूरस्थ शिक्षा (जीआईटी एवं डीएल) विभाग, भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान (आईआईआरएस), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, भारत सरकार, 4, कालिदास रोड, देहरादून - 248001
- श्री प्रदीप कुमार जेना, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, ओडिशा सरकार, ग्रामीण विकास विभाग, विशेष राहत आयुक्त एवं प्रबंध निदेशक, ओएसडीएमए, भुवनेश्वर- 751001
- डॉ. राजन एन. खोबरागड़े, आईएएस, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, केरल सरकार, कमरा नंबर 603, छटा तल, एनेक्स II, सचिवालय, तिरुवनंतपुरम - 695001
- डॉ. जे. राधाकृष्णन, आईएएस, प्रधान सचिव, तमिलनाडु सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, चौथा तल, फोर्ट सेंट जॉर्ज, सचिवालय, चेन्नई - 600009, तमिलनाडु
- श्री विक्रम देव दत्त, आईएएस, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, कमरा नंबर ए-907, ए विंग, 9वां तल, दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली - 110 002
- श्री अनिल के. सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त), सह-अध्यक्ष, यूएनडीईआरआर एआरआईएसई फिक्की और फेलो-नीति सलाहकार, अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी), काठमांडू

5. वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका (01 - 05 फरवरी 2021)

कार्यक्रम का उद्देश्य /लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री अनिल के सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त) सह-अध्यक्ष, यूएनडीआरआर एआरआईएसई फिक्की फॉर इंडिया और फेलो - नीति सलाहकार, अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी), काठमांडू
समापन सम्बोधन	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 37 (पुरुष-34; महिलाएं - 3)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रतिभागियों को आपदा न्यूनीकरण के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण को सक्षम करने के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और एकीकृत आजीविका पर आपदाओं के प्रभावों से अवगत कराना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराना
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसजीडीएस*)* और सेंदई फ्रेम्वर्क के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान करना और समावेशी ज्ञानार्जन को आसान बनाना।

विषयगत क्षेत्र:

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर)
- पार्टिसिपेटरी लर्निंग एवं एक्शन (पीएलए)
- समुदाय आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीबीडीआरएम) योजना
- आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका
- कार्यालय आपदा प्रबंधन योजना

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री सरबजीत सिंह सहोता, आपातकालीन विशेषज्ञ, आपदा जोखिम न्यूनीकरण अनुभाग, यूनिसेफ इंडिया, यूनिसेफ हाउस, 73 लोदी एस्टेट, नई दिल्ली 110 003
- प्रो. संतोष कुमार, प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), (गृह मंत्रालय, भारत सरकार), ए-विंग, चौथा तल, एनडीसीसी-II भवन, जय सिंह रोड, नई दिल्ली - 110001
- प्रो. हरीश सी. पोखरियाल, कार्यकारी निदेशक, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5, कैवेलरी लेन, दिल्ली
- डॉ. अजिंदर वालिया, सहायक प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), (गृह मंत्रालय, भारत सरकार), ए-विंग, चौथा तल, एनडीसीसी-II भवन, जय सिंह रोड, नई दिल्ली - 110001
- श्री विशाल वासवानी, आपातकालीन अधिकारी, यूनिसेफ इंडिया, यूनिसेफ कार्यालय छत्तीसगढ़, 503, सिविल लाइंस, रायपुर - 492001, छत्तीसगढ़

- ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह, वरिष्ठ सलाहकार, (आईआरएस और मॉक एक्सरसाइज), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार, एनडीएमए भवन, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली - 110029
- डॉ. के. शेखर, प्रोफेसर, मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरो विज्ञान संस्थान (निमहंस), 101. डॉ. एम. वी. गोविंदस्वामी केंद्र, निमहंस, बैंगलोर -560029, भारत
- डॉ. हरीश चंद्र कर्नाटक, वैज्ञानिक/इंजीनियर - एसजी एवं प्रमुख, जियोवेब सर्विसेज, आईटी एंड डिस्टेंस लर्निंग (जीआईटी एंड डीएल) विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सैंसिंग (आईआईआरएस), इसरो, भारत सरकार, 4, कालिदास रोड, देहरादून- 248001 भारत
- डॉ. सुनील के. अग्रवाल, वैज्ञानिक- एफ, एसईईडी और पीसीपीएम प्रभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री पी.एन. राय, आईपीएस (सेवानिवृत्त), माननीय सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार, पटना

6. भारतीय प्रशासनिक सेवा/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए इंसिडेंट रेसपांस सिस्टम (24-25 फरवरी 2021)

कार्यक्रम का उद्देश्य/ लक्ष्य समूह	आई.ए.एस./केंद्रीय सिविल सेवाओं के अधिकारी (सचिव/संयुक्त सचिव (डीएम विभाग), जिला मजिस्ट्रेट/उपायुक्त, अपर जिला मजिस्ट्रेट/अपर उपायुक्त, आपदाओं की अधिक आशंका वाले जिलों के सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट)
पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. मिलिंद डी. रामटेके, आईएएस उप निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सहायक पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	डॉ. वी. थिरुप्पुगज़, आईएएस अपर सचिव (नीति एवं योजना), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री अनिल के. सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त) सह-अध्यक्ष, यूएनडीआरआर एआरआईएसई एफआईसीसीआई फार इंडिया और फेलो-नीति सलाहकार, इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी), काठमांडू
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 49 (पुरूष- 42; महिलाएं-7)

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य :

- इंसिडेट रेसपांस सिस्टम के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य समुदायों पर विनाशकारी घटनाओं के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक और उपयोगी आधारभूत जानकारी प्रदान करना तथा घटना से निपटने के लिए योजना तैयार करना और कार्रवाई करने का कौशल प्रदान करना है।
- भारत में आपदा प्रबंधन के लिए इंसिडेंट रेसपांस सिस्टम (आईआरएस) का परिचय देना और आपदा प्रबंधन के लिए इंसिडेंट रेसपांस सिस्टम (आईआरएस) के सिद्धांतों, अवधारणाओं, कार्य-प्रणालियों और विशेषताओं से परिचित कराना।
- इंसिडेंट रेसपांस आर्गेनाइजेशन, कर्मचारियों की व्यवस्था और इंसिडेंट सुविधाओं के बारे में जानकारी देना, इंसिडेंट संसाधनों और संसाधन प्रबंधन का महत्व बताना और प्रतिभागियों को आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक उपकरणों और तकनीकों से परिचित कराना।
- प्रतिभागियों को इंसिडेंट रेसपांस सिस्टम की योजना, प्रचालन और लॉजिस्टिक्स अनुभाग के कर्मचारियों के मुख्य कार्यों और इंसिडेंट कार्य योजना के महत्व को समझने में सक्षम बनाना और लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने हेतु कार्रवाई करने के लिए उचित दिशानिर्देश देना और आपदा की घटनाओं के दौरान इंसिडेंट की कमान और नियंत्रण संबंधी कार्यनिष्पादन के बारे में बताना।
- भारत में आपदा की स्थिति में प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों में समन्वय की आवश्यकता और महत्व के विषय में बताना।
- प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने और मुख्य मुद्दों पर विचार मंथन करने वाले परस्पर संवादात्मक व्याख्यानों में भागीदारी के माध्यम से प्रोएक्टिव रवैया अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

परिणाम:

- प्रतिभागी इंसिडेंट रेंसपांस सिस्टम की योजना तैयार करने में सक्षम हो जाते हैं। प्रतिभागी सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इन-हाउस प्रशिक्षकों, बाहरी संकाय सदस्यों और आपस में वार्तालाप के माध्यम से समूह में और एक साथ शामिल होकर ज्ञानार्जन का लाभ उठायेंगे।

विषयगत क्षेत्र:

- इंसिडेंट रेंसपांस सिस्टम: विषय निर्धारित करना
- इंसिडेंट रेंसपांस सिस्टम: सिद्धांत, अवधारणाएं, विशेषताएं और इनका कार्यान्वयन
- इंसिडेंट रेंसपांस सिस्टम: संगठन, कर्मचारियों की व्यवस्था और सुविधाएं-राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर समन्वय करना
- जिला मजिस्ट्रेट: इंसिडेंट रेंसपांस सिस्टम को लागू करने में भूमिका और चुनौतियां
- इंसिडेंट रेंसपांस सिस्टम: प्रचालन और योजना अनुभागों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां
- व्यवहार में इंसिडेंट रेसपांस सिस्टम: पंढरपुर (महाराष्ट्र) के वारी क्षेत्र पर केस स्टडी
- इंसिडेंट रेसपांस सिस्टम में इंसिडेंट संसाधन और संसाधन प्रबंधन: लॉजिस्टिक्स अनुभाग की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां
- इंसिडेंट रेंसपांस सिस्टम के तहत संकट के समय संचार व्यवस्था और मीडिया प्रबंधन

- आपदा की स्थिति में कार्य करते समय प्रौद्योगिकी का उपयोग
- व्यवहार में इंसिडेंट रेंसपांस सिस्टम: नासिक कुंभ मेला (महाराष्ट्र) में एकत्रित भीड़ का अनुभव
- ओडिशा में अत्यधिक तेज चक्रवाती तूफान का प्रबंधन-प्रौद्योगिकी का उपयोग, टीम वर्क और पारदर्शिता
- अत्याधुनिक ईओसी: अवधारणा, भूमिका और कार्य
- बड़ी धार्मिक सभाओं का प्रबंधन: प्रयागराज कुंभ मेला, 2019 और नासिक कुंभ मेला, 2015 से प्राप्त अनुभव
- कुंभ मेला प्रयोग: मानव जाति की सबसे बड़ी भीड़ की गतिशीलता का आकलन करना, उसे समझना और प्रबंधन को स्थिति के अनुरूप बनाना उज्जैन में कुंभ मेला 2016 के अनुभव
- कोसी आपदा 2008 के प्रबंधन में इंसिडेंट रेंसपांस सिस्टम को प्रयोग में लाया जाना
- आपदा जोखिम को कम करने और योजना बनाने के लिए जियो-स्पेटियल प्रौद्योगिकी का प्रयोग
- आपदा जोखिम को कम करने और योजना बनाने के लिए भुवन जियोपोर्टल पर व्यावहारिक अभ्यास
- आपदा की स्थिति में कार्य करना और जोखिम कम करना: विभिन्न राज्यों से ज्ञानार्जन

प्रख्यात अतिथि वक्ता:

- डॉ. वी. थिरुप्पुगज़, आईएएस - अपर सचिव (नीति और योजना), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार, एनडीएमए भवन, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029
- कर्नल विश्वास नरहर सुपाणेकर (सेवानिवृत्त)-निदेशक एवं प्रोफेसर, आपदा प्रबंधन केंद्र, यशवंतराव चव्हाण अकेडमी ऑफ डेवेलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन, राजभवन कॉम्प्लेक्स, बनेर रोड, पुणे-411007
- डॉ. एम. आरिज़ अहमद, आईएएस - प्रधान सचिव, लोक उद्यम विभाग, असम सरकार, ब्लॉक सी, तीसरी मंजिल, असम सचिवालय, दिसपुर, गुवाहाटी-781006
- डॉ प्रवीण गेडम, आईएएस-अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, 9वीं मंजिल, टॉवर-I, जीवन भारती बिल्डिंग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
- डॉ. आशीष वर्मा-एसोसिएट प्रोफेसर, ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम इंजीनियरिंग, संयोजक, आईआईएससी सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन लैब (आईएसटी लैब), सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बैंगलोर-560012, कर्नाटक
- श्री विजय किरण आनंद, आईएएस- महानिदेशक (स्कूली शिक्षा) और राज्य परियोजना निदेशक (समग्र शिक्षा), उत्तर प्रदेश सरकार, बेसिक शिक्षा निदेशालय, यूपी एजुकेशन फॉर ऑल प्रोजेक्ट बोर्ड, विद्या भवन, निशात गंज, लखनऊ-226007
- श्री आलोक मिश्रा, आईआईएस-उप महानिदेशक, विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय, नीति आयोग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
- डॉ हरीश चंद्र कर्नाटक-वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसजी और प्रमुख, जियोवेब सर्विसेज, सूचना प्रोद्योगिकी और दूरस्थ शिक्षा (जीआईटी और डीएल) विभाग, भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान (आईआईआरएस), इसरो, भारत सरकार, 4, कालिदास रोड, देहरादून- 248001 भारत
- श्री पी.एन. राय, आईपीएस (सेवानिवृत्त)-माननीय सदस्य, द्वितीय तल, पंत भवन, बेली रोड, पटना, बिहार-800001

7. विभिन्न कोर्सों के लिए आपदा प्रबंधन पर इन-हाउस सेंसेटाइज़ेशन मॉड्यूल्स:

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 95वें फाउंडेशन कोर्स (एफसी), 122वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईटीपी), आईएएस फेस-I (बैच), आईएएस फेस-II (2018 बैच), एमसीटीपी फेस-III के 16वें और 17वें दौर के प्रशिक्षु अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए आपदा की रोकथाम/प्रभाव कम करने, तैयारी करने और योजना बनाने, प्रतिक्रिया और रिकवरी में बिल्ड बैक बेटर, पुनर्वास और रिकस्ट्रक्शन के संबंध में क्षमता निर्माण करने वाले विभिन्न मॉड्यूल्स शामिल किए गए। फाउंडेशन कोर्स और फेज-I के अधिकारियों को कोविड-19 महामारी के प्रकोप का प्रबंधन करने के लिए देश के प्रयासों में नीतिगत हस्तक्षेप में सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के साथ-साथ महामारी अधिनियम, 1897, और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005, जन स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने में गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

ख. कर्मचारियों के कल्याण, क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण के लिए की गई पहलों पर जानकारी (इनपुट्स)

1. हिमालयन स्टडी टूर (95वां एफसी) के दौरान वायरलेस कम्यूनिकेशन सेट्स और जीपीएस के संचालन से प्रशिक्षु अधिकारियों को परिचित कराया
2. फेस-I प्रशिक्षु अधिकारियों को एचएएम रेडियो प्रशिक्षण प्रदान किया
3. फेस-I प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए आग से बचाव एवं खोज और बचाव हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन किया
4. कोविड-19 आदेशों की राज्यवार रिपोजेटरी, प्रतिक्रियाएं और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां: कोविड 19 के दौरान, सीडीएम ने सीएआरयूएनए (राष्ट्रीय आपदाओं में सहायता पहुंचाने के लिए सिविल सर्विसेज एसोसिएशन) प्लेटफार्म के माध्यम से कोविड-19 के मामलों को कम करने और देश भर में जागरूकता लाने हेतु सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां अपनाने के लिए केंद्रीय और नोडल केंद्र बनने में प्रमुख (स्टेलर) की भूमिका निभाई।

ग. केंद्र के प्रकाशन:

1. केस स्टडी बुक ऑन डिज़ास्टर गवर्नेंस इन इंडिया-आईएसएसएन: 978-81-928670-6-9, सीरीज 7, 2021
2. जर्नल ऑन डिजास्टर रेसपांस एंड मैनेजमेंट - आईएसएसएन: 2347-2553, वॉल्यूम-VIII, अंक-1, 2021
3. भारत के सिविल सेवा अधिकारियों के लिए आपदा जोखिम कम करने संबंधी टूलकिट
4. प्रशिक्षण की जरुरतों के मुताबिक पाठयक्रम तैयार किया गया और उपर्युक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रशिक्षु अधिकारियों को वितरित किया गया:

क. आपदा प्रबंधन की मूल बातें
ख. आपदा प्रबंधन की कानूनी रूपरेखा
ग. जिला आपदा प्रबंधन योजना
घ. इंसिडेट रेसपांस सिस्टम
ड. जन स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन (कोविड 19)
च. आपदा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका
छ. सामुदायिक स्तर पर आपदा के प्रभाव कम करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका
ज. जलवायु परिवर्तन: चुनौतियां और प्रतिक्रिया

घ. अनुसंधान/प्रकरण अध्ययन

क. अनुसंधान:

आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम) ने निम्नलिखित शोध किए और शोध अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन (एनडीएमए) को प्रस्तुत की गई है।

1. केरल बाढ़-2018: बाढ़ के कारणों की जांच और जोखिम कम करने की रणनीति
2. आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में गर्म हवाओं (हीट वेव) का प्रबंधन: गर्म हवाओं (हीट वेव) संबंधी दिशानिर्देशों और कार्य योजनाओं के प्रभाव की जांच

ख. केस स्टडीज

आपदा प्रबंधन केंद्र **(**सीडीएम**)** ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान निम्नलिखित केस स्टडी तैयार की**:-**

1. आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षण-वर्ष 2018 में आंध्र प्रदेश में तितली चक्रवात का केस
2. कोविड-19 के प्रभाव को कम करना और उसका प्रबंधन: दिल्ली में अपनायी गई सर्वोत्तम कार्यप्रथाएं
3. कोविड-19 के प्रभाव को कम करना और उसका प्रबंधन: महाराष्ट्र में अपनायी गई सर्वोत्तम कार्यप्रथाएं

बी.एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र (बीएनवाईसीआरएस)

केंद्र का विजन

"भूमि, ग्रामीण विकास, कृषि आंदोलन, आजीविका, जेंडर और पंचायती राज के विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीतिगत विचार-विमर्श के लिए वातावरण तैयार करना और उसको बढ़ावा देने में सहायता करना।"

केंद्र का मिशन

"अधिकारी प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण सामग्री और मैनुअल तैयार करना, अनुसंधान संबंधी अध्ययन कार्य करना, कार्यशालाओं और नीतिगत संगोष्ठियों का आयोजन करना, सहयोगी संगठनों और पेशेवरों के साथ समन्वय स्थापित करना, पत्रिकाओं, शोध पत्रों, रिपोर्टों आदि का प्रकाशन सुनिश्चित

करना और नीति बनाने या उसमें परिवर्तन करने के लिए सरकारी एजेंसियों में अनुसंधान आधारित ज्ञान का प्रसार करना तथा युवा पेशेवरों को देश की सामाजिक आर्थिक वास्तविकताओं से रूबरू कराना।

संदर्भ वर्ष के दौरान केंद्र निदेशक का नाम

श्री एन.के. सुधांशु, आईएएस
(01.04.2020 - 20.12.2020)

सुश्री आनंदी, आईएएस
(21.12.2020 - अब तक)

केंद्र की संक्षिप्त पृष्ठभूमि

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में बी. एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र वर्ष 1989 में स्थापना के बाद से ही भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण और नीति निर्माण संबधी सिफारिशों देने के लिए प्रमुख संसाधन/प्रतिष्ठान के रूप में उभरा है। इसे मुख्य रूप से भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निधि आबंटित की जाती है और सहायता की जाती है। वर्तमान में यह भारतीय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत वैज्ञानिक प्रशिक्षण और अनुसंधान समिति के रूप में पंजीकृत है। अकादमी के निदेशक इस केंद्र के पदेन अध्यक्ष हैं और उन्हें किसी भी संयुक्त निदेशक, उप निदेशक या प्रोफेसर को केंद्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने का अधिकार है।

केंद्र भूमि सुधार, भूमि अभिलेख प्रबंधन, भुगतान आधारित रोजगार, सामान्य संपत्ति संसाधन, विस्थापन और पुनर्वास, समकालीन कृषि आंदोलनों, और ग्रामीण विकास, पंचायती राज आदि के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रकाशन संबंधी कार्य करता है। यह मुख्य रूप से फाउंडेशन कोर्स के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ग्रामीण दौरा कार्यक्रम आयोजित करता है। गांव के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार लाने के लिए उनकी प्राथमिकताओं का आकलन करने हेतु प्रशिक्षु अधिकारियों को पार्टिसिपेटरी रूरल एप्रेजल (पीआरए) तकनीकों पर इनपुट्स दिए जाते हैं। केंद्र प्रशिक्षु अधिकारियों के माध्यम से उनके जिला प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम तैयार करने और उसकी जांच की प्रक्रिया में भी शामिल रहता है। काश्तकारी, भूमि के सीमा निर्धारण, भूमि अभिलेख, भूमि चकबंदी, बंजर भूमि प्रबंधन, आवासहीनता, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों सहित ग्रामीण विकास कार्यक्रमों पर डेटा एकत्र किया जाता है और प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट गांवों की सामाजिक-आर्थिक और भूमि सुधार संबंधी रिपोर्ट तैयार करने में उपयोग में लाया जाता है। इन रिपोर्टों के आधार पर केंद्र ने 'भारत में भूमि सुधार' की एक सीरीज और 'ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक रूपरेखा' की तीन सीरीज प्रकाशित की हैं। केंद्र के अन्य प्रकाशनों में पुस्तकें, लेख, शोध पत्र शामिल हैं और सबसे महत्वपूर्ण सेज प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा किया जाने वाला जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज है जोकि उपर्युक्त विषयों पर विचारों को प्रकट करने और उनको साझा करने का अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म है। भूमि प्रशासन और ग्रामीण विकास पर विचारों का नियमित आदान-प्रदान करने हेतु यह केंद्र कार्यशालाएं भी आयोजित कर रहा है।

वर्ष के दौरान गतिविधियाँ

(क) प्रशिक्षण कार्यक्रम

बी.एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र अकादमी द्वारा आयोजित फाउंडेशन कोर्स और आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के दौरान सक्रिय रूप से सम्मिलित होता है। इस वर्ष के दौरान केंद्र ने निम्नलिखित प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की:

(i) आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- I

- ***लैंड एडमिनिस्ट्रेशन मॉड्यूल:*** वर्ष 2020 बैच के 182 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को अकादमिक काउंसिल के सदस्यों (एसीएम) द्वारा अनुमोदित डिजाइन के अनुसार लैंड एडमिनिस्ट्रेशन मॉडयूल वितरित किए गए।

लैंड एडमिनिस्ट्रेशन पर कक्षा सत्र

- ***भूमि सर्वेक्षण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण:*** केंद्र ने भारतीय सर्वेक्षण, देहरादून और जिला सर्वेक्षण और सेटलमेंट कार्यालय, देहरादून के साथ समन्वय करते हुए आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम फेस- I (2020 बैच) के लिए 'सर्वेक्षण तकनीकों का परिचय' विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पारंपरिक और आधुनिक सर्वेक्षण साधनों और राजस्व सर्वेक्षण के दौरान उनकी उपयोगिता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भूमि सर्वेक्षण पर प्रशिक्षण पर व्यवहारिक प्रशिक्षण के दौरान फोटोग्राफ

(ii) आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- II के लिए ग्राम अध्ययन असाइनमेंट

- **ग्राम अध्ययन असाइनमेंट :** ग्राम अध्ययन असाइनमेंट प्रशिक्षण के दूसरे चरण के दौरान आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को दिए गए जिला प्रशिक्षण असाइमेंट का प्रमुख हिस्सा है। वर्ष के दौरान, केंद्र को 2018-20 बैच के आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से 182 सामाजिक-आर्थिक और भूमि सुधार रिपोर्टें प्राप्त हुई। इन रिपोर्टों का मौजूदा स्थिति, सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विश्लेषण एवं गरीबी उन्मूलन संबंधी पहलों की जांच-पड़ताल और मूल्यांकन किया गया। ये मूल्यांकन श्रेष्ठ रिपोर्टों की पहचान करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं और बाद में ग्रामीण भारत के सोश्यो-इकोनोमिक प्रोफाइल ऑफ इंडिया के संपादित वॉल्यूम्स में संकलन, संपादन और प्रकाशन के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। अब तक इन वॉल्यूम्स की तीन श्रृंखलाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं।

ग्राम अध्ययन असाइमेंट का पुरस्कार वितरण

- **देशान्तर अध्ययन:** आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं (2019-21 बैच) के माध्यम से केंद्र ने तत्कालीन आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा 1990 से 2009 के बीच अध्ययन किए गए गांवों की विधिवत पहचान करते हुए 107 गांवों में अध्ययन किया है। इन अध्ययनों का उद्देश्य पिछले दो/तीन दशकों के दौरान चुनिंदा गांवों में हुई विकास की प्रगति को देखने के लिए किए गए थे। गरीबी, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि सुधार और पंचायती राज संस्थाओं जैसे विभिन्न मुद्दों को शामिल किया गया। आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों की रिपोर्ट में तुलनात्मक और विश्लेषणात्मक तस्वीर उभर कर सामने आएगी जो मूल रूप से शिक्षाविदों और योजनाकारों के लिए अधिक उपयोगी होगी। इन रिपोर्टों में उल्लिखित सिफोरिशें विभिन्न मंत्रालयों के लिए अपनी विभिन्न योजनाओं की निगरानी और नई विकास योजनाएं बनाने के लिए उपयोगी हैं।

नोट:

फाउंडेशन कोर्स के लिए केंद्र द्वारा नियमित रूप से आयोजित किया जाने वाला ग्राम दौरा कार्यक्रम कोविड-19 के कारण संदर्भ वर्ष के दौरान आयोजित नहीं किया जा सका।

(ख) **अनुसंधान अध्ययन/परियोजनाएं**

क्र.सं.	**शीर्षक**	**स्थिति**
1	महाराष्ट्र के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन	पूर्ण
2	पंजाब में नेशनल जेनेरिक डॉक्युमेंट रजिस्ट्रेशन सिस्टम	पूर्ण

	(एनजीडीआरएस) का प्रभाव आकलन	
3	झारखंड में नेशनल जेनेरिक डॉक्युमेंट रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एनजीडीआरएस) का प्रभाव आकलन	पूर्ण
4	हिमाचल प्रदेश में अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम-2006 और संशोधन नियम - 2012 के कार्यान्वयन की स्थिति	जारी है
5	गोवा के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन	जारी है
6	मिजोरम के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन	जारी है
7	लक्षद्वीप के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन	जारी है

(ग) प्रकाशन: वर्तमान और आगामी

क्र.सं.	**शीर्षक**
वर्तमान प्रकाशन (2020)	
1	झारखंड और ओडिशा राज्यों में अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वनवासियों (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम - 2006 और संशोधन नियम - 2012 के कार्यान्वयन की स्थिति
आगामी प्रकाशन	
2	छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, त्रिपुरा, तमिलनाडु और पुडुचेरी के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स मार्डनाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
3	पंजाब के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
4	राजस्थान के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
5	पश्चिम बंगाल के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
6	केरल के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
7	मध्य प्रदेश में डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
8	उत्तर प्रदेश के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन

9	कर्नाटक के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
10	बिहार के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
11	गुजरात के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
12	सिक्किम के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
13	मणिपुर के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
14	उत्तराखंड के डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स माडर्नाइजेशन प्रोग्राम का प्रभाव आकलन
15	हैंड बुक ऑन लैंड सर्वे इन इंडिया
16	सोश्यो-इकोनोमिक प्रोफाइल ऑफ रूरल इंडिया (श्रृंखला IV)

घ) जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज

जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज, विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की गई पत्रिका, वर्ष 2012 से केंद्र की ओर से सेज पब्लिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित की जा रही है। इसमें भूमि सुधार, भूमि प्रशासन और प्रबंधन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और औद्योगीकरण, माइक्रो-वित्त/ऋण, आदि जैसे विषयों पर लेख, नीति का संक्षिप्त विवरण, कार्य के दस्तावेज, पुस्तक समीक्षा आदि और इन क्षेत्रों से संबंधित नीतियां, योजनाएं और कार्यक्रम शामिल हैं। इस जर्नल के पास कमेटी ऑन पब्लिक इथिक्स (सीओपीई) की सदस्यता है। यह प्रिंट (आईएसएसएन: 2321-0249) और ऑनलाइन (आईएसएसएन: 2321-7464) में उपलब्ध है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्तमान में इसका सर्कुलेशन लगभग 9546 है। पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान जर्नल प्लेटफॉर्म से जर्नल की पूरी सामग्री के उपयोग और डाउनलोड की संख्या 6,879 रही है।

वर्ष के दौरान जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज के निम्नलिखित खंड और अंक प्रकाशित किए गए हैं:

वॉल्यूम 8 अंक 2 (जुलाई 2020) : इसमें शामिल लेख और पुस्तक समीक्षा निम्नलिखित हैं:

1 क्या भूमि स्वामित्व की अवधि में असुरक्षा का भाव वन आच्छादन परिवर्तन को प्रभावित करता है? बेरहानु केफाले एलेमी और टडेसी अमसालु द्वारा इथियोपिया में गेरजेडा राज्य वन से प्राप्त साक्ष्य

2 फसल बीमा को अपनाने के निर्धारक: ममता सवाईं और बसंती रेणु हेमब्राम द्वारा ओडिशा के बोलांगीर जिले से प्राप्त साक्ष्य

3 ओलोवोयो ओलामाइड अहमद और देजि ओलानिके फ़सिलाट द्वारा दक्षिण पश्चिम नाइजीरिया में कृषि योग्य फसल किसानों में भूमि अधिग्रहण की चुनौतियों के संबंध में लैंगिक भेद

4 प्रियब्रत साहू, दिबाकर साहू और सुभाष चंद्र द्वारा ओडिशा में व्यावसायिक समूहों में ग्रामीण गरीबी में परिवर्तन: सुधार के बाद की अवधि का विश्लेषण

5 बिष्णु प्रसाद महापात्र द्वारा जनजातीय विकास के लिए विकेन्द्रीकृत योजना और पंचायतों की भूमिका: ओडिशा के दो जिलों का अध्ययन

6 बोगा थुरा मनात्शा द्वारा बोत्सवाना में विदेशियों द्वारा भूमि के अधिग्रहण पर विचार-मंथन

7 सचिन चतुर्वेदी की पुस्तक 'द लॉजिक ऑफ शेयरिंग: इंडियन अप्रोच टू साउथ-साउथ कोऑपरेशन' की टाडा प्रभाकर रेड्डी द्वारा समीक्षा।

<u>वॉल्यूम 9 अंक 1 (जनवरी 2021)</u> : इसमें शामिल लेख और पुस्तक समीक्षा निम्नलिखित हैं:

1. भूमि प्रशासन सुधार: घाना में भूमि पंजीकरण प्रणाली के लिए इंस्टीट्यूशनल डिजाइन- सैमुअल बी बिटिर, अपाऊ विलियम्स मिलर और सिंथिया इटबो मुसाह
2. खाद्य असुरक्षा के प्रति परिवारों की संवेदनशीलता के निर्धारक: दक्षिणी इथियोपिया से प्राप्त साक्ष्य- फासिल ईशेतु और एडेम गुये
3. कृषि संबंध, भूमिहीनता और असमानता: अविभाजित कालाहांडी के सिंचित और असिंचित क्षेत्रों की केस स्टडी-राम्या रंजन पटेल
4. भूमि पुनर्वितरण से आगे: भूमि सुधार में प्रबंधन का मामला- मेनार्ड मुसेनडेकवा, मुन्यारडजी टिनारो, रूम्बीडजायी चाकौया और इरेक चाकौया
5. भूमि हड़पने की प्रथा और भारत में आजीविका और खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा? एसएएस नगर, पंजाब के एरोसिटी एक्सपेंशन प्रोजेक्ट पर केस स्टडी-थॉमस रॉयटर, सरबजीत सिंह, ए.के. सिन्हा और शालिना मेहता
6. दक्षिण पश्चिमी पठार और पश्चिम बंगाल में हाइलैंड क्षेत्र में जनजातीय लोगों के आजीविका विकल्प और आजीविका सुरक्षा- संदीप सतपति और कौशल कुमार शर्मा
7. भूमि की प्लूरल वैल्यू: अनुभवजन्य जांच सात्विक देव बिश्वास
8. झारखंड में अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 का कार्यान्वयन: समस्याएं और चुनौतियां-गीतांजय साहू
9. विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रामीण विकास: ओडिशा के पहले सौर गांव से सबक- चिन्मयी मिश्रा
10. जनजातीय भूमि अधिकार: पश्चिम बंगाल के संदर्भ में स्थितिपरक विश्लेषण-सुदीप्त बिस्वास और सुकुमार पाल

11. के अग्रवाल की पुस्तक 'लैंड रजिस्ट्रेशन: ग्लोबल प्रैक्टिसेज एंड लेसन्स फॉर इंडिया (2019)' की संजीव चोपड़ा द्वारा समीक्षा।
12. संजय चक्रवर्ती और अमितेंदु पलित की पुस्तक 'सीकिंग मिडिल ग्राउंड, लैंड, मार्केट्स एंड पब्लिक पॉलिसी' की पाचा मलयाद्री द्वारा समीक्षा।

नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर

नेशनल सेंटर फॉर जेंडर ट्रेनिंग, प्लानिंग एंड रिसर्च, (नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर) 1993 में स्थापित किया गया था और 1998 में सोसायटी अधिनियम 1860 के तहत सोसायटी के रूप में पंजीकृत हुआ।

इस केंद्र का मुख्य लक्ष्य सरकार में नीतिगत मामलों, कार्यक्रम निर्धारण और क्रियान्वयन में जेंडर तथा बाल अधिकारों को मुख्य धारा से जोड़ना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पुरुष, महिला तथा बच्चों का समान विकास हो। यह केंद्र पाठ्यक्रमों और जागरूकता कार्यशालाओं के माध्यम से जेंडर तथा बाल अधिकारों के बारे में इंडक्शन स्तर पर सिविल सेवकों को सेवाकालीन प्रशिक्षण देता है। अकादमी के नियमित कार्यक्रमों के अलावा केंद्र विषय विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सम्मेलनों के आयोजन में एमडब्ल्यूसीडी, एनसीडब्ल्यू, एनसीपीसीआर, यूनिसेफ, यूएन-विमेन, यूएनडीपी, यूएनएफपीए, आईएफपीआरआई जैसी एंजसियों और जागोरी, मजलिस, टीआईएसएस आदि जैसी सिविल सोसाइटियों और शैक्षणिक संस्थानों से भी जुड़ा हुआ है।

- डॉ. संजीव चोपड़ा, अध्यक्ष, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
- मेजर दिशा पन्नू, कार्यकारी निदेशक, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
- डॉ अनुपम तलवार, उप कार्यकारी निदेशक, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

1. नीति निर्माताओं के लिए जेंडर इनक्लूसिव गर्वनेंस पर दो ई-आईटीईसी-कार्यशालाएं 12-13 नवंबर, 2020 और 17-18 फरवरी 2021 को आयोजित की गईं:-

उपर्युक्त कार्यशालाओं के लक्ष्य और उद्देश्य निम्नलिखित थे: -

- शासन को जेंडर समावेशी बनाने में पेश आने वाली चुनौतियों के महत्व और उसपर बातचीत और चर्चा करने के लिए आईटीईसी देशों के वरिष्ठ नीति निर्माताओं को मंच उपलब्ध कराना।
- इस लक्ष्य को प्राप्त करने के तरीकों और साधनों पर विचार-मंथन करना।

कार्यक्रम समन्वयक	सुश्री अलंकृता सिंह, आईपीएस, कार्यकारी निदेशक (12-13 नवंबर 2020)

	श्री विद्या भूषण, आईएएस, कार्यकारी निदेशक (17-18 फरवरी 2021)
एसोसिएट कार्यक्रम समन्वयक	सुश्री अंजलि एस. चौहान
प्रतिभागियों की संख्या	कुल: 50 (पुरूष: 18; महिलाएं: 32) कुल: 114 (पुरूष: 34; महिलाएं: 80)
कार्यक्रम का उद्घाटन	डॉ. संजीव चोपड़ा, आईएएस, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी श्री राम मोहन मिश्रा, आईएएस, सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

प्रख्यात अतिथि वक्ता:

- डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय केंदीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, नई दिल्ली
- श्री अखिलेश मिश्रा, अपर सचिव, डेवलपमेंट पार्टनरशिप एडमिनिसट्रेशन (डीपीए), विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ. गीति चंद्रा, एसोसिएटेड स्कॉलर, रेकजाविक, आइसलैंड
- सुश्री दिव्या वर्मा, लीड्स, आजीविका ब्यूरोज पॉलिसी
- डॉ मनीषा प्रियम, एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
- श्रीमती उमा महादेवन, आईएएस, प्रधान सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, कर्नाटक सरकार
- श्री राघव चंद्र (सेवानिवृत्त आईएएस)
- श्री गौतम भान, सीनियर लीड - एकेडमिक्स एंड रिसर्च, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स, बेंगलुरु
- श्रीमती विनी महाजन, मुख्य सचिव, पंजाब सरकार
- सुश्री मोनिका धामी, आईआरएस, उप निदेशक (वरिष्ठ) लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी

2. एडमिनिस्ट्रेटर का विशेष अंक: नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर ने 2020 में जेंडर रिस्पॉन्सिव गवर्नेंस में योगदान के 25 साल पूरे किए। "*एडमिनिस्ट्रेटर* " के रजत जयंती विशेष अंक में (लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का जर्नल) केंद्र के 25 वर्ष के कार्यकाल और 2018 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा महिला और बाल अधिकारों पर प्रस्तुत किए गए शोध निबंधों को प्रकाशित किया गया।

3. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2021 के अवसर पर वेबिनार :-

कार्यक्रम समन्वयक	मेजर दिशा पन्नू, कार्यकारी निदेशक
एसोसिएट कार्यक्रम समन्वयक	• डॉ. अनुपम तलवार, उप कार्यकारी निदेशक • सुश्री अंजलि एस.चौहान, एसोसिएट प्रोफेसर
प्रतिभागियों की संख्या	कुल: 27 (पुरुष: 5; महिलाएं: 22)
कार्यक्रम का उद्घाटन	माननीय मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

कार्यक्रम का लक्ष्य और उद्देश्य

नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2021 के अवसर पर "नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका: कोविड -19 की दुनिया में भविष्य में समान अवसरों प्राप्ति" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। यह वेबिनार देश भर की सभी महिला जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षकों के लिए था जिन्होंने हमारे फ्रंट-लाइन कार्यकर्ताओं के साथ कोविड-19 के विरुद्ध अभियान का नेतृत्व किया था। वेबिनार का उद्देश्य न केवल अधिकारियों को अपने अनुभव और यात्रा साझा करने हेतु मंच प्रदान करना था बल्कि चुनौतियों से प्राप्त उनके अनुभवों को सामने लाना और महिलाओं को परस्पर सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाना था। वेबिनार का आयोजन 11 मार्च, 2021 को किया गया था, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान महिला नेतृत्वकर्ताओं की सर्वोत्तम कार्यप्रथाओं और प्रेरक अनुभवों को साझा करना था। इस संबंध में यह एक चर्चा थी जिसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा के प्रभाव, कार्यबल की भागीदारी और संसाधनों तक पहुंच, प्रतिभागियों द्वारा अनुभव-साझा करने एवं जेंडर की दृष्टि से कोविड-19 महामारी का फिर से अवलोकन करने तथा हमारे फ्रंट लाइन वर्करों के साथ कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई और इस चुनौती से निपटने में महिला डीएम और एसपी के अनुभव और उनके सामने देश आने वाली चुनौतियां शामिल थी। उद्घाटन भाषण माननीय मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, माननीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास तथा वस्त्र मंत्रालय द्वारा दिया गया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता:

- सुश्री हेफ़सिबा रानी कोरलापति, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), बेंगलुरु स्मार्ट सिटी लिमिटेड
- श्रीमती दिव्या मित्तल; आईएएस, डीएम और कलेक्टर, संत कबीर नगर
- सुश्री ख्याति गर्ग, आईपीएस, डीसीपी पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ
- श्रीमती सिंधु बी रूपेश, आईएएस, जिला कलेक्टर, दक्षिण कन्नड़ जिला
- श्रीमती अमृता सिन्हा, आईपीएस, एसपी, चूड़ाचांदपुर
- श्रीमती वर्नाली डेका, आईएएस, उपायुक्त, गोलपारा
- श्रीमती आदिला अब्दुल्ला, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, वायनाड
- सुश्री प्रीति प्रियदर्शिनी, आईपीएस, एसएसपी, नैनीताल और एसपी, पिथौरागढ़

सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र एक सोसायटी है जिसका पंजीकृत कार्यालय लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में है। यह प्रासंगिक क्षेत्रों में अनुसंधान करता है; संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, परामर्श संबंधी सेवाएं और अन्य गतिविधियों का आयोजन करता है। यह आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों और मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागी सिविल सेवकों के साथ-साथ संबंधित क्षेत्रों में अन्य हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करता है और प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह दुनिया के किसी भी हिस्से में शैक्षिक और अन्य संस्थानों के संकाय सदस्यों विद्वानों के ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए सहयोग/समझौता करता है। यह नीतिगत पहल या नीति परिवर्तन हेतु संबंधित मंत्रालय या सरकारी एजेंसी को आवश्यक डेटासेट, विचार, अनुभव उपलब्ध कराता है।

अप्रैल, 2020 से मार्च, 2021 के दौरान की गई संगोष्ठियां

1. आईएमएफ और एसएआरटीटीएसी के सहयोग से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए चयनित मैक्रो इकोनॉमिक मुद्दे

दिनांक: 10-8-2020 से 14-8-2020 (5 दिन)

समन्वयक: सुश्री मोनिका धामी

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए चयनित मैक्रो इकोनॉमिक मुद्दों पर वर्चुअल प्रशिक्षण 10 अगस्त 2020 से 14 अगस्त 2020 तक दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता केंद्र (एसएआरटीटीएसी) के सहयोग आयोजित किया गया। इस केंद्र को भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सहयोग से स्थापित किया गया है।

पूरे देश से कुल मिलाकर 52 प्रतिभागी शामिल हुए। मॉड्यूल में प्रमुख नीति संबंधी मुद्दों जैसे मैक्रो इकॉनॉमिक अकाउंट्स और आपसी संबंध, कोविड-19 के कारण भारत में समग्र मांग और आपूर्ति पर प्रभाव, आंतरिक और बाहरी संतुलन और नीति कार्यान्वयन, राजकोषीय और मौद्रिक नीति और भारत में मैक्रो इकॉनॉमिक स्थिरीकरण, वित्तीय जोखिम मूल्यांकन और सार्वजनिक ऋण स्थिरता, भारत में राजकोषीय नीति के कार्यान्वयन में बाधाएं, भारत में मौद्रिक और वित्तीय क्षेत्र में सुधार, मैक्रो-फाइनेंशियल संबंध, भारत में कोविड से विकास में धीमी गति, इसके निदान और उपाय संबंधी विचार-विमर्श के उपरांत पैनल चर्चा शामिल रही।

2. आईएमएफ, एसएआरटीटीएसी और वित्तीय मामले विभाग के सहयोग से राज्य वित्त सचिवों के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन पर संगोष्ठी

दिनांक: 31-8-2020 से 4-9-2020 (5 दिन)

समन्वयक: सुश्री मोनिका धामी

अकादमी ने दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता केंद्र (एसएआरटीटीएसी) के सहयोग से 31 अगस्त 2020 से 4 सितंबर 2020 तक राज्य वित्त सचिवों के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन पर पांच दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण आयोजित किया। इस केंद्र को भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और वित्तीय मामले विभाग के सहयोग से स्थापित किया गया है।

पूरे देश से कुल मिलाकर 62 प्रतिभागी शामिल हुए। मॉड्यूल में प्रमुख नीति संबंधी मुद्दों जैसे कि सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सामने आते रुझान, भारत में राजकोषीय पारदर्शिता और रिपोर्टिंग को बढ़ाना, सार्वजनिक निवेश प्रबंधन और कोविड-19 के परिणामस्वरूप वैश्विक अर्थव्यवस्था में परिवर्तन पर विचार-विमर्श और उसके उपरांत पैनल चर्चा शामिल रही।

फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने अकादमी के सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र के साथ साझेदारी से वर्ष 2019 में फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की थी।

केंद्र का मुख्य उद्देश्य सिविल सेवकों में समग्र रूप से विचार करने और कार्य करने की क्षमता पैदा करना तथा लोगों और प्लेनेट दोनों के लिए हितकारी खाद्य नीतियां और क्रियाकलापों को बढ़ावा देना है। केंद्र जागरूक करने वाली कार्यशालाओं के माध्यम से दीर्घकालिक खाद्य प्रणालियों, खाद्य सुरक्षा, पोषण और जन स्वास्थ्य पर इंडक्शन लेवल के साथ-साथ सेवाकालीन स्तर पर सिविल सेवकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य कर रहा है तथा कोर्सों में विस्तृत प्रशिक्षण मॉड्यूल्स को सम्मिलित कर रहा है।

केंद्र की कार्यकारी निदेशक: सुश्री मोनिका धामी

वर्ष 2020-2021 के दौरान की गई गतिविधियां

लक्ष्य समूह:	आई.ए.एस. व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- II (2018 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारी
कार्यक्रम समन्वयक:	सुश्री पी अमुधा, आईएएस
विशेषज्ञ:	सुश्री पी अमुधा, आईएएस सुश्री इनोशी शर्मा, निदेशक, एफएसएसएआई डॉ. शिखा शर्मा, पोषण-विशेषज्ञ डॉ. स्वाति भारद्वाज, सलाहकार, एफएसएसएआई डॉ. जोशिता लांबा, सलाहकार, एफएसएसएआई
प्रतिभागियों की संख्या:	185

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

सेंटर फॉर फूड, प्लेनेट एंड हेल्थ द्वारा 22 जुलाई 2020 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-II के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए 'ईट राइट इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को भारतीय खाद्य सुरक्षा और

मानक प्राधिकरण की व्यापक रूपरेखा, ऑर्गेनोग्राम और 'ईट राइट इंडिया' पहल के सामूहिक प्रयास के बारे में समझाना था। यह तीन सुरक्षा स्तंभों पर आधारित है; यदि यह सुरक्षित नहीं है, तो यह भोजन नहीं है; स्वास्थ्य; भोजन में केवल स्वाद ही नहीं, बल्कि शरीर और मन के लिए पोषण भी होना चाहिए; और स्थिरता; भोजन लोगों और प्लेनेट दोनों के लिए अच्छा होना चाहिए, इसलिए एफएसएसएआई ने लोगों में स्वस्थ जीवन और खान-पान की अच्छी आदतों को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया है। अच्छी और स्वस्थ जीवनशैली के लिए पोषण संबंधी टिप्स साझा किए गए। देश में स्वास्थ्य, पोषण और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए नेटप्रोफैन (NetProFan) पर चर्चा की गई। इसके अलावा, खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रभावी प्रवर्तन और राज्य स्तर पर उनके नियमों, इसे लागू करने में सामने आने वाली चुनौतियों और सही खान-पान के बारे में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा की गई पहलों के बारे में बताया गया। खाद्य सुरक्षा और पोषण के संबंध में प्रतिभागियों के मन में जो अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न थे, उनका भी सत्र के दौरान निराकरण किया गया।

74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेंटर फॉर फूड, प्लैनेट एंड हेल्थ के निदेशक ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों का अभिनंदन किया और उन्हें स्वस्थ और फिट रखने में मदद करने के लिए 78 साइकिलें दी।

केंद्र द्वारा कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से पीपीई किट, मास्क और सैनिटाइज़र का निर्माण करने वाली इकाइयों के प्रमुखों और आपूर्तिकर्ताओं से यह जानकारी एकत्र की गई कि क्या वे देश की दैनिक आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादन करने में सक्षम हैं। इसके परिणाम संतोषजनक रहे।

केंद्र द्वारा हेल्पलाइन नंबरों की सूची (मास्टर टेबल) यह जानने के लिए तैयार गई कि कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने लोगों की मदद किस प्रकार कर रहे हैं।

16 दिसंबर, 2020 को ईट राइट इंडिया पर अतिथि वार्ता

लक्ष्य समूह:	95वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारी
कार्यक्रम समन्वयक:	सुश्री मोनिका धामी
विशेषज्ञ:	सुश्री ऋजुता दिवेकर, लेखक और पोषण विशेषज्ञ
प्रतिभागियों की संख्या:	428

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

सेंटर फॉर फ़ूड, प्लैनेट एंड हेल्थ ने दिनांक 16 दिसंबर, 2020 को भारत के शीर्ष पोषण विशेषज्ञ में से एक और स्वास्थ्य एवं खान-पान पर कई बेस्टसेलिंग पुस्तकों की लेखिका सुश्री ऋजुता के साथ अतिथि वार्ता (गेस्ट टॉक) का आयोजन किया। उन्होंने 'ईट राइट इंडिया' विषय पर बात की और इस सत्र का उद्देश्य 95वें फाउंडेशन कोर्स के 428 प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच 'ईट राइट इंडिया' अभियान व दैनिक जीवन में उचित पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और लोगों एवं प्लेनेट दोनों के लिए पौष्टिक भोजन संबंधी नीतियों और कार्यों को बढ़ावा देना था। सुश्री ऋजुता दिवेकर ने पौष्टिक, गुणकारी

और दीर्घकालिक खान-पान की रेसिपी पर चर्चा करते हुए अपना संबोधन आरंभ किया। इसमें मौसमी, पारंपरिक और स्थानीय चाजें शामिल थी। इसके अतिरिक्त उन्होंने भोजन, स्वास्थ्य और कल्याण के विषय में स्वदेशी ज्ञान पर चर्चा की और बताया कि स्वदेशी भाषाओं में उपलब्ध इस जानकारी को खोजना कितना अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि पौष्टिक भोजन की स्थानीय भाषा में एक अलग पहचान है और जितना अधिक हम उन स्वदेशी भाषाओं का संरक्षण करते हैं, उतना ही हम पौष्टिक खान-पान की ओर बढते हैं। यदि भोजन पोषक तत्वों से भरपूर है, उसको आपके क्षेत्र में पैदा किया गया है, गुणकारी और दीर्घकालिक है तो वह सुपर फूड की श्रेणी में आता है और उन्होंने उल्लेख किया कि हमेशा ऐसे भोजन की तलाश करनी चाहिए जो चिकित्सा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो। उन्होंने 5 ऐसे आम मिथकों को भी खारिज किया जो हमारे भोजन के जुड़े हुए हैं और सही खान-पान पर तीन बिन्दुओं की चर्चा की जिसमें (i) बैठकर भोजन करना (ii) भोजन के समय बात न करना (iii) भोजन आराम से करना शामिल है।

वार्ता के बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसमें प्रशिक्षु अधिकारियों को सुश्री दिवेकर के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत करने और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। वार्ता से काफी जानकारी प्राप्त हुई और प्रशिक्षु अधिकारियों को उचित खान-पान, सुपर फूड के बारे में जानकारी मिली और भ्रांतियों को दूर कर ने में सहायता मिली।

3 मार्च 2021 को खाद्य सुरक्षा- एक साझा जिम्मेदारी पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

लक्ष्य समूह:	आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-I (2020 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारी
कार्यक्रम समन्वयक:	सुश्री मोनिका धामी
विशेषज्ञ:	सुश्री पी अमुधा, संयुक्त सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय
प्रतिभागियों की संख्या:	179

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

इस केन्द्र ने दिनांक 04 मार्च, 2021 को अकादमी में खाद्य सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया। सुश्री पी अमुधा, आईएएस, संयुक्त सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय और पूर्व खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने खाद्य सुरक्षा पर बहुत ही व्यावहारिक और उपयोगी व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आरंभ अलग और अभिनव तरीके से हुआ, जिसमें आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को वेबसाइट के माध्यम से खाद्य सुरक्षा पर कुछ बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। ओरिएंटेशन में तमिलनाडु का उदाहरण देकर एफएसएसएआई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर और खाद्य सुरक्षा विभागों द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित की गई खाद्य सुरक्षा गतिविधियों से परिचित कराया गया। खाद्य सुरक्षा में उनके अमूल्य अनुभव ने प्रशिक्षु अधिकारियों को बेहतर नजरिये से चीजों को देखने और खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के रूप में कानूनी प्रावधानों, भोजन से जुड़े जोखिमों और एफएसएसएआई की भूमिका और भोजन से जुडी आदतों के संबंध में सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में सक्षम बनाया। इसके बाद प्रश्न उत्तर सहित वार्तालाप सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दिया गया।

12 मार्च 2021 को 'ईट राइट इंडिया' पर जागरूकता कार्यक्रम

लक्ष्य समूह:	17वें मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-III के आईएएस अधिकारी
कार्यक्रम समन्वयक:	सुश्री मोनिका धामी
विशेषज्ञ:	सुश्री ऋजुता दिवेकर
प्रतिभागियों की संख्या:	70

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

अकादमी में दिनांक 12 मार्च 2021 को एफएसएसएआई की पहल पर ईट राइट इंडिया (Eat Right India) जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत के अग्रणी खेल विज्ञान व पोषण विशेषज्ञ और दुनिया के सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले पोषण विशेषज्ञों में से एक सुश्री ऋजुता दिवेकर ने सत्र को संबोधित किया। उन्होंने स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए पारंपरिक खाद्य ज्ञान और आधुनिक पोषण विज्ञान के सामंजस्य पर जोर दिया, जिससे 'ईट लोकल थिंक ग्लोबल' का मंत्र परिलक्षित हुआ। उन्होंने 5 शीर्ष खाद्य पदार्थों जैसे केला, मेवा, चावल, घी और घर के बने अचार पर अपने विचार साझा किए जो सभी को अपने आहार में शामिल करना चाहिए ताकि मस्तिष्क संतुलित तरीके से कार्य करे और मोटापा न बढ़े तथा पानी के सेवन और व्यायाम पर उनकी सलाह अपने आप में जागरूकता पैदा करने वाली (eye opener) थी। प्रश्न-उत्तर के माध्यम से वार्तालाप सत्र आयोजित किया गया जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों को भोजन के सेवन और पोषण के प्रभावी प्रबंधन की आवश्यकता पर मार्गदर्शन किया, उनकी समस्याओं का निराकरण किया और अपने आप को स्वस्थ बनाने के लिए भोजन की आदतों में बदलाव करने और नीति निर्माण पर विचार साझा किए।

क्लब और सोसाइटियां

अकादमी में प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। क्लब और सोसाइटियों के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा विभिन्न इंडोर और आउट डोर कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं। इनका संचालन निदेशक नामिति के समग्र दिशानिर्देशन में प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा स्वयं ही किया जाता है। क्लब और सोसाइटियों की गतिविधियां स्व-अभिव्यक्ति और विकास के लिए प्रशिक्षु अधिकारियों को एक श्रेष्ठ माध्यम उपलब्ध कराती हैं। अपने सृजनात्मक कार्यों के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारी ऐसे कार्यकलाप आयोजित करते हैं जो मनोरंजन ही प्रदान नहीं करते बल्कि अकादमी के परिसरीय जीवन को भी समृद्ध करते हैं। सभी प्रशिक्षु अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे कार्यकलापों में सक्रिय रूप से भाग लें और सुविधाओं का सदुपयोग करें। क्लबों और सोसाइटियों के पदाधिकारियों का चुनाव प्रशिक्षु अधिकारियों में से ही किया जाता है किन्तु क्लब और सोसाइटियों के कार्यकलाप सभी प्रशिक्षु अधिकारियों के सहयोग और सहायता से चलाए जाते हैं। निदेशक नामिति/निदेशक सह नामिति क्लबों और सोसाइटियों के संचालन में और उनके द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों के आयोजन में आवश्यक दिशानिर्देश और सहायता देते हैं। संकाय सदस्य और उनके परिवार के सदस्यों को ऐसे सभी कार्यकलापों में प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। उनके कार्यकलापों को चलाने के लिए क्लबों और सोसाइटियों को वार्षिक और द्वि-वार्षिक अनुदान दिए जाते हैं जिसे वे सदस्यता शुल्क के माध्यम से प्राप्त करते हैं। निदेशक के मूल्यांकन के भाग के रूप में पाठ्यक्रम के अंत में क्लबों तथा सोसाइटियों की गतिविधियों में भागीदारी का मूल्यांकन किया जाता है। क्लबों और सोसाइटियों के उद्देश्यों और गतिविधियों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

साहसिक खेल क्लब

- *समिति का गठन : 1 सचिव और 3 सदस्य*
- *निदेशक नामिति: डॉ. मिलिन्द रामटेके, उप निदेशक*

उद्देश्य

विभिन्न साहसिक खेलों का आयोजन करके प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच साहस की भावना को उत्पन्न करना। क्रॉस कंट्री दौड़, घुड़सवारी प्रदर्शन, रिवर राफ्टिंग, पर्वतारोहण, रॉक क्लाइंबिंग, हैंग ग्लाइडिंग, पैरासेलिंग आदि जैसे साहसिक खेलों का समय-समय पर आयोजन करना।

गतिविधियां

साहसिक खेल क्लब का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच साहसिक खेलों के प्रति उत्साह को बनाए रखना और उसको बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करना है। इस लक्ष्य को

प्राप्त करने के लिए, क्लब द्वारा आयोजित पहली गतिविधि **"नाग टिब्बा का ट्रेक"** थी। यहां प्रशिक्षु अधिकारियों ने कुछ संकाय सदस्यों के साथ 3022 मीटर की ऊंचाई पर हिमालय के नीचले भाग की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने में अपनी सहनशीलता का परीक्षण किया। साहस और मनोरंजन दोनों प्रकार का अनुभव प्रदान करने के लिए, क्लब ने **"पेंट-बॉल"** कार्यक्रम भी आयोजित किया। कोविड-19 और यात्रा प्रतिबंधों के कारण, क्लब ने दो इनडोर कार्यक्रम आयोजित किए। पहला आयोजन **"पोकर"** प्रतियोगिता थी, इस खेल में गणितीय आधार पर बेहतर निर्णय लेकर भाग्य के प्रभाव को कम किया जा सकता है। दूसरा इनडोर आयोजन **"स्पोर्ट्स क्विज़"** था, जिसमें साहसिक खेलों पर विशेष ध्यान दिया गया था।

ललित कला सोसाइटी

- *समिति का गठन: 1 सचिव और 5 सदस्य*
- *निदेशक नामिति: सुश्री आनंदी, उप निदेशक*

उद्देश्य

ललित कला एसोसिएशन ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यापक विविधता के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को एक सूत्र में पिरोया जो समूह प्रतिभागिता पर आधारित थी। एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने प्रशिक्षु अधिकारियों में मैत्री-भाव को प्रोत्साहित किया तथा धर्म एवं भाषा की सीमाओं से आगे बढ़कर एकता का परिचय दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अनेक प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके रचनात्मक पक्ष को उजागर करने का अवसर मिला। ललित कला एसोसिएशन विभिन्न विजिटिंग कलाकारों तथा समूहों के कार्यक्रमों का आयोजन करने में भी सक्रिय रूप से शामिल रही। ललित कला एसोसिएशन ने भारतीय वोकल म्यूजिक, गिटार तथा ड्रम के लिए पाठ्येत्तर मॉड्यूल्स भी आयोजित किए।

गतिविधियां

फाउंडेशन कोर्स के दौरान सोसाइटी ने श्री ए.के. सिन्हा एकांकी नाटक प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

कंप्यूटर सोसाइटी

- *समिति का गठन : 1 सचिव और 4 सदस्य*
- *निदेशक नामिति: श्री विनोद कुमार तनेजा, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक*

उद्देश्य

अनौपचारिक और मैत्रीपूर्ण तरीके से प्रशिक्षु अधिकारियों में कंप्यूटर की जानकारी और कौशलता को बढ़ाना। ऑन लाइन गेम्स, कंप्यूटर प्रश्नोत्तरी, प्रस्तुति और अन्य प्रतिस्पर्धाओं जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजित करके प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच रूचि और जागरूकता उत्पन्न करना। प्रशिक्षण के दौरान

प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ-साथ अकादमी के लिए महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर/कोडिंग का विकास करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रेरित करना।

इंडिया डे, फेट आदि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए अन्य क्लबों और सोसाइटियों को सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी सहायता प्रदान करना।

आई.ए.एस. व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- I (2019 बैच) (9 दिसंबर, 2019 से 8 मई, 2020):

निदेशक नामिति: श्री विद्या भूषण, उप निदेशक

1. श्री रिजवानबाशा शेख - सचिव
2. श्री राहुल कृष्ण शर्मा - सदस्य
3. श्री शाहिद मोहम्मद अब्दुल - सदस्य
4. सुश्री मनीषा राणा - सदस्य
5. सुश्री प्रणता ऐश्वर्या - सदस्य

गतिविधियां

- प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए काउंटर स्ट्राइक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया
- प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ऑनलाइन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

95वां फाउंडेशन कोर्स (12 अक्टूबर से 18 दिसंबर, 2020/ 20 अश्विन से 27 अग्रहायण, शक 1942):

निदेशक नामिति: श्री विद्या भूषण, उप निदेशक

1. सुश्री राम्या आर. - सचिव
2. श्री अभिषेक ओसवाल - सदस्य
3. श्री सचिन हनमप्पा नाडागड्डी - सदस्य
4. श्री सुल्तान अब्दुल्ला - सदस्य
5. श्री सुमित कुमार कार - सदस्य
6. सुश्री दीपिका एस. - सदस्य
7. श्री कुमार बिवारंजन - सदस्य
8. श्री पंकज रसगनिया - सदस्य
9. श्री माधव गीते - सदस्य
10. श्री अंशुमन कामिला - सदस्य

गतिविधियां:

प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ITWiZ प्रश्नोत्तरी और वोकल फॉर लोकल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

आई.ए.एस. व्यावसायिक पाठयक्रम चरण-I (2020 बैच) (21 दिसंबर 2020 से 26 मार्च 2021/30 अग्रहायण, शक 1942 से 5 चैत्र, 1943):

निदेशक नामिति: श्री विनोद कुमार तनेजा, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक

1. श्री कुमार विश्वरंजन - सचिव
2. श्री आशीष कुमार - सदस्य
3. श्री प्रखर सिंह - सदस्य
4. श्री मकरंदु मांडा - सदस्य
5. सुश्री अदिति सिंह - सदस्य
6. श्री वेदभूषण - सदस्य
7. श्री निकस कुमार - सदस्य

गतिविधियां:

- श्री सिद्धार्थ माधव द्वारा इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर व्यावहारिक (हैंड्स ऑन) सत्र
- इंटेल द्वारा प्रस्तावित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रशिक्षण मॉड्यूल पर फीडबैक दिया
- इनोवेशन क्लब के साथ-साथ, हम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में उभरती प्रौद्योगिकियों में जेंट्री ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए इंटेल और आईएसबी के साथ बातचीत कर रहे हैं। हमने ज्ञापन का मसौदा तैयार किया और एक दूसरे के दृष्टिकोण को समझने और मसौदा ज्ञापन को समेकित करने के लिए कई बैठकें कीं।
- राइफल्स और तीरंदाजी क्लब के साथ काउंटर स्ट्राइक टूर्नामेंट का आयोजन किया गया
- आईसीटी सत्रों में कठिनाई का सामना करने वाले साथी प्रशिक्षु अधिकारियों की मदद करने के लिए कक्षा के दौरान आईसीटी बड्डी सिस्टम की शुरूआत की
- माइक्रोसॉफ्ट पावर बीआई हैंड्स-ऑन सत्र का आयोजन किया गया
- गूगल डेटा स्टूडियो का उपयोग करके एलपीएल बैडमिंटन और लॉन टेनिस इवेंट के लिए लाइव डैशबोर्ड बनाया गया
- मेगा हैकाथॉन इवेंट आयोजित किया गया
- उभरती प्रौद्योगिकियों पर हाल ही में प्रकाशित पुस्तकों की खरीद के लिए मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष के साथ मिलकर आगे की कार्रवाई की गई
- कार्यालय में बेहतर परिणाम देना (ऑफिस प्रोडक्टीविटि) विषय पर श्री योगेश द्वारा सत्र
- आईसीटी मॉड्यूल के लिए पुनरीक्षण कक्षाएं

फिल्म सोसाइटी

- *समिति का गठन : 1 सचिव और 4 सदस्य*
- *निदेशक नामिति : सुश्री अलंकृता सिंह, उप निदेशक*

गतिविधियां:

फिल्म सोसायटी अकादमी में सबसे जीवंत सोसाइटियों में से एक है। 2020-21 के दौरान सोसाइटियों द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

1. फाउंडेशन कोर्स और आईएएस चरण- I के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए सामाजिक मुद्दों सहित विभिन्न विषयों पर 22 फिल्में दिखाई गईं।
2. 2018 बैच के आईएएस चरण- II के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फिल्मों से संबंधित विभिन्न ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किए गए।
3. 95वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए मूवी रिव्यू प्रतियोगिता का आयोजन।
4. 2020 बैच के आईएएस चरण-I के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फिल्मों पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन।
5. 2020 बैच के आईएएस चरण-I के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फिल्म समीक्षा प्रतियोगिता और डंब-चराड की प्रतियोगिता का आयोजन।

अभिरूचि क्लब

- *समिति का गठन : 1 सचिव और 4 सदस्य*
- *निदेशक नामिति : श्री मिलिंद रामटेके, उप निदेशक*

उद्देश्य

अभिरूचि क्लब का उद्देश्य फोटोग्राफी, पेंटिंग, डाक टिकट संग्रह, पौधों का संग्रह जैसे विभिन्न कार्यों में रुचि पैदा करना और उन्हें लोकप्रिय बनाना, फिल्मों और गीतों आदि पर आधारित प्रश्नोत्तरी आयोजित करना, चर्चा, वार्तालाप, प्रदर्शनियों इत्यादि का आयोजन करना ताकि प्रशिक्षु अधिकारियों में उनके प्रति रूझान पैदा हो सके। क्लब प्रशिक्षु अधिकारियों को सीखने और कुशलता प्राप्त करने में प्रेरित करता है। विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच के रूप में कार्य करता है और अभिरूचि को प्रोत्साहित करने के लिए सामग्री एवं उपकरणों सहित आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराता है।

गतिविधियां:

अभिरूचि क्लब ने अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए वर्ष के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की:

- कविता प्रतियोगिता (अंग्रेजी/हिंदी/तमिल/बंगला)/फीफा प्रतियोगिता/डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता/पोकर्स नाइट के लिए जलपान /प्लैंक प्रतियोगिता (पुरुष/महिला) आदि
- मिस्टर एंड मिस/मिसेज लबासना कार्यक्रम
- पेंटिंग प्रतियोगिता
- रंगोली प्रतियोगिता
- पोकर खेल कार्यक्रम
- गेम 29

इन गतिविधियों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा बड़ी संख्या में भागीदारी की गई। इस अवधि में श्री मिलिंद रामटेके, उप निदेशक, निदेशक नामिति और सुश्री अनुपम तलवार निदेशक सह नामिती थे।

हाउस जर्नल सोसायटी

- *कार्यकारी समिति का गठन : 1 सचिव और 4 सदस्य*
- *निदेशक नामिति : सुश्री गौरी पराशर जोशी, उप निदेशक*

उद्देश्य

रचनात्मक लेखन के माध्यम से साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और एक दूसरे के साथ बातचीत के लिए मंच प्रदान करना और संपादन एवं पत्रकारिता के अन्य पहलुओं के लिए रूझान विकसित करना।

गतिविधियां

गृह पत्रिका सोसाइटी प्रशिक्षु अधिकारियों और पूर्व छात्रों को उनके रचनात्मक और साहित्यिक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रदान करती है। सोसाइटी मासिक न्यूज लेटर 'द बज़' भी प्रकाशित करती है। न्यूज लेटर में अकादमी और इससे जुड़े अनुसंधान केंद्रों में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यशालाओं की सूचना शामिल होती है। हिमालयन ट्रैक, ग्राम दौरा और भारत दर्शन पर विशेष संस्करण प्रकाशित किए जाते हैं। फाउंडेशन कोर्स और चरण- I की संपादकीय टीम ने न्यूज़लेटर को आंतरिक (इन-हाउस) रुप से डिज़ाइन किया। रिप्रोग्राफिक सेक्शन के माध्यम से कुछ प्रतियां आंतररिक (इन-हाउस) रुप से मुद्रित की गईं और उन्हें मुख्य रूप से ईमेल द्वारा वितरित किया गया।
इसके अलावा, गृह पत्रिका सोसाइटी ने पाठ्यक्रमों के अंत में बैच निर्देशिका "कौन क्या है" भी इसके साथ उपलब्ध कराई। सोसायटी ने कई लघु कहानी और कविता प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया।

मुख्य गतिविधियां

- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की
- "यात्रा वृत्तांत" और रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया
- आफिशियली अनआफिशियली-प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम का आयोजन किया गया
- भारत दर्शन पर "टेल्स ऑफ इंडिया" का प्रकाशन
- फाउंडेशन कोर्स के दौरान "मैड-एड" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

नवोन्मेष क्लब

- *समिति का गठन: 1 सचिव और 4 सदस्य*
- *निदेशक नामिति: श्री नितेश झा, रीडर*

उद्देश्य:

क्लब का उद्देश्य प्रशासन में जमीनी स्तर पर नवाचार के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशासन से परिचित कराना, लिंक पोर्टल का रखरखाव और उसको उन्नत बनाना, लिंक पोर्टल में पोस्ट की गई और पूरी नहीं की जा सकी आवश्यकताओं के लिए जमीनी स्तर पर नये-नये विचारों का संकलन करना है। विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षु अधिकारियों और इनोवेटर्स के बीच बातचीत के लिए नवाचार संगोष्ठियां आयोजित करना, क्लब की गतिविधियों में प्रशिक्षु अधिकारियों की भागीदारी में बढ़ोत्तरी के लिए नवाचार प्रदर्शनियों और प्रश्नोत्तरी जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करना।

गतिविधियां

95वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान

1. **नवप्रवर्तन संगोष्ठियां** : नवप्रवर्तन संगोष्ठियों के 5 ऑनलाइन सत्र 14 और 15 दिसंबर 2020 को आयोजित किए गए, जहां पर 6 अलग-अलग वक्ताओं ने प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ बातचीत की।
2. **इगनाइट 2020**: यह कार्यक्रम लाल बहादुर राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी द्वारा द्वारा प्रशिक्षु अधिकारियों को लिंक पोर्टल के बारे में जागरूक करने के लिए चलाया गया अभियान था। प्रशिक्षु अधिकारियों को एलएनके प्लेटफॉर्म में पोस्ट की गई उन आवश्यकताओं जिन्हें पूरा नहीं किया जा सका और उक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जमीनी स्तर पर नवाचारों को कैसे पोस्ट किया जाए, इसके बारे में बताया गया।
3. **नवाचार प्रश्नोत्तरी**: प्रश्नोत्तरी दो दौर में आयोजित की गई थी और सभी प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों में सबसे अधिक भागीदारी इसी में रही। पारंपरिक प्रश्नोत्तरी से अलग सामग्री और प्रश्न नये थे और कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए। यह टीम इवेंट था, जिसमें प्रत्येक टीम में 3 सदस्य थे और शीर्ष 3 टीमों को प्रमाण पत्र के साथ क्रमशः 3000, 2000 और 1000 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- I (2019 बैच) के दौरान

1. **आइडिया सीरीज**: प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच नवाचार की भावना को बढ़ावा देने के लिए व्याख्यान के बीच में स्लॉट में शार्ट इनोवेटिव वीडियो दिखाना। निम्नलिखित विषयों पर वीडियो का प्रदर्शन किया गया -
   - पोषण मिशन
   - तिरंगा थाली (पोषण)
   - वाटर व्हील
   - कीटनाशकों के लिए बूम स्प्रेयर
   - एरोफार्म - अभिनव कृषि
   - अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अंबिकापुर मॉडल
   - गैर संचारी रोगों का प्रबंधन
   - उन्नयन बांका-शिक्षा मॉडल
   - होल इन द वॉल-शिक्षा में प्रौद्योगिकी
   - शिक्षा में हैप्पीनेस करिकुलम

- शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग- चीन से सबक (क्या करें और क्या न करें)
- मोंटेसरी शिक्षा मॉडल
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाएं - यूके से ज्ञानार्जन
- प्लास्टिक की ईंटें - प्लास्टिक कचरे के निपटान की नई विधि
- बांस से अभिनव उत्पाद
- पूर्वोत्तर भारत में डे लाइट मैनेजमेंट से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को हल करने के लिए जुगनू बैग
- चक्र सूत- सूत को स्याही और पिंगमेंट में बदलने की विधि
- प्लास्टिक के घर
- फूलों की रीसाइकलिंग-समाधान करने की विधि

2. **"इशुज एट होम" प्रतियोगिता के तहत प्रशिक्षु अधिकारियों को पेश आने वाली समस्याओं का संकलन**: प्रशिक्षु अधिकारियों के सामने आने वाले प्रासंगिक मुद्दों का पता लगाने के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह अधिकारी प्रशिक्षु द्वारा चिह्नित मुद्दों से रूबरू होने का सर्वेक्षण था।

3. **"इनोवेशन @ होम" में शीर्ष 3 समस्याओं का समाधान:**
   - अन्यथा सक्षम व्यक्तियों के लिए अकादमी को अधिक समावेशी बनाना
   - अकादमी में वन्यजीवों के साथ मिलकर समय बिताना
   - अकादमी परिसर को पूर्ण रूप से अपशिष्ट से मुक्त करना

4. **ट्राइबल ट्रेजर हंट**: ट्राइफेड, मसूरी के सहयोग से (जीआई महोत्सव के दौरान)
5. **ट्राइफेड, मसूरी के सहयोग से जनजातीय कार्य मंत्रालय के साथ लाइव गिव अवे कार्यक्रम (जीआई महोत्सव के दौरान)**: जीआई टैग और जनजातीय कलाकृतियों पर विभिन्न प्रश्नों को सीधे जुड़े दर्शकों से प्रश्न पूछे गए और मौके पर ही पुरस्कार दिए गए। यह जनजातीय उत्पादों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए था।
6. **उभरती प्रौद्योगिकी का केंद्र (आगामी)**: इंटेल और आईएसबी, हैदराबाद और कंप्यूटर सोसायटी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के सहयोग से।

मैनेजमेंट सर्किल

- *समिति का गठन: 1 सचिव और 4 सदस्य*
- *निदेशक नामिती: सुश्री नंदिनी पालीवाल, उप निदेशक (वरिष्ठ)*

उद्देश्य:

मैनेजमेंट सर्किल का मुख्य कार्य विभिन्न क्षेत्रों में हाल ही हुए विकास को बढ़ावा देना और उसका अध्ययन करना तथा नोट्स और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मंच के रूप में कार्य करना है।

गतिविधियां:

आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- I (2019 बैच) के दौरान

1. **मनी मैनेजर, द मॉक इन्वेस्टमेंट कॉम्पिटिशन**: निवेश से संबंधित इस मॉक खेल को 4 सप्ताह तक आयोजित किया गया और इसमें 40 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य प्रतिभागियों को इक्विटी में निवेश की बारीकियों और उससे जुड़े जोखिमों से परिचित कराना था। खेल की रूपरेखा और नियमों द्वारा सुनिश्चित किया गया कि प्रतिभागियों को पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन और पोर्टफोलियो रिबैलेंसिंग की अवधारणाओं से अवगत कराया जाए। श्री पी. प्रमोद, डॉ. अपराजिता सिंह सिनसिनवार और डॉ. आनंद शर्मा प्रतियोगिता के विजेता रहे। मैनेजमेंट सर्किल की लेखाकार श्रीमती प्रीति रावत ने कार्यक्रमों को सही प्रकार से संचालित करने में प्रमुख भूमिका निभायी।

2. **व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन पर सत्र:** यह सत्र वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किया गया और इसमें 60 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया। सत्र का संचालन श्री मनोज धर्मराजन (आईपी एंव टीएएफएस: 1991) द्वारा किया गया, जिन्हें दीर्घावधि निवेश का लगभग 2 दशकों का अनुभव है। व्याख्यान में 1 घंटे का शिक्षण सत्र और उसके बाद आधे घंटे का प्रश्नोत्तर सत्र शामिल था तथा इसमें विभिन्न विषयों पर बातचीत की गई:
    - अन्य परिसंपत्ति वर्गों के साथ इक्विटी रिटर्न की तुलना कैसे करें
    - म्यूचुअल फंड, उनके प्रकार और उनमें निवेश कैसे करें
    - म्यूचुअल फंड निवेश का जोखिम/रिटर्न प्रोफाइल
    - व्यवस्थित निवेश योजनाएं (एसआईपी)
    - इक्विटी में निवेश के संबंध में आचरण नियम और उनका अनुपालन कैसे सुनिश्चित करें

प्रशिक्षु अधिकारियों के विचार से यह सत्र बहुत उपयोगी रहा।

95वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान

1. **प्रबंधन प्रश्नोत्तरी**- यह प्रश्नोत्तरी ब्रांड्स, बिजनेस लीडर्स, मैनेजमेंट थ्योरी, एंटरप्रेन्योर्स आदि पर आधारित रही। इसमें प्रारंभिक और अंतिम राउंड शामिल थे। इसमें 70 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारियों की भागीदारी रही।
2. **वित्तीय स्वतंत्रता सत्र**- सेवानिवृत्ति की योजना बनाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए गणना करना सिखाया गया। इंडेक्स इनवेस्टिंग और बेंजामिन ग्राहम के दर्शन पर बल देते हुए निवेश रणनीति पर चर्चा की गई। निवेश रणनीतियों पर आचरण नियमों की निहितार्थ बातों पर भी चर्चा की गई।
3. **आयकर रिटर्न सत्र**- अधिकांश प्रशिक्षु अधिकारी पहली बार आयकर का भुगतान करेंगे। प्रशिक्षु अधिकारियों के आयकर रिटर्न दाखिल करने के कार्य को यथासंभव सुगम बनाने के लिए मूल बातें बताने हेतु सत्र का आयोजन किया गया।

4. **अपनी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के विषय में जानें** - यह कार्यक्रम भारत दिवस के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में 25 स्थानों को पहेलियों के रूप में दिए गए सुरागों का प्रयोग करके खोजा जाना था। ये पहेलियां उस जगह के इतिहास, महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों और प्रसिद्ध घटनाओं से संबंधित थी। इस आयोजन में प्रतिभागियों ने टीम वर्क, समस्या समाधान कौशल और तत्परता का परिचय दिया।
5. **वित्तीय प्रबंधन (अतिरिक्त कक्षा)** - नियमित प्रबंधन कक्षाओं की कमी को पूरा करने के लिए तुलन पत्र, आय विवरण और वित्तीय विश्लेषण जैसे विषयों को पढ़ाया गया। अवधारणाओं पर पकड़ मजबूत करने के लिए चर्चा के विषयों से संबंधित समस्याओं को हल किया गया।
6. **अर्थशास्त्र (अतिरिक्त कक्षा)** - अर्थशास्त्र की अंतिम परीक्षा से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। विषयों में प्रशिक्षु अधिकारियों के सुगमता स्तर को बढ़ाने के लिए संबंधिक ग्राफ़ के साथ हैंडआउट्स की सभी शंकाओं का समाधान किया गया।

प्रकृति प्रेमी क्लब

- *समिति का गठन : 1 सचिव और सदस्य*
- *निदेशक नामिति : श्री अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक*

उद्देश्य

प्रकृति प्रेमी क्लब ने प्रशिक्षु अधिकारियों तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों के संकाय सदस्यों के सक्रिय सहयोग से प्रशिक्षु अधिकारियों को पर्यावरण, प्रकृति, वन्यजीव संरक्षण, प्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव इत्यादि के बारे में जागरूक और संवेदनशील बनाने हेतु कई गतिविधियां आयोजित की।

गतिविधियां

सुश्री अनामिका रमेश, आईएएस के नेतृत्व में और श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस के मार्गदर्शन में प्रकृति प्रेमी क्लब ने आईएएस व्यवसायिक पाठयक्रम (दिसंबर 2020 से मार्च 2021) के पहले चरण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच प्रकृति के साथ जोड़ने वाली विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। क्लब ने 'एक भारत वन्य भारत फोटोग्राफी प्रदर्शनी' का आयोजन किया, जहां प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा भारत की प्राकृतिक विविधता का चित्रण प्रस्तुत करने वाली 200 से अधिक तस्वीरों का प्रदर्शन किया गया। समाज सेवा क्लब के सहयोग से प्लॉगिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रशिक्षु अधिकारियों ने मसूरी को 'अधिक स्वच्छ और हरा-भरा' बनाने के लिए उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्लब ने श्री अभिराम जी. शंकर की विशेषज्ञता के सहयोग से बर्ड वाचिंग कार्यक्रम आयोजित किए, जहां प्रशिक्षुओं ने मसूरी के सामान्य पक्षियों को देखना और उनको पहचानना सीखा, जिससे स्थानीय पक्षियों और उनके संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा हुई। क्लब ने फोटो निबंध प्रतियोगिता और रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की, जहां प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान अपनी सीमाओं को विस्तार देने और प्रकृति के साथ अपने जुड़ाव पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अधिकारी क्लब

- *समिति का गठन : 1 अध्यक्ष, 1 सचिव और 6 सदस्य*
- *निदेशक नामिति : सुश्री दिशा पन्नू*
- *निदेशक सह नामिति : डॉ. अनुपम तलवार*

उद्देश्य:

- अधिकारी क्लब ने अपने सभी सदस्यों अर्थात प्रशिक्षु अधिकारियों, सेवाकालीन पाठ्यक्रमों अर्थात चरण V, चरण IV, चरण III के प्रतिभागियों और अकादमी के संकाय सदस्यों को आउटडोर और इनडोर खेलों की सुविधा प्रदान की।
- क्लब का मुख्य उद्देश्य सदस्यों को अधिक अवसर प्रदान करना है, जहां वे न केवल स्वास्थ्य और समग्र आत्मविश्वास प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं बल्कि बेहतर नेतृत्व कौशल और समूह में कार्य करने की क्षमता विकसित कर सकते हैं।
- आउटडोर सुविधाओं में लॉन टेनिस, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, स्केटिंग और एथलेटिक्स के आयोजन शामिल हैं। आउटडोर गतिविधियों में राइडिंग एस्टेबलिशमेंट शामिल हैं। घुड़सवारी का बुनियादी कौशल प्रदान करने के लिए अकादमी के पास 23 घोड़े हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षु अधिकारियों और इच्छुक अधिकारियों को घुड़सवारी क्षेत्र (राइडिंग एरिना) में घुड़सवारी का प्रशिक्षण और अनुभव दिलाया जाता है। घुड़सवारी अनुदेशक (राइडिंग इंस्ट्रक्टर्स) को राष्ट्रपति बॉडी गार्ड्स रेजिमेंट से प्रतिनियुक्ति पर बुलाया जाता है, जो भारतीय सेना की उत्कृष्ट घुड़सवार रेजिमेंट है।
- इनडोर खेलों की सुविधाओं में बिलियर्ड्स, कैरम, तैराकी, शतरंज, स्नूकर, टेबल टेनिस, स्क्वैश, फ़ॉस्बॉल और बैडमिंटन शामिल हैं।
- खेल प्रशिक्षण के क्षेत्र में वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को बढ़ावा देते हुए, गतिविधि सत्रों को रोचक, आकर्षक और मनोरंजक बनाने के लिए योग, ध्यान, एरोबिक्स और ज़ुम्बा के क्षेत्र में प्रशिक्षित प्रशिक्षकों को नियुक्त किया गया है।
- क्लब में सभी समग्र सुविधाओं वाला जिमनेजियम है जिसकी सेवाएं वर्ष भर उपलब्ध रहती है।

गतिविधियां

1. चरण-1 के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए शार्ट ट्रेक की व्यवस्था: इसके लिए दो मार्गों को चुना गया- जॉर्ज एवरेस्ट और लाल टिब्बा।
2. चरण-1 के प्रतिभागियों के लिए अकादमी प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया जिसमें समिति द्वारा क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और फॉस्बॉल जैसे सभी खेलों के मैच आयोजित किए गए। चरण 1 और चरण 3 के प्रतिभागियों के कुछ मैच सौहार्द बढ़ाने के लिए भी आयोजित किए गए।
3. भागीदारी और सौदार्यपूर्ण प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए चरण-1 के प्रशिक्षु अधिकारियों को गन हिल शूटर्स, दलाई हिल रेडर्स, जॉर्ज एवरेस्ट कॉन्करर्स और लाल टिब्बा वारियर्स

नामक चार टीमों में बांटा गया। टीम में अपनेपन की भावना बनाए रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को नाम और संख्या दर्शाने वाली 4 अलग-अलग रंगों की (प्रत्येक टीम के लिए अलग-अलग) टी-शर्ट दी गई।

4. पोलो ग्राउंड में एथलेटिक्स चैंपियनशिप भी आयोजित की गई जिसमें 11 ट्रैक इवेंट और 6 फील्ड इवेंट (पुरुष और महिला सहित) थे।
5. स्केटिंग के लिए एक अनुभवी और प्रशिक्षित प्रशिक्षक को भी 2020 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए नियुक्त किया गया।
6. अकादमी में एक नई बॉक्सिंग रिंग स्थापित की गई है जो माननीय राज्यसभा सांसद और ओलंपिक पदक विजेता सुश्री एम.सी. मैरी कॉम की उपलब्धियों के लिए समर्पित है और उनके द्वारा इसका उदघाटन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किया गया।

अधिकारी मेस

- *समिति का गठन : 1 अध्यक्ष, 1 सचिव, 1 कोषाध्यक्ष और 5 सदस्य*
- *निदेशक नामिति : श्री विजय बी.वसंत, प्रोफेसर*

उद्देश्य

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी परिसर में अधिकारी मेस एक सम्मानजनक संस्था है। यह एक ऐसा स्थान है जहां व्यंजनों की विविधता के माध्यम से संस्कृति, परंपराएं, प्रथाएं तथा विश्वास एक साथ मिल जाते हैं। यह संस्था प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच विश्वबन्धुत्व एवं भाईचारे की भावना को सदैव बढ़ावा देती है। मेस को अनिवार्य रूप से शिष्टाचार, आचार तथा सेवाओं के संदर्भ में उच्च मानक प्राप्त करना होता है। प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी इस संस्था का अभिन्न हिस्सा होता है। अधिकारी मेस का संचालन प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा किया जाता है। मेस समिति के सदस्य प्रशिक्षु अधिकारी होते हैं। मेस समिति में एक अध्यक्ष, एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष तथा पांच अन्य सदस्य होते हैं जो स्वयं मैत्री भाव के अधारभूत विचार को बढ़ावा देने के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। मेस समिति अधिकारी मेस के निदेशक नामिति के समग्र दिशा-निर्देश तथा देख-रेख में कार्य करती है। मेस का संचालन हर समय मेस प्रबंधक, लेखाकार, स्टोर कीपर तथा पर्यवेक्षकों द्वारा किया जाता है। इस संस्था में अधिकारी मेस के कर्मचारी, कुक, सहायक, टेबल बीयरर, रूम बीयरर, स्वीपर तथा डिशवॉशर होते हैं। अधिकारी मेस कर्मशिला, ज्ञानशिला तथा इंदिरा भवन परिसर में लगभग 500 लोगों को सेवाएं प्रदान करता है। अधिकारी मेस प्रतिभागियों को इस राष्ट्र के कोने-कोने के विभिन्न व्यंजन (मेस में तैयार किए गए) परोसता है। अधिकारी मेस सभी सेवाएं अपनी निम्नलिखित आउटलेट्स के माध्यम से प्रदान करता है।

- ए.एन.झा प्लाजा कैफे
- होम टर्फ केफेटेरिया
- सॉवेनियर शॉप, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

गतिविधियां :

- रसोई उपकरणों का उन्नयन

- सॉवेनियर शॉप में नई वस्तुएं शामिल करना
- आंचलिक दिवस, भारत दिवस और फेट का आयोजन करना
- क्षेत्रिय व्यंजन पेश किए गए
- प्रशिक्षु अधिकारियों और संकाय सदस्यों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे खाना पकाना, बेकिंग, गोलगप्पा खाना आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- नोवेल कोरोना वायरस महामारी के लिए निवारक उपाय करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीय लॉकडाउन के दौरान सभी दिहाड़ी मजदूरों को 30.06.2020 तक वेतन का भुगतान किया गया। कोरोना महामारी के दौरान छंटनी किए गए प्रत्येक दिहाड़ी मजदूर को 2,000 रुपये के कूपन भी दिए गए।
- सॉवेनियर शॉप से पुराने स्टॉक को समाप्त करने के लिए वस्तुओं की रियायती दर पर ब्रिकी भी की गई, और ऑफिसर्स मेस द्वारा ज्यादा समय तक न रखी जा सकने वाली वस्तुओं की बिक्री भी की गई।

अधिकारी मेस अकादमी की सभी शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों से जीवन में उल्लास तथा उत्साह लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।

राइफल एवं तीरंदाज़ी क्लब

- *समिति का गठन : 1 सचिव और 3 सदस्य*
- *निदेशक नामिति : सुश्री सुनीता रानी, प्रोफेसर*

उद्देश्य

क्लब के सदस्यों को फायर आर्म्स तथा धनुष-बाण को सक्षमता से संचालित करने में प्रशिक्षण देना। एक बेहतर खेल के रूप में सदस्यों के बीच निशानेबाजी की कला एवं विज्ञान को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करना। टीमों तथा/अथवा व्यक्तियों के लिए समय-समय पर निशानेबाजी प्रतियोगिताएं आयोजित करना एवं पुरस्कार प्रदान करना। धनुर्विद्या तथा निशानेबाजी दोनों में मनोरंजन कार्यक्रम प्रायोजित/आयोजित करना। छह हथियारों के साथ रेंज तथा आउटडोर निशानेबाजी की सुविधाएं उपलब्ध करना अर्थात 12 बोर राइफल, स्माल बोर राइफल, पिस्टल और रिवॉल्वर, एयर रायफल तथा धनुष-बाण और निशानेबाजी के लिए अन्य गतिविधियां जो कि निदेशक नामिति द्वारा उपयुक्त समझी जा सकती हैं।

गतिविधियां

वर्ष के दौरान राइफल एवं तीरंदाज़ी क्लब ने धनुर्विद्या के साथ-साथ राइफल शूटिंग में प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए अभ्यास सत्रों का आयोजन किया। सत्र के अंत में, सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी

- *समिति का गठन : 1 सचिव और 9 सदस्य*
- *निदेशक नामिति : श्री नितेश झा, रीडर*

उद्देश्य

- सोसाइटी के जरिए चर्चा, वाद-विवाद तथा सामान्य अभिरूचि के सभी मामलों के अध्ययन, जिसमें सामयिकी, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी एवं सामयिक अभिरूचि के विषयों के लिए मंच प्रदान करना।
- अकादमी में अधिकारियों को उन सभी सामान्य गतिविधियों के लिए मंच उपलब्ध कराना जो अन्य क्लबों तथा सोसाइटियों द्वारा विशेष रूप से प्रदान नहीं की जाती हैं।

गतिविधियां

- इंटर हॉस्टल और मेला क्विज: समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी के सचिव द्वारा 22 और 29 नवंबर, 2020 को आयोजित किया गया।

- **आशुभाषण संध्या:** कार्यक्रम की शुरुआत आशुभाषण संध्या से हुई, जिसे 6 जनवरी, 2021 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बहुत से प्रशिक्षु अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को एक विषय पर लगभग ढाई मिनट तक बोलना था जो उन्हें मौके पर दिया गया था और विषयों में विभिन्न नैतिक और सामाजिक विषयों जैसे पशु अधिकार, इच्छामृत्यु आदि शामिल थे।

- **वाद-विवाद प्रतियोगिता:** 25 जनवरी 2021 को, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसे प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है। प्रशिक्षुओं ने दो सदस्य वाली टीमों में भाग लिया और उन्होंने न केवल उन विषयों के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए, जिन पर वे बहस कर रहे थे, बल्कि विपक्षी टीम द्वारा प्रस्तुत तर्कों का खंडन भी किया। संकाय सदस्य जो इस आयोजन के निर्णयकर्ता थे, प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत कुछ तर्कों से काफी प्रभावित हुए। इस कार्यक्रम में पुनः प्रशिक्षु अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

- **सामान्य प्रश्नोत्तरी:** 2 मार्च 2021 को, सामान्य प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई जिसमें जयदेव इसके क्विज़मास्टर थे। प्रश्नोत्तरी कठिनाई के विभिन्न स्तरों वाले दो राउंड में आयोजित की गई। प्रशिक्षुओं ने 3 सदस्य वाली टीमों में भाग लिया और शीर्ष तीन टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

- **रचनात्मक कला में महिलाओं पर प्रश्नोत्तरी:** 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'रचनात्मक कला में महिलाएं' पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। प्रश्नोत्तरी के प्रश्नों में विभिन्न

रचनात्मक क्षेत्रों जैसे साहित्य, मनोरंजन, फैशन उद्योग, संगीत, रंगमंच, फिल्मों आदि में महिलाओं की भूमिका को शामिल किया गया। भागीदारी करने के लिए प्रति टीम 3 प्रतिभागियों का फॉर्मेट रखा गया।

- इन आयोजनों के अलावा, समसामयिक क्रियाकलाप की सोसायटी 'दोपहर-एक लेखक के साथ' सत्र का भी हिस्सा बनी जिसमें निदेशक महोदय ने विभिन्न लेखकों के साथ उनकी हाल की या आगामी पुस्तकों के विषय में बातचीत की। समकालीन क्रियाकलाप सोसायटी के सदस्यों ने चर्चाकर्ताओं की तरह प्रतिभाग किया और लेखकों से उनकी पुस्तकों के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रश्न पूछे।

समाज सेवा सोसाइटी

- *समिति का गठन : 1 सचिव और 4 सदस्य*
- *निदेशक नामिति : सुश्री मोनिका धामी, उप निदेशक (वरिष्ठ)*

उद्देश्य

समाज सेवा सोसाइटी में निदेशक नामिती (जो आमतौर पर एक उप निदेशक रैंक का अधिकारी होता है) सोसायटी का नेतृत्व करता है, वैकल्पिक नामिती, एक सचिव और चार सदस्य होते हैं। समिति के मामलों का प्रबंधन करने के लिए संबंधित पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों द्वारा सचिव और सदस्यों को विशेष पाठ्यक्रम (प्रशिक्षण बैच) के प्रतिनिधियों के रूप में चुना जाता है। निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी और निदेशक नामिति के मार्गदर्शन में, न केवल अकादमी के कर्मचारियों, बल्कि

स्थानीय समुदाय के निवासियों के हित के लिए कई पहलें करने में सोसायटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

गतिविधियां:

सामाजिक सेवा सोसाइटी ने मौजूदा गतिविधियों को जारी रखने के साथ-साथ मेहनत से नई गतिविधियों को शुरू करके पिछले बैचों की परंपरा को जारी रखा। यह रिपोर्ट निदेशक नामिति द्वारा नियोजित की गई सभी गतिविधियों और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 95वें फाउंडेशन कोर्स और 2020 बैच के चरण-I. व्यावसायिक पाठ्यक्रम के आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा की गई पहलों का समेकित संक्षिप्त विवरण है:

1. समाज सेवा सोसाइटी के लिए पिछला वर्ष चुनौतीपूर्ण था क्योंकि कोविड-19 ने सामाजिक पहुंच के साथ गतिविधियों के आयोजन करने पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। लेकिन जैसा कि कहा जाता है, प्रतिकूलता में भी मानव की बढ़ोत्तरी होती है, मार्च से जून, 2020 तक निदेशक नामिति, श्रीमती अश्वथी ने उस समय सिलाई करने वाली महिलाओं के स्वयं सहायता समूह को कोविड के बचने के लिए कपड़े के विशेष मास्क बनाने के कार्य में लगाया, जिस समय इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू नहीं हुआ था और उनकी अत्यधिक मांग थी। स्थानीय महिलाओं से लगभग 1000 से अधिक मास्क तैयार कराए गए और यह न केवल इन महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास था, बल्कि इसने अकादमी के कर्मचारियों, जिन्होंने इन मास्क को पहना उन्हें भी सुरक्षित रखने में सहयोग दिया।
2. लॉकडाउन अवधि के दौरान समाज सेवा सोसाइटी ने बिना राशन कार्ड वाले असहाय और निर्धन लोगों में 100 राशन किट (आटा, चावल, दाल, नमक, मसाले, तेल आदि) बांटे। इस कार्य को एसडीएम मसूरी के सहयोग से संपन्न कराया गया।
3. एक और अनूठी और अभूतपूर्व पहल निदेशक नामिति सुश्री मोनिका धामी द्वारा शुरू की गई, जिन्होंने जुलाई, 2021 से सोसायटी का कार्यभार संभाला और आज तक कार्यभार संभाल रही हैं। यह प्रयास 'सशक्त' नामक स्वयं सहायता समूह स्थापित करने के लिए था जिसमें स्थानीय महिलाएं शामिल हैं जो बुनाई के काम में निपुण हैं। वर्धमान या अन्य प्रसिद्ध ब्रांड की ऊन इन महिलाओं को दी जाती है जो मांग होने पर और अकादमी में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए भी सुंदर स्कार्फ, मफलर और स्वेटर बुनकर तैयार करती हैं।

इस परियोजना में लगभग 25 स्थानीय महिलाएं शामिल हैं और इन उत्पादों को लागत के आधार पर बेचकर प्राप्त आय को इन महिलाओं में वितरित किया जाता है इससे लगभग 60,000/- रुपये प्रति माह का कारोबार होता है। चरण-I, आईएएस 2020 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने स्वयं सहायता समूह 'सशक्त' के लिए ब्रांड लोगो, टैग और कैरी बैग तैयार किया, जिसे आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया और यहां तक कि छोटी वीडियो क्लिपिंग भी तैयार की गई। स्वयं सहायता समूह 'सशक्त' के ऊनी उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया और विभिन्न अवसरों पर 50,000/- रुपये से अधिक मूल्य के ऊनी उत्पादों की बिक्री की गई।

4. फाउंडेशन कोर्स के दौरान, प्रशिक्षु अधिकारी जॉर्ज और उनकी टीम ने सामाजिक संदेश लिखे हुए पोस्टर तैयार करने के साथ-साथ अपने कमरों के लिए स्वच्छता प्रतियोगिता शुरू की।

5. नव वर्ष की पूर्व संध्या पर, चरण-I, 2020 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा हाथ से बने ग्रीटिंग कार्ड बेचकर वंचित महिलाओं के लिए धन जुटाने का कार्य भी किया गया।

6. निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाए जाने के साथ स्वच्छता सप्ताह की शुरुआत की गई। इसमें दलाई हिल्स और कंपनी गार्डन में चार दिवसीय स्वच्छता अभियान शामिल था। कला से स्वच्छता प्रतियोगिता (अपशिष्ट से संपन्नता की ओर) तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को समझने के लिए उनके साथ प्रशिक्षु अधिकारियों ने संवाद भी किया। स्थानीय लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए ऋषिकेश में गंगा तट पर सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन के सिद्धांतों पर आधारित था।

7. आईएएस 2020 बैच की महिला प्रशिक्षु अधिकारियों ने जागरूकता बढ़ाने और महिला अकादमी कर्मचारियों और उनके बच्चों को प्रेरित करने के लिए अपने जीवन संघर्ष को साझा किया। इसमें कई महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन उसी दिवस में किया गया जब बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का शुरूआत हुई थी।

8. निदेशक नामिति सुश्री मोनिका धामी के मार्गदर्शन में, जो कि लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से जुड़े केन्द्रीय विद्यालय की अध्यक्ष भी हैं, केन्द्रीय विद्यालय में किशोरियों और किशोरों के स्वास्थ्य संकेतकों की जांच करने के लिए मार्च, 2020 के पहले शनिवार के दिन पहली बार मुहिम चलायी गयी। यह अपनी तरह की पहली गतिविधि थी।

   केन्द्रीय विद्यालय के 150 छात्रों के लिए स्वास्थ्य जांच और जीवन कौशल संबंधी सत्र भी आयोजित किए गए। चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ और दंत चिकित्सक सहित डॉक्टरों की टीम ने सामान्य बीमारियों के बारे में छात्रों की जांच की। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, करियर परामर्श, सोशल मीडिया का उपयोग, स्वस्थ जीवन शैली जैसे विभिन्न विषयों पर जीवन कौशल संबंधी कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं।

9. **दिल्ली विश्वविद्यालय के यूपीएससी उम्मीदवारों के साथ चर्चा**: प्रशिक्षु अधिकारियों ने तैयारी के संबंध में यूपीएससी उम्मीदवारों के साथ उनके संदेह और मिथकों को दूर करने के लिए ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया। उन्होंने कम संसाधन रखने वाले यूपीएससी उम्मीदवारों को तैयारी नोट्स प्रदान किए और कुछ सत्र भी आयोजित किए। इसे ऑनलाइन मोड में संपन्न कराया गया।

10. **प्रशासनिक पहलें**: ज्ञान पोर्टल पर डिस्पैच सीआरयू अनुभाग के संबंध में जानकारी के लिए ऑनलाइन लिंक और एसएमएस सुविधा शुरू करने और संपदा अनुभाग के माध्यम से ड्राई क्लीनिंग सुविधा को फिर से शुरू करने का कार्य इस टीम द्वारा किया गया। तौल मशीन की उपलब्धता: इसका आयोजन प्रशिक्षु अधिकारियों की फिटनेस के बारे में जागरूकता बढ़ाने और भोजन की बर्बादी को रोकने के लिए अधिकारी मेस में किया गया।

राहुल सांकृत्यायन हिंदी मंच

राहुल सांकृत्यायन हिंदी मंच द्वारा निदेशक महोदय के मार्गदर्शन में पूर्व निदेशक नामिती डॉ. कुमुदिनी नौटियाल तत्पश्चात श्री हरि प्रकाश तथा निदेशक सहनामिती डॉ. भावना पोरवाल एवं श्री सरफराज हुसैन खान के सहयोग से प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा आयोजित गतिविधियों का विवरण निम्न प्रकार से है:

व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-II (2018 बैच) के दौरान आयोजित गतिविधियों का विवरण

अकादमी द्वारा कोविड-19 की परिस्थितियों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-II (2018 बैच) दिनांक 07 जुलाई, 2020 से 07 अगस्त, 2020 तक चलाया गया। पाठ्यक्रम ऑनलाइन आयोजित होने से 'राहुल सांकृत्यायन हिंदी मंच' के चरण-II के सचिव श्री मनीष तथा सभी सदस्यों के प्रयास, सहयोग और उत्साह से ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें ''सप्तरंग'', ''पहचान कौन'' एवं ''बूझो तो जाने'' नामक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। 100 से अधिक भाषा-भाषी प्रशिक्षु अधिकारियों ने इन मनोरंजक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र ऑनलाइन वितरित किए गए।

95 वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान आयोजित गतिविधियों का विवरण

95वां फाउंडेशन कोर्स कोरोना जैसी परिस्थितियों के कारण अब तक का सबसे अनूठा कोर्स रहा। किंतु विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हिंदी मंच के प्रत्येक सदस्य के योगदान से आयोजित गतिविधियों द्वारा फाउंडेशन कोर्स का सफर प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए सुहाना हो गया।

हिंदी भाषा के समृद्ध साहित्य का परिचय कराना, भाषा की मौलिकता को बनाये रखना, राजभाषा का विकास करना आदि उद्देश्यों को लेकर इस मंच ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया।

1. हिंदी साहित्यकारों की उक्तियों को ज्ञानशिला, ध्रुवशिला, कर्मशिला आदि महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार डिस्प्ले करना।
2. प्रश्नोत्तरी
3. काव्य लेखन प्रतियोगिता

4. कवि सम्मेलन
5. प्रदर्शनी
6. पत्रिका का प्रकाशन
7. कवि सम्मेलन
8. हिंदी मंच ने एक और कदम आगे बढ़कर भारतीय क्षेत्रीय, प्रांतीय व शास्त्रीय भाषाओं के विकास व प्रसार के लिए इंडिया डे पर सभी भाषाओं को मिलाकर एक वीडियो बनाया तथा उनके प्रसिद्ध वक्तव्य व सूक्तियों को डिस्प्ले किया।
9. अन्य क्लब के साथ मिलकर प्रतियोगिताएं आयोजित की।
10. प्रशिक्षु अधिकारियों को एकाएक जब 14 दिनों के लिए क्वारंटीन में रहना पड़ा तो मंच द्वारा प्रदान किया गया "दिल से दिल तक" वाट्सएप प्लेटफॉर्म विशेष आकर्षण का केंद्र रहा जहाँ कभी भी उन्हें अकेलापन महसूस नहीं हुआ।
11. "उड़ान" पत्रिका को नया स्वरूप देने व रुचिकर बनाने के लिए मंच द्वारा कभी फैकल्टी तो कभी स्टाफ के साक्षात्कार के लिए देर रात तक भी कार्य किया गया और प्रशिक्षु अधिकारियों के पास जाकर उन्हें रचनाएँ देने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

फेज-1 के दौरान आयोजित गतिविधियों का विवरण

सर्वप्रथम 10 जनवरी, 2021 को विश्व हिंदी दिवस पर दो प्रतियोगिताएं कराई गयी जिसमें राजभाषा अनुभाग ने भी सहयोग दिया।

1) **दिमाग का दही**- इस प्रतियोगिता में कुल 2 चरण थे। प्रथम चरण में एक वक्तव्य (quote) दिखाकर आशुभाषण (extempore) आयोजित कराया गया। इसमें से चयनित प्रतिभागियों को द्वितीय चरण में मौका दिया गया। इस चरण में एक निश्चित समय अंतराल पर दो तस्वीरें दिखायी गयी जिसमें दोनों तस्वीरों को जोड़ते हुए अपना वक्तव्य प्रस्तुत करना था।

2) **आओ कुछ लिखें**- लेखन प्रतियोगिता जिसमें निम्नलिखित थीम या विषयवस्तु पर प्रतिभागियों से लेख लिखकर प्रस्तुत करने को कहा गया-

1. कोरोना - बनते बिगड़ते रिश्ते
2. नए साल में नया क्या
3. अकादमी - कुछ खट्टे मीठे पल

इन दोनों प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ-साथ स्टाफ ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया।

2. **एक शाम कविता के नाम**- गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या 25 जनवरी, 2021 को ''एक शाम - कविता के नाम'' कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमें अकादमी के निदेशक महोदय मुख्य अतिथि की भूमिका में उपस्थित रहे। इसमें प्रतिभागियों को अपनी पसंद की कोई भी रचना सुनाने का अवसर दिया गया। रचना स्वरचित होने की कोई बाध्यता नहीं थी और साथ ही साथ थीम या विधा की भी कोई बंदिश नहीं थी। इसमें प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ संकाय सदस्यों, राजभाषा के

सदस्यों और स्टाफ से भी लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही हिंदी के अलाव अन्य भारतीय भाषाओं में भी काव्य पाठ हुआ।

3. **दास्तां-ए-दिल**-फरवरी, 2021 के सुहाने मौसम और मोहब्बत के सप्ताह "Valentine Week" में इस प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इसमें प्रतिभागियों को अपने दिल के जज़्बात बयां करने का अवसर दिया गया। वो चाहे तो पत्र या किसी अन्य विधा जैसे कविता, ग़ज़ल, नज़्म आदि में हो सकते थे। बड़े उत्साह से प्रशिक्षु अधिकारियों ने इसमें भाग लिया और इस आयोजन को सफल बनाया।

4. **सहज क्वीज (SAHAJ QUIZ)**

S - साहित्स

A - भारत की कला, संस्कृति एवं परंपरा

H - इतिहास

A - अति प्राचीन (Mythology)

J - जॉलीवुड (Cinema and Theatre)

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता काफी विस्तृत थीम्स पर आयोजित कराई गयी थी। इसमें मुख्य रूप से 3 राउंड थे। पहले राउंड में टीमों को शॉर्टलिस्ट कर लिया गया। उसके बाद राउंड-2 आयोजित कराया गया जिसमें कुल 3 चरण थे।

- आडियो/विडियो राउंड - इसमें सवालों को आडियो या विडियो के माध्यम से पूछा गया।
- पिक्चर राउंड - इसमें स्क्रीन पर तस्वीर दिखाकर सवालों को पूछा गया।
- जम्बल वर्ड राउंड - इसमें शब्दों को जम्बल करके सवाल दिया गया और सही शब्द बनाने को कहा गया।

राउंड-2 में चयनित प्रतिभागियों को राउंड 3 में भाग लेने का अवसर दिया गया। राउंड 3 में कुल 2 चरण थे। पहले में प्रश्नोत्तरी और दूसरे में बज़र राउंड अंतिम परिणाम राउंड 2 और राउंड 3 के स्कोर के आधार पर घोषित किया गया।

5. **अकादमी साहित्य महोत्सव Academy Lit fest**- अकादमी में प्रत्येक वर्ष अयोजित होने वाले साहित्य महोत्सव का हिंदी मंच के सभी प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
6. **साहित्य प्रदर्शनी-** हिंदी के प्रसिद्ध कवियों और उनकी रचनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए अकादमी परिसर में समय-समय पर पोस्टर लगाए गए।

सभी गतिविधियों के दौरान कोविड-19 की गाइडलाईन्स का पूर्णत: पालन किया गया।

प्रशिक्षण सहयोग

एन.आई.सी. प्रशिक्षण यूनिट

एन.आई.सी. प्रशिक्षण यूनिट, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को अकादमी में सभी प्रशिक्षणों के दौरान, उन्हें सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करती है। एन.आई.सी यूनिट द्वारा प्रशिक्षण कैलेण्डर 2020-21 के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां संचालित की गईं:

आई.ए.एस. व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-I (2019-21 बैच)	**सत्र** **9x2 = 18**	**प्रतिभागी** **181**
गतिविधियां: सेंसिटीविटी एनालिसिस, फाइनेंशियएल मैनेजमेंट, कैपिटल बजटिंग, टाइम वैल्यू ऑफ मनी, प्रोजेक्ट अप्रेजल (फाइनेंशियएल और इनवेस्टमेंट क्राइटेरिया, कंस्ट्रक्टिंग प्रोजेक्ट कैश फ्लोज, केस स्टडीज-(स्माल और लार्ज) टेकेनोलाजिकल डेमोस्ट्रेशन आन एआई एप्लीकेशन्स, व्हाट-इफ-एनालिसिस, स्टेटिसटिक्स और ग्राफिकल एनालिसिस, सर्वे एनालिसिस, पाइवोट टेबल और पाइवोट चार्ट, इनट्रोडक्शन टू डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम, डाटाबेस रिलेशनल कन्सेप्ट्स, एप्लीकेशन यूटिलिटी इन डीबीएमएस		
चरण-III मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (मार्च 2020)	**सत्र** **08**	**प्रतिभागी** **80**
गतिविधियां: एब्सोल्यूट एंड रिलेटिव सैल एड्रेसिंग, यूजर डिफाइंड फार्मूला एंड इन-बिल्ट फंक्शन, वॅट-इफ		

एनालसिस, फाइनेंशियल मैनेजमेंट, कैपिटल बजटिंग, टाइम वैल्यू ऑफ मनी, प्रोजेक्ट अप्रेजल (फाइनेंशियल एंड इनवेस्टमेंट क्राइटीरिया, कंस्ट्रक्टिंग प्रोजेक्ट कैश फ्लोज, केस स्टडीज-(स्माल एंड लार्ज), टेक्नोलॉजिकल डेमोन्स्ट्रेशन ऑन एआई एप्लीकेशन्स

95वां फाउंडेशन कोर्स (15 सप्ताह)	**सत्र** **34**	**प्रतिभागी** **419**
गतिविधियां: रिजिनल लैंगुएज इनपुट, एडेप्टिव लर्निंग, कोलेबरेटिव टूल्स जैसे गूगल डॉक्स, डाटा एनिलिटिक्स, इनट्रोडक्शन टू वर्क-स्ट्रीम कोलेबोरेशन एप्लीकेशन टू एड्रेस द नीड्स ऑफ कंटेंट कोलेबोरेशन, रिव्यू ऑफ डॉक्युमेंट, ट्रेक चैंजेज, डॉक्युमेंट कनवर्जन, डाक्युमेंट सिक्युरिटी, आटो सेविंग, रिकवरी, मेल मर्ज, विजुअल टूल्स टू इनहेंस द प्रेजेंटेशन, कस्टमाइजेशन ऑफ प्रेजेंटेशन, ऑबजेक्ट एनिमेशन, मैथेमेटिकल, स्टेटिस्टिकल एंड कंडीशनल फंक्शन्स, ऑपरेटर्स, चार्ट्स, डाटा एनालिटिक्स, डेसक्रिप्टिव स्टेटिक्स, ट्रेंड लाइंस एनालिसिस, फॉरकास्ट, एनालाइजिंग लार्ज डाटासेट यूजिंग पाइवोट टेबल एंड पाइवोट चार्ट, ड्रिल डाउन टू सी द इनसाइट्स		
आईएएस अधिकारियों के लिए 122वां इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम	**सत्र** **04**	**प्रतिभागी** **59**
गतिविधियां: इफेक्टिव डॉक्युमेंट मैनेजमेंट, स्पेशन पब्लिकेशन फीचर्स फॉर क्वालिटी वर्क, बायलर प्लेट फीचर्स टू मिनिमाइज टाइम एंड इफर्ट्स, प्रेजेटेशन बेसिक्स, विजुअल टूल्स ऑफ एनहेंसमेंट ऑफ प्रेजेटेशन, कस्टमाइजेशन ऑफ प्रेजेंटेशन, ऑबजेक्ट एनिमेशन, स्प्रेड शीट बेसिक्स, एबसाल्यूट एंड रिलेटिव सेल रेफेरेंसिंग एंड यूजर डिफाइन्ड फॉरमूला वर्सेज इन-बिल्ट फंक्शन्स		

प्रशिक्षण विधि:

- कौशल स्तरों का प्रारंभिक मूल्यांकन
- वैकल्पिक कक्षाएं-उनके लिए अनिवार्य जो उत्तीर्णी नहीं कर कर पाते हैं
- हैंड्स ऑन अभ्यास और प्रदर्शन
- केस स्टडीज
- विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान सत्र

ई-लर्निंग सामग्री विकास:

प्री-एफसी कॉमन फाउंडेशन कोर्स के लिए निम्नलिखित विविध श्रेणियों के अंतर्गत आईसीटी विषयों से संबंधित विकसित किए गए 74 कंटेंट: कंप्यूटर फंडामेंटल्स, स्टैंडअलोन ऑफिस एप्लीकेशन्स, ऑनलाइन सामाजिक सहयोग टूल्स और मीटिंग सोल्युशंस, प्रोप्राइटी बनाम ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर, उभरती प्रौद्योगिकियों की मूल बातें और सरकार/लोक प्रशासन में उनके अनुप्रयोग। मिशन "कर्मयोगी" के तहत भारत सरकार के ऑनलाइन पोर्टल आईजीओटी पर अपलोड करने के लिए ई-लर्निंग मैटेरियल विकसित करने के लिए कंटेंट प्रदान किया गया।

आईजीओटी प्लेटफॉर्म के लिए 74 आईसीटी विषयों को अंतिम रूप देने के लिए स्टोरीबोर्ड और स्क्रिप्ट को तैयार किया, समीक्षा की और अंतिम रूप प्रदान किया।

आईजीओटी प्लेटफॉर्म और अकादमी के ज्ञान (एलएमएस) पर अपलोड करने के लिए, विशेष रूप से विकलांग परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए दो लेवल (अल्फा, गोल्ड) पर आईसीटी मैटेरियल के लिए 05 वीडियो को तैयार किया, समीक्षा की और उसे अंतिम रूप दिया गया।

आईजीओटी प्लेटफॉर्म और अकादमी के ज्ञान (एलएमएस) पर अपलोड करने के लिए, 95वें फाउंडेशन कोर्स के परिवीक्षार्थियों के लिए दो स्तरों (अल्फा, गोल्ड) पर आईसीटी सामग्री के लिए अंग्रेजी में 74 वीडियो की क्यूरेट, समीक्षा और अंतिम रूप दिया।

भारत सरकार के आईजीओटी प्लेटफॉर्म और अकादमी के ज्ञान (एलएमएस) पर अपलोड करने के लिए 74 आईसीटी विषयों के लिए एसेसमेंट विकसित किए।

प्रौद्योगिकी पहल:

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के अधिकारियों की संपर्क रहित उपस्थिति दर्ज करने के लिए तकनीकी रूप से सक्षम "फेस रिकागनिशन आधारित अटेंडेंस सिस्टम" कार्यान्वित किया गया और उसके लिए समन्वय स्थापित किया गया।

वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (वीजेटीआई), मुंबई के सहयोग से ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी को लागू किया और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षु अधिकारियों और अधिकारियों को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी परिसर के भीतर बिटकॉइन में कैशलेस भुगतान करने का विकल्प उपलब्ध कराया गया।

भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), सर्वे ऑफ इंडिया और एनआईसी के जीआईएस डिवीजन के सहयोग से 95वें फाउंडेशन कोर्स के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए जीआईएस कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें जीआईएस, जीआईएस टूल्स, शहरी नियोजन और सामुदायिक विकास, आपदा प्रबंधन और शमन और वाटरशेड प्रबंधन एवं सिंचाई जल प्रबंधन, भारत मैप्स और मल्टी-लेयर जीआईएस फ्रेमवर्क, डिजिटल इंडिया पहल शामिल थे। परिवीक्षाधीन अधिकारियों को फील्ड में ड्रोन का उपयोग करके डेटा संग्रह का सीधा प्रदर्शन भी किया गया।

इंटरप्राइज आर्किटेक्चर को संस्थागत बनाना:

एनआईसीटीयू के प्रमुख (विनोद कुमार तनेजा) ने TOGAF9.2 (द ओपन ग्रुप आर्किटेक्चर फ्रेमवर्क वर्जन 9.2) प्रमाणनन प्राप्त किया।

अकादमी के संकाय सदस्यों और अधिकारियों के लिए इंटरप्राइज आर्किटेक्टर के बारे में जागरूक बनाने के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया।

एंटरप्राइज़ आर्किटेक्चर दस्तावेज़ 2020 के विकास के लिए तकनीकी पर्यवेक्षण और समन्वय किया।

आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर और ईआरपी सॉल्यूशन के लिए सॉल्यूशन आर्किटेक्चर के विकास के लिए तकनीकी पर्यवेक्षण और समन्वय किया।

"लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में एंटरप्राइज आर्किटेक्चर (ईए) के रीवेलिडेशन, आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर और ईआरपी समाधान के लिए सॉल्यूशन आर्किटेक्चर और ईए कार्यान्वयन के लिए आरएफपी की तैयारी" हेतु निविदा आमंत्रित करने के लिए तैयार टीओआर और आरएफपी दस्तावेज तैयार किया।

अन्य गतिविधियां:

फाउंडेशन कोर्स, आईएएस व्यावसायिक पाठयक्रम और मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आईसीटी और ई-गवर्नेंस पाठ्यक्रम की समीक्षा हेतु फरवरी 2020 में "शासन में प्रौद्योगिकी" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। प्रतिभागियों में शिक्षाविद, एनआईसी के आईटी विशेषज्ञ, एनईजीडी, एनआईएसजी, भारत सरकार और राज्य सरकारों के प्रशासक शामिल थे।

31 अक्टूबर 2020 को स्टेच्यू ऑफ यूनिटी (एसओयू), केवडिया, गुजरात से भारत के माननीय प्रधानमंत्री के, 95वें फाउंडेशन कोर्स के संकाय सदस्यों और प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ वार्तालाप सत्र के लिए नेटवर्किंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करने के लिए समन्वय और तकनीकी सहायता प्रदान की।

3डी प्रिंटिंग, एआर/वीआर, एआई/एमएल, आईओटी, ब्लॉकचैन आदि जैसी नई आईसीटी प्रौद्योगिकियों से परिचय कराने के लिए डिजिटल लैब@एनआईसीटीयू की शुरुआत की और अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान युवा सिविल सेवकों और वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को सफल ई-गवर्नेंस एप्लीकेशन्स से परिचित कराया।

आईएएस व्यावसायिक पाठयक्रम चरण- ॥ और 95वें फाउंडेशन पाठयक्रम के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए ऑनलाइन सत्र हेतु समन्वय किया।

95वें फाउंडेशन कोर्स के लिए आईसीटी ऑनलाइन परीक्षाओं हेतु प्रश्न पत्र तैयार किया गया।

“शासन में प्रोद्योगिकी” पर कार्यशाला

जीआईएस के अनुप्रयोग पर कार्याशाला

गांधी स्मृति पुस्तकालय

अकादमी में एक समृद्ध पुस्तकालय है। अकादमी पुस्तकालय नैसर्गिक सौंदर्य के बीच स्थित है जहां से भव्य हिमालय का मनोरम दृश्य दिखाई पड़ता है और प्रकृति से जुड़ाव का अनंत भाव उत्पन्न होता है। इस पुस्तकालय का नाम माहात्मा गांधी के नाम पर 'गांधी स्मृति पुस्तकालय' रखा गया है। यह पुस्तकालय कंप्यूटरीकृत है तथा पुस्तकालय की संपूर्ण पुस्तक सूची ऑनलाइन http://192.168.1.28:70/ पर उपलब्ध हैं।

पुस्तक/सीडी/डीवीडी आरएफआईडी टैग किए गए हैं तथा पुस्तकालय सर्कुलेशन काउंटर का उपयोग किए बिना पुस्तकों को जारी करवाने, रीन्यू करवाने तथा लौटाने के लिए पुस्तकालय पटल (लाइब्रेरी काउन्टर) पर आरएफआईडी स्व-निर्गमन/स्व-वापसी कियोस्क स्थापित किए गए हैं। अकादमी में मुख्य परिसर के कर्मशिला भवन और ज्ञानशिला भवन के प्रवेश स्थल पर आरएफआईडी बुक ड्रॉप कियोस्क लगाए गए हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय आए बिना पुस्तक लौटाने के लिए इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। यह सेवा सातों दिन 24 घंटे उपलब्ध है।

पुस्तक संग्रहण- गांधी स्मृति पुस्तकालय अध्ययन संसाधनों से परिपूर्ण है जिसमें 1.98 लाख दस्तावेज हैं जिनमें 1.71 लाख पुस्तकें, पत्रिकाओं के 8679 बाउंड वॉल्यूम्स, 2109 ओडियो कैसेट्रस, 1708 विडियो कैसेट्रस, 66 ब्रेल पुस्तकें तथा 8497 सीडी/डीवीडी (लेक्चर रिकॉर्डिंग्स, डोक्यूमेंट्रीज, मूवी) (अंग्रेजी, हिंदी, क्षेत्रीय) तथा 19वीं शताब्दी से 6259 डिजिटल दुर्लभ तथा पुरानी पुस्तकें शामिल हैं।

पुस्तकालय में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों/संस्थाओं द्वारा प्रकाशित समाचार-पत्र (29), पत्रिकाएं (76), विदेशी पत्रिकाएं (12), भारतीय जर्नल (77), तथा ई-जर्नल्स (33) मंगाए जाते हैं।

पुस्तकालय निम्नलिखित ई-रिसोर्सेज सबस्क्राइब कराता है:

रिमोटएक्स: ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए रिमोट ऑथेंटिकेशन और एक्सेस सर्विस की सदस्यता ली गई है। रिमोटएक्स एक ऐसी सेवा है जो उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच उपलब्ध कराता है, जिस समय वे परिसर में नहीं होते हैं।

ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स कंप्लीट: विपणन, प्रबंधन, प्रबंधन सूचना प्रणाली, उत्पादन एवं संचालन प्रबंधन, लेखाकंन, वित्त एवं अर्थशास्त्र सहित व्यवसाय संबंधी विषयों के 3000 से अधिक जर्नल्स/जर्नल आर्टिकल्स की सूची और संपूर्ण विषय सामग्री प्रदान करने वाला डाटाबेस।

ईबीएससीओ इकोनलिट पूरी पाठ्य सामग्री के साथ: यह रिसोर्स अर्थ अर्थशास्त्र, पूंजी बाजार, देश का अध्ययन, इकोनोमेट्रिक्स, आर्थिक पूर्वानुमान, पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, सरकारी विनियमों, श्रम अर्थशास्त्र, मौद्रिक सिद्धांत, शहरी अर्थशास्त्र तथा बहुत से क्षेत्रों में लेखों की पूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराता है।

ईबीएससीओ पॉलिटिकल साइंस कंप्लीट: विश्वव्यापी दृष्टिकोण के वैश्विक राजनीतिक विषयों का व्यापक कवरेज उपलब्ध कराता है, जो समकालीन राजनीतिक परिदृय के वैश्वीकरण को दर्शाता है। यह 340 से अधिक संदर्भ पुस्तकों तथा मोनोग्राफ की पूर्ण पाठ्य सामग्री तथा 44,000 से अधिक सम्मेलन दस्तावेजों की पूर्ण पाठ्य सामग्री प्रदान करता है जिसमें इंटरनेशनल पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन से प्राप्त लेख सम्मिलित हैं।

ईबीएससीओ सोकइंडेक्स पूरी पाठ्य सामग्री के साथ : यह डेटाबेस विश्व का सबसे व्यापक तथा उच्चतम गुणवत्ता वाला समाजशास्त्र शोध डेटाबेस है। इसमें लगभग 900 जर्नल्स की पूरी पाठ्य सामग्री है तथा इसमें 1895 तक के 1500 से अधिक कोर कवरेज जर्नल्स के सूचनापरक सार हैं। इसके अतिरिक्त, यह लगभग 420 प्राथमिकता कवरेज वाले जर्नल्स तथा लगभग 3,000 चयनित कवरेज वाले जर्नल्स से डाटा उपलब्ध कराता है।

जेएसटीओआर ऑनलाइन : मानवशास्त्र, एशियाई एफ्रो-अमेरिकन अध्ययन, परिस्थिति विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा, वित्त, सामान्य विज्ञान, इतिहास, साहित्य, गणित, संगीत, दर्शन, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र तथा सांख्यिकी में विद्वतापूर्ण जर्नल्स का डिजिटल संग्रह है।

इंडिया स्टेट्रस : ऑनलाइन सांख्यिकीय डेटाबेस: इसमें भारत तथा उसके राज्यों के बारे में सेकेंडरी स्तर के सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों का व्यापक संकलन है।

सुप्रीम कोर्ट के मामले (एसएससी ऑनलाइन): एक कानूनी डेटाबेस जिसमें सर्वोच्च न्यायालय, सभी उच्च न्यायालयों, न्यायाधिकरणों और आयोगों के मामले, वैधानिक सामग्री और विदेशी क्षेत्राधिकार और अंतर्राष्ट्रीय सामग्री शामिल हैं।

मनुपात्र: एक कानूनी डेटाबेस है जिसमें भारत के साथ-साथ विदेशी विधि सामग्री भी व्यापक रूप से शामिल है।

इंडियन जर्नल्स.कॉम : यह भारतीय शैक्षणिक जर्नल्स और अनुसंधान प्रकाशनों का सबसे बड़ा बहु-विषयक मंच है।

ईपीडब्ल्यू इंडिया टाइम सीरिज: यह ईपीडब्ल्यू रिसर्च फाउंडेशन (EPWRF) द्वारा प्रदान की जाने वाली एक ऑनलाइन सेवा है। इसमें अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कार्य के लिए सुविधाजनक तरीके से मैक्रो इकोनॉमिक और वित्तीय क्षेत्र की विस्तृत श्रृंखला को कवर करने वाले तेरह मॉड्यूल्स के बारे में दीर्घकालिक डेटा श्रृंखला के प्रावधान की परिकल्पना की गई है।

फेयर ऑब्जर्वर: फेयर ऑब्जर्वर एक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी मीडिया संगठन है जो नागरिक पत्रकारिता और नागरिक शिक्षा में संलग्न है। डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म में 90 देशों के 2,500 योगदानकर्ता हैं, जो सीमाओं, पृष्ठभूमि और विश्वासों से परे हैं। तथ्य-जांच और एक कठोर संपादकीय प्रक्रिया के साथ, हम इको चेम्बर्स और फेक न्यूज के युग में विविधता और गुणवत्ता प्रदान करते हैं।

इंटेलिजेंस स्क्वेयर्ड+: इंटेलिजेंस स्क्वेयर्ड+ आपके लिए हर हफ्ते लाइव, इंटरेक्टिव इवेंट ऑनलाइन लाता है। यह संकाय सदस्यों को लाइव पोल में वक्ताओं से सवाल पूछने और दर्शकों के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत करने की अनुमति देता है। इंटेलिजेंस स्क्वेयर्ड+दुनिया के शीर्ष विचारकों और राय बनाने वालों की विशेषता वाले कई इवेंट, लाइव और ऑन-डिमांड उपलब्ध कराता है।

संस्थागत सदस्यता : नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लांइड मुंबई से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध कराने के लिए है।

संस्थागत सदस्यता: राष्ट्रीय दृष्टि बाधित दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए ऑनलाइन संसाधन प्रदान करने के लिए है।

डेटाबेस के अलावा, निम्नलिखित ई-पत्रिकाओं को भी सब्सक्राइब किया गया है और गांधी स्मृति पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया गया है।

1.	एनल्स ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फर्मेशन साइंस
2.	एप्रोप्रिएट टेक्नोलॉजी
3.	चाइना रिपोर्ट
4.	सिटी एनालिसिस ऑफ अर्बन ट्रेंड्स, कल्चर थ्योरी, पॉलिसी एक्शन
5.	कंजर्वेशन एंड सोसायटी
6.	कंट्रीब्यूशन टु इंडियन सोश्योलॉजी
7.	डेवलपिंग इकोनॉमिक्स

8.	इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीक्ली
9.	इकोनॉमिस्ट
10.	एनर्जी फ्यूचर
11.	एनवायरनमेंट एंड अर्बनाइजेशन एशिया
12.	फेयर ऑब्जर्वर
13.	फॉरेन ट्रेड रिव्यू
14.	इंडियन हिस्टॉरिकल रिव्यू
15.	इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज
16.	इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स
17.	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अर्बन सस्टेनेबल डेवलपमेंट
18.	जर्नल ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ
19.	जर्नल ऑफ पीज़ेंट स्टडीज
20.	जर्नल ऑफ रिसोर्सेज़, एनर्जी एड डेवलपमेंट
21.	एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू
22.	न्यू लेफ्ट रिव्यू
23.	पी सी क्वेस्ट
24.	परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट क्वार्टरली
25.	साइंस रिपोर्टर
26.	सेमिनार
27.	स्लोअन मैनेजमेंट रिव्यू
28.	सोशल चेंज
29.	स्टडीज़ इन हिस्ट्री
30.	टीईआरआई: इनफारमेशन डाइजेस्ट ऑन एनर्जी एंड एनवायरनमेंट
31.	अर्बनाइजेशन
32.	वर्ल्ड डिजिटल लाइब्रेरीज़

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी डी-स्पेस रिपोजिटरी: अकादमी के बौद्धिक आउटपुट की डिजिटल प्रतियों को इकट्ठा करने, संरक्षित करने और प्रसार करने के लिए ऑनलाइन संग्रह जिसमें विशेष रूप से पाठ्यक्रम व्याख्यान शामिल हैं।

अक्टूबर माह में, गांधी स्मृति पुस्तकालय के मेजेनाइन फ्लोर पर अग्नि सुरक्षा के लिए सिलेंडर से गैस रिसने की घटना हुई और इसकी सूचना उच्च अधिकारियों के माध्यम से तुरंत कें.लो.नि.वि. को दी गई। लगभग 250 सीडी/डीवीडी नष्ट हो गई।

1 अप्रैल से 31 मार्च 2021 के दौरान प्रमुख उपलब्धियां:

- अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के दौरान पुस्तकालय ने लगभग 2500 पुस्तकें और सीडी/डीवीडी शामिल की हैं।

- सॉफ्टवेयर का परिवर्तन: पुस्तकालय ने अपने ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर को लिबसिस से कोहा में परिवर्तित किया।

- पुस्तकालय के लिए ऐप: ऐप को आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से डिजाइन किया गया है और इसे गूगल प्ले स्टोर में अपलोड किया जा रहा है, हालांकि अभी इसकी घोषणा नहीं की गई है।

- राष्ट्र निर्माण: पुस्तकालय "राष्ट्र का निर्माण" नामक परियोजना पर काम कर रहा है जिसका विचार निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी द्वारा तैयार किया गया जिसमें किसी भी विषय पर सिविल सेवक द्वारा लिखी गई प्रत्येक पुस्तक की मैपिंग की जाती है। अब तक लगभग 2700 पुस्तकें एकत्र कर मेकिंग ऑफ द नेशन सेक्शन में सहेजी जा चुकी हैं।

- पुस्तकों की छंटाई: संकाय सदस्यों द्वारा अनुशंसित 2732 पुस्तकों को इसके मुख्य संग्रह से हटा दिया गया है।

- एनएबी, मुंबई और एनआईईपीवीडी, देहरादून से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए ऑनलाइन रिसोर्सेज की सदस्यता।

- 3-4 मार्च 2021 के दौरान कालिंदी लॉन में बड़े स्तर पर पुस्तक मेले का आयोजन किया गया।

- 2 अक्टूबर, 2020 को गांधी स्मृति पुस्तकालय परिसर में गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

- सीडी/डीवीडी के लिए स्टॉक का सत्यापन।

- अकादमी द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'द एडमिनिस्ट्रेटर' का डिजिटाइजेशन।

- गांधी स्मृति पुस्तकालय के मेजेनाइन फ्लोर (द्वितीय तल) पर कें.लो.नि.वि. के माध्यम से गैस सिलेंडरों को फिर से भरना।

शुरू की गई प्रमुख परियोजनाएं

- भारत में प्रशासन के राष्ट्रीय पुस्तकालय के रूप में गांधी स्मृति पुस्तकालय का उन्नयन - प्रक्रिया जारी है।

- ई-कंसोर्टियम प्रोजेक्ट की शुरूआत की गई। विभिन्न प्रकाशकों/एग्रीगेटर्स से प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध करने के लिए ईओआई आमंत्रित की गई। लगभग 20 प्रस्ताव प्राप्त हुए और वे प्रक्रियाधीन हैं।

- ई-बुक्स की खरीद शुरू की गई। विभिन्न प्रकाशकों/एग्रीगेटर्स से प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध करने के लिए ईओआई आमंत्रित की गई। लगभग 18 प्रस्ताव प्राप्त हुए और वे प्रक्रियाधीन हैं।

राजभाषा

भारत सरकार के कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार हिंदी पदों का सृजन किया जाना अपेक्षित है। अतः राजभाषा नीति के कर्यान्वयन हेतु लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन, अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए –

भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2020–21 के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, 'क', 'ख' तथा 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया गया। तदनुसार, अकादमी द्वारा 'क' क्षेत्र के साथ 95. 55%, 'ख' क्षेत्र के साथ 82.32% और 'ग' क्षेत्र के साथ 66.59% पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, इस अकादमी ने हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए 14.39 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया है। अकादमी के उप निदेशक वरिष्ठ की अध्यक्षता में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की गई तथा यथोचित मार्गदर्शन किया गया।

अकादमी में दिनांक 25 अगस्त, 2020 को 'प्रशासनिक शब्दावली का सरलीकरण' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में मुख्य रूप से देहरादून और मसूरी के केंद्रीय कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया और इसके अलावा भारत के अन्य राज्यों के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया। इस वेबिनार में उत्तराखंड के साथ–साथ बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों से 150 से ज्यादा प्रतिभागी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग के जरिए सम्मिलित हुए।

अकादमी में दिनांक 1 सितंबर से 14 सितंबर, 2020 तक 'दो सप्ताह हिन्दी के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में, अकादमी स्टाफ के लिए राजभाषा नीति से संबंधित सामान्य ज्ञान, दो वर्गों के

लिए अलग–अलग हिंदी निबंध लेखन, श्रुत लेखन, यूनिकोड टाइपिंग तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

इस समारोह में, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना 2019–20 के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस तरह, इस समारोह में कुल 33 प्रतिभागियों को, निदेशक महोदय तथा उप निदेशक वरिष्ठ महोदया ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तथा पुरस्कार स्वरूप नकद धनराशि प्रदान की।

निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में अकादमी में हिंदी के प्रयोग को अधिकाधिक बढ़ाने पर जोर दिया तथा इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका के आठवें अंक 'सृजन' का विमोचन भी किया। इस अवसर पर निदेशक महोदय ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट करते हुए, सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया।
इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण, दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कंप्यूटर केंद्र

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी अपनी अधिकांश महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी समाधान का उपयोग कर रही है। अकादमी का परिसर पूर्णत: नेटवर्क युक्त है तथा अपने प्रशिक्षण और प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी की विश्वनीयता में वृद्धि कर रही है। अकादमी में सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के महत्वपूर्ण घटक निम्नानुसार हैं:

- जीईएम के माध्यम से अकादमी के समस्त कार्मिकों और प्रशिक्षुओं के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की खरीद तथा वितरण।

- मौजूदा कंप्यूटर सुविधाओं का विकास करना तथा उन्हें सुदृढ़ करना।

- कंप्यूटर केंद्र (ई-ऑफिस एप्लिकेशन, वर्कफ्लो एप्लिकेशन, वेबासाइट, ई-मेल तथा अतिरेक सहित फायरवाल सर्वर्स को होस्ट कर रहा है)।

- स्टैण्ड-अलोन एप्लिकेशंस में अकादमी की गतिविधियों जैसे प्रशिक्षण, संपदा, प्रशासन, लेखा, डिस्पेंसरी, ऑनलाईन फीडबैक सिस्टम, विषय सामग्री को आनॅलाइन साझा करना, ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली, क्लिकर्स, फोटो सर्वर, लर्निंग मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (एलएमएस), के उपयोग द्वारा विभिन्न पाठयक्रमों के प्रशिक्षु अधिकारियों तथा प्रतिभगियों के लिए ओपीनियन पूल्स/प्रश्न उत्तर, लर्निंग मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर, मेडिकल सेंटर के लिए सीजीएचएस सॉफ्टवेयर, ऑनलाइन केटालॉग के लिए कोहा सॉफ्टवेयर शामिल हैं।

- नेटवर्क डिवाइस, सिक्योरिटी सिस्टम तथा एलएएन (जो मुख्यत: यूटीपी आधारित है, कक्षाओं में वाई-फाई डिवाइसेज के साथ एकीकृत किया गया है)।

- कंप्यूटर केंद्र ने अकादमी की वेबसाइट को नया रूप दिया जो अधिक संवादात्मक और गतिशील है।

- कंप्यूटर केंद्र पाठयक्रम मैनुअल, प्रशिक्षण कैलेंडर, ब्रोशर, बैनर, पोस्टर, अधिकारियों को डायरेक्ट्री, संस्मरण, फोटो रोस्टर्स, अकादमी डायरी तथा मासिक कैलेंडर आदि डिजाइन करने में भी योगदान देता है। इसके अतिरिक्त, कंप्यूटर केंद्र पाठ्यक्रम प्रतिभागियों के लिए वीडियो फिल्मों के संपादन तथा मिक्सिंग के कार्य में भी शामिल है। तत्पश्चात समापन कार्यक्रम के दौरान फिल्म प्रदर्शित की जा रही है।

- केंद्र पाठ्रयक्रम से संबंधित परीक्षा परिणाम तैयार करने तथा जेएनयू से लोक प्रशासन में एम.ए. का परिणाम तैयार करने में भी परीक्षा नियंत्रक की सहायता करता है।

- कंप्यूटर केंद्र संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों तथा स्टाफ को भी समय-समय पर कंप्यूटर संबंधी सहायता प्रदान करता है।

- अकादमी में एयरटेल के 100 एमबीपीएस बैकअप लिंक साहित इंटरनेट के उपयोग के 1 जीबीपीएस राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क लिंक हैं।

- कंप्यूटर केंद्र विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों तथा प्रशिक्षु अधिकारियों को लैपटॉप उपलब्ध कराता है। प्रशिक्षु वाई-फाई तथा छात्रवास के कमरों से वायर्ड एलएएन के माध्यम से नेटवर्क की सुविधा प्राप्त करते हैं और एक-दूसरे से संपर्क सकते हैं। इसके अलावा अपने कौशल को बढ़ाने तथा नवीनतम सॉफ्टवेयर से परिचित होते हैं।

- अकादमी के सभी कर्मचारियों को नए सॉफ्टवेयर्स का प्रशिक्षण देने के लिए समय-समय पर कंप्यूटर केंद्र द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र ई-ऑफिस के उपयोग तथा सुविधाओं के बारे में अकादमी के सभी अनुभागों को ऑन-जॉब प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

- अधिकांश कक्षाओं तथा कॉन्फ्रेंस हॉल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य वेबिनार सॉफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध है। कोविड काल के दौरान कंप्यूटर सेंटर द्वारा वीसी और अन्य वेबिनार सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अधिकांश पाठ्यक्रम/कक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की गईं।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का वित्तीय विवरण

अकादमी का बजट आबंटन "मांग सं.-73 कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय" के अंतर्गत किया जाता है। बजट प्रावधान में स्थापना से संबंधित व्यय गैर-योजना (राजस्व), अवसंरचना से संबंधित योजना व्यय (राजस्व), तथा योजना (पूंजीगत) व्यय शामिल है। बजट आबंटन अकादमी की विभिन्न मुख्य गतिविधियों के लिए किया जाता है जिसमें फाउंडेशन पाठ्यक्रम, रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि शामिल हैं। योजना (पूंजीगत) तथा योजना (राजस्व) के अंतर्गत बजट का आबंटन लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में अवसंरचना कार्य तथा आवश्यक सुविधाओं के उन्नयन के लिए किया जाता है। वर्ष 2018-19, 2019-20 तथा 2020-21 के वास्तविक व्यय और चालू वित्त वर्ष 2021-22 के बजट आबंटन का ब्योरा नीचे दिया गया है।

(आंकड़े हजार में)

क्रम सं.	**गैर-योजना (राजस्व)**	**वास्तविक व्यय**			**बजट आबंटन**
		2018-19	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
1.	वेतन	1,68,540	1,78,500	1,62,877	1,85,200
2.	मजदूरी	22,390	24,800	33,495	33,500
3.	समयोपरि भत्ता	14	74	0	50
4.	चिकित्सा उपचार	4,200	5,210	4,480	5,300
5.	घरेलू यात्र व्यय	5,000	7,500	5,996	6,000
6.	विदेश यात्रा व्यय	117	100	84	50
7.	कार्यालय व्यय	65,589	82,650	88,950	89,000
8.	किराया, दर तथा कर	1,492	1,543	1,998	2,000
9.	प्रकाशन	649	650	350	650
10.	अन्य प्रसनिशक व्यय	200	197	200	200
11.	लघु कार्य	1,000	1,489	1,500	1,500
12.	व्यावसायिक सेवाएं	64,300	2,28,800	1,22,500	1,10,000
13.	सहायता अनुदान	500	500	500	500
14.	अन्य प्रभार	3,900	5,700	5,200	4,000
15.	वेतन	2,493	2,600	1,660	2,700
16.	समयोपरि भत्ता	1	-	0	100
17.	चिकित्सा उपचार	199	200	31	200

18.	अन्य प्रभार (सूच प्रौद्योगिकी)	594	600	597	600
19.	स्वच्छता एक्शन प्लान	597	581	597	600
20.	व्यावसायिक सेवाएं	44,398	60,000	9,000	60,000
21.	कुल (गैर-योजना)	3,86,173	6,01,694	4,40,015	5,02,150
22.	योजना (राजस्व)	1,10,000	1,10,000	1,10,000	1,10,000
23.	योजना (पूंजीगत)	1,77,500	3,00,000	2,84,400	4,66,660

इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आवंटित बजट के अधिकतम उपयोग के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान बजट प्रबंधन/भुगतान आदि से संबंधित गतिविधियां जारी रहेंगी।

संकाय तथा कर्मचारी कौशल विकास कार्यक्रम

अकादमी में अपने संकाय सदस्यों की कौशलता, ज्ञान तथा उनकी शैक्षणिक तकनीकों को उन्नत करने तथा उसे अद्यतन करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। इसे प्राप्त करने के लिए ऑन कैंपस कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा देश-विदेश के प्रख्यात संस्थानों में संकाय सदस्यों को भेजा जाता है। संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, सेमीनारों में भाग लेने तथा भारत तथा विदेश में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए निम्नलिखित संकाय सदस्यों को नामित किया गया।

संकाय सदस्य का नाम श्री/सुश्री/डॉ.	**ट्रेनिंग/कार्यशाल/सेमिनार**	**अवधि**	**संस्था**
मिलिन्द रामटेके	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
सुनीता रानी	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
पी. अमुधा	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
गौरी पराशर जोशी	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
नंदिनी पालीवाल	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 to 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
विद्या भूषण	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से	आईआईएम इंदौर

		11.07.2020	
अलंकृता सिंह	ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
संजीव चोपड़ा	"इतिहास पाठ्यक्रम एवं भारतीय कला एवं संस्कृति का बोध" कोर्स	08.08.2020 से 09.08.2020	आईएचसी दिल्ली
सुनीता रानी	21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व	27.02.2021 से 21.03.2021	आईआईएम अहमदाबाद
अलंकृता सिंह	ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	एक साल की शुरूआत 30.06.2020	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी बंगलौर
अलंकृता सिंह	एलएलएम (प्रोफेशनल) ऑनलाइन प्रोग्राम	अगस्त, 2020 से जून, 2021	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली
मिलिन्द रामटेके	एलएलएम (प्रोफेशनल) ऑनलाइन प्रोग्राम	अगस्त, 2020 से जून, 2021	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली
गौरी पराशर जोशी	एलएलएम (प्रोफेशनल) ऑनलाइन प्रोग्राम	अगस्त, 2020 से जून, 2021	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली
विद्या भूषण	एलएलएम (प्रोफेशनल) ऑनलाइन प्रोग्राम	अगस्त, 2020 से जून, 2021	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली
सुनीता रानी	शिक्षण पद्धति अनुसंधान और विधि पर ऑनलाइन एफडीपी	22.06.2020 से 28.07.2020	आईआईएम अहमदाबाद
विनोद कुमार तनेजा	जीएएफ 9 संयुक्त स्तर 1 एवं 2 (ऑनलाइन) ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए	11.04.2020	सिंपलिलर्न
विद्या भूषण	वैश्विक गरीबी की चुनौतियां (डीडीपी माइक्रो मास्टर्स प्रोग्राम का भाग)	18.08.2020	एमआईटी
विद्या भूषण	माइक्रो इकोनॉमिक्स एमआईटी पर डीईडीपी माइक्रो मास्टर्स का भाग)	18.08.2020	एमआईटी
अलंकृता सिंह	जेंडर समानता के मूल सिद्धांत	18.08.2020	उडेमी
अलंकृता सिंह	जेंडर असमानता का बोध	18.08.2020	यूनिवर्सिटी

			ऑफ एक्सेटर
अलंकृता सिंह	जेंडर एवं इंटरसेक्शनेलिटी	18.08.2020	ईडीएक्स, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी
23 अधिकारी	वस्तुओं और सेवाओं की ई-खरीद और भारत सरकार के संबंधित नियमों पर वेबिनार	16.12.2020	नेशनल उत्पादकता परिषद नई दिल्ली

प्रकाशन:

अकादमी 1961 से "द एडमिनिस्ट्रेटर" का प्रकाशन करती आ रही है। आधी से अधिक लम्बी शताब्दी से इस पत्रिका ने क्षेत्र में अपने अनुभव से प्राप्त ज्ञान को बांटने के लिए सिविल सेवकों तथा शिक्षाविदों को मंच प्रदान किया। योगदानकर्ता मुख्यत: सिविल सेवक रहे हैं परंतु इसमें केवल उन्हीं का योगदान नहीं रहा। पत्रिका को उन व्यक्तियों, विद्वानों और प्रख्यात व्यक्तियों का योगदान मिला है जिन्होंने लोक प्रकाशन तथा लोक नीति आदि क्षेत्रों में कार्य किया है। वर्ष 2020-21 में, अकादमी ने आरंभा, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर की रजत जयंती, भारत सशक्तिकरण (एम-पॉवरिंग इंडिया) और सुशासन के रास्ते पर: विचार और शब्द विशेष संस्करण निकाले।

शिष्टमंडल/टीम जिन्होंने अकादमी का दौरा किया

विभिन्न संस्थानों के छात्र विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी तथा विभिन्न राष्ट्रों के प्रतिनिधिमंडल प्रत्येक वर्ष अकादमी का दौरा करते हैं। यह एक पारस्परिक ज्ञानार्जन अनुभव होता है। ऐसे पारस्परिक कार्यक्रम से अकादमी के साथ-साथ आगंतुक भी लाभान्वित होते हैं। हालाँकि प्रतिबंधों के कारण और कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उचित सावधानी के साथ, केवल निम्नलिखित दौरा वर्ष 2020-2021 के दौरान आयोजित किया गया :

• दिनांक 08.02.2021 को फारेस्ट कॉलेज और रिसर्ज इंस्टीटयूट, तेलंगाना के 2 संकाय सदस्यों सहित 52 छात्रों का दौरा।

परिशिष्ट-1: भौतिक अवसंरचना

क.	कक्षा/व्याख्यान/सम्मेलन कक्ष	क्षमता
1.	डॉ. संपूर्णानंद ऑडिटोरियम	469 सीटें
2.	अम्बेडकर हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	158 सीटें
3.	टैगोर हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	190 सीटें
4.	विवेकानंद हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	190 सीटें
5.	होमी भाभा कंप्यूटर हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	108 टर्मिनल्स
6.	सम्मेलन कक्ष (कर्मशिला ब्लॉक)	35 सीटें
7.	गोविन्द वल्लभ पंत हॉल (कर्मशिला ब्लॉक)	115 सीटें
8.	नेहरू ऑडिटोरियम (ज्ञानशिला ब्लॉक)	82 सीटें
9.	सेमिनार कक्ष 1 - 5 (ज्ञानशिला ब्लॉक)	06 (राउंड टेबल) प्रत्येक में कुल 30 सीटें
10.	सेमिनार कक्ष 6- 7 (ज्ञानशिला ब्लॉक)	प्रत्येक में 20 सीटें
11.	सेमिनार कक्ष 8 -12 (ज्ञानशिला ब्लॉक)	20 (राउंड टेबल प्रत्येक)
12.	सेमिनार कक्ष ए और बी (ज्ञानशिला ब्लॉक)	प्रत्येक में 55 सीटें
ख. छात्रावास/आवास		
1.	ब्रह्मपुत्र निवास	12 कमरे
2.	गंगा छात्रावास	78 कमरे
3.	हैप्पी वैली छात्रावास	25 कमरे
4.	इंदिरा भवन छात्रावास (पुराना)	20 कमरे
5.	कालिंदी अतिथि गृह	21 कमरे
6.	कावेरी छात्रावास	33 कमरे
7.	महानदी छात्रावास	39 कमरे
8.	नर्मदा छात्रावास	22 कमरे
9.	सिल्वरवुड छात्रावास	54 कमरे
10.	वैली व्यू होस्टल (इंदिरा भवन)	48 कमरे

परिशिष्ट-2: हमारे निदेशक एवं संयुक्त निदेशक

अकादमी का नेतृत्व भारत सरकार के सचिव रैंक के आई.ए.एस. अधिकारी द्वारा किया जाता है। आकदमी में सेवा के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा इसका शीर्ष कार्यभार संभाला गया। अकादमी के आरंभ से इसके निदेशकों तथा संयुक्त निदेशकों की सूची निम्न प्रकार से है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के निदेशक

क्र. सं.	नाम	कार्यकाल
1.	श्री ए.एन.झा, भा.सि.सेवा	01.09.1959 से 30.09.1962
2.	श्री एस.के.दत्ता, भा.सि.सेवा	13.08.1963 से 02.07. 1965
3.	श्री एम.जी.पिम्पुटकर, भा.सि.सेवा	04.09. 1965 से 29.04.1968
4.	श्री के.के. दास, भा.सि.सेवा	12.07.1968 से 24.02.1969
5.	श्री डी.डी. साठे, भा.सि.सेवा	19.03.1969 से 11.05.1973
6.	श्री राजेश्वर प्रसाद, भा.प्र.सेवा	11.05.1973 से 11.04.1977
7.	श्री बी.सी. माथुर, भा.प्र.सेवा	17.05.1977 से 23.07.1977
8.	श्री जी.सी.एल. जोनेजा, भा.प्र.सेवा	23.07.1977 से 30.06.1980
9.	श्री पी.एस. अप्पू, भा.प्र.सेवा	02.08.1980 से 01.03.1982
10.	श्री आई.सी. पुरी, भा.प्र.सेवा	16.06.1982 से 11.10.1982
11.	श्री आर.के. शास्त्री, भा.प्र.सेवा	09.11.1982 से 27.02.1984
12.	श्री के. रामानुजम, भा.प्र.सेवा	27.02.1984 से 24.02.1985
13.	श्री आर.एन. चोपड़ा, भा.प्र.सेवा	06.06.1985 से 29.04.1988
14.	श्री बी.एन. युगांधर, भा.प्र.सेवा	26.05.1988 से 25.01.1993
15.	श्री एन.सी. सक्सेना, भा.प्र.सेवा	25.05.1993 से 06.10.1996
16.	श्री बी.एस. बसवान, भा.प्र.सेवा	06.10.1996 से 08.11.2000
17.	श्री वजाहत हबीबुल्लाह, भा.प्र.सेवा	08.11.2000 से 13.01.2003
18.	श्री बिनोद कुमार, भा.प्र.सेवा	20.01.2003 से 15.10. 2004
19.	श्री डी.एस. माथुर, भा.प्र.सेवा	29.10.2004 से 06.04.2006
20.	श्री रुद्र गंगाधरन, भा.प्र.सेवा	06.04.2006 से 20.09.2009
21.	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र.सेवा	02.09.2009 से 28.02.2014
22.	श्री राजीव कपूर, भा.प्र.सेवा	20.05.2014 से 9.12.2016
23.	सुश्री उपमा चौधरी, भा.प्र.सेवा	11.12.2016 से 31.12.2018
24.	डॉ. संजीव चोपड़ा, भा.प्र.सेवा	01.01.2019 से 31.03.2021

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के संयुक्त निदेशक

क्र. सं.	नाम	अवधि
1.	श्री जे. सी. अग्रवाल	19.06.1965 से 07.01.1967
2.	श्री टी. एन. चतुर्वेदी	27.07.1967 से 09.02.1971
3.	श्री एस. एस. बिसेन	01.04.1971 से 09.09.1972
4.	श्री एम. गोपालकृष्णन	20.09.1972 से 05.12.1973
5.	श्री एच. एस. दुबे	03.03.1974 से 18.12.1976
6.	श्री एस. आर. एडिगे	12.05.1977 से 07.01.1980
7.	श्री एस. सी. वैश	07.01.1980 से 07.07.1983
8.	श्री एस. पार्थसारथी	18.05.1984 से 10.09.1987
9.	श्री ललित माथुर	10.09.1987 से 01.06.1991
10.	डॉ. के. वी. अग्निहोत्री	31.08.1992 से 26.04.1998
11.	श्री बिनोद कुमार	27.04.1998 से 28.06.2002
12.	श्री रूद्र गंगाधरन	23.11.2004 से 06.04.2006
13.	श्री पदमवीर सिंह	12.03.2007 से 02.02.2009
14.	श्री पी. के. गेरा	24.05.2010 से 20.05.2012
15.	श्री संजीव चोपड़ा	09.09.2010 से 05.12.2014
17.	श्री दुष्यंत नरियाला	24.12.2012 से 16.01.2016
16.	सुश्री रंजना चोपड़ा	06.08.2013 से 15.12.2014
18.	श्री तेजवीर सिंह	06.08.2013 से 31.3.2017
19.	सुश्री जसप्रीत तलवार	24.10.2014 से 31.3.2017
20.	श्रीमती आरती आहूजा (विशेष निदेशक)	19.07.2017 से 19.05.2020
21.	श्री मनोज आहूजा (विशेष निदेशक)	06.11.2017 से 19.05.2020

परिशिष्ट-3: आई.ए.एस. चरण-I के प्रतिभागी (2019 बैच)

संवर्ग	पुरूष	महिला	कुल
अगमुट	07	03	10
आंध्र प्रदेश	06	04	10
असम-मेघालय	05	02	07
बिहार	09	03	12
छत्तीसगढ़	03	02	05
गुजरात	07	00	07
हरियाणा	02	03	05
हिमाचल प्रदेश	04	01	05
जम्मू एवं कश्मीर	01	00	01
झारखंड	06	01	07
कर्नाटक	07	02	09
केरल	04	04	08
मध्य प्रदेश	07	03	10
महाराष्ट्र	06	03	09
मणिपुर	04	00	04
ओडिशा	05	01	06
पंजाब	03	01	04
राजस्थान	05	02	07
रॉयाल भूटान सिविल सार्विस	03	00	03
सिक्किम	01	00	01
तमिलनाडु	06	05	11
त्रिपुरा	02	02	04
तेलंगाना	05	03	08
उत्तर प्रदेश	10	07	17
उत्तराखंड	03	00	03
पश्चिम बंगाल	06	06	12
कुल	**127**	**58**	**185**

परिशिष्ट-4: आई.ए.एस. चरण-I के प्रतिभागी (2020 बैच)

संवर्ग	पुरूष	महिला	कुल
अगमुट	6	7	13
आंध्र प्रदेश	7	3	10
असम-मेघालय	4	5	9
बिहार	6	2	8
छत्तीसगढ़	4	2	6
गुजरात	4	5	9
हरियाणा	4	1	5
हिमाचल प्रदेश	4	0	4
झारखंड	5	1	6
कर्नाटक	7	1	8
केरल	6	3	9
मध्य प्रदेश	7	1	8
महाराष्ट्र	7	2	9
मणिपुर	2	0	2
ओडिशा	4	2	6
पंजाब	3	1	4
राजस्थान	4	2	6
रॉयाल भूटान सिविल सार्विस	2	1	3
सिक्किम	0	1	1
तमिलनाडु	7	5	12
त्रिपुरा	7	2	9
तेलंगाना	4	0	4
उत्तर प्रदेश	12	4	16
उत्तराखंड	2	0	2
पश्चिम बंगाल	11	2	13
कुल	**129**	**53**	**182**

परिशिष्ट-5: आई.ए.एस. सेवा चरण-II के प्रतिभागी (2018 बैच)

राज्य	पुरूष	महिला	कुल
अगमुट	04	03	07
आंध्र प्रदेश	06	07	13
असम-मेघालय	06	00	06
बिहार	08	03	11
छत्तीसगढ़	04	00	04
गुजरात	03	05	08
हरियाणा	03	01	04
हिमाचल प्रदेश	05	01	06
जम्मू एवं कश्मीर	01	00	01
झारखंड	05	01	06
कर्नाटक	06	03	09
केरल	03	04	07
मध्य प्रदेश	08	02	10
महाराष्ट्र	05	02	07
मणिपुर	01	02	03
नागालैंड	01	00	01
ओडिशा	05	00	05
पंजाब	04	00	04
राजस्थान	08	04	12
रॉयाल भूटान सिविल सार्विस	03	00	03
सिक्किम	01	00	01
तमिलनाडु	06	02	08
त्रिपुरा	01	00	01
तेलंगाना	07	02	09
उत्तर प्रदेश	16	02	18
उत्तराखंड	04	02	06
पश्चिम बंगाल	11	04	15
कुल	**135**	**50**	**185**

परिशिष्ट-6: 95वें फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागी

सेवा-वार विवरण

सेवा	पुरूष	महिला	कुल
भारतीय प्रशासनिक सेवा	125	52	177
इंडियन ऑडिट्स एवं अकाउंट्स सर्विस	06	04	10
इंडियन सिविल अकाउंट्स सर्विस	04	01	05
इंडियन कॉरपोरेट लॉ सर्विस	01	01	02
इंडियन डिफेंस अकाउंट्स सर्विस	06	01	07
इंडियन डिफेंस एस्टेट सर्विस	01	00	01
इंडियन इकनोमिक्स सर्विस	07	17	24
भारतीय विदेश सेवा	14	10	24
भारतीय वन सेवा	27	04	31
इंडियन पी एंड टी अकाउंट्स एंड फाइनेंस सर्विस	00	01	01
इंडियन पुलिस सर्विस	45	20	65
इंडियन पोस्टल सर्विस	03	01	04
इंडियन रेलवे अकाउंट्स सर्विस	04	01	05
इंडियन रेलवे पर्सोनल सर्विस	02	01	03
इंडियन रेलवे ट्रेफिक सर्विस	10	05	15
भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम एंड सेन्ट्रल एक्साइज)	08	05	13
भारतीय राजस्व सेवा (आई टी)	17	10	27
भारतीय व्यापार सेवा	02	00	02
रॉयल भूटान सिविल सेवा	02	01	03
रॉयल भूटान वन सेवा	02	00	02
रॉयल भूटान पुलिस सेवा	05	01	06
कुल योग	**291**	**136**	**427**

परिशिष्ट-7: आई.ए.एस. चरण-III मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (16वें दौर) के प्रतिभागी

संवर्ग	पुरूष	महिला	कुल
अगमुट	3	5	8
आंध्र प्रदेश	1	1	2
असम-मेघालय	3	2	5
बिहार	0	4	4
गुजरात	0	8	8
हरियाणा	0	2	2
हिमाचल प्रदेश	1	0	1
झारखंड	1	4	5
कर्नाटक	0	1	1
मध्य प्रदेश	6	6	12
महाराष्ट्र	0	9	9
मणिपुर	2	1	3
ओडिशा	0	3	3
पंजाब	2	3	5
तमिलनाडु	2	1	3
त्रिपुरा	0	2	2
उत्तर प्रदेश	1	3	4
पश्चिम बंगाल	3	2	5
उत्तराखंड	0	1	1
कुल योग	**25**	**58**	**83**

आई.ए.एस. चरण-III एमसीटीपी के 16वें दौर के प्रतिभागियों का बैचवार ब्यौरा

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
2005	1
2006	4
2007	10
2008	8
2009	18
2010	24
2011	15
2012	3
कुल योग	**83**

परिशिष्ट-8: आई.ए.एस. चरण-III मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (17वें दौर) के प्रतिभागी

संवर्ग	पुरूष	महिला	कुल
अगमुट		1	1
असम-मेघालय	1	2	3
बिहार		11	11
गुजरात		1	1
हरियाणा	1	1	2
हिमाचल प्रदेश		6	6
जम्मू एवं कश्मीर		1	1
झारखंड		2	2
कर्नाटक	2	1	3
केरल		4	4
मध्य प्रदेश	1	9	10
ओडिशा	1	4	5
पंजाब	3	7	10
राजस्थान	2	4	6
तमिलनाडु	4	5	9
तेलंगाना		2	2
उत्तर प्रदेश	1	3	4
उत्तराखंड		2	2
पश्चिम बंगाल		2	2
कुल योग	**16**	**68**	**84**

आई.ए.एस. चरण-III एमसीटीपी के 17वें दौर के प्रतिभागियों का बैचवार ब्यौरा

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
2006	2
2007	6
2008	7
2009	8
2010	18
2011	29
2012	9
2013	5
कुल योग	**84**

परिशिष्ट-9: राज्य सिविल सेवा के 122वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

संवर्ग	पुरूष	महिला	कुल
अगमुट	4	1	5
आंध्र प्रदेश	3	3	6
गुजरात	7	0	7
हरियाणा	9	1	10
हिमाचल प्रदेश	2	0	2
केरल	0	1	1
मध्य प्रदेश	8	1	9
नागालैंड	3	1	4
राजस्थान	4	2	6
तमिलनाडु	1	2	3
उत्तर प्रदेश	6	0	6
कुल योग	**47**	**12**	**59**

राज्य सिविल सेवा के 122वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का बैचवार ब्यौरा

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
2007	1
2008	1
2009	10
2010	12
2011	9
2012	9
2013	7
2014	5
2015	3
2018	2
कुल योग	59

परिशिष्ट-10: अकादमी में संकाय सदस्य एवं अधिकारी

संकाय सदस्य (दिनांक 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार)

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री संजीव चोपड़ा, आईएएस	निदेशक
2.	श्री मनोज वी.नायर, आईएफएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
3.	श्रीमती मोनिका धामी, आईआरएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
4.	श्री विजय बी. वंसत, आईआरएस	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र
5.	श्रीमती अश्वती एस., आईएएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
6.	सुश्री आनंदी, आईएएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
7.	सुश्री गौरी पराशर जोशी, आईएएस	उप निदेशक
8.	श्री मिलिंद रामटेके, आईएएस	उप निदेशक
9.	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस	उप निदेशक
10.	सुश्री दिशा पन्नू, आईपीओएस	उप निदेशक
11.	प्रो. श्री ए. एस. रामचंद्र	प्रोफेसर, राजनीतिक सिद्धांत एवं संवैधानिक विधि
12.	प्रो. (सुश्री.) सुनीता रानी	प्रोफेसर, सामाजिक प्रबंधन
13.	श्री हरि प्रकाश, आईएएएस	प्रोफेसर, प्रबंधन
14.	श्री नितेश झा, आईआईएस	रीडर, राजनीतिक सिद्धांत एवं संवैधानिक विधि
15.	श्री सचिव कुमार	रीडर, विधि
16.	श्रीमती भावना पोरवाल	सहायक प्रोफेसर, हिंदी
17.	सुश्री एकता उनियाल	सहायक निदेशक
18.	सुश्री अनुपम तलवार	सहायक निदेशक
19.	श्रीमती अलका कुलकर्णी	भाषा अनुदेशक (गुजराती एवं मराठी)
20.	श्री अरशद एम. नंदन	भाषा अनुदेशक (उर्दू एवं पंजाबी)
21.	श्री के. ब्रजभाषी सिंघा	भाषा अनुदेशक (असमी एवं मणिपुरी)
22.	श्री राम कृष्ण मूर्ति नोडूरू	भाषा अनुदेशक (तेलुगु)
23.	श्री वी.बी. मुत्तिनामठ	भाषा अनुदेशक (कन्नड़)
24.	सुश्री सौदामिनी भूयां	भाषा अनुदेशक (उड़िया एवं बांग्ला)
25.	श्री सरफराज हुसैन खान	हिंदी अनुदेशक
26.	श्री बलजीत सिंह	घुड़सवारी अनुदेशक
27.	श्री राजेन्द्र सिंह	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक

28.	श्री पवन कुमार चतुर्वेदी	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
29.	श्री गिरधारी लाल	सहायक घुड़सवारी अनुदेशक

प्रशासन (दिनांक 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार)

1.	श्री शिव प्रसाद सेनापति	पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
2.	श्री राजेश कपूर	सहायक निदेशक (राजभाषा)
3.	श्री विजेंद्र सिंह राणा	प्रधान निजी सचिव
4.	श्री प्रकाश सिंह दसिला	प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
5.	श्री कैलाश चंद	प्रशासनिक अधिकारी
6.	श्री पवन कुमार पाल	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
7.	श्री मुकेश कुमार गर्ग	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
8.	श्री राकेश चंद्र	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
9.	श्री लक्ष्मी प्रसाद	वरि. निजी सचिव
10.	श्री महेश कुमार त्यागी	वरि. निजी सचिव
11.	श्री नारायण लाल बुनकर	निजी सचिव
12.	श्री सुनील नेगी	निजी सचिव
13.	श्री नीरज कुमार	निजी सचिव
14.	सुश्री दर्शनी	निजी सचिव
15.	श्री रमेश कुमार	सहा. पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
16.	श्री राम मिलन केवट	सहा. पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
17.	श्री सुचा सिंह	सहा. पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
18.	श्री मोहम्मद असलम	डेटा प्रोसेसिंग सहायक

वर्ष 2020-21 के दौरान अकादमी से कार्यमुक्त अधिकारी

क्र. सं.	**नाम**	**कार्यमुक्त होने की तिथि**
1.	सुश्री कहकशां सिद्दीकी, सहायक निदेशक	30.04.2020
2.	सुश्री आरती आहूजा, संयुक्त निदेशक	19.05.2020
3.	श्री मनोज आहूजा, संयुक्त निदेशक	19.05.2020
4.	श्री सी. श्रीधर, उप निदेशक (वरिष्ठ)	02.06.2020
5.	सुश्री ककाली बरूआ, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	15.06.2020
6.	सुश्री पे. अमुधा, प्रोफेसर लोक प्रशासन	24.07.2020
7.	डॉ. आकाश जैन, चिकित्सा अधिकारी	07.08.2020
8.	सुश्री तुलसी मदिनेनी, उप निदेशक	19.08.2020
9.	श्री सतपाल सिंह, घुड़सवारी अनुदेशक	01.09.2020
10.	श्री अशोक दलाल, प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)	09.10.2020
11.	श्री अजय कुमार, सहायक घुड़सवारी अनुदेशक	18.11.2020

12.	श्री एन.के सुधांशु, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	28.12.2020

वर्ष 2020-21 के दौरान अकादमी से सेवानिवृत्त कार्मिक

क्र. सं.	**नाम**	**सेवानिवृत्त होने की तिथि**
1.	श्री मोती लाल, मल्टी टास्किंग स्टाफ	30.06.2020
2.	श्री किशन चंद्र जोशी, प्रशासनिक अधिकारी	31.07.2020
3.	श्री जगबीर सिंह, मल्टी टास्किंग स्टाफ	31.07.2020
4.	श्री अमी चन्द, मल्टी टास्किंग स्टाफ	31.08.2020
5.	श्री ओम प्रकाश, स्टाफ कार चालक	31.12.2020
6.	श्री जगदीश चंद्र मठपाल, मल्टी टास्किंग स्टाफ	31.12.2020
7.	श्री जे.पी.बहुगुणा, प्रशासनिक अधिकारी	31.01.2021
8.	सुश्री पूनम सिन्हा, डाटा प्रोसेसिंग सहायक	28.02.2021
9.	श्री राम कुमार, मल्टी टास्किंग स्टाफ	10.03.2021 (वीआरएस)
10.	श्रीमती अलका कुलकर्णी, भाषा अनुदेशक (गुजराती एवं मराठी)	31.03.2021

Annual Report

2020-2021

Contents

Academy Mission & Core Values 4
Mission 4
Core Values 4

Chapter-1 5

LBSNAA 5
An Introduction 5
Genesis & Growth 5
Chronology 5
Training Methodology 6
Field visits 8
Promoting 'Esprit-de-Corps' 8
Campus 9

Chapter- 2 10

TRAINING PROGRAMMES DURING 2020-2021 10

Chapter-3 12

COURSES AND ACTIVITIES – HIGHLIGHTS 12
Induction Training of Newly Recruited Officers 12
IAS Professional Course, Phase-I (2019 batch) (22 Weeks) 13
IAS Professional Course, Phase-I (2020 batch) (22 Weeks) 20
IAS Professional Course, Phase-II (2018 batch) (6 Weeks) 32
Foundation Course for Newly Recruited Officers of All India Services and other Central Services (Group-A) (10 Weeks) 40
Mid-Career Training Program for IAS Officers 50
16th Round of Phase-III of MCTP (4 weeks) 50
17th Round of Phase-III of MCTP (4 weeks) 54
122nd Induction Training for Officers Promoted to the IAS from the State Civil Service (6 Weeks) 58

Chapter-4 63

Research Centres 63
Centre for Disaster Management (CDM) 63
B. N. Yugandhar Centre for Rural Studies (BNYCRS) 77
National Gender & Child Centre (NGCC) 83
Centre for Public Systems Management (CPSM) 85

Chapter-5 91

Clubs and Societies 91
Adventure Sports Club 91
Fine Arts Society 92
Computer Society 92
Film Society 94

Hobbies Club 95
House Journal Society 96
Innovation Club 96
Management Circle 98
Nature Lovers' Club 100
Officers' Club 101
Officers' Mess 102
Rifle and Archery Club 103
Society for Contemporary Affairs 104
Society for Social Services 106
राहुल सांकृत्यायन हिंदी मंच 110

Chapter-6 115

Training Support 115
NIC Training Unit 115
Gandhi Smriti Library 119
राजभाषा 123
Computer Centre 124

Chapter-7 126

Financial Statement of LBSNAA 126
Faculty & Staff Skill Development Program 127
Delegations /Teams that visited LBSNAA 129

Chapter-8 130

Annexure-1: Physical Infrastructure 130
Annexure-2: Our Directors and Joint Directors 131
Annexure-3: Participants in IAS Phase-I (2019 batch) 133
Annexure-4: Participants in IAS Phase-I (2020 batch) 134
Annexure-5: Participants in IAS Phase-II (2018 batch) 135
Annexure-6: Participants in 95th Foundation Course 136
Annexure-7: Participants in 16th Round of Phase-III 137
Annexure-8: Participants in 17th Round of Phase-III 139
Annexure-9: Participants in 122nd ITP 141
Annexure-10: Faculty & Officials in the Academy 143

Academy Mission & Core Values

Mission

"We seek to promote good governance by providing quality training towards building a professional and responsive civil service in a caring, ethical and transparent framework."

Core Values

Serve the Underprivileged

"Be humane in your approach while dealing with people; be the voice of the underprivileged and be proactive in addressing any injustice against them. You can achieve success in this endeavor if you act with integrity, respect, professionalism and collaboration".

Integrity

"Be consistent in your thoughts, words and actions which will make you trustworthy. Have courage of conviction and always speak the truth to even the most powerful, without fear. Never ever tolerate any degree of corruption, be it in cash, kind or intellectual honesty".

Respect

"Embrace diversity of caste, religion, colour, gender, age, language, region, ideology and socio-economic status. Reach out to all with humility and empathy. Be emotionally stable; grow with confidence and without arrogance".

Professionalism

"Be judicious and apolitical in your approach; be professional and completely committed to your job with a bias for action and results; and continuously pursue improvement and excellence".

Collaboration

"Collaborate in thoughts and actions by engaging deeply with all to evolve consensus. Encourage others, promote team spirit and be open to learning from others. Take initiative and own responsibility".

LBSNAA

An Introduction

The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA), Mussoorie under the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions (Department of Personnel & Training) is the premier training institute for the civil services in India. It is headed by the Director, who is an officer of the level of Secretary to the Government of India.

LBSNAA conducts various training modules for civil servants posted at different ranks. A Foundation Course is held for the young entrants to the All India Services and other central Services. This is followed by a professional training of recruits to the Indian Administrative Service (IAS) including members of the Royal Bhutan Administrative Service. The Academy also conducts the Mid-Career Training Program (MCTP) for members of the IAS and an Induction Training Program for officers promoted to the IAS from the state civil services. Along with this, workshops and seminars on policy issues are also conducted at the Academy at regular intervals.

Genesis & Growth

On April 15, 1958 the then Home Minister announced in the Lok Sabha a proposal to set up a National Academy of Administration where all the recruits of the senior civil services were to be given training in administration. The Ministry of Home Affairs decided to merge the IAS Training School, Delhi and the IAS Staff College, Shimla to form the National Academy of Administration at Mussoorie. The Academy was set up in 1959 and was called the 'National Academy of Administration'. For a few years it functioned under the Ministry of Home Affairs. In October 1972, it was renamed "Lal Bahadur Shastri Academy of Administration" and in July 1973, the word "National" was added and today the Academy is known as the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration.

Chronology

1958	Announcement in the Lok Sabha by the Union Home Minister Pandit Govind Ballabh Pant to set up the National Academy of Administration.
1959	Academy established in Mussoorie along with Director's Office, Language Block (later renamed Charleville after renovation), Sardar Patel Hall (SPH) and Happy Valley Guest House.
1960	A common FC for IAS, IFS and other Central Services was introduced.
1969	Sandwich pattern of training introduced in the Academy which included Phase-I, District Training in the respective State Cadres followed by Phase-II.
1970	Academy functioned under the Ministry of Home Affairs from the date of inception till

	1970 and again from 1977 to 1985.
1970-1977	Academy functioned under Cabinet Secretariat.
1972	Name changed to “Lal Bahadur Shastri Academy of Administration”.
1973	Subsequently, the word “National” was added and it became “Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration”.
1975-1978	Ganga, Kaveri and Narmada hostels constructed.
1984	In May, 1984, a portion of the Campus which housed the Officers' Mess, the Libray, VIP Guest House, Director's Residence etc., was destroyed in a fire accident.
1985	Academy began functioning under the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions, Government of India.
1988	NIC Training Unit established.
1989	Centre for Rural Studies (initially called the Land Reform Unit) established.
1991	In October, 1991, the Uttarkashi earthquake severely damaged the Ladies' Block and the G.B. Pant Block, and on these two sites, 'Dhruvshila' and 'Kalindi Guest House' came up.
1991	Sampoornanand Auditorium was constructed by UP Government and named after the second Chief Minister of the State.
1992	Karmashila Building was inaugurated by the then Vice President of India Mr. K.R. Narayanan.
1995	National Gender Centre, a registered society the under Societies Registration Act-1860, was set up.
1996	Kalindi Bhavan inaugurated by the then Union Minister of State for Personnel, Public Grievances, Pensions and Parliamentary Affairs Mr. S.R. Balasubramaniam.
1996	Dhruvshila inaugurated by the then Minister of State for Personnel, Public Grievances, Pensions and Parliamentary Affairs Mr. S.R. Balasubramaniam.
2004	Hospital Block inaugurated by the then Minister of Home Affairs Mr. Shivraj V. Patil.
2004	Centre for Disaster Management inaugurated.
2010	Gyanshila Building made operational. Silverwood Executive Hostel was inaugurated.
2012	Mahanadi Executive Hostel was inaugurated.
2014	National Centre for Leadership Development & Competency Assessment (NCLDCA) a registered society under the Societies Registration Act-1860, was set up.
2015	Aadharshila Block inaugurated by the Minister of State for Personnel, Public Grievances and Pensions Dr. Jitendra Singh.
2016	Originally established as Centre for Cooperatives & Rural Development in 1995, it was renamed the Centre for Public Systems Management (CPSM).

Training Methodology

The effort of the Academy is to help create a bureaucracy that commands respect by performance rather than through position. To ensure that the academic curriculum is relevant, it is periodically reviewed and updated. This is done through the mechanism of consultation with

the state governments, feedback of the participants and the recommendations of the committees set up by government for the purpose. Various departments of the central government are also consulted from time to time. Several new methodologies are used as the conventional classroom teaching methodology is not always the most effective mode to make an impact on attitudes and values of trainees. Most courses operate on a modular structure, whereby relevant themes are chosen and dealt with, in a consolidated manner to ensure that all aspects of a particular issue are addressed.

A module consists of all or some of the following methodologies: -

- Lectures by both in-house and guest faculty
- Panel discussions to promote appreciation of divergent opinions and views
- Case Studies
- Films
- Group discussions
- Simulation exercise
- Seminars
- Moot Court and Mock Trial
- Order and Judgement Writing Practice
- Practical demonstration
- Problem Solving Exercises
- Report Writing (Term Paper)
- Group Work

Field visits

Trek to the Himalayas

During such treks the Officer Trainees face conditions of difficult terrain, unpredictable weather, insufficient accommodation and limited access to food items, as a result the true mettle of the Officer Trainees is tested and is strengthened.

Visit to villages in backward districts

These visits facilitate the Officer Trainees ‘understanding of the problems and the realities of village life. Through these field visits and interaction with the beneficiaries, active research on the impact of government programmes on the society is also taken up.

Promoting ‘Esprit-de-Corps’

All the officer trainees of the All India Services and Central Services Group-'A' begin their careers with training at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration at Mussoorie. This is usually their first experience of the government sector. As a result, this institution facilitates bonding between young officers from different civil services. The Academy thus, furthers a sense of camaraderie among the officers who look back to this institution with nostalgia and with a stronger intent to uphold its values.

Campus

A striking feature of the Academy, apart from its state-of-the-art infrastructure, is its unique blend of the new and the old. The prestigious “Charleville Hotel” built around 1870, provides the location and initial infrastructure of the Academy. There have been subsequent expansions. Several new buildings have been constructed and others acquired over the years. The Academy is spread over three sprawling campuses: Charleville, Glenmire and Indira Bhawan. Each has its own specific orientation. Charleville caters to training of fresh entrants as well as customised courses. Glenmire housed the erstwhile NCGG, and the Indira Bhawan campus and offers facilities for in-service training, other specialised courses, programs, workshops and seminars. Further details of the Academy’s infrastructure are at Annexure-1.

TRAINING PROGRAMMES DURING 2020-2021

The Academy arranges various training programs and the following table shows the distribution of trainees in various courses during 2020-2021.

Sr. No.	Name of Course	Coordinator Mr./Ms.	Schedule	No. of participants		
				M	F	Total
Induction Training for newly recruited AIS and other Central Services (Group-A)						
1.	IAS Professional Course Phase-I (2019 batch)	Nandini Paliwal	09-12-2019 to 08-05-2020	127	58	185
2.	IAS Professional Course Phase-I (2020 batch)	Gauri Parasher Joshi	21-12-2020 to 26-03-2021	129	53	182
3.	IAS Professional Course Phase-II (2018-2020 batch)	Niranjan Kumar Sudhansu	06-07-2020 to 07-08-2020	135	50	185
4.	95th Foundation Course for newly recruited officers of All India Services and Civil Services (Group-A) (2020 batch)	Vidya Bhushan	12-10-2020 to 18-12-2020	291	136	427
Mid-Career Training Programme for IAS officers						
5.	16th Round of Phase-III of Mid-Career Training Programme for IAS officers of 7-9 years seniority	Aswathy S.	17-02-2020 to 13-03-2020	58	25	83
6.	17th Round of Phase-III of Mid-Career Training Programme for IAS officers of 7-9 years seniority	Nandini Paliwal	22-02-2021 to 19-03-2021	68	16	84
7.	122nd Induction Training Programme for officers of State Civil Services promoted to IAS	Vidya Bhushan	09-03-2020 to 19-03-2020 & 01-02-2021 to 12-02-2021	47	12	59
Short Term Courses/ Seminar/ Workshop/ Others						
8.	Climate Change: Challenges and Response for Women Scientists	CDM	05-10-2020 to 09-10-2020	0	48	48
9.	Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation for Scientists & Technologists	CDM	23-11-2020 to 27-11-2020	27	8	35
10.	Climate Change: Challenges and Response for Scientists & Technologists	CDM	14-12-2020 to 18-12-2020	28	16	44
11.	District Disaster Management Plan for IAS/ Central Civil	CDM	23-12-2020 to 24-12-2020	24	8	32

	Services Officers					
12.	Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation for Scientists & Technologists	CDM	01-02-2021 to 05-02-2021	34	3	37
13.	Incident Response System for IAS/Central Civil Services Officers	CDM	24-02-2021 to 25-02-2021	42	7	49
14.	e-ITEC Workshop on Gender Inclusive Governance for Policymakers	NGCC	12-11-2020 to 12-11-2020	18	32	50
15.	e-ITEC Workshop on Gender Inclusive Governance for Policymakers	NGCC	17-02-2021 to 18-02-2021	34	80	114
16.	Webinar on the Occasion of International Women's Day, 2021	NGCC	08-03-2021	5	22	27
17.	Virtual Seminar on Selected Macroeconomic Issues for Indian Administrative Service Officers in collaboration with IMF and SARTTAC	CPSM	10-08-2020 to 14-08-2020	35	17	52
18.	Virtual Seminar on Public Financial Management for State Financial Secretaries in Collaboration with IMF, SARTTAC and Fiscal Affairs Department	CPSM	31-08-2020 to 04-09-2020	43	19	62
Total participants				**1145**	**610**	**1755**

Abbreviation:

CDM – Centre for Disaster Management

NGCC – National Gender and Child Centre

CPSM – Centre for Public System Management

COURSES AND ACTIVITIES – HIGHLIGHTS

A number of courses are conducted at the Academy every year. Amongst them the Foundation Course is essentially knowledge centered; the professional programmes are fundamentally skill-oriented and the in-service courses are mainly directed towards enhancement of policy formulation capabilities for assuming senior positions in government.

Induction Training of Newly Recruited Officers

IAS Professional Course, Phase–I (22 Weeks)

The Academy imparts induction level and in-service training. A common Foundation Course is held for entrants to the All India Services and all Group "A" services of the Union. Professional training for regular recruits of the Indian Administrative Service (IAS) and members of the Royal Bhutan Civil Service is conducted after the Foundation Course. The Academy also conducts in- service and Mid-Career Training Program (MCTP) for members of the IAS and Induction Training program for officers promoted to the IAS from the State Civil Services, as well as workshops and seminars on various issues in public administration.

After completion of the Foundation Course, the IAS Officer Trainees undergo the professional Course Phase-I. This course seeks to strengthen the understanding of the environment in which an IAS Officer has to function. Emphasis is laid on understanding of public systems and their management. During Phase-I, initially the IAS officer trainees are sent on a Winter Study Tour comprising attachments with the three armed forces, the public sector, the private sector, municipal bodies, voluntary agencies, tribal areas, e-governance sector and the Non-Government Organisations. Attachment with the armed forces also serves the purpose of better appreciation of their role. These attachments give Officer Trainees an opportunity to experience the diverse mosaic of our country. They also get an opportunity to see and understand closely the functioning of various organisations.

Thereafter, the officers go through a regimen of classroom training. It is here that professional inputs of Public Administration, Management, Law, Computers and Economics are given to the Officer Trainers in accordance with the syllabi approved by the Government of India. On completion of the Phase-I course, the Officer Trainees are sent for a one-year district training.

IAS Professional Course Phase-I (2019-21 Batch)

(09th December 2019 to 08th May, 2020)

Programme meant for / Target Group	Professional Course for newly recruited IAS officer
Course Coordinator	Ms. Nandini Paliwal, Deputy Director (Sr.)
Associate Course Coordinator (s)	Mr. C. Sridhar, Deputy Director (Sr.) Mr. Manoj V. Nair, Deputy Director (Sr.) Mr. Vidya Bhushan, Deputy Director Ms. Gauri Parasher Joshi, Deputy Director
Valedictory Address by	Shri Sanjeev Chopra, Director, LBSNAA
Total No. of Participants	185 including 03 RBCS (Male-127, Female-58)

Details of participants of IAS Phase-I (2019-21 Batch) are attached in Annexure-3

Course Aims

- Equip Officer Trainees with the knowledge, skills and attitudes to become effective civil servants
- To create learning experiences regarding ethical and developmental administration

Course Objectives

- Acquire a pan-India perspective of emerging socio-economic, and politico-legal trends; an understanding of the emerging role of the IAS and its shared administrative responsibilities with other services.
- Acquire knowledge and skills needed to discharge administrative responsibilities in the first decade of career in the following areas:
    - Law and legal instruments
    - Administrative rules, procedures and programme guidelines
    - Modern management tools, and
    - Economic analysis
    - Demonstrate proficiency in the regional language of the allotted State to better appreciate its administrative and cultural ethos
    - Acquire an understanding on the cultural and socio-economic background of the allotted State
    - Demonstrate effective written/ oral communication skills both in interpersonal and organizational context

- Exhibit right values and attitudes
- Maintain physical fitness
- Adhere to the spirit of 'Sheelam Param Bhushanam'

Course Design

The Course design of the Phase I programme was consciously liberal in spirit and content. While seeking to provide the Officer Trainees with ample space to study, learn, play and enjoy, it strives to build in them the complex matrix of knowledge, skills and attitudes, which would enable them to shoulder future responsibilities that are complex - both in scope and dimension.

The 22-week IAS Professional Course, Phase-I for the 2019 batch, commenced on 09th December 2019 and concluded on 08th May, 2020. It had two main components:

- Winter Study Tour (from 13th December, 2019 to 31st January 2020)
- On-campus training inputs part 01 (from 09th December, 2019 to 13th December 2019)
- On-campus training inputs part 21 (from 10th February, 2020 to 08th May 2020)

The Phase-I is a full time training programme with an eclectic mix of curricular and extra-curricular activities. A typical day commenced at 0630 hours with physical exercises at the Happy Valley ground. The evenings were dedicated to programmes by Clubs and Societies including cultural programmes.

Academic Inputs

The on-campus academic training commences on 10th February 2020. While the syllabus prescribed under 'The Indian Administrative Service (Officer Trainees' Final Examination) Regulations, 1955' is the basic framework, suitable modifications have been made to adapt it to the changing training needs of IAS Officers. Inputs were given in the faculties of Law, Public Administration, Political Science & Constitution and Management & Economics. The Public Administration modules were structured around thematic inputs covering varied domains that IAS Officers have to deal with. These were interspersed with sessions in Languages and ICT.

The training methodology being adopted in this course constituted a mix of lectures, case discussions, seminars, panel discussions, order writing exercises, moot courts and mock trials, management games and role plays, group exercises, films, field and outdoor visits, among others. Several experts and eminent persons from diverse backgrounds were invited to address during the Course. These exposed the Officer Trainees to alternative perspectives and diversity of opinion, which were necessary for making any considered decision.

As an IAS Officer, Officer Trainees had to become thorough in the language of the cadre to which they are allotted. Statutory language examinations were held during the Phase I

programme. Officer Trainees, who were already familiar with the cadre language were provided advanced instruction in administrative usage of the language and were also required to undertake alternative modules and activities. Office Trainees were required to present their State Paper in the cadre language. The ICT module for Phase-I had been designed specifically to familiarize the Officer Trainees with Information Technology Environment in districts, concepts/issues involved in computerizing a system, latest trends in technology, web design, client/server computing, e-governance and so on. The idea behind this input is not to make Officer Trainees "computer-professionals", but to acquaint them with the capabilities of technology in their real life working environments.

Assessed Academic Tasks: The course also incorporated elements of self-study based learning into its design through a Book Review and the State Term Paper that was presented in the regional language of the allocated cadre in the Counsellor Group Meeting; Winter Study Tour (WST): Group Presentations, Individual WST Diary and Travelogue.

Outdoor Activities: Career in the IAS is often sedentary and tension-filled. Sound physical and mental health is an essential pre-requisite for an Officer of the Service. In the Phase I programme, Officer Trainees were encouraged to cultivate and sustain the habit of regular physical exercises. The morning Physical Training is compulsory. Physical exercises and outdoor activities are integral part of the Course.

Extra-Curricular Activities: Officers with interests and hobbies apart from the official work are better equipped to handle the stress that the profession creates. In the Phase-I programme, Officer Trainees were encouraged to develop passion for creative activities through extra-curricular modules.

Zonal Days: Officer Trainees organised Zonal Days during the Phase I programme. The purpose of organizing a Zonal Day is to acquaint the Officer Trainees with the culture and cuisine of their allocated cadres. The constitution of groups for each zone would be based on the State of allotment.

Modules: The thematic modules such as IAS in Perspective - District Administration, Rural Development & Agriculture, Land Administration, Municipal Administration, Social Sector: Education, Social Sector: Health, Public Finance, Water Management, Social Security, Election Module, e-Governance & Media, Law & Order, Disaster Management, Forest & Environment & Climate Change and Innovation Conference were organized during the course.

Awards for Meritorious Performance: The prizes and medals were awarded for outstanding performance by the IAS Officer trainee in academic and extra-curricular activities during the Professional Course Phase-I

Eminent Guest Speakers

- *Ms. Upma Chawdhry, IAS, Secretary, Government of India, Department of Youth Affairs, Ministry of Youth Affairs and Sports, Room No 1, C-Wing, Shastri Bhawan, New Delhi – 110001*
- *Shri Ambuj Sharma, IAS (Retd.), Former Secretary General & Special Monitor, National Human Rights Commission, Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.*
- *Shri Partha Sarthi Sen Sharma, IAS, Joint Secretary (PS), Government of India, Department of Fertilizers, Ministry of Chemicals & Fertilizers, New Delhi*
- *Shri Sham Lal Goyal, IAS, Resident Commissioner, Resident Commissioner and Additional Chief Secretary, New Maharashtra Sadan, K.G MARG,, Connaught Place, New Delhi-110001*
- *Dr. C. Ashok Vardhan, IAS (Retd.), Member, Bihar Land Tribunal, 11, Off Polo Road, Patna-800 001 (Bihar)*
- *Shri Vinod K. Agrawal, IAS (Retd.), 139, Road No.17, Prashasan Nagar, Jubilee Hills, Hyderabad 500 110 (Telangana).*
- *Ms. Sharada Muralidharan, IAS, Principal Secretary, Local Self Government Department – Rural, Government of Kerala, Thiruvananthapuram (Kerala)*
- *Shri S. Chokalingam, IAS, Settlement Commissioner, Govt. of Maharashtra, 3rd Floor, New Admin Building, Opposite Council Hall, Bund Garden Road, Pune-411001 (Maharashtra).*
- *Shri Ponnuraj V., IAS, Managing Director, Karnataka Power Corporation Limited,*
- *Govt. of Karnataka, No.82, Shakti Bhavan, Race Course Road, Bengaluru-560001 (Karnataka).*
- *Ms. Vijaya Jadhav, IAS, Deputy Development Commissioner, District Collectorate, District Hazaribagh (Jharkhand).*
- *Shri P. Sampath Kumar, IAS, Commissioner & Secretary, Community and Rural Development Department, Government of Meghalaya, Shillong - 793 001 (Meghalaya).*
- *Ms. R.V. Shajeevana, IAS, Additional Director, Govt. of Tamil Nadu, Entrepreneurship Development and Innovation Institute (EDII), Parthasarathy Koil Street, SIDCO, Guindy, Chennai (Tamil Nadu).*
- *Dr. A. Santhosh Mathew, IAS (R), Country Lead for Social & Public Finance Policy, Bill &*

Melinda Gates Foundation, New Delhi.

- *Shri Ravi Shankar Shukla, IAS, Deputy Commissioner, Office of the Deputy Commissioner, Swarnrekha Link Road, Sakchi, Jamshedpur-831001 (Jharkhand)*
- *Shri Balamurugan D., IAS, Chief Electoral Officer, Bihar Election Commission, Patna (Bihar)*
- *Shri Amarjeet Sinha, IAS (Retd.), Former Secretary, Rural Development, Government of India, New Delhi*
- *Shri Arun Kumar Viswakarma, IAS, CEO, Zila Panchayat, Sehore, Madhya Pradesh*
- *Shri Prabhat Malik, IAS, Director, Institutional Finance and Chief Operating Officer, Chips (IT Society), Government of Chattisgarh, Raipur (C.G.)*
- *Shri J. Nivas, IAS, Collector & District Magistrate, Srikakulam*
- *Dr. Uma Sankar S., IAS, District Magistrate, Office of the District Magistrate, Bankura (W.B.).*
- *Shri Karn Satyarthi, IAS, Sub Divisional Officer, Raj Mahal (Jharkhand).*
- *Ms. Fouzia Taranum, IAS, Chief Executive Officer, Zilla Panchayat, Chikkaballapura (Karnataka)*
- *Ms. Beena Vijayan, President, Meenangadi Grama Panchayath, Wayanad District (Kerala).*
- *Mr. V. Suresh, Meenangadi Grama Panchayath, Wayanad District (Kerala).*
- *Smt. Alka Upadhyaya, IAS, Additional Secretary, GoI, Ministry of Rural Development & DG, National Rural Infrastructure Development Agency(NRIDA), Krishi Bhawan, New Delhi-110001*
- *Shri Vijay Nagaraju,, Executive Director, Evidence for Policy Design (EPoD) India at LEAD at KREA University*
- *Ms. Anshu Singh, Senior Research Associate, Evidence for Policy Design (EPoD) India at IFMR, New Delhi*
- *Ms. Sameeksha Jain, Faculty, Evidence for Policy Design (EPoD) India at IFMR, New Delhi*
- *Ms. Artika Shukla, IAS, SDM, Ajmer (Rajasthan).*
- *Shri Raghuraj Rajendran, IAS, PS to Hon'ble Minister, Government of India, Ministry of Steel, New Delhi -110001*

- *Shri Ravi Capoor, IAS, Secretary, Government of India, Ministry of Textiles, New Delhi*
- *Shri Gautam Bhan, Senior Lead – Academic and Research, IIHS Bangalore City Campus, No. 197/36, 2nd Main Road, Sadashivanagar, Bangalore 560080.*
- *Shri G. Mathi Vathanan, IAS, Principal Secretary, Housing and Urban Development Department, Govt of Odisha, 1st Floor, State Secretariat, Annex - B, Bhubaneswar*
- *Ms. Shreya Gadepalli, Regional Director South Asia, Institute for Transportation and Development Policy (ITDP), Chennai (TN).*
- *Shri Sanjay Dubey, IAS, Principal Secretary, Urban Development & Housing Department, Government of MP, Bhopal (MP).*
- *Ms. Varsha Joshi, IAS, Commissioner, North Delhi Municipal Corporation, New Delhi.*
- *Dr. Ashish Kumar Bhutani, IAS, CEO (PMFBY) & Joint Secretary (Credit), Govt. of India, Department of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare, New Delhi*
- *Prof. Ramesh Chand, Member, Niti Aayog, Government of India, New Delhi*
- *Shri Iqbal Dhaliwal, Global Executive Director, J-PAL Scientific Director, J-PAL South Asia,*
- *Ms. Shagun Sabharwal, Director of Policy, Training and Communications at J-PAL South Asia and Director of the CLEAR South Asia Centre.*
- *Shri Gagandeep Singh Bedi, IAS, Agricultural Production Commissioner and Principal Secretary to Government of TN, Govt. of Tamil Nadu, Chennai (TN).*
- *Shri Kona Sasidhar, IAS, Commissioner of Civil Supplies & Ex-officio Secretary to Government of AP, Consumer Affairs, Food & Civil Supplies Department and LM, 1-1521, Civil Supplies Bhavan, Ashok Nagar, Kanuru, Vijayawada*
- *Shri Anbalagan P., IAS, Secretary, Department of Mining, Govt. of Chattisgarh, Raipur (Chattisgharh)*
- *Dr. Rathin Roy, Director, National Institute of Public Finance and Policy. 18/2, Satsang Vihar Marg,Special Institutional Area (Near JNU), New Delhi-110067*
- *Ms. Anandhi, IAS, District Magistrate, District Udiapur (Rajasthan)*
- *Ms. Rashmita Panda, IAS, Director of Employment-cum-CEO, Odisha Skill Development Authority, Govt. of Odisha, Bhubaneshwar (Odhisha).*
- *Shri Kabir Vajpeyi, Ashoka Fellow Principal Architect, VINYAS, Centre for Architectural Research & Design and, CEO, VINYÃS Society, Society for Research, Design, Capacity*

Building, Advocacy and Policy, New Delhi.

- *Dr. Preeti Vajpeyi, Former Head and Associate Professor, Department of Architecture and Planning, Indira Gandhi Delhi Technical University for Women, Kashmiri Gate, New Delhi-110006.*
- *Dr. Rukmini Banerji, CEO Pratham Education Foundation, B 4/54 Safdarjang Enclave (near Kamal Cinema), New Delhi 110029*
- *Ms. Mittali Sethi, IAS, Assistant Collector and Project Officer, Integrated Tribal Development Projects (ITDP), District Amravati (Maharashtra).*
- *Ms. Binu George, Personnel Counsellor, Woodstock School, Mussoorie*
- *Dr. Aditya Dahiya, IAS, Deputy Commissioner, District Jind, Haryana*
- *Shri Raghuraj Rajendran, IAS, PS to Hon'bel Minister, Government of India, Ministry of Steel, New Delhi*
- *Shri D. Krishna Bhaskar, IAS, Collector, Siricilla (Telangana)*
- *Shri Rajesh Aggarwal, IAS, Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Corporate Affairs, Govt. of India, New Delhi*
- *Shri Devesh Kapur, Professor, Political Science, Director, CASI, University of Pennsylvania*
- *Dr. Rajendra Dobhal, DG Uttarakhand Council of Science and Technology, Uttarakhand*

IAS Professional Course Phase-I (2020-22 Batch)

(21 December, 2020 to 26 March, 2021)

Programme meant for / Target Group	Professional Course for newly recruited IAS officer
Course Coordinator	Ms. Gauri Parasher Joshi, Deputy Director
Associate Course Coordinator (s)	Ms. Nandini Paliwal, Deputy Director (Sr.) [Mentor] Mr. Milind D. Ramteke, Deputy Director Mr. Abhiram G. Sankar, Deputy Director Mr. Nitesh Jha, Reader (Political Theory & Constitutional Law) Ms. Disha Pannu, Deputy Director Ms. Ekta Uniyal, Assistant Director
Valedictory Address by	Shri Sanjeev Chopra, Director, LBSNAA
Total No. of Participants	182 including 03 RBCS (Male-129, Female-53)

Details of participants of IAS Phase-I (2020-22 batch) are attached in Annexure 4

Course Aims

- Equip Officer Trainees with the knowledge, skills and attitudes to become effective civil servants
- To create learning experiences regarding ethical and developmental administration

Course Objectives

- Acquire a pan-India perspective of emerging socio-economic, and politico-legal trends; an understanding of the emerging role of the IAS and its shared administrative responsibilities with other services.
- Acquire knowledge and skills needed to discharge administrative responsibilities in the first decade of career in the following areas:
    - *Law and legal instruments*
    - *Administrative rules, procedures and programme guidelines*
    - *Modern management tools, and*
    - *Economic analysis*
- Demonstrate proficiency in the regional language of the allotted State to better appreciate its administrative and cultural ethos.
- Acquire an understanding on the cultural and socio-economic background of the allotted State
- Demonstrate effective written/ oral communication skills both in interpersonal and organizational context
- Exhibit right values and attitudes
- Maintain physical fitness
- Adhere to the spirit of 'Sheelam Param Bhushanam'

Background

Covid-19 created lasting impacts on all sectors of the economy. Training did not escape being re-organized and re-thought, co-existing as it did among the mix of anticipation and hope that Covid spurred in the world. The practice is that just as the Foundation Course ends, Phase 1

begins on campus and continues for a week, after which, the Officer Trainees (OTs) proceed to the Bharat Darshan or the Winter Study Tour. This time, however, it was decided that it would not be safe for the OTs to travel all over the country and that the possibility of their contracting Covid would be fairly high if they did. Detailed deliberations were held with the Director, the faculty members and the newly formed Course Team of Phase 1 and it was determined that Phase 1 would begin on December 21, 2020 and continue to March 26, 2021. The Bharat Darshan would be postponed to after the Course and would depend on the extent of Covid spread in the country. It was also decided that as the OTs had been on campus during the Foundation Course and had entered Phase 1 without having exposure to the Bharat Darshan and without the Block Leave that follows this, a short excursion, perhaps in Uttarakhand itself, would be organized to help break the possible impact of continued presence on campus. As this would be a rare Phase 1 when OTs would be staying out the winter, the Academy would have to make preparations on a war footing to tackle snowy days, both in terms of infrastructure and medical resources and also in terms of confirming online-class friendly IT abilities and advising OTs to be clad well. In pursuit of this aim, the Course Coordinator and her Team delineated to various sections, with special emphasis on Estates and CPWD and the medical section, the need to stock up on salt (for melting frozen snow), POL for generators and also tie-up for a power hotline to tide over days of power outages that are expected when there is snowfall. Additional staff requirement was indicated to the Estates and the Mess section so that there would be no case when there was a logistical problem on account of the staff not being there. The medical section remained active and timely advisory memos and checking by the Course Team and doctors ensured that there were no OTs that fell seriously sick during the Course. In fact, there was no medical-issue related disruption during any part of the Course.

As regards Bharat Darshan, communication was made to the Department of Personnel and Training and to the Chief Secretaries of all the cadres in the country that the OTs be allowed to be relieved from district training for a period of seven weeks in the winter months, when they would proceed for the Winter Study Tour.

Beginnings

Inaugural function of IAS Professional Course Phase I (2020-22 batch)

It was a full day on December 21, 2020. The Course, comprising 182 OTs with three from the Royal Bhutan Civil Service, was inaugurated by Sh. P.K. Sinha, Principal Advisor to Hon'ble Prime Minister, who took the OTs back to his experience in the Indian Administrative Service and to that of certain other officers and offered a broad canvas for the OTs to glean from. His measured assessment of the need for specialization in a Generalist service helped the OTs understand that it is both - an integrated view and the ability to go into details – that make an IAS officer. The afternoon inauguration was preceded by a panel discussion on the IAS in Perspective. This included one senior IAS officer, one IAS officer of middle-level seniority and one IAS officer who had around six to ten years service in each panel. The idea was to bring out facets from work and life, the change in the perception of the service, the changed response expected by the State and civic society from the IAS and finally, the fact of a fraternity that should be able to stand up for each other, especially for junior officers when they are in trouble despite having taken a principled stand. 129 gentleman officers and 53 lady officers made up this Course and it was our endeavour that as we strived to help them understand the ethos of the Civil Service, we also inculcated in them the values of respect for every gender, for ability in disability and for the principle of equality.

Aim and focus

And this brings us to the focus and aims of the Phase 1 course for the batch of 2020 of the IAS. Integrity always, gearing up for a tough life ahead, taking challenges head on when in public interest not for personal reasons, knowing when to wait and watch for the right time to make an

intervention, like in a law-and-order situation, being a team person, encouraging one's juniors, standing up for them when they have acted justly and in a principled manner, setting an example, having the grace to take forward a predecessor's good work, strengthening the values of the Service and recognizing that the Service has been founded on the ethos of public interest, never forgetting that the need of the weakest is of prime importance, mapping one's jurisdiction and knowing it like the palm of one's hand, in short giving it one's all with self-respect, respect for others, humility to learn and integrity, as one's closest friends.

Academic and extra-curricular edifice

In order to channel the streams of the aims together so that the converge meaningfully, the Course Team built the edifice of the Course on three pillars – Academics, Co-curricular activities and Peer Learning. Physical Training was an important component of the entire course design and built on the element of discipline that the Academy is ever determined to inculcate in the young trainees.

Academics included Law, Political Science and the Constitution of India, Public Administration, Indian History, Economics, Management and IT. Sessions were held by internal faculty members who could use their experience in the field and in departments to mentor OTs on the situation on the ground and link it to say, a particular preventive section of the Criminal Procedure Code, thus forming both a continuum of sharing knowledge and contributing to such a tradition. Sessions were also taken by guest faculty members who were selected on the basis of their expertise, their ability to innovate and their ability to sustain a good practice, thereby contributing to positive change. For instance, we had the Additional Secretary, Home, Sh. Vivek Bharadwaj, Joint Secretary, Ministry of Civil Aviation, Ms. Usha Padhee, we had scientists, we had entrepreneurs that spoke on social marketing, we had innovators like Sh. Sonam Wangchuk, officers from services like the Indian Police Service. Sh. Ashish Gupta, from this service, spoke on the preventive sections of the CrPC elegantly complementing certain sessions that were taken by the internal faculty. He strung together the history of how these sections came to be, anecdote and law, riveting the OTs to good effect. We also had historians like Manu Pillai whose analysis was deep and threw up a number of questions and stirred debate among the OTs. There was a presence of officers that had retired from the IAS, for instance, Sh. Ravi Kapoor and Sh. C. Chandramouli, and whose advice was of the utmost significance for its having spanned more than three decades.

Physical Training

Morning activity was expanded to include Yoga, Gymnasium work outs, Zumba, Aerobics, Badminton, Tennis and Cycling. While OTs did not have to do the fairly demanding early-morning walk to the Polo Ground (which, incidentally, had not formed a part of their schedule during the Foundation Course as well), it was mandatory for them to participate in these activities in small groups. Treks to nearby locations formed a significant part of bonding within the batch and brought the teaching of cooperation and leadership to a live, on-the-ground locale.

Co-curricular activities and Zonal Days

We had a range of activities to enable the OTs to explore the artist, musician, chef, martial arts person in them. There was instrumental and vocal music, sketching and painting, dance, Ayurvedic cooking, martial arts, to name but a few. Days to celebrate the culture and cuisine of states in a region were held when the OTs, including the OTs from Bhutan, felt proud to be able to present their traditions, attire, cuisine and décor. OTs took part in debates, poetry recitation evenings, poetry competitions in regional languages, Hindi and in English. They regaled their batchmates and members of the faculty through poignant plays like Saadat Hassan Manto's Toba Tek Singh.

The Literature Festival

With a number of OTs being interested in reading and writing, and two OTs – Ms. Anu Joshy and Sh. Pratyush Pandey - having authored a book themselves, the Literature Festival was a natural outgrowth of the debate, discussion and poetry recitation evenings that peppered the flow of the Course. The guest list included civil servants, serving and retired, internal faculty members and the then Director, Dr. Sanjeev Chopra, himself who steered the efforts of the OTs and the faculty members in organizing the festival. Mussoorie's very own author, Sh. Ganesh Saili also participated on the first day of the Literature Festival.

Peer learning

We experimented with creating groups of OTs who had been students of law and management or who had a particular interest or knowledge in a subject and facilitated their taking sessions with the other OTs. This resulted, as we noted towards the end of the course, in two things. One, OTs got a break from listening to members of the faculty and guest speakers and sometimes listened more deeply when they had their peers speaking to them. Two, some OTs said in their feedback that they felt about as experienced as their peers and therefore would learn more if taught by members of the faculty or guest speakers. Either way, it compelled them to think, to speak up and learn to respect all ages and all kinds of experience.

The Uttarakhand excursion

OTs were taken on a four-day excursion tour to Jim Corbett National Park and to Rishikesh where they could do river rafting and experience the spending time by the aquamarine waters of the Ganga. There were at least a couple of tiger sightings and the idea was to allow the OTs to bond and also to boost their morale and spirits after a long stay on campus, without the exposure of Bharat Darshan and the relaxation that the Block Leave afforded.

Prize distribution during IAS Professional Course Phase I (2020-22 batch)

The Course closed on March 26, 2021, having hosted nearly 150 guest speakers and having successfully kept Covid at bay with the OTs healthy and ready to proceed to their District Training. The Course Team exhorted the Officer Trainees to be disciplined and to hold their heads high without forgetting that humility is a prerequisite to learning. The valedictory address was delivered by the Director, Dr. Sanjeev Chopra.

Guest Speakers:

- *Shri Vivek Bharadwaj, IAS, Additional Secretary (PM), Ministry of Home Affairs, Govt. of India*
- *Shri Amit Kumar Ghosh, IAS, Joint Secretary, Ministry of Road Transport and Highways, Govt. of India*
- *Ms. Usha Padhee, IAS, Joint Secretary (U), Ministry of Civil Aviation, Govt. of India*
- *Shri Tejveer Singh, IAS, Principal Secretary to Chief Minister, Punjab*
- *Shri Dhaval Jain, IAS, Managing Director, Paschim Banga Agri Marketing Corporation Ltd.*
- *Dr. C. K. Mathew, IAS (Retd.), Former Chief Secretary, Rajasthan & Visiting Professor, Azim Premji University*
- *Shri Nitin Kumar Yadav, IAS, Director General, Directorate of Elementary Education, Haryana*
- *Shri Taranjot Singh, IAS, Deputy Development Commissioner, DRDA Office, Collectorate Sitamarhi, Bihar*
- *Dr. C. Chandramouli, IAS (Retd.), Former Secretary, Ministry of Personnel & Training, Govt. of India*
- *Dr. Vishal R, IAS, Commissioner, Rural Drinking Water and Sanitation Department, Karnataka Housing Board Complex, Bengaluru*

- *Shri Qummer-ul-Zaman Choudhary, IAS, Commissioner, Jodhpur Development Authority, Rajasthan*
- *Shri Vijay Kiran Anand, Director General, School Education & State Project Director, Samagra Shiksha, Uttar Pradesh*
- *Justice Sudhansu Dhulia, Bhilangana Administrative Training Institute, Nainital*
- *Shri D. Krishna Bhaskar, IAS, Collector and District Magistrate Vidyanagar, Telangana*
- *Shri S. Chockalingam, IAS, Settlement Commissioner & Director of Land Records, Pune*
- *Shri Budithi Rajsekhar, IAS, Principal Secretary, School Education, Andhra Pradesh, Velagapudi*
- *Shri Amod Kumar, IAS, Principal Secretary, Department of Planning, Yojana Bhawan, Lucknow, Uttar Pradesh*
- *Ms. Priyanka Niranjan, IAS, Special Secretary, Irrigation and Water Resources Department, Govt. of Uttar Pradesh*
- *Shri Divyanshu Patel, IAS, Joint Magistrate, District Magistrate Office, Barabanki, Uttar Pradesh*
- *Shri Mallepalli Laxmaiah, Chairperson, Centre for Dalit Studies, Telangana*
- *Shri Munish Moudgil, IAS, Secretary, DPAR (Administrative Reforms), Bengaluru*
- *Dr. Bagadi Gautham, IAS, Deputy Commissioner and District Magistrate, Chikkamagaluru District, Karnataka*
- *Ms. V. Lalitha Lakshmi, IAS, Director, Consumer Goods, Food and Supplies Department, Kolkata*
- *Ms. Jaspreet Talwar, IAS, Principal Secretary, Department of Water Supply & Sanitation, Govt. of Punjab*
- *Shri Amarjeet Sinha, IAS (Retd.) Advisor to PM, Prime Minister's Office*
- *Dr. Shahid Iqbal Choudhary, IAS, Deputy Commissioner, Srinagar*
- *Ms. Neha Singh, District Development Officer, Tapi, Gujarat*
- *Sh. Athar Aamir Ul Shafi Khan, IAS, Chief Executive Officer, Zila Parishad, Jaipur*
- *Shri C. Sridhar, IAS, Joint Secretary, Prime Minister's Office*
- *Shri Prabeer Kumar Nayak, OAS (S), Project Director, Koraput, DRDA Koraput, Odisha*
- *Shri. S. Harikishore, IAS, Executive Director, Kudumbashree State Mission Office, Thiruvananthapuram*
- *Shri Prashant Narnaware, IAS, Commissioner Social Welfare, Pune*
- *Dr. Ram Kumar Kakani, Professor, IIM Kozhikode*
- *Ms. Varsha Joshi, IAS, Joint Secretary (CDD), Krishi Bhavan, New Delhi*
- *Shri Gagandeep Singh Bedi, IAS, Agricultural Production Commissioner and Principal Secretary to Govt. of Tamil Nadu*
- *Ms. Priyanka Shukla, IAS, Joint Secretary and Mission Director, National Health Mission, Govt. of Chattisgarh*
- *Prof. Sridhar Vishwanath, Assistant Professor, Strategic Management, Institute of Rural Management Anand (IRMA)*

- *Prof. Rakesh Arrawatia, Associate Professor, Institute of Rural Management Anand (IRMA)*
- *Shri Sanjeev Chadha, IFS, Managing Director, NAFED, New Delhi*
- *Ms. Shashanka Ala, IAS, Additional Secretary, Labour, Employment, Skill Development and Entrepreneurship, Govt. of Mizoram*
- *Shri Ravi Capoor, IAS (Retd.), New Delhi*
- *Ms. Nisha Anant, CDO, Badaun, Uttar Pradesh*
- *Dr. P. C. Jaffer, IAS, Secretary (Expenditure), Govt. of Karnataka*
- *Dr. Himanshu Rai, Director, IIM Indore*
- *Dr. R. S. Praveen Kumar, IPS, Secretary, Telangana Social Welfare Residential Educational Institutions Society*
- *Shri Sandeep Dutt, School Improvement Coach, Learning Forward India Foundation*
- *Shri Udit Prakash Rai, IAS, Director, Directorate of Education, Director Education (DoE), New Delhi*
- *Ms. Kamayani Joshi, TGT English at Rajkiya Pratibha Vikas Vidhyalaya, Hari Nagar, Delhi*
- *Ms. Saumya Gupta, IAS, Secretary, Higher Eduaction, Govt. of Tripura*
- *Shri Ranjitsinh Disale, Alipur Road, Shivaji Nagar, Solapur*
- *Mr. Sonam Wangchuk, Architect, Ice Stupa, Ladakh*
- *Ms. Merlia Shaukath, CEO, Madhi Foundation*
- *Shri Mohammad Roshan, IAS, Chief Executive Officer, Zilla Parishad, Haveri, Karnataka*
- *Shri Jatashankar, IAS, Special Secretary cum Director Secondary Education, Department of School Education & Literacy Development, Ranchi, Jharkhand*
- *Shri Rohan Chand Thakur, IAS, Commissioner, State Taxes and Excise, MD, Kaushal Vikas Nigam, MD, Himachal Pradesh Financial Corporation, Govt. of Himachal Pradesh*
- *Shri K G Jagdeesha, IAS, CEO & Secretary, Coffee Board, Govt. of India*
- *Dr. Rukmini Banerji, CEO Pratham Education Foundation, New Delhi*
- *Shri Ajit Balaji Joshi, IAS, Director General, Higher and Technical Education, Govt. of Haryana*
- *Dr Suresh Kumar, Director, WHO Collaborating Center for Community Participation in Palliative Care and Long Term Care & Technical Advisor, Institute of Palliative Medicine, Calicut*
- *Shri Arun Baroka, IAS, Additional secretary (SBM & CVO), Department of Drinking Water and Sanitation, Ministry Of Jal Shakti, Govt. of India*
- *Shri Pradeep Kumar Jena, IAS, Rural Development Department, Govt. of Odisha*
- *Ms. Aparna Gupta, IAS, SDM Badgaon Office, Udaipur, Rajasthan*
- *Ms. Pushp Lata, IAS , Assistant Collector, Bhavnagar, Gujarat*
- *Shri Rishi Raj, IAS , Joint Magistrate/SDM Mainpuri, Uttar Pradesh*

- *Ms. Neha Vyas, Senior Environment Specialist, World Bank*
- *Shri G. Srihari, Social Development Specialist, World Bank*
- *Shri Krishna Prakash, IPS, Commissioner of Police, Pimpri-Chinchwad, Maharashtra*
- *Ms. Saumya Sharma, Office of the Sub Divisional Magistrate (Kanjhawala), New Delhi*
- *Shri Fazlul Haseeb, House No. 24 C, Govt. Quarters, Behind Office of SDPO, Gandhi Nagar, Jammu*
- *Shri Rituraj Choudhary, SDM Residence, Godda, Jharkhand*
- *Shri Mihir Mankad, Professor of Practice, Leadership Communication, Tufts University*
- *G. S. Sameeran, IAS, District Collector Tenkasi, Tamil Nadu*
- *Ms. Keerti Tiwari, IIS, Deputy Press Secretary to the President, Rashtrapati Bhawan, New Delhi*
- *Shri Saurabh Singh, IIS, Deputy Director (R&C), Social Media Cell, Press Information Bureau*
- *Sh. K. S. Dhatwalia, IIS, Principal Director General, Press Information Bureau*
- *Shri Sabahat Azim, IAS (Retd.), CEO and Founder Glocal Health Care Pvt. Ltd.*
- *Prof. (Dr.) Hitashi Lomash, Faculty Member, Sushma Swaraj Institute of Foreign Service, New Delhi*
- *Shri Krishna Gopal Tiwari, Additional Commissioner (Tribal Welfare), Govt. of Madhya Pradesh*
- *Shri Akun Sabharwal, IPS, Cabinet Secretariat*
- *Dr. Amar KJR Nayak, Professor, Strategic Management, Xavier Institute of Management, Bhubaneswar*
- *Shri Alok Mishra, IIS, Deputy Director General (DMEO), NITI Aayog, New Delhi*
- *Mr. Nishant Warwade, IAS, Commissioner, Medical Education, Govt. of Madhya Pradesh*
- *Shri Dheep Joy, IIS, Press Information Bureau*
- *Dr. Vinay Sahasrabuddhe, Hon'ble Member of Parliament, Rajya Sabha, & Chairman, ICCR, Govt. of India*
- *Shri Ashish Gupta, IPS, Chief Executive Officer, National Intelligence Grid (NATGRID), Ministry of Home Affairs, Govt. of India*
- *Shri Krishna Mohan Uppu, IAS, Deputy Secretary (NE – III), Ministry of Home Affairs, Govt. of India*
- *Dr. Gyanendra Badgaiyan, IAS (Retd.), Former Director, National Centre for Good Governance, New Delhi*
- *Shri Abhishek Singh, IAS, President and CEO, National E-Governance Division & CEO, My Gov*
- *Dr. K. Satyagopal, IAS (Retd.), Expert Member, National Green Tribunal*
- *Ms. Tilotama Verma, IPS, Additional Director, Wildlife Crime Control Bureau*
- *Shri Ankur Bisen, Senior Vice President, Retail & Consumer Products Division, Technopark, Gurgaon*

- *Shri Kartikeya Misra, IAS, Special Secretary, Finance Department, AP Secretariat & Managing Director, AP State Finance Corportation, Government of Andhra Pradesh*
- *Ms. Ritu Sain, IAS, Director of States – I, Ministry of Housing and Urban Affairs, Govt. of India*
- *Ms. P Amudha, IAS, Joint Secretary, Prime Minister's Office*
- *Shri Rajat Kumar, IAS, Director of Census Operation, Chhattishgarh*
- *Shri Gaurang Rathi, IAS, Municipal Commissioner, Varanasi Nagar Nigam*
- *Shri Avinash Lavania, IAS, Collector and District Magistrate, Bhopal*
- *Shri Rajesh Bhusan, IAS, Secretary, Ministry of Family and Health Welfare, Govt. of India*
- *Dr. V. K. Paul, Member (Health), NITI Aayog*
- *Dr. Siddhartha Shiv Jaiswal, IAS, Municipal Commissioner, Agartala*
- *Ms. Garima Agarwal, IAS, Assistant Collector (UT) , Yadadri-Bhuvnagiri, Telangana*
- *Ms. Nidhi Siwach, IAS, Supernumerary Assistant Collector (UT), Kutch-Bhuj*
- *Ms. Sreelakshmi R, IAS, Assistant Collector (U/T), Kannur, Kerala*
- *C. A. Rishab, I.A.S, Assistant Collector (U/T), District Collectorate, Nagercoil, Kanyakumari, Tamil Nadu*
- *Shri Manish Meena, IAS, Assistant Collector/ Assistant Magistrate (U/T), Varanasi Cantonment*
- *Chaman Lal, IPS (Retd.)*
- *K K Venugopal, Attorney General of India*
- *Shri Vivek Bharadwaj, IAS, Additional Secretary (PM), Ministry of Home Affairs, Govt. of India*
- *Shri Arjun Munda, Union Minister, Ministry of Tribal Affairs, Govt. of India*
- *Dr. Pallab Saha, Chief Architect at The Open Group, and President, Association of Enterprise Architects (India)*
- *Shri Bhaskar Khulbe, IAS (Retd), Advisor to Prime Minister, Prime Minister's Office*
- *Shri Rajani Kant, GI Expert, Varanasi*
- *Dr. Prem Singh, IAS (Retd.), New Delhi*
- *Ms. Nidhi Sharma, IRS, CIT (Vigilance), CBDT, DOR, Ministry of Finance, Govt. of India*
- *Dr. Aditya Dahiya, I.A.S., Deputy Commissioner, Jind, Haryana*
- *Ms. Nayantara Jain, Executive Director, Reefwatch Marine Conservation, Bengaluru*
- *Ms. Katyayani Sanjay Bhatia, IRS, Assistant Commissioner of Income Tax (UT)*
- *Ms. Ashraf Patel, Co-Founder, ComMutiny - The Youth Collective, New Delhi*
- *Shri Sujay Santra, Founder and CEO - Ikure, Kolkata*
- *Shri Lalit Gupta, IAS (Retd.), Former Collector, Churu*
- *Shri Rahul Barhat, IPS, Deputy Inspector General of Police, Rajasthan*

- *Shri R. S. Mani, Deputy Director General, Head, Network Planning and Audit, NIC-CERT Division, Network Services Division, National Informatics Centre (NIC) HQ, New Delhi*
- *Ms. Seema Khanna, Deputy Director General, Head, Messaging And Sms Services & Arogya Setu Project National Informatics Centre (NIC) HQ, New Delhi*
- *Ms. Shruti Kaushik, Saheli Trust, Himalayan Academy, Dehradun*
- *Ms. Sowjanya, IAS, Chief Electoral Officer, Uttarakhand*
- *Dr. Srivatsa Krishna, IAS, CEO & Secretary, Coffee Board of India*
- *Shri Aditya Maheswaran, Management Consultant at Global Consulting Firm*
- *Bibhu Prasad Acharya,IAS (Retd.), Former Director General, MCRHRD, Telangana*
- *Shri Srinivas Ramaswamy Katikithala, IAS, Establishment Officer & Additional Secretary, Department of Personnel and Training, North Block, New Delhi*
- *Professor Makarand R. Paranjape, Director, Indian Institute of Advance Studies, Shimla*
- *Dr. Chinmay Pandya, Vice-Chancellor/ Chairperson, Dev Sanskriti Vishwavidyalaya, Gayatri Kunj – Shanti Kunj, Haridwar*
- *Shri Partha Ghosh, Senior Fellow, Institute of Social Sciences, New Delhi*
- *Shri Manish Sabharwal, Co-founder and Chairman, Teamlease Services Ltd., Bengaluru*
- *Shri Pankaj Joshi, IAS, Additional Chief Secretary, Finance Department, Govt. of Gujarat*
- *Shri Ravi Kailas, Chairman,Mytrah Energy (India) Private Limited, Hyderabad*
- *Shri G K Bansal, IRTS, Senior Professor, Commercial Management (SPCM), National Academy of Indian Railways, Vadodara*
- *Shri Nishant Jain, IAS, Director, Tourism, Govt. of Rajasthan*
- *Shri Ganesh Saili, , Author, Mussoorie*
- *Shri Kuladhar Saikia, IPS (Retd.), Guwahati*
- *Ms. Anu Joshy, IRS*

District Training of 2019 Batch (53 Weeks)

The objective behind district training is to expose the Officer Trainees to the entire range of activities at the district level. All the states have their own training schedules and accordingly, the time devoted to various attachments of training may differ. But, during these attachments, Officer Trainees get to become familiar with the functioning of the Collectorate, procedures for Revenue Administration, Role of Executive Magistrates, Various Centrally and State sponsored Development Schemes & Programmes, Police & Forest Administration, Court Work and the working of other District – level Departments etc. Although the duration of attachment and the nature of duties assigned may vary from State to State, it is useful for the Officer Trainees to obtain an exposure to the following functions during their field training.

- *Attachments with different Offices and Departments in the District*
- *Independent Charges to Officer Trainees*
- *Attachment with the State Training Institutes*
- *Attachment with the State Secretariat*

One of the main purpose of the District Training for an Officer Trainees is to get an opportunity to understand following issues during their attachment with each department/unit.

- *Organizational structure, roles and responsibilities in the department.*
- *Basic understanding of Acts and Rules governing the department.*
- *Office procedures – understanding a file, methods of noting/ drafting, preparation of office orders and movement of file.*
- *Budgeting and Audit – understanding the procedure and sequence of resource allocation, guidelines for expenditure, financial powers vested with officials and audit.*
- *System of programme implementation, monitoring and report.*

During district raining, the Officer Trainees also get to undergo the following assignments:

- *Drafting of Demi – Official (DO) Letters once in two months*
- *Village Study Assignment & Land Revenue Assignment*
- *Tehsildar Survey Assignment*
- *Brick Kiln Assignments/Migrant Labour Assignment/Geographical Indication Assignment*
- *Dissertation Report on various important issues assigned by the Academy*
- *Court Work Assignments*
- *Language Assignments*

IAS Professional Course, Phase-II (6 Weeks Online)

While theoretical concepts are sought to be imparted in the Foundation and Phase-I courses and ground level realities are studied during the district training; Phase-II is the time to share experience gathered across the country when all the officer trainees return to the Academy from different districts of India. The course content of Phase-II is designed for consolidation of the learning and assimilation of the district experiences gained by the Officer Trainees over a year in the state at the district training, so as to understand the issues involved in administration. This gives them an awareness of problems and situations they will face in the initial years of their career.

(a) IAS Professional Course Phase-II (2018-20 batch)

(06th July, 2020 to 07th August, 2020)

Programme meant for / Target group	Newly recruited IAS Officer Trainees
Course Coordinator	Mr. N. K. Sudhansu, Professor
Associate Course Coordinator(s)	Ms. Monika Dhami, Deputy Director (Sr.) Mr. Manoj V. Nair, Deputy Director (Sr.) Ms. Alankrita Singh, Deputy Director Ms. Gauri Parasher Joshi, Deputy Director Dr. Milind Ramteke, Deputy Director
Valedictory Address by	Mr. M. Venkaiah Naidu, Vice President of India
Total No. of Participants	185 (179 OTs, 2018 Batch, 03 from 2017 Batch & 03 from RBCS) (Male- 135 ; Female-50)

Details of participants of IAS Phase-II (2018-20 Batch) is attached in Annexure- 5

Course Aim

The IAS Professional Course Phase-II imparts rigorous training to the IAS Officer Trainees in a wide range of subjects to enable them to handle varied assignments that the officer typically holds in the first decade of service.

Course Objectives

- Provide a structured approach for intense reflection and analysis of individual and collective experiences gained during the district training.
- Emphasis on practical inputs on office and human resource management.
- Offer theoretical and practical sessions in political economy, public service delivery systems, and law.
- Hone administrative, managerial, and ICT skills.
- Demonstrate proficiency in the regional language of the cadre.
- Acquire and exhibit progressive values and attitudes for leadership role.
- Exposure to the best national and international practices.
- Maintain good health and high levels of physical fitness.

- Develop camaraderie and unity within the batch through an active campus life.

Course Design

The IAS Professional Course Phase–II seeks to draw out and make the OT's realize then potential in terms of attitude, knowledge and skills. The design of this course is very different from the Foundation Course and IAS Professional Course Phase–I where the focus is on equipping the Officer Trainees with basic knowledge of administrative theory, elementary skills, and an overview of government schemes and programmes. In 53-weeks district training, the Officer Trainees experienced the functioning of various facets of district administration at the cutting edge and gained invaluable experience. Their suggestions on the design and structure of Phase-II were solicited and the inputs received formed the basis of the programme design. There was a focus on incorporating sessions, discussions and seminars mainly on gap areas identified by the group, while in the field.

Course Coordinator's Report

The Phase-II program which commenced on 06th July, 2020 saw many changes from past. These changes were incorporated based on the feedback received from the earlier Phase II programs and also due to the JNU Masters in Public Management programme. To enable the Officer Trainees to learn from each other, every OT was required to submit a PPT of their leanings in topics of their choice. Also it was ensured that none of the topics of presentation in the class were repeated.

The Officer Trainees secured a thorough knowledge of how to be effective officers in the field by way of interaction with some of the best officers of the country during the course of the training. They interacted with DMs, CEO (ZP), and Municipal Commissioners. The effective SDO seminar was conducted, which provided focused interaction with some of the immediate senior colleagues of the Officer Trainees.

The group displayed great keenness outside the classroom and the evenings and weekends were abuzz with activity. As mentioned, the primary emphasis of this Course is on interactive learning through experience sharing and analysis. Instead of having presentations of PPTs by all, only certain themes and topics were selected for presentation which would feed into the objective of the session, as discussion drivers. The presentation sessions were moderated by faculty members and/or external resource persons who would then take the sessions forward. This was the first batch to receive the JNU degree of Masters in Public Management for which they submitted a dissertation, which was evaluated by external evaluators.

The assessment of the officer trainees was based on the dissertation, class interaction and participation in course activities during and outside class room. Needless the attitude, discipline and general conduct also formed the basis of Director's assessment in Phase-II.

The course was designed to include topics that are meaningful, relevant, and applicable in the first 8 years of their service.

Eminent Guest Speakers

- *Ms. Smriti Irani, Hon'ble Minister of Textiles & Women & Child Development, New Delhi*
- *Shri Acharya Devvrt, Hon'ble Governor of Gujarat*
- *Shri Neeraj Trivedi, PRATHM*
- *Shri Ravi Shankar Shukla, D C East Jamshedpur*
- *Shri Nakul Kumar, D C, Bellari*
- *Shri Ishu Sindhu, IPS, Maharashtra*
- *Shri Praveen Gedam, Deputy CEO National Health Authority*
- *Shri Sabahat Azim, CEO, Glocal Healthcare Pvt. Ltd.*
- *Shri Mir Mohammad, IAS, D C, Kannur*
- *Shri Binoy K. Behl, Film Maker & Historian*
- *Shri Rohit Kumar Singh, IAS, Rajasthan*
- *Shri P.B. Nooh, IAS, Kerala*
- *Dr. Priyanka Shukla, IAS, Chhattisgarh*
- *Shri Shirsat Kapil Ashok, IAS, Bihar*
- *Ms. Tina Dabi, SDM, Bhilwara, Rajasthan*
- *Ms .R. Menaka, Collector North Goa, Goa*
- *Shri. B.H. Anil Kumar, IAS, Karnataka*
- *Shri Samarth Varma, IAS, Odisha*
- *Ms. M. Pallavi Baldev, IAS, Tamil Nadu*
- *Ms. Irene Cynthia, IAS, Madhya Pradesh*
- *Ms. R. Vimla, IAS, Maharashtra*
- *Ms. Annie Joy, IAS, Karnataka*
- *Shri Manish Kumar*
- *Shri Nand Kumaram, Madhya Pradesh*
- *Shri Santosh K Misra*
- *Shri Sree Ram S. Siva Rao*
- *Shri Praveen Pardeshi, IAS, Maharashtra*

- *Shri Pankaj Kumar, IAS, Uttar Pradesh*
- *Shri Sanjeev Kumar, IAS, Nagpur*
- *Shri Prabhjot Singh, IAS, Haryana*
- *Shri Raghuraj Rajendran, IAS, Madhya Pradesh*
- *Ms. Shovana Narayan, Kathak Dancer*
- *Shri D. Krishna Bhaskar, IAS, Telengana*
- *Shri Sanjeev Kumar, Commissioner of State Tax (GST), Maharashtra State, Mumbai*
- *Shri Shailesh Naval, IAS, DC, Amravati, Maharashtra*
- *Shri Gajendra Narawane, Deputy Conservator of Forest, Amravati*
- *Shri Hari Balaji, SP, Amravati Maharashtra*
- *Shri Ajit Balaji Joshi, IAS, Haryana*
- *Ms. Amrita Sinha, Superintendent of Police,Churachandpur, Manipur*
- *Shri Kumar Ravi, IAS, Bihar*
- *Shri Armstrong Pame, IAS, Manipur*
- *Shri Ayaaz Tamboli, IAS, Chhattisgarh*
- *Shri Deepak Aggarwal, IAS, Uttar Pradesh*
- *Shri P. Umanath, IAS, Tamil Nadu*
- *Shri Rathan Kelkar, IAS, Kerala*
- *Shri Lakshamanan, IAS, Assam*
- *Shri Manoj Kumar, Executive Director, National Health Mission, Bihar*
- *Shri Rathin Roy, Director, NIPFP, New Delhi*
- *Shri Pratyaya Amrit, Principal Secretary, Energy Department, Bihar*
- *Shri Aayush Garg, IAS, Additional Deputy Commissioner, I/c Titabar Civil Sub-Division, Distt. Jorhat, Pin:785630 (Assam)*
- *Shri Inderjeet Singh, IAS, District Collector, Alwar (Rajasthan).*
- *Shri Umesh N.S.K., IAS, Executive Director, Kerala State Industrial Development Corporation and Deputy Secretary, Department of Industries, Government of Kerala, Thiruvananthapuram (Kerala).*
- *Shri Lalit Narayan Singh Sandu, IAS, District Development Officer,*
- *District Panchayat, Botad (Gujarat)*

- *Shri Inderjit Singh, IAS, Joint Magistrate, Etawah (UP).*
- *Shri Prashanth Kumar C.H., IAS, District Magistrate, District Araria (Bihar).*
- *Dr. Sudam Pandharinath Khade, Commissioner, Public Relations, Govt. of Madhya Pradesh, Bhopal*
- *Shri Aditya Dahiya, IAS, Deputy Commissioner, Jind , Haryana*
- *Shri Ashwin Shenvi, IPS, Senior Superintendent of Police, Jind, Haryana*
- *Ravi Shukla*
- *Lt. Gen. PJS Pannu, PVSM, AVSM, VSM, Deputy Chief of Integrated Defence Staff (DOT), Kashmir House, Rajaji Marg , New Delhi – 110 011*
- *Shri Ashok K. Kantha, Director, Institute of Chinese Studies, Delhi*
- *Shri Gaurang Rathi, IAS, Municipal Commissioner, Government of Uttar Pradesh, Varanasi, Uttar Pradesh*
- *Shri Ankit Kumar, IAS, Municipal Commissioner, Government of Rajasthan, Udaipur, Rajasthan*
- *Shri P. S. Girisha, IAS, Municipal Commissioner, Government of Andhra Pradesh, Tirupati, Andhra Pradesh*
- *Shri Binu Francis, IAS, Municipal Commissioner, Government of Kerala , Kozhikode, Kerala*
- *Shri Suraj Yengde, Fellow, IARA, Harvard Kennedy School*
- *Ms. Kalpana Awasthi, Principal Secretary, Government of Uttar Pradesh*
- *Shri Amit Aggarwal IAS, Joint Secretary, Department of Financial Services , Chhattisgarh*
- *Shri Mahimapat Rai, IAS, District Collector, Ranchi*
- *Shri Ravi Arora, PS to EAM, Ministry of External Affairs , Government of India , New Delhi*
- *Ms. Ranjana Chopra, IAS, Director General (Training Coordination), Gopabandhu Academy of Administration, Chandrasekharpur, Bhubaneswar, Odisha*
- *Sh. Parimal Singh, Project Director , Maharashtra State AIDS Control Society (MSACS), AckWorth Leprosy Compound Hospital, R.R. Kidwai Marg, Wadala (West) , Mumbai – 400 031*
- *Smt. K.K. Shailaja, Minister for Health and Social Justice, Kerala*

- *Shri Rajsekhar Vundru, IAS, Principal Secretary to Govt of Haryana*
- *Shri Najmul Hooda, IPS, Tamil Nadu*
- *Shri Deepak Ramola, Founder, Project Fuel*
- *Shri Sunil Barnwal, Additional Member , Board of Revenue, HTI Building, Near Gol Chakkar, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand*
- *Shri Dr. Inoshi Sharma, Director, FSSAI, New Delhi*
- *Ms. Swati Bhardwaj, Consultant, FSSAI, New Delhi*
- *Dr. Shikha Sharma, Nutritionist, FSSAI, New Delhi*
- *Dr. Joshita Lamba, Consultant, Wokd Bank*
- *Shri Ram Singh, IAS, Assam - Meghalaya*
- *Shri Surendra Singh, Special Secretary to CM, Lucknow, Uttar Pradesh*
- *Dr. C. Chandramauli, IAS, Secretary, DoPT, New Delhi*
- *Shri Varun Kappal, Program Manager, Rajasthan Migration, Tara Trust, Jaipur, Rajasthan*
- *Shri Ankur Bisen, Senior Vice President, Retail and Consumer Products Division, Gurgaon, Haryana*
- *Shri Srinivas Ramaswamy Katikithala, IAS, Establishment Officer and Additional Secretary, DoPT, New Delhi*
- *Shri Vinay Kumar Saxena, Chairperson, Khadi & Village Industries Commission, New Delhi*
- *Shri Vivek Bhardwaj, Additional Secretary, Department of Home, Ministry of Home Affairs, New Delhi*
- *Dr. Sheetal Amte, Social Entrepreneur, New Delhi*
- *Shri Rohan Chand Thakur, IAS, Director, Town & Country Planning, Govt. of Himachal, Shimla, Himachal Pradesh*
- *Ms. Anandhi, IAS, District Collector, Udaipur, Rajasthan*
- *Shri Ayush Prasad, Chief Executive Officer, Zila Parishad Pune, Maharashtra*
- *Ms. Pamela Satpathy, IAS, Commissioner, GWMC, Warangal, Telangana*
- *Shri R. Vineel Krishna, Managing Director Odisha Mining Corporation, Odisha*
- *Shri M. H. Khan, New Delhi*

- *Shri Alok Mishra, New Delhi*
- *Shri Raghuram Rajendran, IAS, Madhya Pradesh*
- *Dr. C. Chandramauli, IAS, Secretary, DoPT, New Delhi*
- *Shri Ravi Capoor, Secretary Ministry of Textiles, Udyog Bhawan, New Delhi*
- *Shri Dhaval Jain, IAS, Commissioner Howrah, West Bengal*
- *Shri Sandeep Mahatme, IAS, DM & Collector, West Tripura*
- *Ms. Uma Mahadevan, Princiapl Secretary, Karnataka*
- *Shri K. M. Saryu, Project Director, Hill Area Development Udhagamandalam, The Nilgiris Tamil Nadu*
- *Ms. Manasi Sahay Thakur, IAS, Director (Energy), Directorate of Energy Himachal Pradesh*
- *Ms. Kajal, Director, Local Bodies, Lucknow, Uttar Pradesh*
- *Shri Bhaskar Khulbe, Advisor to the Prime Minister, Prime Minister's Officer South Block, New Delhi*
- *Ms. Sona Jharia Minz Social Activist*
- *Ms. Archana Varma, IAS, Principal Secretary to Govt. of Assam Guwahati*
- *Shri Vijay Kiran Anand, IAS Special Secretary, Basic Education Department, Govt. of Uttar Pradesh*
- *Shri Prabodh Saxena, Principal Secretary, Government of Himachal Pradesh, Shimla*

Foundation Course for Newly Recruited Officers of All India Services and other Central Services (Group-A) (10 Weeks)

This course is meant for members of the All India Services such as the Indian Administrative Service, the Indian Police Service, the Indian Forest Service; and also the Indian Foreign Service and various Central Services (Group-'A'). It is now being conducted once a year. As the Officer Trainees are new entrants in the Government, the Academy seeks to familiarize them with the environment of political, economic, social and administrative issues, through a well-defined syllabus.

95th Foundation Course (12th October, 2020 to 18th December, 2020)

Date of Program	12th October, 2020 to 18th December, 2020
Programme meant for / Target group	Newly recruited All India Services and various Central Service (Group- `A') Officers [including Royal Bhutan Services]
Course Coordinator	Mr. Vidya Bhushan, Deputy Director
Associate Course Coordinator(s)	Mr. N. K. Sudhanshu, Professor Ms. Monika Dhami, Deputy Director (Sr.) Ms. Alankrita Singh, Deputy Director Ms. Gauri Parasher Joshi, Deputy Director Dr. Milind Ramteke, Deputy Director Dr. Sunita Rani, Professor
Course Inaugurated by	Mr. Sanjeev Chopra, Director, LBSNAA
Valedictory Address by	Dr. Jitendra Singh, MoSPP, (Online)
Total Participants	Total-427 (Gentlemen- 291; Ladies- 136)

Details of participants of 95th Foundation Course are attached in Annexure- 6

Course Aim

The 95th Foundation Course primary aimed at developing officer-like qualities and attitudes in the 427 young officer trainees. One of the prime aims of the Foundation Course was to inculcate *esprit de corps* in the officer trainees attached to different services of the country. The academy also facilitated the training of officer trainees of the Royal Bhutan Civil Services, as a part of the 95th Foundation Course. This year the Foundation course spanned a period of 10 weeks - starting from 12th October 2020 and concluding on the 18th of December, 2020. The training is a mixture of academic inputs and co-curricular activities, which is accomplished through a judicious mix of trainers and speakers drawn from all walks of public life, apart from the in-house faculty of the Academy.

Course Objectives

- To orient Officer Trainees to the administrative, social, economic and political environment in the country.
- To make Officer Trainees aware of the challenges and opportunities within the Civil Services.
- To promote overall development of personality traits i.e. intellectual, moral, physical and aesthetic of the Officer Trainees.
- To foster greater coordination among the members of different Civil Services by building esprit de corps.

Course Design

The Foundation Course marks the transition from the academic world of the college and university to the structured system of government. For most of the course participants, the course was their first introduction to the process of governance, and the role of the government in a society. The course is designed in a manner to achieve the objectives outlined by arranging a combination of academic, outdoor, extra-curricular and co-curricular activities. The Academy intends to equip each of the Officer Trainees with a core set of values, skills and knowledge that helps them in their respective careers. They are given training inputs useful in understanding the basic concepts of governance and rules and regulations, necessary for effective performance in the government sector.

Academic Inputs

In this course, academic inputs were given in Public Administration, Management and Behavioral Science, Law, Basic Economics for Administrators, Political Concepts and Constitutional Law, Indian History and Culture as well as in languages.

In addition, co-curricular inputs were also given by way of outdoor activities (physical training; yoga classes and horse riding), cultural activities, extra-curricular modules.

Officer Trainees are encouraged to call on their counselors and other faculty members and meet them informally at their residence. These informal meetings are considered an important part of the community life of the Academy.

A number of medals and trophies were awarded to the Officer Trainees who excelled in various activities in the Academy.

The main activities organized during the Foundation Course were:

- **Trekking:** The objective of the trek is to inculcate the spirit of adventure and to strengthen esprit de corps in the Officer Trainees. The trek is also a significant learning experience in group dynamics, interpersonal relations, courage, endurance and love and respect for nature.

- **Extra-curricular activities** are conducted in the afternoons and evenings in order to impart skills other than pure academics to the trainees in recognition of the need for an officer to have diverse interests and a well-rounded personality. Primarily, these include celebration of India Day, Bhutan Day, The AK Sinha One-Act Play Competition, Cross Country Run, Athletic Meet and Blood Donation Camp.

AARAMBH 2020

Governance in India @100 (Year 2047)

Every year during the month of October - December, the young Civil servants join the Foundation course conducted at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie (the Academy). For the young minds, the Foundation course is the first brush with the idea, challenges and responsibility of governance in a huge and diverse country. At the Academy, the participants of the Foundation Course are given inputs on leadership, skills for civil servants, personal skills and vision for the administration and the country, aimed at making the administration more responsive to the needs of people. During three and half months, numerous speakers from the country and outside, all experts and inspiring figures, interact with the Officer Trainees to shape their vision as a public administrator.

With a vision to make the civil servants capable of leading the transformation and work seamlessly across departments and fields, Common Foundation Course (CFC) named Aarambh that was started as part of the 94th Foundation course in 2019 involved 425 Officer Trainees who came together at Kevadia, Gujarat for a week to understand the changing technology and its possibilities for governance with the help of experts from world class institutions. The theme of the exercise was “Making Civil Servants Future ready – moving towards a 5 trillion-dollar economy”. It culminated into presentation to the Prime Minister, an interaction with him followed by his address to the Officer Trainees.

In 2020, for the 95th Foundation Course 427 participants from various services started the Foundation Course from 12th October 2020. Because of COVID pandemic, the thematic exercise this year - “Aarambh-2020” – was organised from 14th October to 31st October, 2020, with experts and global thought leaders sharing their knowledge and experience on the theme chosen for this year, “Governance in India @100”.

The idea behind choosing the theme is to bring forward the most important strengths of India and challenges in governance for the next 25 years, with the help of eminent institutions and experts from the country and abroad. The future Civil Servants should be able to understand the priorities of governance and their role clearly at the end of the exercise. Governance @ Year 2047 is divided into three themes which are further subdivided into limited focus areas within them. The whole exercise involved considerable deliberation and brainstorming with experts and global leaders identified within the theme. The sub-themes and the focus areas are as below –

Theme - Governance in India @100	
Sub themes	Focus Areas
Ek Bharat Shrestha Bharat	Cultural diversity and synergy in India as an Influencer
	Economic diversity and oneness as strength
Atmanirbhar Bharat	Atmanirbhar in Energy
	Atmanirbhar in Health
	Building large systems for Black Swan events
Naveen Bharat	Research and Innovation in Education and Industry
	Research and Innovation in Administration

The event was enriched by collaboration with reputed Institutions, Universities, think tanks, Ministries and multi-lateral organisations such as World Bank, WHO, Harvard University, MIT, Santa Fe Institute, Indian Council for Cultural Relations, Centre for Policy Research, National Innovation Foundation, Tata Institute of Social Science, Public Health Foundation of India, and IITs. A total of 92 experts and thought leaders interacted with Officer Trainees and contributed to rich deliberation on sub-themes and focus areas as mentioned above. These interactions included engagement with global leaders of eminence in their field both at the beginning of this intellectually stimulating exercise and towards the culmination, just before 31st October 2020, enumerated as below:

S.No	**Name and Designation**	**Date**
1	Shri K.Srinivas, EO and Addl Secy Dopt.	16th Oct 2020
2	Sh. P.K. Mishra, Principal Secretary to PM	20th Oct 2020
3	Shri Ajay Bhalla, Secretary, Ministry of Home Affairs and DoPT	22th Oct 2020

4	Sh. Rajiv Gauba, Cabinet Secretary	23rd Oct 2020
5	Prof. Krakauer, Santa Fe Institute	27th Oct 2020
6	Shri Prasoon Joshi, Chairman CBFC	29th Oct 2020
7	Shri Sanjeev Sanyal, Principal Economic Adviser Government of India	30th Oct 2020
8	Shri Vivek Wadhwa, Distinguished Fellow Harvard Law School	30th Oct 2020
9.	Mr. Axel Van Trotsenberg, MD World Bank	31st Oct 2020

The learnings by Officer Trainees has been captured into short report on various Sub-Themes. Apart from the in-class learning and interaction, Aarambh 2020 also involved exposure to the rich cultural diversity and strength of India by way of activities such as cultural performances by renowned folk artists, Yoga, extra-curricular activities such as meditation, painting, photography, waste to art, learning of sign language, rock climbing etc and a tree plantation drive named " Neev".

Aarambh 2020 culminated into witnessing of Rastriya Ekta Divas Parade at Kevadia, Rastriya Ekta Divas Pledge by the Prime Minister and a very engaging and elaborate interaction of the officer Trainees with the Prime Minister and the address by him. During his interaction with the Officer Trainees, the Prime Minister, discussed some very important issues such as the importance of traditional and cultural knowledge of India in strengthening our fight against pandemics and black swan events such as COVID, institutionalising innovation, promotion of Indian philosophy, preventive health care and integrated wellness approach, gender sensitive infrastructure design and planning, and need for continuous learning and breaking silos in governance. The Prime Minister addressed the Officer Trainees, in which he shared his vision of Naveen, Shresth and Atmanirbhar Bharat. He encouraged Officer Trainees to strive for continuous learning and capacity building with a role based approach, as envisaged under "Mission Karmyogi". He also emphasised the need for a responsive governance under minimum government – maximum governance framework.

Course Coordinator's Report

The journey of the 95th FC began with 427 OTs hailing from different services along with officer trainees from Bhutan. To enable the OTs to acquire officer-like qualities and attitudes and inculcate the spirit of esprit de corps, they were randomly grouped on different attributes such as gender, service and region while working on different assignments.

While they learnt the basics of ethics, etiquette, and leadership in class, they also battled bad weather and leeches during short treks to Kempty Fall, Benog Hill and Lal Tibba. They scaled

the more arduous heights of Roopkund and Rupin Pass amongst other challenging trekking locations. While they were learning the details of Law, Public Administration and Economics amongst various other disciplines, they strove also to bring alive on stage the culture and traditions of the nation during the India Day Celebrations. The session on Technology Governance helped the officer trainees hone their skills in new age information technology while a visit to the villages provided a reality check on administration on the at ground.

Eminent Guest Speakers

- *Shri Atul Karwal, IPS Director, SVPNPA, Hyderabad*
- *Ms. Rashmi Chowdhary, Additional Secretary, DoPT*
- *Shri Tejveer Singh, IAS Principal Secy. to CM, Punjab*
- *Ms. Jaspreet Talwar, IAS, Princiapl Secy, Govt. of Punjab*
- *Shri Srinivas R. Katikithala, IAS, Establishment Officer, DoPT, New Delhi*
- *Dr. T. C. A. Raghavan, IFS (Retd.), DG Indian Council of World Affairs, New Delhi*
- *Shri Manu S. Pillai, Author & Historian*
- *Shri Suhrith Parthasarathy, Adovice, Madras Hight Court, Chennai*
- *Shri D. C. Pathak, IPS (Reted.)*
- *Shri A. B. Mathur, IPS (Retd.)Member, National Security Advisory Board, New Delhi*
- *Dr. P. K. Mishra, Secretary to the Prime Minister, PMO, New Delhi*
- *Shri R. R. Swain, Special DGP, Kashmir*
- *Shri Mrinal Talukdar, senior Journalist, Pratidin Time (Assam News Channel), Guwahati, Assam*
- *Shri Neelesh Kumar, IPS, Joint Secretary, Cabinet Secretariat, New Delhi*
- *Dr. Faizan Mustafa, V.C. NALSAR University of Law, Hyderabad*
- *Ms. Ira Singhal, IAS Joint Director, Department of Women and Child Development, New Delhi*
- *Shri Nipun Malhotra, Founder & CEO, Nipam Foundation, Gurugram (HR)*
- *Shri Amar Jain, Advocate & Certified Professional in Web Accessibility, Mumbai*
- *Lt. Gen. (Retd.) S. L. Narasimhan, Member, National Security Advisory Board, New Delhi*
- *Shri Manoj Yadava, IPS, DGP, Haryana*
- *Shri Pankaj Saran, IFS (Retd.), Deputy National Security Advisor, New Delhi*
- *Lt. Gen. Anil Bhatt, Military Secretary, Army Headquarters, New Delhi*
- *Shri Ajay Kumar Bhalla, IAS Secretary (P) and Home Secretary, GoI, New Delhi*
- *Shri Gynendra Badgaiyan, IAS (Retd.), Former D. G., NCGG, New Delhi*
- *Shri Rajiv Gauba, IAS, Cabinet Secretary, GoI, New Delhi*
- *Prof. (Dr.)A. S. Ramachandra, Senior Faculty, MCR HRD Institute of Telangana, Hyderabad*

- *Dr. Kriti Bharti, Managing Trustee, Saarthi, Jodhpur, Rajasthan*
- *Shri Vivek Wadhwa, Distinguished Fellow, Harvard Law School, Labour and Worklife California (USA)*
- *Mr. David C. Krakauer, Director, Santa Fe Institute, United State*
- *Shri Sanjeev Sanyal, Principal Economic Advisor, Ministry of Finance, New Delhi*
- *Shri Prasoon Joshi, Chairman, CBFC, Mumbai*
- *Shri Rajeshwar Upadhyaya, Director, Par Excellence, Navi Mumbai*
- *Shri Dharmeshwar Upadhyaya, Associate Director, Par Excellence, Navi Mumbai*
- *Shri Aakash Singh Ratore, Philospher and adjunct Faculty, O.P. Jindal Global University, Sonipat*
- *Shri K.S. Samarendra Nath (Retd.), Former Director, Ministry of Steel, GoI, Dwarka, New Delhi*
- *Prof. (Dr.)A. S. Ramachandra, Senior Faculty, MCR HRD Institute of Telangana, Hyderabad*
- *Shri Yogesh V. Kumbhejkar, CEO, Zilla parishad, Nagpur (MH)*
- *Dr. Prem Singh, IAS (Retd.), Adviser, Niti Aayog, New Delhi*
- *Shri R. N. Prasher, IAS (Retd.), Panchkula (HR)*
- *Shri Talleen Kumar, Chief Executive Officer, Government e-marketplace, GoI, New Delhi*
- *Shri Sandeep Verma, Principal Secretary, Govt. of Rajasthan Deptt. Of Science and Technology, Jaipur*
- *Shri G. Mathi Vathanan, Principal Secretary, Housing & Urban Devlop. Depart. Govt. of Odisha*
- *Ms. Divya Varma, Programme Manager, Centre for Migration and Labour Soloutions, Aajeevika Bureau*
- *Prof. Chinmay Tumbe, IIM, Ahmedabad*
- *Ms. Pragya Richa Srivastava, IPS, ADG, SC/ST Welfare Department, Govt. of M. P., Bhopal*
- *Ms. Jaspreet Talwar, IAS, Principal Secretary, Govt. of Punjab, Chandigarh*
- *Prof. Ram Kumar Kakani, Professor & Head, IIM, Kozhikode*
- *Shri B. P. Acharya, IAS (Retd.), Former D. G. MCRHRD , Hyderabad*
- *Shri Rajeev Bhargava, Director, Institute of Indian Thought, Delhi*
- *Prof. A. Damodaran, IIM, Bengaluru*
- *Ms. Sunita Narain,Director General, Centre and the treasurer of the Society for Environmental Communication, New Delhi*
- *Shri V. R. K. Teja Mylavarapu, Managing Director, Kerala Tourism Development Corp. Trivandum*
- *Shri Dattatraya Shinde Bhausaheb, Project Director DRDA, Ganjam, Chatrapur (Odisha)*
- *Dr. Mittali Sethi, Assistant Collector & Project Director, ITDP, Amravati*

- *Shri Gajendra Narwane, Deputy Secretary (Forests), Govt. of Maharashtra, Mantralaya*
- *Shri Jitendra Ramgaokar, Field Director, Tadaba Andheri Tiger Reserve at forest Department, Chandrapur*
- *Shr Rajat Bansal, IAS, Collector, Bastar*
- *Shri Suraj Yengde, Senior Fellow, Harvard Kennedy School, Cambride*
- *Ms. P. Amudha, Joint Secretary to PM, Prime Minister Office, New Delhi*
- *Shri Abhishek Singh, IAS, President and CEO (Additional Charge) National e-Governance Division (NeGD), New Delhi*
- *Shri Ratan Sanjay Katiyar, IPS, Inspector General of Police, Pumea (Bihar)*
- *Shri Prabodh Saxena, IAS, Additional Chier Secretary, Govt. of H.P. Shimla*
- *Lt. Gen. N. S. Raja Subramani, AVSM/SM/VSM, GOC HQ, UB Area, Govt. Sectt. U. B. Area*
- *Ms. Archana Varma, IAS, Principal Secretary, Science and Technology Department, Dispur, Guwahati*
- *Shri Annu Tyagi, IRTS, Area Officer, Valsad Railway Station Western Railways, Valsad*
- *Shri Inderjit Singh, IAS, C. D. O. Gorakhpur*
- *Dr. Santosh Babu, IAS (Retd.), Former Principal Secretary (IT), Govt. of Tamil Nadu, Chennai*
- *Prof. Khagesh Gutam, Associate Professor of Law and Assistant, Dean (Research and Publications), Jindal Global Law School, Sonipat*
- *Shri Saurav Ray, IDES, Joint Secretary, Custodian of Enemy Property for India, New Delhi*
- *Shri Gynendra Badgaiyan, Former DG, National Centre for Good Governance, New Delhi*
- *Shri Gautam Bhatia, Architect, Writer and artist, New Delhi*
- *Shri Deepak Ramila, Founder and Artistic Director, FUEL Project, Dehradun*
- *Shri Manoj V. Nair, IFoS, Deputy Director (Sr.), LBSNAA (On Leave)*
- *Shri Amitabh Kant, IAS, Chief Executive Officer, Niti Aayog, New Delhi*
- *Ms. Rujuta Diwakar, Nutrition and Exercise Science Expert, Mumbai*
- *Shri Shantilal Muttha, Founder & President, Shantilal Muttha Foundation, Pune (Maharashtra)*
- *Shri Benny Varghese, Assistant Professor, S.H. College, Thevara, Ernakulam (Kerala)*
- *Shri Dharamvir Kamboj, Yamunanager (Haryana)*
- *Brig. Ganesham, Head, Palle srujana, Innovation Diffusion Centre, Secunderabad*
- *Shri Vimal Govind, Co-Founder, CEO & Product Architect, GenRobotic, Thiruvananthapuram (Kerala)*
- *Shri Saurabh Garg, Joint Secretary, Investment and Currency, Department of Economic Affairs, GoI, New Delhi*

95th Foundation Course -Inaugural Ceremony

Bhutan Day during 95th Foundation Course

Trek to Binog Hill & Plantation during 95th Foundation Course

Mid-Career Training Program for IAS Officers

The issue of mandatory and structured mid-career training for IAS Officers was formalized with the introduction of the Mid-Career Training Programme (MCTP) in 2007. The objective of MCTP was to equip officers to handle the next, higher level of responsibilities at certain identified stages of their careers; broadly when they were primarily working in the field (7-9 years), at the policy formulation stage (15-18 years) and inter-sectoral policy formulation and implementation stage (27-28 years). These three stages were named Phase III, IV and V respectively. In the first three-year cycle, these programmes were outsourced by the Ministry to international/ national institutions of repute. However, since 2010, the mandate for the design and delivery of the programme has been devolved by the Government to the Academy. The MCT Programme was reviewed by Government and the durations were shortened. The revised programme is as follows: Phase III (4 weeks); Phase IV (4 weeks including 1 week Foreign Study Tour) and Phase V (3 weeks).

IAS Phase–III (16th Round) of Mid-Career Training Programme

Name of Course	**Phase-III (2020), 16th round**
Duration (Specify Dates)	**February 17th to March 13th, 2020**
Name of Course Coordinator	Ms. Aswathy S.
Names of other members of Course team	Mr. Sridhar Chiruvolu, Ms. P. Amudha , Mr. N. K. Sudhanshu
Number of participants	Total: 83 Male: 58 Female: 25
Batches represented	2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012 Batches
Course inaugurated by	Shri Rajiv Gauba, Cabinet Secretary to GoI, New Delhi
Valedictory Address by	Dr. Amita Prasad, Chairperson, Inland Waterways Authority of India, Noida

Details of participants of IAS Phase–III (16th Round) are attached in Annexure-7

Aim

To equip officers who have completed seven to nine years of service to shoulder multifarious and varied responsibilities at the forefront of field administration.

Course Objectives

- To equip officers with tools, skills and knowledge that will help them achieve excellence in implementation of programs;
- To design and implement Business Process re-engineering (BPR) in Government and leveraging IT to improve public service delivery;

- To strengthen communication, inter personal and team building skills and appreciate the centrality of values in governance;
- To learn about efficient service delivery in specific sectors from experiences across States.

Week-wise design of the Course

Course Design

Week 1 Reflections, Evidence based policy making, procurement, leadership & Ethics.

Week 2 Project Appraisal, Behavioral Economics and implementation with sectoral focus on Agriculture, Urban development, Infrastructure & PPP and negotiation.

Week 3 Skill development and Livelihoods, Technologies for the future and Negotiation, Rural Development, Health and nutrition, Jobs, skills and livelihoods, Environment and Disaster Management and e-governance.

Week 4 Technologies for the future and Right to Information

Eminent Guest Speakers

- *Dr. G.D. Badgaiyan, Former Director General, National Centre for Good Governance, New Delhi.*
- *Ms. Madhavi Das, Former Executive Director, FSSAI.*
- *Dr. Deepika Anand, Nutrition Specialist, World Bank.*
- *Dr. Shikha Sharma, Founder, NutriHealth.*
- *Prof. Ram Kumar Kakani, IIM Kozikode.*
- *Mr. Rajeshwar Upadhyaya, Director PAR Excellence Leadership Pvt. Ltd., Navi Mumbai.*
- *Prof. Neharika Vohra, Faculty (Organized Behaviour), Indian Institute of Management Ahmedabad.*
- *Ms. Anshu Singh, Senior Research Associate, Evidence for Policy Design (EPoD), New Delhi.*
- *Shri Vinay Nagraju, Evidence for Policy Design (EPoD), New Delhi.*
- *Ms. Sameeksha Jain, Evidence for Policy Design (EPoD), New Delhi.*
- *Ms. Nidhi Sharma, IRS, CIT (Vigilane), Central Board of Direct Taxes (CBDT), North Block, New Delhi.*
- *Shri Ravi Capoor, IAS Secretary to GoI, Ministry of Textile, Udyog Bhawan, New Delhi.*
- *Shri Raghuraj Rajendra, IAS PS to Cabinet Minister, Ministry of Steel, GoI, Udyog Bhawan, New Delhi.*
- *Shri Sanjay Dubey, IAS, Principal Secretary to Govt. of Madhya Pradesh, Urban Development & Housing Department, Bhopal, MP.*
- *Shri Gautam Bhan, Senior Leader-Academic and Research, IIHS Bangalore City Campus, Bangalore.*
- *Ms. Shreya Gadepalli, Regional Director South Asia, Institute for Transportation and Development Policy, Chennai.*

- *Shri G. Mathi Vathanan, IAS, Principal Secretary to Govt. of Odisha, Housing & Urban Development Department Bhubaneswar.*
- *Dr. Ashwin Mahalingam, Assistant Professor, IIT Madras, Chennai.*
- *Shri R. Lakshmanan, IAS, Executive Director, RECL, New Delhi.*
- *Shri Radhakrishnan B, IAS, Chief Officer, Maharashtra Housing & Area Development Authority, Mumbai.*
- *Shri Ramesh Chand, Member, NITI Aayog, New Delhi.*
- *Prof. Rajesh Sinha, MD & CEO, NCDEX e-Market Limited, Mumbai.*
- *Shri Sunil Kumar Singh, Additional Managing Director, NAFED, New Delhi.*
- *Shri Pawanexh Kohli, Former Chief Advisor & CEO (NCCD), New Delhi.*
- *Shri Primal Oswal, Managing Director, Harvel Agua India Pvt. Ltd., New Delhi.*
- *Shri Debashish Mitra, Managing Director, Calypso Bengal Foods Pvt. Ltd., Darjeeling.*
- *Hon'ble Justice Madan B. Lokur, New Delhi.*
- *Dr. Rathin Roy, Director, National Institute of Public Finance and Policy, New Delhi.*
- *Maj. Gen. B. K. Sharma, AVSM, SM & Bar (Retd), Director, USI of India, New Delhi.*
- *Shri A. Goswami, IAS (Retd).*
- *Amb Yogendra Kumar, IFS (Retd).*
- *Lt. Gen. Praveen Bakshi, PVSM, AVSM, VSM (Retd).*
- *Lt. Gen. Devraj Anbu, PVSM, UYSM, AVSM, YSM, SM(Retd).*
- *Maj. Gen. RPS Bhadauria, VSM (Retd).*
- *Shri Jitesh Khosla, IAS (Retd).*
- *Shri Jayanto N Choudhury, IPS (Retd).*
- *Ms. Jasmine Kalha, Program Manager & Research Fellow, Centre for Mental Health Law and Policy, Indian Law Society, Pune.*
- *Dr. Indu Bhushan, CEO, Ayushman Bhaat, New Delhi.*
- *Ms. Ritu Saini, Channv Foundation, New Delhi.*

Evaluation of Participants

Grade	No. of Participants
A+	11
A	52
A-	20

Course Coordinator's Remarks

This Phase-III program was modified to give wider and broader tools to the participants with a focus on excellence in implementation. Personal assessment of emotional quotient was done for all participants under expert advice. Inputs on Reflections, Public Policy, Leadership, Urban Development, Negotiation, Public Private Partnership, Agriculture and Health were appreciated.

The modules run by in-house faculty were received very well by the participants. The evaluation was quite rigorous involving project appraisal, case study, case study presentation and class participation and was done in an objective and structured manner. Outdoor activities – river rafting, trekking to Lal Tibba and Wishing Well was challenging and rejuvenated the participants. Overall the program was received very well in spite of being quite technical, rigorous and highly demanding and the overall rating of the course was 99.74 which is amongst the highest rating of the MCTP Courses.

LBSNAA
Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

Mid- Career Training Programme for IAS Officers, Phase-III

(February 17th to March 13th, 2020)

IAS Phase-III (17th Round of Mid-Career Training Programme)

Name of Course	Phase-III (2021), 17th round
Duration (Specify Dates)	February 22nd to March 19th, 2021
Name of Course Coordinator	Ms. Nandini Paliwal
Names of other members of Course team	Mr. Vizay B. Vasanta, Mr. Vidya Bhushan, Mr. Nitish Jha, Ms. Anupam Talwar
Number of participants	Total: 84 Male: 68 Female: 16
Batches represented	2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013 Batches
Course inaugurated by	Shri Arif Mohammed Khan, Hon'ble Governor of Kerala
Valedictory Address by	Shri Deepak Khandekar, Secretary, DoPT, Government of India (Virtual)

Details of participants of IAS Phase-III (17th Round) are attached in Annexure-8

Aim

To equip officers who have completed seven to nine years of service to shoulder multifarious and varied responsibilities at the forefront of field administration.

Course Objectives

- To equip officers with tools, skills and knowledge that will help them achieve excellence in implementation of programs;
- To design and implement Business Process re-engineering (BPR) in Government and leveraging IT to improve public service delivery;
- To strengthen communication, inter personal and team building skills and appreciate the centrality of values in governance;
- To learn about efficient service delivery in specific sectors from experiences across States.

Week-wise design of the Course

Week 1	Reflections, Leadership, Public Policy, Emotional Quotient & Ethics.
Week 2	Evidence based policy making, Human Behaviour, PPP and Negotiation, Behavioral Economics and Sectoral focus on Agriculture, Urban Development & Social Development.
Week 3	Project Appraisal, Monitoring & Evaluation of Govt. Programmes.
Week 4	Projects Management & Procurement.

Eminent Guest Speakers

- *Dr. G.D. Badgaiyan, IAS (Retd.), Former DG, National Centre for Good Governance, New Delhi.*
- *Shri Raj Rajeshwar Upadhyaya, Director, Par Excellence Leadership Solutions Pvt. Ltd., Mumbai, Maharashtra.*
- *Shri Tejveer Singh, IAS, Principal Secretary to the Hon'ble CM, Government of Punjab, Chandigarh, Punjab.*
- *Shri Vinay Nagaraju, Executive Director, EPoD India, New Delhi.*
- *Prof. Neharika Vohra, Faculty (Organizational Behaviour), Indian Institute of Management Ahmedabad, Vastrapur, Ahmedabad, Gujarat.*
- *Shri Iqbal Dhaliwal, Global Executive Director, J-PAL Scientific Director, J-PAL South Asia Member.*
- *Dr. P. Umanath, IAS, Managing Director, Tamil Nadu Medical Services Corporation (TNMSC), Chennai, Tamil Nadu.*
- *Capt/Prof. Pawanexh Kohli, Former CEO of National Centre for Cold-chain Development & Chief Advisor, DAC&FW, Gurgaon.*
- *Ms. Shreya Gadepalli, Regional Director South Asia, Institute for Transportation and Development Policy (ITDP), Chennai.*
- *Dr. Ashwin Mahalingam, Faculty, Building Technology and Construction Management Division, IIT Madras, Chennai.*
- *Dr. Indu Bhushan, Former Chief Executive Officer (CEO), Ayushman Bharat – Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (AB - PMJAY) and the National Health Authority (NHA), Government of India, New Delhi.*
- *Dr. Arabinda K. Padhee, IAS, Director, Country Relations, CRISAT, New Delhi.*
- *Shri Amrit Abhijat, IAS, Joint Secretary & Mission Director (HFA), Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation, New Delhi.*
- *Shri Devesh Kapur, Starr Foundation Professor of South Asian Studies, Director of Asia Programs, John Hopkins University, School of Advanced International Studies (SAIS), Washington, D.C., United States of America.*
- *Shri Bhaskar Khulbe, Advisor to the Hon'ble Prime Minister of India, Prime Minister's Office, New Delhi.*
- *Dr. Syed Sabahat Azim, Founder & CEO, Glocal Healthcare Systems Ltd., Kolkata, West Bengal.*
- *Shri Gautam Bhan, Senior Lead – Academic and Research, IIHS Bangalore City Campus, Bengaluru.*
- *Dr. Rajani Kant, Padma Shri Awardee, Expert on GI Products, Varanasi, Uttar Pradesh.*
- *Dr. Dhir Jhingran, IAS (Retd.), Founder and Managing Trustee, Language and Learning Foundation, New Delhi.*
- *Shri P. Sampath Kumar, IAS, Principal Secretary, Programme Implementation & Evaluation Department, Government of Meghalaya, Shillong.*
- *Shri Alkesh Kumar Sharma, IAS, Managing Director, Kochi Metro Rail Limited, A Joint Venture company of Govt. of India & Govt. of Kerala, Kaloor, Ernakulam, Kerala.*
- *Dr. Prem Singh, IAS (Retd.), Advisor, Niti Aayog, Government of India, New Delhi.*

- *Ms. Nidhi Sharma, IRS, CIT (Vigilance), Central Board of Direct Taxes (CBDT), North Block, New Delhi.*
- *Shri Alok Kumar, IAS, Principal Secretary Medical Education, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow, Uttar Pradesh.*
- *Shri Sanjeev Kumar Chadha, IFS, Managing Director, National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India Ltd., Nafed House, Siddhartha Enclave, Ring Road, Ashram Chowk, New Delhi.*
- *Prof. O.P. Mathur, Sr. Fellow and Head of Urban Studies Department, Institute of Social Sciences, New Delhi.*
- *Shri Amit Yadav, IAS, Director General, Directorate General of Foreign Trade Udyog Bhawan, New Delhi.*
- *Prof. Anil K. Gupta, CSIR Bhatnagar Fellow, Founder, Honey Bee Network, SRISTI, GIAN & NIF, Visiting Faculty, IIMA & IITB and Academy Professor, ACSIR, Vastrapur, Ahmedabad, Gujarat.*
- *Ms. Debashree Mukherjee, IAS, Additional Secretary, Department of Water Resources, RD & GR, Ministry of Jal Shakti, Government of India, New Delhi.*
- *Dr. Sekhar Bonu, Director General, Development Monitoring and Evaluation Office (DMEO), NITI Aayog, New Delhi.*
- *Shri Ashutosh Jain, Deputy Director General, Development Monitoring and Evaluation Office (DMEO), NITI Aayog, New Delhi.*
- *Ms. Rujuta Diwekar, Nutritionist, Mumbai.*
- *Dr. Mangu Singh, Managing Director, Delhi Metro Rail Corporation Ltd., Metro Bhawan, New Delhi.*
- *Shri A.B. Mathur, IPS (Retd.), Member, National Security Advisory Board, Govt. of India, New Delhi.*
- *Shri R.R. Swain, IPS, Special Director General of Police, Government of Jammu & Kashmir, Srinagar, Jammu & Kashmir.*
- *Shri Dinkar Gupta, IPS, Director General of Police, Government of Punjab, Chandigarh, Punjab.*
- *Shri Sandeep Verma, IAS, Director General, HCM RIPA, Jaipur, Rajasthan).*
- *Shri Sanjeev Sanyal, Principal Economic Advisor, Department of Economic Affairs Government of India, New Delhi.*
- *Shri P.S. Raghavan, IFS (Retd.), Chairman, National Security Advisory Board & Former Ambassador to Russia.*
- *Gen. S.L. Narasimhan (Retd.), Director General, Centre for Contemporary China Studies, Government of India, Ministry of External Affairs, New Delhi.*
- *Shri Manoj Yadava, IPS, Director General of Police, Government of Haryana, Chandigarh, Haryana.*
- *Dr. T.V. Somanathan, IAS, Secretary (Expenditure), Government of India, Ministry of Finance, New Delhi.*
- *Shri Sanjeeva Kumar, IAS, Secretary (Border Management), Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi.*
- *Dr. Srivatsa Krishna, IAS, Additional Secretary, Government of India.*
- *Ms. Sujata Saunik, IAS, Additional Chief Secretary, General Administration Department, Govt. of Maharashtra.*

- *Yogi Dr. Amrit Raj, Maa Yoga Ashram, Arogyadham Ayurveda Treatment Centre, Rishikesh.*

Evaluation of Participants

Grade	No. of Participants
A+	02
A	55
B+	23
B	04

Course Coordinator's Remarks

This Phase-III program was modified to give wider and broader tools to the participants with a focus on excellence in implementation. In this course, system of electives was introduced where the participants, based on their interest, attended five in depth sessions on any one sector i.e. (I) Social Development (II) Agriculture & Rural Development (III) Urban & Infrastructure Development. Personal assessment of emotional quotient was done for all participants under expert advice. Inputs on Reflections, Public Policy, Leadership, Negotiation, Public Private Partnership, were appreciated. The modules run by in-house faculty were received very well by the participants. The evaluation was quite rigorous involving project appraisal, case study, book review, and class participation and was done in an objective and structured manner. Sessions on eating right and holistic living and stress management were also liked by participants. Outdoor activities – sports activities, river rafting, trekking were challenging and rejuvenated the participants. Overall the program was received very well in spite of being quite technical, rigorous and highly demanding and the overall rating of the course was 94.52.

Induction Training for Officers of the State Civil Services Promoted to IAS (4 Weeks)

Induction courses are conducted for officers on a select list of various states or officers promoted to the Indian Administrative Service from the State Civil Services. The aim of these courses is to update levels of knowledge, skills and to provide opportunities for exchange of ideas, views and experiences with people who have developed expertise in different sectors of national development. Considerable focus is given to new managerial thoughts, techniques and skills as well as to the frontier areas of technology and its management. There is an emphasis on imparting an All-India perspective to its participants. The officers are also taken on a tour of premier institutions in the country to expose them to the pan-India character of the service.

122nd Induction Training Programme for IAS Officers

(09th March, 2020 to 19th March, 2020 and 01st February, 2021 to 12th February, 2021)

Programme meant for / Target group	Officers from State Civil Service who have been inducted (Promotion/Select List) into IAS
Course Coordinator	Shri Vidya Bhushan
Associate Course Coordinator	Ms. Monika Dhami, Ms. Alankrita Singh, Ms. Gauri Parasher Joshi, Shri Milind D. Ramteke
Inaugural address by	Dr. Sanjeev Chopra, Director, LBSNAA.
Valedictory Address by	Shri Bhagat Singh Koshyari, Honourable Governor of Maharashtra.
Total No. of Participants	Total – 59 [Male- 47; Female- 12]

Details of participants of 122nd Induction Training Programme for IAS Officers are attached in Annexure-9

Course Objectives

To understand the all-India nature of Administrative Services and develop an all-India perspective on the working of public administration and the macro-economy of the country.

To be better equipped to handle their assignments with the knowledge of latest policies and programmes in various sectors as well as learnings from experiences of the fellow participants.

To be able to apply the principles of collaborative working and leadership and negotiations in their various work setting.

The pedagogy that was adopted to meet the course objectives included lectures and discussion, case studies, hands on computer training, experience sharing presentations, films and discussions, management games, group work and field visits.

Design of the Course

Week 1 Giving a perspective about the Indian Administrative Service, System thinking, National Security –issues and challenges-panel discussion, North East challenges and possibilities, and a two-day activity based Leadership module

Week 2 Understanding India through Maps, Political Concepts for Administrators, AI and 4th Industrial Revolution, Understanding Binaries and Exclusion, Sanitation-Past, Present and Future, Human Trafficking, Public Procurement, Sexual Harrasment at workplace, Digital Module on Descriptive Evidence and a day long activity based Negotiation and Communication Module.

Week 3 Survey, Settlement and Land Modernization-II, Inclusive Mobility, Improving learning outcomes in primary education, Implementation challenges in Public Health services in India, Migration in India, Preventive Health care, Module on Emotional Intelligence, Training, Capacity building & career progression in Civil Services

Week 4 Environment and sustainability, Inclusive Urbanization, Agriculture roadmap in India

Based on the assignments on Experience Sharing, the selected participants made presentations before the class with a view to enhance peer learning based on good work done by them. The participants were divided in groups and given a topic for Problem Solving Exercise, which was evaluated by an external faculty. The participants also made presentations before a group of faculty members drawn from amongst the faculty members and external faculty. The ICT inputs were provided across four weeks in four sessions. The participants in groups also debriefed every day about the lectures held on the previous day. The participants were evaluated out of 100 marks, 40 of which were for a MCQ examination, 20 each for the Experience Sharing Presentation and Problem Solving Paper & Presentation, and 20 for discipline, extra-curricular activities and OLQs.

Domestic and Foreign Study Tour

With reference to the DoPT letter No.–T-16017/11/2019-iGOT dated 15th June, 2020 regarding foreign training by Central Training Institutions during the previous financial year (i.e. 2020-21)

and the prevailing COVID conditions, it was decided to conduct the 122nd Induction Training Programme without one week Foreign Study Tour and one week Domestic study tour vide this Office O.M. No. T-17011(33)/1/2020-Trg-MCTP dated 04th January, 2021.

Course Coordinator's Report

The 122nd Induction Training Programme (ITP) had Officer Participants from 14 different cadres. There were 4 weeks of Academic input on diverse topics, including issues and challenges with National Security, Behavioural Economics, Intersectionality and Inclusion, Challenges and Possibilities in North-East, Survey, Settlement and Land Modernization-II, Foundation Skills for improving learning outcomes in Primary Education, Health, Agriculture, Environment & Sustainability, and inclusive Urbanization.

We had also inputs in emerging areas of governance and role of technology in India, AI and 4th Industrial Revolution, Digital Module on Descriptive Evidene by EPoD team.

The batch was interacted with eminent speakers such as Shri TCA Raghavan, Lt. Gen. PJS Pannu, Shri Ravi Capoor, Secretary, Ministry of Textiles, Ms. Sunita Narain, Shri Ranjitsinh Disale, the global teacher awardee.

In the module on social inclusion, the participants interacted with multiple stakeholders like officials, NGOs as well as victims of violence in order to develop a deeper understanding of issues and a problem solving approach.

In the module on Emotional Intelligence Shri Rajeshwar Upadhyay conducted a 2 day workshop covering concepts like Johari Window, self-regulation, empathy and social skills. He also conducted one on one coaching sessions with all participants providing personalised feedback to them.

To facilitate peer learning, they worked in 12 groups on topics like housing for all, education, health and wellness, gender sensitivity, Ease of doing business, slum upgradation and related issues. The participants presented their analysis and proposed practical solutions in respective sectors. The exercise enabled the participants to learn problem solving and critical thinking on issues of importance in a collaborative manner.

As a part of training the group also visited Survey of India for a study tour and learnt various tools and techniques of land survey and settlement. They also visited RAPHAEL a charitable organization at Dehradun and able to know the functioning of charitable organization and also to realise the potential of the disabled children and adults through support and rehabilitation in the family and community.

Physical activity like yoga, meditation, morning walk & gym kept the participants busy. Weekend treks were organised where the participants explored the serene environment of Himalayas. They also tried their hand at water colors and art with Shri Sachin Musale, a talented artist from Jalgaon in Maharashtra.

The Evaluation report of participants is as follows:-

Grade	No. of Participants
A+	**4**
A	**41**
B+	**13**
B	**1**

Eminent Guest Speakers

- *Shri Tejveer Singh, IAS, Principal Secretary to Chief Minister, Punjab, Punjab Civil Secretariat, Chandigarh.*
- *Shri Snehil Kumar, LEAD Fellow & Trainer, LEAD India, Jaipur, Rajasthan.*
- *Ms. Bhawana Luthra, LEAD Fellow & Co-trainer, LEAD India, New Delhi.*
- *Shri TCA Raghavan, IFS (Retd.), Director General, Indian Council of World Affairs, Sapru House, Connaught Place, New Delhi.*
- *Lt. Gen. PJS Pannu, PVSM, AVSM, VSM, Gurgaon, Haryana.*
- *Shri Vivek Bhardwaj, IAS, Additional Secretary (PM), Ministry of Home Affairs, New Delhi.*
- *Shri Ravi Capoor, IAS, Secretary, Ministry of Textiles, New Delhi.*
- *Dr. Ram Kumar Kakani, Professor, Financing, Accounting and Control, Indian Institute of Management, Kozhikode, Kerala.*
- *Dr. Hitashi Lomash, Associate Dean, Psychology, GD Goenka University, Gurgaon, Haryana.*
- *Ms. Ritu Saini, Campaigner, Stop Acid Attacks, Noida.*
- *Shri Harish Iyer, Social Activist, Mumbai.*
- *Shri Arunendra Pandey, Director, Arz (Anyay Rahit Zindagi), Vasco, Goa.*
- *Dr. Levinson Martin, Director (Science & Technology), Department of Science, Technology and Environment, Goa.*
- *Shri Ashif Shaikh, Jan Sahas, Social Development Society, Dewas, Madhya Pradesh.*
- *Shri S. Chocklingam, IAS, Settlement Commissioner & Director of Land Record, Govt. of Maharashtra, Pune.*
- *Shri O.P. Agarwal, IAS (Retd.), Chief Executive Officer, World Resources Institute, Mumbai.*
- *Shri D. Jhingran, IAS (Retd.), Founding Director, Language and Learning Foundation, New Delhi.*

- *Dr. Sabahat Azim, IAS (Retd.), Chief Executive Officer, Glocal Healthcare Systems Ltd., Kolkata, West Bengal.*
- *Shri Ranjitsinh Disale, Teacher, Alipur Road, Shivaji Nagar, Barshi, Solapur, Maharashtra.*
- *Ms. Divya Varma, Programme Manager, Centre for Migration and Labour Solutions, Udaipur, Rajasthan.*
- *Prof. Chinmay Tumbe, Indian Institute of Management, Ahmedabad, Gujarat.*
- *Shri Pramit Kr. Garg, IRSE, Director (Business Development), Delhi Metro Rail Corporation, New Delhi.*
- *Shri Keshvendra Kumar, IAS, Additional Executive Director, State Health Society, Patna, Bihar.*
- *Shri Rajeshwar Upadhayay, Director, Par Excellence, Navi Mumbai, Maharashtra.*
- *Ms. Sunita Narain, Director General, Centre for Science and Environment and Treasurer, Society for Communications, New Delhi.*
- *Shri Gynendra Badgaiyan, IAS (Retd), Former Director General, National Centre for Good Governance, New Delhi.*
- *Shri G. Mathi Vathanan, IAS, Principal Secretary, Housing and Urban Development Department, Government of Odisha, Bhubaneshwar.*
- *Shri Arbinda Kumar Padhee, Country Director, International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics, New Delhi.*
- *Capt/Prof Pawanexh Kohli, Former CEO NCCD and ex-Chief Advisor to DAC&FW, New Delhi.*

Research Centres

Centre for Disaster Management

Centre for Disaster Management (CDM) is a research and training centre and a unit of Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA), Mussoorie, Department of Personnel & Training (DoPT), Government of India. It was established in the year 2003, and registered as autonomous society under Societies Registration Act (Reg.No-199/2007-2008 Dt. 26-05-2007). The Centre has is involved in training of civil service officers (the IAS and other Group-A civil services) at induction as well as at Mid-Career level in various aspects of disaster mitigation (policy, planning, programme formulation and implementation) through classroom sessions, case studies, experience sharing presentations, panel discussions, workshops, mock drills, besides undertaking action research projects, the centre was also involved in publication activities such as documentation of best practices, development of case studies, books, and development of IEC materials in the area of Disaster and Emergency management and Science and Technology.

Since 2007, the Centre is also engaged in conducting a number of tailor-made training programmes under the XI Five Year Plan for the Plan Scheme "National Programme for Training of Scientists & Technologists working in the Govt. Sector" in collaboration with the Department of Science & Technology, Govt. of India, New Delhi. Hundreds of scientists and technologists across the country have got exposed to the training environment of this premier institute with its unique pedagogical approach. The Centre was supported by the ministry of Home affairs since 2012-13. The CDM has been receiving support from National Disaster Management Authority (NDMA), Government of India, New Delhi under the Project entitled "Capacity Building on Disaster Management for IAS/ Central Civil Services Officers".

A– Inputs on major initiatives/ achievements of Centre for Disaster Management for the development and management of Human Resources

CDM, LBSNAA has successfully conducted the following online training programmes for IAS/ Central Civil Services Officers, Scientists & Technologists working in government sector.

1. Climate Change: Challenges and Response for Women Scientists (05 - 09 October 2020)

Programme meant for/ target group	Women Scientists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Dr. Sanjeev Chopra IAS, Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration & Smt. Anju Bhalla, Joint Secretary, Department of Science & Technology, Government of India, New Delhi
Valedictory Address by	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 48 (Ladies: 48)

Objectives of the Training Programme:

- To sensitize participants towards various aspects of climate change adaptation and disaster risk reduction
- To provide exposure on effects of climate change on various socio-economic sectors and livelihoods
- To provide exposure on role of science and technology in climate change adaptation and disaster risk reduction
- To facilitate peer and involved learning to achieve the UNFCCC- Paris agreement, Sustainable Development Goals (SGDs) and Sendai framework for disaster risk reduction (2015-2030).

Thematic Areas:

- Gender dimensions of climate change
- Low carbon life styles
- Climate change adaptation and disaster risk reduction
- Role of technology and its applications in CCA & DRR

- Mainstreaming climate change

Eminent Guest Speakers:

- *Dr. Akhilesh Gupta-Adviser/Scientist-G and Head, SPLICE and Climate Change Programme, Department of Science & Technology (DST), New Delhi*
- *Ms. Suruchi Bhadwal- Senior Fellow (Impacts, Vulnerability and Adaptation Expert), The Energy and Resources Institute (TERI), New Delhi*
- *Dr. P. K. Champati Ray-Group Head, Geosciences and Disaster Management Group, Indian Institute of Remote Sensing, ISRO, Dehradun*
- *Shri Bishnupada Sethi IAS-Principal Secretary, Revenue & Disaster Management Department, Govt. of Odisha*
- *Prof. A. Damodaran- Professor, Economics & Social Sciences, Indian Institute of Management Bengaluru (IIMB), Bengaluru*
- *Dr. N H Ravindranath-Professor (Retd.), Centre for Sustainable Technologies (CST), Indian Institute of Science, Bangalore*
- *Smt. Naghma Firdaus-Ex. Senior Consultant (CBDM), NDMA, New Delhi*
- *Shri V. R. K. Teja IAS-Managing Director, Kerala Tourism Development Corporation Ltd., Kerala*
- *Dr. M. Mohapatra - Director General of Meteorology, India Meteorological Department, New Delhi*
- *Dr Y. P. Sundriyal-Head and Professor, Department of Geology, HNB Garhwal University, Srinagar Garhwal, Uttarakhand*

2. Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation for Scientists & Technologists (23 - 27 November 2020)

Programme meant for/ target group	Scientists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Ms. Ekta Uniyal Assistant Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Valedictory Address by	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM

	Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 35 (Gentlemen-27; Ladies- 8)

Objectives of the Training Programme:

- To sensitize participants towards various aspects of Disaster Mitigation
- To provide exposure to various tools and techniques for enabling community level disaster mitigation
- To provide exposure on effects of disasters on various socio-economic sectors and livelihoods integrating
- To provide exposure on Role of Science and Technology in Community level Disaster Mitigation Planning
- To facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR 2015-2030)

Thematic Areas:

- Disaster Risk Reduction (DRR)
- Participatory learning and action (PLA)
- Community-based Disaster Risk Mitigation (CBDRM) Planning
- Role of Technology in Disaster Mitigation
- Office Disaster Management Plan

Eminent Guest Speakers:

- *Shri Sarbjit Singh Sahota-Emergency Specialist, Disaster Risk Reduction Section, UNICEF India, UNICEF House, 73 Lodi Estate, New Delhi 110 003*
- *Prof. Vinod K. Sharma-Senior Professor (Disaster Management), Indian Institute of Public Administration (IIPA), New Delhi & Vice Chairman, Sikkim State Disaster Management Authority, Gangtok, Govt. of Sikkim*
- *Prof. Harish C. Pokhriyal-Executive Director, School of Open learning, University of Delhi, 5, Cavalry Lane, Delhi - 11000*
- *Dr. Ajinder Walia-Assistant Professor, National Institute of Disaster Management (NIDM), (Ministry of Home Affairs, Government of India), A-wing, 4th floor, NDCC-II Building, Jai Singh Road, New Delhi – 110001*
- *Shri Vishal Vasvani-Emergency Officer, UNICEF India, UNICEF office for Chattisgarh, 503, Civil Lines, Raipur – 492001, Chattisgarh*
- *Brig. Kuldeep Singh-Senior Consultant, (IRS & Mock Exercise), National Disaster Management Authority (NDMA), Govt. of India, NDMA Bhawan, A-1, Safdarjung Enclave, New Delhi - 110029*

- *Dr. K. Sekar-Professor & Registrar, Department of Psychiatric Social Work, National Institute of Mental Health and Neuro-Sciences (NIMHANS), 101. Dr. M V Govindaswamy Centre, NIMHANS, Bangalore -560 029, India*
- *Dr. Harish Chandra Karnatak-Scientist/Engineer - SG & Head, Geoweb Services, IT & Distance Learning (GIT&DL) Department, Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), ISRO, Govt. of India, 4, Kalidas Road, Dehradun- 248001 India.*
- *Dr. Nilesh M. Desai-Associate Director, Space Applications Centre (SAC), Indian Space Research Organisation (ISRO), Ahmedabad-380015. Gujarat, India*
- *Shri Anil K. Sinha, IAS (Retd.)-Co-Chair, UNDRR ARISE FICCI for India & Fellow - Policy Advisor, International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Kathmandu.*

3. Climate Change: Challenges and Response for Scientists & Technologists (14 - 18 December 2020)

Programme meant for/ target group	Scientists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Valedictory Address by	Shri Anil K. Sinha, IAS (Retd.) Co-Chair, UNDRR ARISE FICCI for India & Fellow - Policy Advisor, International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Kathmandu.
Total no. of Participants	Total: 44 (Gentlemen-28; Ladies- 16)

Objectives of the Training Programme:

- To sensitize participants towards various aspects of climate change adaptation and disaster risk reduction
- To provide exposure on effects of climate change on various socio-economic sectors and livelihoods
- To provide exposure on role of science and technology in climate change adaptation and disaster risk reduction
- To provide exposure on gender equality, build gender competence and enable participants to promote goals in their work at all level

- To facilitate peer and involved learning to achieve the UNFCCC- Paris agreement, Sustainable Development Goals (SGDs) and Sendai framework for disaster risk reduction (2015-2030).

Thematic Areas:

- Gender dimensions of climate change
- Low carbon life styles
- Climate change adaptation and disaster risk reduction
- Role of technology and its applications in CCA & DRR
- Mainstreaming climate change adaptation & disaster risk reduction into developmental planning

Eminent Guest Speakers of the program:

- *Prof. Anil K. Gupta – Professor, National Institute of Disaster Management (NIDM), (Ministry of Home Affairs, Government of India), A-wing, 4th floor, NDCC-II Building, Jai Singh Road, New Delhi – 110001*
- *Dr. Umamaheshwaran Rajasekar- Chair, Urban Resilience, National Institute of Urban Affairs, New Delhi*
- *Dr. Akhilesh Gupta- Adviser/Scientist-G and Head, SPLICE and Climate Change Programme, Department of Science & Technology (DST), Government of India, New Delhi*
- *Dr. N H Ravindranath-Professor (Retd.), Centre for Sustainable Technologies (CST), Indian Institute of Science, Bangalore*
- *Shri Vishal Vasvani-Emergency Officer, UNICEF India, UNICEF office for Chattisgarh, 503, Civil Lines, Raipur – 492001, Chattisgarh*
- *Dr. Shalander Kumar-Principal Scientist, Innovation Systems for the Drylands, ICRISAT, Hyderabad*
- *Dr. K. Sekar-Professor, Department of Psychiatric Social Work, National Institute of Mental Health and Neuro-Sciences (NIMHANS), 101. Dr. M V Govindaswamy Centre, NIMHANS, Bangalore -560 029, India*
- *Prof. Mahua Mukherjee-Professor and Head, CoE in Disaster Mitigation and Management, Indian Institute of Technology (IIT), Roorkee*
- *Dr. Arijit Roy-Scientist SG & Head, Disaster Management Science Department, Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), Dehradun*
- *Shri Anil K. Sinha, IAS (Retd.)-Co-Chair, UNDRR ARISE FICCI for India, ICIMOD Fellow - Policy Advisor, International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Kathmandu.*

4. District Disaster Management Plan for IAS/ Central Civil Services Officers (23 - 24 December 2020)

Programme meant for/ target group	IAS/ Central Civil Services Officers (Secretary/ Joint Secretary (DM department), District Magistrates/ Deputy Commissioners, Additional District Magistrates/ Additional Deputy Commissioners, Sub-Divisional Magistrates from multi hazard prone districts)
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Shri G. V. V. Sarma, IAS Member Secretary, National Disaster Management Authority, Government of India, New Delhi
Valedictory Address by	Shri Anil K. Sinha, IAS (Retd.) Co-Chair, UNDRR ARISE FICCI for India & Fellow - Policy Advisor, International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Kathmandu.
Total no. of Participants	Total: 32 (Gentlemen-24; Ladies- 8)

Aim & Objectives of the Training Programme:

- This Training Programme aims to provide necessary and useful fundamental knowledge and skills of disaster risk management in order to enhance the capabilities of disaster managers, who wish to reduce the impact of disastrous events on communities.
- Participants will be encouraged to develop key skills and adopt proactive attitudes through participation in interactive lectures allowing discourse on a range of key issues.

Outcome:

- The participants become competent to formulate and review the DDMP. Participant will derive benefits of peer and involved learning through interaction with in-house trainers, external faculty and among themselves to achieve Sustainable Development Goals (SDGs).

Thematic Areas:

- District Disaster Management Plan (DDMP)-A legal framework & Role of the Community participation
- Community Based District Disaster Management Plan
- Hazard, Risk, Vulnerability and Capacity Assessment-Tools and Techniques
- Preventing Disasters: Disaster Management Act, 2005 & Its Applications

- Use of Technology in District Disaster Management Plan (DDMP)
- Crisis Communication and Media Management Plan
- Providing Psychosocial Care and Mental Health Services in Disasters
- Challenges and Issues in Preparation of DDMP at District Level: A Case Study
- Planning for Disaster Reconstruction and Rehabilitation
- Disaster Response & Risk Reduction: Lessons/ learnings from states
- Lessons from Managing Cyclones for effective Planning and Preparedness
- State-of-the-Art EOC: Concept, Role and Functions
- Decision Support Systems (Geo-Spatial Technologies) for Disaster Risk Mitigation and Planning
- Hands-on exercise on Bhuvan geoportal for Disaster Risk Mitigation and Planning
- Disaster Risk Reduction: A Global Perspective
- Strengthening State and District level institutions for DRR: Challenges & Opportunities
- Mainstreaming CCA & DRR into Development Planning
- Disaster Resilient Urban Planning for Indian Cities: Cross Cutting issues & Solutions
- Mitigation and Management of COVID19: State experiences & initiatives of various states
- Group exercise on Review of District Disaster Management Plan (DDMP)

Eminent Guest Speakers:

- *Prof. Santosh Kumar - Professor, National Institute of Disaster Management (NIDM), (Ministry of Home Affairs, Government of India), A-wing, 4th floor, NDCC-II Building, Jai Singh Road, New Delhi – 110001*
- *Shri Bishnupada Sethi, IAS-Principal Secretary, Revenue & Disaster Management Department, Govt. of Odisha, Bhubaneswar, Odisha – 751001*
- *Shri Keshavendra Kumar, IAS - Additional Secretary, Animal & Fisheries Resources Department & Additional Executive Director, State Health Society, Govt. of Bihar, Parivar Kalyan Bhavan, Sheikhpura, Patna - 800 014*
- *Prof. Anil K. Gupta - Professor, National Institute of Disaster Management (NIDM), (Ministry of Home Affairs, Government of India), A-wing, 4th floor, NDCC-II Building, Jai Singh Road, New Delhi – 110001*
- *Dr. Umamaheshwaran Rajasekar - Chair, Urban Resilience, National Institute of Urban Affairs (NIUA), 1 Floor, Core 4B India Habitat Centre, Lodhi Road, New Delhi –110003*
- *Dr. Harish Chandra Karnatak - Scientist/Engineer – SF & Head, Geoweb Services, IT & Distance Learning (GIT&DL) Department, Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), Indian Space Research Organisation, Government of India, 4, Kalidas Road, Dehradun - 248001*
- *Shri Pradeep Kumar Jena, IAS - Additional Chief Secretary to Government of Odisha, Rural Development Department, Special Relief Commissioner & Managing Director, OSDMA, Bhubaneswar- 751001*

- *Dr. Rajan N. Khobragade, IAS - Principal Secretary, Department of Health & Family Welfare, Government of Kerala, Room No. 603, 6th Floor, Annexe II, Secretariat, Thiruvananthapuram - 695001*
- *Dr. J. Radhakrishnan, IAS - Principal Secretary, Government of Tamil Nadu, Health and Family Welfare Department, 4th Floor, Fort St. George, Secretariat, Chennai – 600009, Tamil Nadu*
- *Shri Vikram Dev Dutt, IAS - Principal Secretary, Health and Family Welfare Department, Government of NCT of Delhi, Room No. A-907, A Wing, 9th Level, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi – 110 002*
- *Shri Anil K. Sinha, IAS (Retd.)-Co-Chair, UNDRR ARISE FICCI for India & Fellow - Policy Advisor, International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Kathmandu.*

5. Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation for Scientists & Technologists (01 - 05 February 2021)

Programme meant for/ target group	Scientists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Shri Anil K. Sinha, IAS (Retd.) Co-Chair, UNDRR ARISE FICCI for India & Fellow - Policy Advisor, International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Kathmandu.
Valedictory Address by	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 37 (Gentlemen-34; Ladies- 3)

Objectives of the Training Programme:

- To sensitize participants towards various aspects of Disaster Mitigation
- To provide exposure to various tools and techniques for enabling community level disaster mitigation
- To provide exposure on effects of disasters on various socio-economic sectors and livelihoods integrating
- To provide exposure on Role of Science and Technology in Community level Disaster Mitigation Planning

- To facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR 2015-2030)

Thematic Areas:

- Disaster Risk Reduction (DRR)
- Participatory learning and action (PLA)
- Community-based Disaster Risk Mitigation (CBDRM) Planning
- Role of Technology in Disaster Mitigation
- Office Disaster Management Plan

Eminent Guest Speakers of the program:

- *Shri Sarbjit Singh Sahota-Emergency Specialist, Disaster Risk Reduction Section, UNICEF India, UNICEF House, 73 Lodi Estate, New Delhi 110 003*
- *Prof. Santosh Kumar-Professor, National Institute of Disaster Management (NIDM), (Ministry of Home Affairs, Government of India), A-wing, 4th floor, NDCC-II Building, Jai Singh Road, New Delhi – 110001*
- *Prof. Harish C. Pokhriyal-Executive Director, School of Open learning, University of Delhi, 5, Cavalry Lane, Delhi - 11000*
- *Dr. Ajinder Walia-Assistant Professor, National Institute of Disaster Management (NIDM), (Ministry of Home Affairs, Government of India), A-wing, 4th floor, NDCC-II Building, Jai Singh Road, New Delhi – 110001*
- *Shri Vishal Vasvani-Emergency Officer, UNICEF India, UNICEF office for Chattisgarh, 503, Civil Lines, Raipur – 492001, Chattisgarh*
- *Brig. Kuldeep Singh-Senior Consultant, (IRS & Mock Exercise), National Disaster Management Authority (NDMA), Govt. of India, NDMA Bhawan, A-1, Safdarjung Enclave, New Delhi - 110029*
- *Dr. K. Sekar-Professor, Department of Psychiatric Social Work, National Institute of Mental Health and Neuro-Sciences (NIMHANS), 101. Dr. M V Govindaswamy Centre, NIMHANS, Bangalore -560 029, India*
- *Dr. Harish Chandra Karnatak-Scientist/Engineer - SG & Head, Geoweb Services, IT & Distance Learning (GIT&DL) Department, Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), ISRO, Govt. of India, 4, Kalidas Road, Dehradun- 248001 India.*
- *Dr. Sunil K. Agarwal-Scientist- F, SEED & PCPM Divisions, Department of Science & Technology (DST), Government of India, New Delhi.*
- *Shri P. N. Rai, IPS (Retd.)-Hon'ble Member, Bihar State Disaster Management Authority, Department of Disaster Management, Govt. of Bihar, Patna*

6. Incident Response System for IAS/ Central Civil Services Officers (24 - 25 February 2021)

Programme meant for/ target group	IAS/ Central Civil Services Officers (Secretary/ Joint Secretary (DM department), District Magistrates/ Deputy Commissioners, Additional District Magistrates/ Additional Deputy Commissioners, Sub-Divisional Magistrates from multi hazard prone districts)
Course coordinator	Dr. Milind D. Ramteke, IAS Deputy Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Dr. V. Thiruppugazh, IAS Additional Secretary (Policy & Plan), National Disaster Management Authority, Government of India, New Delhi
Valedictory Address by	Shri Anil K. Sinha, IAS (Retd.) Co-Chair, UNDRR ARISE FICCI for India & Fellow - Policy Advisor, International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Kathmandu.
Total no. of Participants	Total: 49 (Gentlemen-42; Ladies- 7)

Aim and Objectives of the Training Programme:

- The Training Programme on Incident Response System aims to provide necessary and useful fundamental knowledge and skills of incident planning and response in order to reduce the impact of disastrous events on communities.
- To give an Introduction to Incident Response System (IRS) for Disaster Management in India and provide an overview of the principles, concepts, practices and features of the Incident Response System (IRS) for Disaster Response Management
- To explain the Incident Response Organization, Staffing and Incident Facilities and indicate the importance of Incident Resources and Resource Management and to equip the participants with the necessary tools and techniques for effectively managing of Disasters
- To enable the participants to understand the main functions of Incident Response system Planning, Operations and Logistics section staff and the importance of Incident Action Plan and provide appropriate directions for actions to meet incident objectives effectively and to discharge Incident Command and Control functions during disaster incidents and

- To explain the need and importance of coordination between various government departments for ensuring effective response to disasters in India.
- Participants will be encouraged to develop key skills and adopt proactive attitudes through participation in interactive lectures allowing discourse on a range of key issues

Outcome:

- The participants become competent to formulate the Incident Response Plan. Participant will derive benefits of peer and involved learning through interaction with in-house trainers, external faculty and among themselves to achieve Sustainable Development Goals (SDGs).

Thematic Areas:

- IRS: Setting the context
- IRS: Principles, Concepts, Features and its Implementation
- IRS: Organisation, Staffing and Facilities-Coordination at National and State Level
- District Magistrate: Role and Challenges in Implementing IRS
- IRS: Roles and Responsibilities of Operations and Planning Sections
- IRS in practice: A Case study on Wari's of Pandharpur (Maharashtra)
- Incident Resources and Resource Management in IRS: Roles and Responsibilities of Logistics Section
- Crisis Communication and Media Management for IRS
- Use of Technology for Disaster Response
- IRS in practice: Experience mass gathering Nashik Kumbhmela (Maharashtra)
- Management of Extremely Severe Cyclone Storm in Odisha-Use of Technology, Teamwork, Transparency
- State-of-the-Art EOC: Concept, Role and Functions
- Managing Large Congregations: Experience from Prayagraj Kumbh Mela, 2019 & Nashik Kumbhamela, 2015
- The Kumbh Mela Experiment (KME): Measuring, Understanding and Simulating the dynamics of mankind's largest crowd"- Experiences from Kumbh Mela 2016 in Ujjain
- Application of IRS in management of Kasi Disaster 2008
- Geo-Spatial Technology for Disaster Risk Mitigation and Planning
- Hands-on exercise on Bhuvan Geoportal for Disaster Risk Mitigation and Planning
- Disaster Response & Risk Reduction: Learning's from various states

Eminent Guest Speakers:

- *Dr. V. Thiruppugazh, IAS - Additional Secretary (Policy & Plan), National Disaster Management Authority (NDMA), Government of India, NDMA Bhawan, A-1, Safdarjung Enclave, New Delhi – 110029*

- *Col. Vishwas Narhar Supanekar (retd.) - Director & Professor, Centre for Disaster Management, Yashwantrao Chavan Academy of Development Administration (YASHADA), Raj bhaven complex, Baner Road, Pune – 411007*
- *Dr. M Ariz Ahammed, IAS - Principal Secretary, Public Enterprises Department, Government of Assam, Block C, 3rd floor, Assam Secretariat, Dispur Guwahati – 781006*
- *Dr. Praveen Gedam, IAS - Additional Chief Executive Officer, National Health Authority, 9th Floor, Tower-l, Jeevan Bharati Building, Connaught Place, New Delhi – 110001*
- *Dr. Ashish Verma - Associate Professor, Transportation Systems Engineering (TSE), Convenor, IISc Sustainable Transportation Lab (IST Lab), Department of Civil Engineering, Indian Institute of Science (IISc), Bangalore-560012, Karnataka*
- *Shri Vijay Kiran Anand, IAS-Director General (School Education) & State Project Director (Samagra Shiksha), Government of Uttar Pradesh, Directorate of Basic Education, U.P. Education For All Project Board, Vidhya Bhawan, Nishat Ganj, Lucknow – 226007*
- *Shri Alok Mishra, IIS - Deputy Director-General, Development Monitoring and Evaluation Office, NITI Aayog, Sansad Marg, New Delhi-110001*
- *Dr. Harish Chandra Karnatak-Scientist/Engineer - SG & Head, Geoweb Services, IT & Distance Learning (GIT&DL) Department, Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), ISRO, Govt. of India, 4, Kalidas Road, Dehradun- 248001 India.*
- *Shri P. N. Rai, IPS (Retd.)-Hon'ble Member, 2nd Floor, Pant Bhavan, Bailey Road, Patna, Bihar-800001*

7. In-house sensitization modules on Disaster management for various courses:

CDM inducted various capacity building modules on Disaster Prevention/Mitigation, Preparedness & Planning, Response & Build Back Better in Recovery, Rehabilitation and Reconstruction to sensitize Officer Trainees of 95th Foundation Course (FC), 122nd Induction Training Programme (ITP), IAS Phase- I (batch), IAS Phase-II (2018 batch), 16th and 17th round of MCTP Phase- III during the F.Y. 2020-21. The officers of the foundation course and Phase - I are being provided in-depth training in enforcing the Epidemic Diseases Act, 1897, and the Disaster Management Act, 2005, Public health emergency management strategies along with best practices in policy intervention in the country's efforts to manage the outbreak of the COVID-19 pandemic.

B. Inputs on initiatives taken for staff welfare, capacity building/ training

1. Provided orientation to OTs on operation of wireless communication sets and GPS during Himalayan Study Tour (95th FC)
2. Provided HAM radio training to OT's Phase -I
3. Conducted Fire Safety & search and rescue Mock drill for OT's Phase -I

4. COVID-19 State Wise Repository of Orders, Responses and Best Practices: During the COVID 19, the CDM played the Steller role in being the central and nodal point for collection of best practices for mitigating COVID-19 and dissemination of learnings across the country through CARUNA (Civil Services Association to reach to support National Disasters) platform.

C. Publications of the Centre:

1. Published case study books on Disaster Governance in India - ISSN: 978-81-928670-6-9, Series 7, 2021
2. Published Journal on Disaster Response and Management - ISSN: 2347-2553, Volume-VIII, Issue-1, 2021
3. Published Toolkit on Disaster Risk Reduction for CIVIL SERVICE OFFICERS OF INDIA
4. Developed Course Specific training and reading materials and distributed to the Officer Trainees of the above-mentioned training programmes:
   a. Basics of Disaster Management
   b. Legal Framework of Disaster Management
   c. District Disaster Management Plan
   d. Incident Response System
   e. Public Health Emergency Management (COVID 19)
   f. Role of Technology in Disaster Management
   g. Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation
   h. Climate Change: Challenges and Response

D. Research/Case Studies

a. Research:

The CDM undertaken the following research studies and the final reports of the studies have been submitted to NDMA.

1. Kerala Flood-2018: Enquiry in to causes and Risk Mitigation Strategy
2. Heat wave management in Andhra Pradesh & Telangana: Efficacy of Heat wave guidelines and action plans

b. Case studies

The CDM developed the following case studies during the F.Y. 2020-21

1. Lessons for Disaster Resilience - A case of Cyclone Titli in Andhra Pradesh, 2018
2. Mitigation & Management of Covid-19: Best practices from Delhi
3. Mitigation & Management of Covid-19: Best practices from Maharashtra

B. N. Yugandhar Centre for Rural Studies (BNYCRS)

Vision of the Centre

"Help building and promoting an environment for training, research and policy debate on various issues of land, rural development, agrarian movement, livelihood, gender, and panchayati raj."

Mission of the Centre

"Develop training material and manuals for training of Officer Trainees, conducting research studies, organizing workshops and policy seminars, networking with partner organizations and professionals, ensuring publication of journals, research papers, reports etc. and disseminating research based knowledge with a view to help government agencies for policy initiation or changes, and exposing young professional to socioeconomic realities of the country."

Name of the Centre Director(s) during the Reference Year	Mr N K Sudhansu, IAS *(01.04.2020 – 20.12.2020)* Ms Anandhi, IAS *(21.12.2020 – Till Date)*

A Brief Background of the Centre

B N Yugandhar Centre for Rural Studies (BNY-CRS), since its establishment in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie in the year 1989, has emerged as a leading resource/ establishment for training of Officer Trainees (OTs) of the Indian Administrative Service (IAS) and policy recommendations. It is mainly funded and supported by Department of Land Resources, Ministry of Rural Development, Government of India. Presently it is registered as a scientific training and research society under the Indian Societies Registration Act 1860. Director of the Academy is ex-officio Chairperson and he is authorized to appoint any Joint Director, Deputy Director or the Professor as the Centre Director.

The Centre conducts and promotes research, training and publications in the field of land reforms, land records management, wage employment, common property resources, displacement and rehabilitation, contemporary agrarian movements, and various issues of rural development, panchayati raj etc. It fundamentally organises village-visit programme for the OTs during the foundational course. Inputs on Participatory Rural Appraisal (PRA) techniques are given to the OTs for assessing priorities of villagers to improve their socio-economic conditions. It is also involved in preparation and canvassing of schedules through OTs during their district training. The data on tenancy, land ceiling, land records, land consolidation, wasteland management, homelessness, rural development programmes including poverty alleviation programmes is captured and used by OTs for preparing socio-economic and land reform reports of assigned villages. Based on these reports the Centre has published a series of 'Land Reforms

in India' and three series of 'Socio-Economic Profile of Rural India.' Other publications of the Centre include books, articles, research papers and most importantly the peer reviewed Journal of Land and Rural Studies, published by Sage Publications-New Delhi, is an international platform for disseminating and sharing opinions on above mentioned subjects. The Centre is also engaged is organizing workshops for regular exchange of views on land administration and rural development.

Activities during the reference year

(A) Training Programme

The BNY-CRS actively participates during the Foundation Courses and IAS Professional Courses organized by the Academy. During the reference year the Centre undertook following training activities:

(i) IAS Professional Course Phase-I

- ***Land Administration Module:*** The Land Administration Modules were delivered as per the design approved by the Academic Council Members (ACM) for 182 IAS Officer Trainees of 2020 batch.

Class Room Session on Land Administration

- ***Hands-on Training on Land Surveying:*** The Centre duly coordinating with the Survey of India, Dehradun and District Survey and Settlement Office, Dehradun organised a hands-on training programme on 'Introduction to Survey Techniques' for IAS Professional Course Phase-I (2020 Batch). The programme was focused on demonstrating traditional and modern survey equipment and their usability during revenue surveys.

Photographs during Hands on Training on Land Surveying

(ii) Village Study Assignment for IAS Professional Course Phase-II

- ***Village Study Assignment (VSA):*** VSA is major part of the District Training Assignment given to IAS OTs during Phase-II of their training. During the reference year, the Centre had received 182 Socio-economic and Land Reforms reports from the IAS OTs of 2018-20 Batch. These reports were scrutinised and evaluated for coverage of existing situation, socio-economic and political analysis and poverty alleviation initiatives. These evaluations play major role in identifying best reports and later used for compiling, editing and publishing as edited volumes on *Socio-Economic Profile of Rural India*. Until now three series of these volumes have been published.

Prize Distribution of Village Study Assignment

- ***Longitudinal Study:*** Through IAS Officer Trainees (2019-21 Batch) the Centre has conducted longitudinal study in 107 villages duly identifying the villages studied between 1990 to 2009 by the then IAS Officer Trainees. Idea of these longitudinal studies is to observe and capture the pace of development that has taken place in select villages during previous two/three decades. Various issues like poverty, agriculture, education, health, land reforms and panchayati raj institutions are covered. A comparative and analytical picture those emerge in the reports of IAS Officer Trainees may be useful for academics

and planning. Various Ministries may monitor impact of their schemes and, if required, redesign them based on the recommendations highlighted in these reports.

NOTE:
Village Visit Programme regularly conducted by the Centre for the Foundation Course could not be organized during the reference year due to COVID-19 situations.

(B) Research Studies/ Projects

Sl. No.	Title	Status
1	Impact Assessment of Digital India Land Records Modernization Programme (DILRMP) of Maharashtra	Completed
2	Impact Assessment of National Generic Document Registration System (NGDRS) in Punjab	Completed
3	Impact Assessment of National Generic Document Registration System (NGDRS) in Jharkhand	Completed
4	Status of Implementation of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act – 2006 & Amendment Rule – 2012 in Himachal Pradesh	On-going
5	Impact Assessment of Digital India Land Records Modernization Programme (DILRMP) of Goa	On-going
6	Impact Assessment of Digital India Land Records Modernization Programme (DILRMP) of Mizoram	On-going
7	Impact Assessment of Digital India Land Records Modernization Programme (DILRMP) of Lakshadweep	On-going

(C) Publications: Current and Forthcoming

Sl. No.	Title
Current Publications (2020)	
1	Status of Implementation of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act – 2006 & Amendment Rule – 2012 in the States of Jharkhand & Odisha
Forthcoming Publications	
2	Impact Assessment of DILRMP of Chhattisgarh, Odisha, Telangana, Andhra Pradesh, Andaman & Nicobar Islands, Tripura, Tamil Nadu and Puducherry
3	Impact Assessment of DILRMP of Punjab

4	Impact Assessment of DILRMP of Rajasthan
5	Impact Assessment of DILRMP of West Bengal
6	Impact Assessment of DILRMP of Kerala
7	Impact Assessment of DILRMP in Madhya Pradesh
8	Impact Assessment of DILRMP of Uttar Pradesh
9	Impact Assessment of DILRMP of Karnataka
10	Impact Assessment of DILRMP of Bihar
11	Impact Assessment of DILRMP of Gujarat
12	Impact Assessment of DILRMP of Sikkim
13	Impact Assessment of DILRMP of Manipur
14	Impact Assessment of DILRMP of Uttarakhand
15	Hand Book on Land Survey in India
16	Socio-Economic Profile of Rural India (Series IV)

(D) Journal of Land and Rural Studies

Journal of Land and Rural Studies, a peer reviewed journal, is being published by Sage Publications India Pvt. Ltd. on behalf of the Centre since 2012. It covers articles, policy briefs, working papers, book reviews etc. on topics like land reform, land administration and management, rural development, rural infrastructure and industrialisation, micro-finance/credit, etc., and policies, schemes and programmes related to these areas. This journal is a member of the Committee on Publication Ethics (COPE). It is available in Print (ISSN: 2321-0249) and Online (ISSN: 2321-7464). Its tentative circulation, national and international, is around 9546 at present. Full text usage and downloads from the journal platform during the prior calendar year has been reported as 6,879.

Following Volumes and Issues of the Journal of Land and Rural Studies have been published during the reference year:

Vol. 8 Issue 2 (July 2020); Article and book review included are:

1 Does Land Tenure Insecurity Affect Forest Cover Change? Evidence from Gerejeda State Forest in Ethiopia by *Berhanu Kefale Alemie and Tadesse Amsalu*

2 Determinants of Adoption of Crop Insurance: Evidence from Bolangir District in Odisha by *Mamata Swain and Basanti Renu Hembram*

3 Gender Differentials on the Challenges of Land Acquisition Among Arable Crop Farmers in Southwest Nigeria by *Olowoyo Olamide Ahmed and Deji Olanike Fasilat*

4 Changes in Rural Poverty among Occupational Groups in Odisha: An Analysis of Post-Reform Period by *Priyabrata Sahoo, Dibakar Sahoo and Subhash Chandra*

5 Decentralised Planning for Tribal Development and Role of Panchayats: A Study of Two Districts of Odisha by *Bishnu Prasad Mohapatra*

6 Reflections on the Acquisition of Land by Non-citizens in Botswana by *Boga Thura Manatsha*

7 Sachin Chaturvedi's book '*The Logic of Sharing: Indian Approach to South–South Cooperation*' is reviewed by *Tada Prabhakar Reddy*

Volume 9 Issue 1 (January 2021); Article and book reviews included are:

1 Land Administration Reforms: Institutional Design for Land Registration System in Ghana by *Samuel B. Biitir, Appau Williams Miller and Cynthia Itbo Musah*

2 Determinants of Households Vulnerability to Food Insecurity: Evidence from Southern Ethiopia by *Fassil Eshetu and Adem Guye*

3 Agrarian Relations, Landlessness and Inequality: Case Study of Irrigated and Unirrigated Regions of Undivided Kalahandi by *Ramya Ranjan Patel*

4 Beyond Land Redistribution: A Case for Stewardship in Land Reform by *Menard Musendekwa, Munyaradzi Tinarwo, Rumbidzayi Chakauya and Ereck Chakauya*

5 Land Grab Practices and a Threat to Livelihood and Food Security in India? A Case Study from Aerocity Expansion Project from S.A.S. Nagar, Punjab by *Thomas Reuter, Sarbjeet Singh, A. K. Sinha and Shalina Mehta*

6 Livelihood Options and Livelihood Security Among Tribal in South Western Plateau and Highland Region in West Bengal by *Sandip Satpati and Kaushal Kumar Sharma*

7 Plural Values of Land: An Empirical Investigation by *Sattwick Dey Biswas*

8 Implementation of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Rights) Act 2006 in Jharkhand: Problems and Challenges by *Geetanjoy Sahu*

9 Decentralised Renewable Energy and Rural Development: Lessons from Odisha's First Solar Village by *Chinmayee Mishra*

10 Tribal Land Rights: A Situational Analysis in the Context of West Bengal by *Sudipta Biswas and Sukumar Pal*

11 B. K. Agarwal's book '*Land Registration: Global Practices and Lessons for India (2019)*' is reviewed by *Sanjeev Chopra*

12 Sanjoy Chakravorty & Amitendu Palit' s book '*Seeking Middle Ground, Land, Markets and Public Policy*' is reviewed by *Pacha Malyadri*

National Gender and Child Centre (NGCC)

The **National Centre for Gender Training, Planning and Research**, (National Gender and Child Centre) was established in 1993 and got registered as a society under the Societies Act 1860 in 1998.

The main aim of the Centre is to mainstream gender and child rights issues in policy, programme formulation and implementation in Government and to ensure the equitable development of men, women and children. The Centre is involved in training of civil servants at induction level as well as in service level on gender and child rights through courses and sensitization workshops. Apart from the regular Academy courses the Centre is also associated with agencies such as, MWCD, NCW, NCPCR, UNICEF, UN-Women, UNDP, UNFPA, IFPRI and civil societies and academic institutes like Jagori, MAJLIS, TISS, etc. in conducting thematic training programmes and conferences.

- Dr. Sanjeev Chopra, Chairperson, National Gender & Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
- Major Disha Pannu Executive Director, National Gender & Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
- Dr. Anupam Talwar, Deputy Executive Director, National Gender & Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

1. Two e-ITEC -Workshops on Gender Inclusive Governance for Policymakers were conducted on 12-13 November, 2020 and 17-18 Feb 2021:-

Aims and Objectives of the above mentioned workshops were:-

- To provide a platform to senior policymakers from across ITEC countries to interact and discuss the importance of and challenges in making governance gender inclusive.
- To brainstorm on the ways and means of achieving the same.

Program Coordinator	Ms. Alankrita Singh., IPS, Executive Director (12-13 Nov 2020) Ms. Vidya Bhushan.,IAS, Executive Director (17-18 Feb 2021)
Program Associate Coordinator	Ms. Anjali S Chauhan
Number of participants	Total: 50 (Gentlemen: 18; Ladies: 32 Total: 114 (Gentlemen: 34; Ladies: 80
Course inaugurated by	Dr. Sanjeev Chopra, IAS, Director, LBSNAA Shri Ram Mohan Mishra, IAS, Secretary, Ministry of Women and Child Development, Government of India

Eminent Guest Speakers:

- *Dr. Jitendra Singh, Hon'ble Minister of State, Union Minister of Personnel, Public Grievances & Pensions, New Delhi*
- *Shri Akhilesh Mishra, Additional Secretary, Development Partnership, Administration (DPA), Ministry of External Affairs, New Delhi*
- *Dr. Giti Chandra, Associated Scholar, Reykjavik, Iceland*
- *Ms. Divya Verma, Leads, Aajeevika Bureau's Policy*
- *Dr. Manisha Priyam, Associate Professor, National University of Educational Planning and Administration, MoHRD*
- *Smt. Uma Mahadevan, IAS, Principal Secretary, Rural Development & Panchayati Raj, Govt. of Karnataka*
- *Shri Raghav Chandra (Retd. IAS)*
- *Shri Gautam Bhan, Senior Lead - Academics & Research, Indian Institute for Human Settlements, Bengaluru*
- *Smt. Vini Mahajan, Chief Secretary, Govt. of Punjab*
- *Ms. Monika Dhami, IRS, Deputy Director (Sr.) Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie.*

2. Special Issue on Administrator: The National Gender and Child Centre completed 25 years of contribution to gender responsive governance, in 2020. A Silver Jubilee special issue of the "*Administrator*" (Journal of Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration) was brought out capturing the 25 years of the Centre and dissertations of the Officer's Trainees of 2018 batch submitted on women's rights and advancement of children's rights.

3. Webinar on the occasion of International Women's Day, 2021:-

Program Coordinator	Major Disha Pannu, Executive Director
Program Associate Coordinator	• Dr. Anupam Talwar, Deputy Executive Director • Ms. Anjali S. Chauhan, Associate Professor
Number of participants	Total: 27 (Gentlemen: 5 ; Ladies: 22)
Course inaugurated by	Hon'ble Minister, Smt. Smriti Z Irani, Ministry of Women and Child Development, Government of India

Aim and Objective of the programme

The National Gender & Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, organized a webinar on the International Women's Day, 2021 theme of "Women in Leadership: Achieving an equal future in a Covid-19 world", for all women District Magistrates and women Superintendents of Police from across the country who spearheaded the fight against Covid-19 along with our front-line workers. The purpose of the webinar was not only to provide a platform for the officers to share their experiences and journeys but also to highlight their learning from the challenges and how women can play an integral role in empowering each other. The webinar was organized on 11th March, 2021, with an aim to showcase the best practices and inspiring stories of women leaders, especially in light of the Covid-19 pandemic. It is in this regard that the discussions revolved around re looking at the Covid-19 pandemic through the gender lens in terms of impact on violence against women and children, workforce participation and access to resources, experience-sharing by the participants on how they spearheaded the fight against Covid-19 along with our front-line workers and the learning and challenges of the women DMs and SPs in tackling this challenge. The inaugural address was delivered by Hon'ble Minister Smt. Smriti Zubin Irani, Hon'ble Minister for Women and Child Development and Textiles.

Eminent Guest Speakers:

- *Ms. Hephsiba Rani Korlapati, IAS, Managing Director (MD), Bengaluru Smart City Limited*
- *Smt. Divya Mittal; IAS, DM & Collector, Sant Kabir Nagar.*
- *Ms. Khyati Garg, IPS, DCP Police Commissionerate, Lucknow.*
- *Smt. Sindhu B Rupesh, IAS, District Collector, Dakshina Kannada District.*
- *Smt. Amrita Sinha, IPS, SP, Churachandpur*
- *Smt. Varnali Deka, IAS, Deputy Commissioner Goalpara*
- *Smt. Adeela Abdulla, IAS, District Magistrate, Wayanad*
- *Ms. Preeti Priyadarshini, IPS, SSP, Nainital and SP, Pithoragarh*

Center for Public System Management, LBSNAA

Center for Public System Management is a society having registered office at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA). It undertakes research in relevant areas; organizes seminars, workshops, consultations and other similar activities. It design and deliver training programs to Officer Trainees to the IAS and mid- career civil servants, as well as other stakeholders in the relevant areas. It co-operates/ builds alliances with educational and other institutions in any part of the world by exchange of faculty, scholars. It provides necessary datasets, ideas, experience to the concerned ministry or government agency for policy initiatives or policy change.

The seminars done during April, 2020 to March, 2021

1. *Selected Macroeconomic Issues for Indian Administrative Service Officers in collaboration with IMF and SARTTAC.*

Date: 10-8-2020 to 14-8-2020 (5 days)

Coordinator: Ms. Monika Dhami

A Virtual Training on Selected Macroeconomic Issues for Indian Administrative Service Officers was organized from 10th August 2020 to 14th August 2020 in collaboration with South Asia Regional Training and Technical Assistance Centre (SARTTAC) that has been established by Government of India in partnership with International Monetary Fund (IMF).

A total of 52 participants joined virtually all across the country. The module covered key policy related issues such as Macroeconomic accounts and interrelationships, Impact on Aggregate Demand and Supply in India due to COVID-19, Internal and external balance and policy implementation, Fiscal and Monetary Policy and Macroeconomic Stabilization in India, Fiscal Risk Assessment and Public Debt Sustainability, Constraints on fiscal policy implementation in India, Monetary and financial sector reforms in India to spur growth,Macro-financial linkages, India's pre-COVID growth slowdown, its diagnosis and remedy followed by panel discussion.

2. *Seminar on Public Financial Management for State Finance Secretaries in collaboration with IMF, SARTTAC and Fiscal Affairs Department*

Date: 31-8-2020 to 4-9-2020 (5 days)

Coordinator: Ms. Monika Dhami

The Academy organized a five-day virtual training on Public Financial Management for State Finance Secretaries from 31st August 2020 – 4th September 2020 in partnership with South Asia Regional Training and Technical Assistance Centre (SARTTAC) that has been established by Government of India in partnership with International Monetary Fund (IMF) and Fiscal Affairs Department (FAD).

A total of 62 participants had joined virtually all across the country. The module covered key policy related issues such as Emerging Trends in Public Financial Management, Enhancing Fiscal Transparency and Reporting in India, Public Investment Management and how Covid-19 changed the global economy followed by panel discussion.

Center for Food Planet and Health

The Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) in partnership with Centre for Public System Management (CPSM) of the Academy had set up a Centre for Food, Planet, Health in 2019.

The main aim of the Centre is to inculcate in civil servants the competence to think and act in a holistic manner and promote policies and actions on food that are healthy, for both, people and planet. The Centre is involved in training of civil servants at induction level as well as in service level on sustainable food systems, food safety and security, and nutrition and public health through sensitization workshops and introducing comprehensive training modules in the courses.

Centre's Executive Director: Ms. Monika Dhami

Activities undertaken during 2020 – 2021

Target Group:	Officer Trainees of IAS Professional Course Phase-II (2018 Batch)
Programme Coordinator:	Ms. P Amudha, IAS
Resource Person:	Ms. P Amudha, IAS Ms. Inoshi Sharma, Director FSSAI Dr. Shikha Sharma, Nutritionist Dr. Swati Bhardwaj, Consultant FSSAI Dr. Joshita Lamba, Consultant FSSAI
Number of Participants:	185

Programme Highlights

Centre for Food, Planet, Health had organized a workshop on Promoting Eat Right India for officer trainees of IAS Professional Course Phase-II on 22nd July 2020 through online mode. The aim of the programme was to make participants understand the broader picture, organogram of Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) and about the Eat Right India initiative a collective effort that is based on three pillars Safety; if it's not safe, it's not food; Health; food should not only serve the palate but the body and mind; and Sustainability; food has to be good both for people and the planet that FSSAI has started to promote healthy living, and good eating habits among people. Nutrition tips were shared for good and healthy lifestyle. A discussion was taken on NetProFan in promoting health, nutrition and food safety in the country. Further,

explained the effective enforcement of the Food Safety and Standards Act, 2006 and their regulations at the state level, challenges involved in enforcing it, and the eat right initiatives that were taken by different state government. Other important issues that were in the minds of the participants regarding food safety and nutrition were also cleared during the session.

On the Occasion of 74th Independence Day, the Director of the Centre for Food, Planet, Health felicitated the Indo Tibetan Border Police personnel and handed over the keys of the 78 bicycles to help them in keeping healthy and fit.

The information was collected from different parts of the country during COVID-19 lockdown by the Centre, directly by the heads of the manufacturing units and suppliers of PPE Kits, Masks & Sanitizer to check whether they were able to produce the daily requirements of the country. The results were satisfactory.

A Master table of helpline numbers was prepared by the Centre on how States & UTs are helping their people in need during COVID-19 lockdown.

Guest Talk on Eat Right India on 16 December, 2020

Target Group:	Officers Trainees of 95th Foundation Course
Programme Coordinator:	Ms. Monika Dhami
Resource Person:	Ms. Rujuta Diwekar, Author & Nutritionist
Number of Participants:	428

Programme Highlights

Centre for Food, Planet, Health organized a Guest Talk by Ms. Rujuta Diwekar, one of the top nutritionist of India and the author of several bestselling books on healthy living and eating, on December 16, 2020. She spoke on the topic ‘Eat Right India’, the session was aimed at raising awareness amongst the 428 Officers Trainees of 95th Foundation Course about 'Eat Right India' campaign, the essence of proper nutrition in the day to day lives and to promote policies and actions on food that are healthy, for both, people and planet. Ms. Rujuta Diwekar began her talk discussing on recipe for fit, healthy, and sustainable eating. This includes seasonal, traditional and local components. She further explained the indigenous wisdom about food, health and well-being and how important it is to seek this information in indigenous languages as food which is healthy has a name in its local language and the more we preserve those indigenous languages the more we begin to eat food which is actually healthy. She also defined food as a superfood if

it is nutrient-dense, cultivated in your region, versatile and sustainable and mentioned always look for food which has therapeutic value. She also debunks 5 most common myths that we have with food and discussed on 3 S's of eating right that are (i) Sit down while you Eat (ii) Eat in Silence (iii) Eat Slowly.

The talk was followed by a Q&A session, wherein the Officers Trainees got an opportunity to interact with Ms. Diwekar personally and learn more about types of healthy foods. The talk was informative and helped the Officer Trainees know about eating right, super foods and clear their misconceptions.

Orientation Programme on Food Safety a Shared Responsibility on 3rd March 2021

Target Group:	Officer Trainees of IAS Professional Course Phase-I (2020 Batch)
Programme Coordinator:	Ms. Monika Dhami
Resource Person:	Ms. P Amudha, Joint Secretary PMO
Number of Participants:	179

Programme Highlights

Centre organised orientation programme with an objective to create awareness about Importance of Food Safety and Health on March 04, 2021 at the Academy. Ms. P Amudha, IAS, Joint Secretary PMO and former Food Safety Commissioner delivered a very insightful and engaging session on food safety. The programme commenced in a very unique and innovative manner providing the IAS Officer Trainees a website with some sort of questions on food safety in the form of MCQ. An introduction was given on food safety activities done at national level by FSSAI and at state level by food safety departments from examples of Tamil Nadu in the orientation. Her invaluable experience in the food safety enabled the officer trainees to put things into perspective and familiarize them with the legislative provisions in the form of Food Safety and Standards Act 2006, the hazards associated with food, and the role of the FSSAI as an enabler to drive social and behavioural change with respect to food habits. It was followed by an interactive Question and Answer session which addressed each query put forward by the participants.

Sensitization Programme on Eat Right India on 12th March 2021

Target Group:	IAS Officers of 17th Mid-Career Training Programme Phase–III
Programme Coordinator:	Ms. Monika Dhami
Resource Person:	Ms. Rujuta Diwekar
Number of Participants:	70

Programme Highlights

A sensitization programme on Eat Right India an FSSAI initiative was conducted on 12th March 2021 at the Academy. Ms. Rujuta Diwekar, India's leading sports science and nutrition expert and amongst the world's most followed Nutritionists delivered the talk. She emphasized on the blend of a traditional food wisdom and modern nutritional science for healthy body and mind this reflected through the mantra eat local think global. Her views on top 5 foods i.e. banana, nuts, rice, ghee and homemade pickles that all must include in their diet so that brain continues to function the way it is meant to and the waist line stay small and her advisory on drinking and exercise were eye-openers . Held an interactive Question-Answer session wherein she guided the participants on the very need for effective management of food intake and nutrition, solved their concerns and shared how they can transform their food habits for healthier self and policy formulation.

Clubs and Societies

The all-round development of the personality of the Officer Trainees is the prime objective of training in the Academy. Various indoor and outdoor activities are organized by Officer Trainees through Clubs and Societies. These are run by the Officer Trainees themselves under the overall guidance of Director's Nominees. Activities of the Clubs and Societies provide an excellent medium to the Officer Trainees for their self-expression and development. Officer Trainees through their creative innovations, conduct activities which are not only entertaining but also enrich the Academy's campus life. All the Officer Trainees are expected to actively participate and make optimal use of the facilities. The Office bearers of Clubs and Societies are elected by the Officer Trainees themselves but the activities of Clubs and Societies are run with the cooperation and assistance of all the Officer Trainees. The Director's Nominee/ Associate Director's Nominees provide necessary guidance and assistance in running of the Clubs and Societies and in organizing activities undertaken by them. The Faculty Members and their families are invited to join the Officer Trainees in all such activities. For running their activities the Clubs and Societies are provided with annual and bi-annual grants-in-aid apart from the fund which they receive through membership fees. The participation in the activities of the Clubs and Societies is evaluated at the end of the Course as part of the Director's assessment. A brief outline in respect of the objectives and activities of each of the Clubs and Societies is given below.

ADVENTURE SPORTS CLUB

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 3 Members*
- *Director's Nominee: Dr. Milind Ramteke, Deputy Director*

Objectives

To inculcate the spirit of adventure amongst the Officer Trainees by organising various adventure sports activities. To organise periodically, adventure sports activities like cross-country run, horse riding show, river rafting, mountaineering, rock-climbing, hang-gliding, para-sailing etc.

Activites

The adventure sports club aims at organizing events and activities in order to keep & promote zeal of adventure among the officer trainees. In pursuance of this goal, the first activity which the club organized was "**a trek to Nagtibba**". Herein OTs with some faculty members tested their endurance in climbing the highest peak in lesser Himalayas with an altitude of 3022m. To provide a mix of adventure and entertainment, the club also organized a "**Paint-Ball**" event. Due

to COVID-19 and travel restrictions thereof, the club organized two indoor events. The first event was "**Poker**" competition, a game of mitigating the factor of luck by making superior mathematical decisions. The second indoor event was "**Sports Quiz**", with special focus on adventure sports.

FINE ARTS SOCIETY

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 5 Members*
- *Director's Nominee: Ms. Anandhi , Deputy Director*

Objectives

The Fine Arts Association bonded the officer trainees through a wide variety of cultural programmes in which group participation was given priority. The programmes organised by the association generated ésprit de corps amongst the officer trainees and broad the barriers of region and language.

Cultural programmes gave an opportunity to several officer trainees to explore their creative side. The Fine Art Association was also actively involved in organizing the programmes of various visiting artists and groups. The Fine Arts Association also organized extra-curricular modules for Indian vocal music, guitar and drums.

Activities

Late Mr. A.K. Sinha Memorial One Act Play Competition was organized successfully during Foundation Course.

COMPUTER SOCIETY

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 4 Members*
- *Director's Nominee: Shri Vinod Kumar Taneja, Senior Technical Director*

Objectives

Promoting computer knowledge and skill among the Officer Trainees in an informal and friendly way. To create interest and awareness among the Officer Trainees by organising various activities like on-line games, computer quiz, presentation and other competitions. To motivate IT expert Officer Trainees to develop useful software/coding for Officer Trainees as well as the Academy during their training.

To extend IT support to other clubs and socities for organising events like India Day, Fete etc.

IAS Professional Course Phase-I (2019 batch) (9th December, 2019 to 8th May, 2020):

Director's Nominee: Shri Vidya Bhushan, Deputy Director

1.	Shri Rizwanbasha Shaik	-	Secretary
2.	Shri Rahul Krishna Sharma	-	Member
3.	Shri Shahid Mohd Abdul	-	Member
4.	Ms. Manisha Rana	-	Member
5.	Ms. Prranata Aishwarya	-	Member

Activities

- Counter Strike Competition was organized for the Officer Trainees
- Online Chess Competition was organized for the Officer Trainees

95th Foundation Course (12th October to 18th December, 2020 / Asvina 20 to Agrahayana 27, Saka 1942):

Director's Nominee: Shri Vidya Bhushan, Deputy Director

1.	Ms. Ramya R.	-	Secretary
2.	Shri Abhishek Oswal	-	Member
3.	Shri Sachin Hanamappa Nadagaddi	-	Member
4.	Shri Sulthan Abdullah	-	Member
5.	Shri Sumit Kumar Kar	-	Member
6.	Ms. Deepika S.	-	Member
7.	Shri Kumar Biwaranjan	-	Member
8.	Shri Pankaj Rasgania	-	Member
9.	Shri Madhav Gitte	-	Member
10.	Shri Anshuman Kamila	-	Member

Activities:

ITWiZ Quiz and Vocal For Local events were organized for the Officer Trainees

IAS Professional Course Phase-I (2020 batch) (21st December 2020 to 26th March 2021 / 30 Agrahayana, Saka 1942 to 5 Chaitra, 1943):

Director's Nominee: Shri Vinod Kumar Taneja, Senior Technical Director

1.	Shri Kumar Biswaranjan	-	Secretary
2.	Shri Ashish Kumar	-	Member
3.	Shri Prakhar Singh	-	Member
4.	Shri Makarandu Manda	-	Member
5.	Ms. Aditi Singh	-	Member
6.	Shri Vedbhushan	-	Member
7.	Shri Nikas Kumar	-	Member

Activities:

- Hands-on session on internet of things by Shri Siddharth Madhav
- Gave feedback on AI training module proposed by INTEL
- Along with Innovation club, we are currently in discussion with INTEL and ISB to setup gentry of excellence in Emerging technologies at LBSNAA. We created draft memorandum and conducted several meetings to understand each other's view point and consolidate the draft memorandum.
- Counter Strike tournament along with Rifles and Archery club were organized
- Started ICT buddy system during the class to help fellow OTs who face difficulty in following ICT sessions
- Microsoft Power Bi hands-on session were organized
- Created live dashboards for LPL badminton and lawn tennis events using Google data studio
- Mega Hackathon event were organized
- Followed up with Chief Librarian to procure recent books on emerging technologies
- Session on office productivity by Shri Yogesh
- Revision classes for ICT module

FILM SOCIETY

- *Compositon of the Committee: 1 Secretary and 4 members*
- *Director's Nominee: Ms. Alankrita Singh, Deputy Director*

Activities:

The Film Society is one of the most vibrant socities in the Academy. The following activites were done by the socities during 2020-21:

1. 22 movies on various themes including social issues were screened for the Officer Trainees of the Foundation Course and IAS Phase-I.
2. Organised different online quiz events of Films for the Officer Trainees of IAS Phase-II of 2018 batch.

3. Organised Movie Review Competition for the Officer Trainees of 95th Foundation Course.
4. Organised Quiz on films for the Officer Trainees of IAS Phase-I of 2020 batch.
5. Organised Film Review Competition and Dumb-Charades Competition for the Officer Trainees of IAS Phase-I of 2020 batch.

HOBBIES' CLUB

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 4 Members*
- *Director's Nominee: Shri Milind Ramteke, Deputy Director*

Objectives

Hobbies's Club is aimed at developing and popularizing interest in various hobbies such as photography, painting, philately, plant collection, conducting quizzes based on films and songs etc., arrange talks, discussions, exhibitions etc. to inculcuate interests in the hobbies and encourage the OTs to learn and be proficient in them, serve as a forum for exchange of views and to provide necessary facilities including materials and equipments to pursue hobbies.

Activities:

To meet its objectives the Hobbies Club carried out the following activities during the year:

- Poetry Competition (English/Hindi/Tamil/Bengali)/ FIFA Competition /Digital Poster Competition/Refreshments for Pokers Night/Plank Competition (Male/Female) etc
- Mr. and Ms/Mrs LBSNAA Event
- Painting Competition
- Rangoli Competition
- Poker Game Event
- Game 29

These activities have shown a large number of participation by the officer trainees of different training programmes. Shri Milind Ramteke, Deputy Director was the Director's Nominee and Ms. Anupam Talwar was the Associate Director's Nominee for the period.

HOUSE JOURNAL SOCIETY

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 4 Members*
- *Director Nominee: Mrs. Gauri Parasher Joshi, Deputy Director*

Objectives

To promote literary activities through creative writing, to provide a forum for free expression and interaction with one another and to develop an aptitude for editing and other aspects of journalism.

Activities

The House Journal Society provides a platform to the Officer Trainees and the alumni to showcase their creative and literary skills. The Society also publishes a monthly newsletter 'The Buzz'. The newsletter captures various training activities/ workshops held in the Academy and its associated Research Centres. Special issues are brought out on Himalayan Trek, Village Visit and the Bharat Darshan. The Editorial Team for the Foundation Course and the Phase-I, designed the newsletter in-house. A small number of copies were printed in-house through the Reprographic Section and they were distributed, mainly, by email.

Further, the House Journal Society also put together a Batch Directory "Who's Who" at the end of the courses. The Society also organized a number of short story and poetry competitions.

Highlights of activities

- Organized Quiz competition
- Conducted "Travelogue contest" and creative writing completion.
- Conducted Officially unofficially-Competitive event
- Publication of "Tales of India" on Bharat Darshan
- Conducted "Mad-Ad" Competition during Foundation Course.

INNOVATION CLUB

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 4 Members*
- *Director's Nominee: Shri Nitesh Jha, Reader*

Objectives:

The Club is aimed at spreading awareness about the importance of the Ground level innovation in the administration and ease of doing administration among Officer Trainees, maintenance and

upgradation of the LINK Portal, collecting ground level Innovative idea for the unmet needs posted in the LINK Portal, conducting Innovation Seminars for the Interaction between the Officer trainees and Innovators in various fields, organising Innovation Exhibitions and events like Quiz to improve the participation of officer trainees in the activities of the club.

Activities

During 95th Foundation Course

1. **Innovation Seminars:** 5 Online sessions of the Innovation seminar were conducted on 14th and 15th of December 2020, where 6 different speakers interacted with officer trainees.

2. **IGNITE 2020:** A campaign among the Officer Trainees to make them aware about the LINK Portal by the LBSNAA. Officer trainees were sensitised about the unmet needs that are posted in the LNK platform and how to post ground level innovations in the same for satisfying the unmet need.

3. **Innovation Quiz:** The quiz was conducted in two rounds and received one of the largest participations among all quiz programmes. Unlike traditional quizzes the content and questions were novel and conducted in online mode to follow the COVID-19 protocol. It was a team event, where each team comprises of 3 members and the top 3 teams awarded with cash prize of 3000, 2000 and 1000 rupees respectively along with certificates.

During IAS Professional Course Phase–I (2019 Batch)

1. **The Idea Series:** Displaying Short innovative videos in slots between lectures to spur the spirit of innovation among the OTs . Following topics were showcased -

- Nutrition Mission
- Tiranga Thali (Nutrition)
- Water Wheel
- Boom Sprayer for Pesticides
- Aerofarm - Innovative Agriculture
- Ambikapur Model for Waste management
- Managing Non-Communicable Diseases
- Unnayan Banka - Education Model

- Hole in the wall - Technology in Education
- Happiness Curriculum in Education
- Use of AI in Education- Lessons (on what to do and what not to do) from China
- Montessori Education Model
- National Health Services - learnings from UK
- Plastic Bricks - Novel Method to solve Plastic waste
- Innovative Products from Bamboo
- Jugnoo bag to solve issues arising off Day light management in North East India
- Chakra Soot- method to convert soot to ink and pigments
- Plastic Housing
- Flower recycling- a method to solve

2. **Compilation of Problems faced by OTs under "Issues at Home" competition:** The competition was organised to find out pertinent issues faced by the OTs. This was a survey to recognise the issues as perceived by the OTs.

3. **Solutions to top 3 problems "Innovation @ Home":**

- Making academy more inclusive for differently abled members
- To ensure cohabitation with the wildlife in the academy
- To make academy a zero waste campus

4. **Tribal Treasure Hunt:** in collaboration of TRIFED, Mussoorie (During GI Mahotsav)
5. **Live Give away event with Ministry of Tribal Affairs in collaboration with TRIFED, Mussoorrie (During GI Mahotsav):** Various questions on GI tags and Tribal Artefacts were asked to live audience and instant prizes were given away. This was to generate awareness in the people about Tribal Products.

6. **Center of Emerging Technology (Upcoming):** In Collaboration with INTEL and ISB, Hyderabad and Computer Society, LBSNAA.

MANAGEMENT CIRCLE

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 4 Members*
- *Director's Nominee: Ms. Nandini Paliwal, Deputy Director (Sr.)*

Objectives:

The main function of the Management Circle is to promote and study recent developments in various areas and to serve as a forum to exchange notes and information.

Activities:

During IAS Professional Course Phase–I (2019 Batch)

1. Money Manager, The Mock Investment Competition: This mock investing game was conducted over 4 weeks and saw participation from 40 OTs. The aim of the event was to familiarize the participants with the nuances of investing in equities and the risks associated with the same. The game design and rules ensured that participants got exposure to the concepts of portfolio diversification and portfolio rebalancing. P Promoth, Dr. Aparajita Singh Sinsinwar and Dr. Anand Sharma were the winners of the competition. The support of Mrs. Preeti Rawat. Accountant- Management Circle was seminal to conduct the events properly.

2. Session on Managing Personal Finances:

This session was conducted online through videoconferencing and saw the participation of more than 60 OTs. The session was conducted by Shri Manoj Dharmarajan (IP&TAFS:1991), who has almost 2 decades of experience in long-term investing. The lecture consisted of 1 hour of teach-in sesssion followed by half an hour of Q&A session, and touched upon a variety of topics:

-- How equity returns compare with those of other asset classes

-- Mutual funds, their types and how to invest in them

-- Risk/Return profile of Mutual Fund investments

-- Systematic Investment Plans (SIPs)

-- Conduct rules with respect to investing in Equities and how to ensure compliance with them

OTs found this session very useful.

During 95th Foundation Course

1. **Management Quiz -** Based on brands, business leaders, management theories, Entrepreneurs etc. Involved a preliminary and a final round. We saw participation of over 70 Officer Trainees.

2. **Financial Independence Session -** Provided calculations to show the need for retirement planning. Investment strategy was discussed with an emphasis on index investing and Benjamin Graham's philosophy. Implications of conduct rules on investment strategies were also discussed.

3. **Income Tax Returns Session -** Majority of OTs will be paying income tax for the first time. The session was organised to cover the basics to make OTs' ITR filing experience as smooth as possible.

4. **Know Your LBSNAA -** This event was organised as a part of India day. 25 locations in LBSNAA are to be found using clues given as riddles. These riddles pertain to the location's history, important personalities and famous incidents. The event required participants to show teamwork, problem solving skills and agility.

5. **Financial Management (Extra Class) -** Topics like Balance Sheet, Income Statement and Financial Analysis were taught to supplement regular Management Classes. Problems relevant to discussed topics were solved to emphasise concepts.

6**. Economics (Extra Class) -** Topics relevant to the final exam of Economics were discussed. All problems in handouts were solved along with relevant graphs to enhance OT's comfort level with the topics.

NATURE LOVERS' CLUB

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and Members*
- *Director's Nominee: Shri Abhiram Sankar, Deputy Director*

Objectives:

The Nature Lovers' Club with active support of the Officer Trainees and faculty members in various courses organizes a number of activites aimed creating awareness and sensitizing the Officer Trainees about environment, nature, wildlife conservation, harmful effects of plastic etc.

Activities:

Nature Lovers Club, under the leadership of Ms. Anamika Ramesh IAS and guidance of Mr. Abhiram G Sankar, IAS organised a variety of activities that generated appreciation for nature among OTs during the Phase-I of IAS Professional Course (December 2020 to March 2021). The Club organised ' Ek Bharat Vanya Bharat photography exhibition', where more than 200 photographs taken by OT portraying the natural diversity of India were displayed. Plogging Competition, in collaboration with Social Service Club was conducted where all OT participated enthusiastically to make Mussoorie 'Cleaner and Greener'. The Club, with the expertise of Shri

Abhiram G. Sankar, conducted bird watching events, where trainees learnt to spot and identify the common birds of Mussoorie, thereby instilling awareness regarding local birds and the need for their conservation. The Club also conducted Photo essay competition and creative writing competition, where OT where encouraged to expand their horizons and reflect upon their interaction with nature during the course of training.

OFFICERS' CLUB

- *Composition of the Committee: 1 Chairman, 1 Secretary and 6 Members*
- *Director's Nominee: Ms Disha Pannu*
- *Director's Associate Nominee: Dr. Anupam Talwar*

Objectives:

- The Officers' Club provided Outdoor & Indoor games facilities to all its members i.e. Officer Trainees, Participants of In- Service courses i.e. Phase V, Phase IV, Phase III and faculty members of Academy.
- The main aim of the Club is to provide broad avenues to the members whereupon they can focus not only on health and overall confidence but develop better leadership skills, and team –working abilities.
- The Outdoor facilities include Lawn Tennis, Basketball, and Volley ball, Cricket, Football, Skating and Athletics Events. Outdoor Activities include Riding Establishment. The Academy has 23 Horses for the purpose of imparting basic skills of Riding. The Officer Trainees and interested Officers from different Courses are given training and exposure in Horse Riding in the Riding Arena. The Riding Instructors are called from President Body Guard's Regiment on deputation, which is an elite cavalry regiment of the Indian Army.
- The Indoor games facilities include Billiards, Carom, Swimming, Chess, Snooker, Table Tennis, Squash, Foosball and Badminton.
- Extending the concept of Vocal for Local in the area of Sports Training, trained instructors in the field of Yoga, Meditation, Aerobics and Zumba are hired to make the activity sessions interesting, engaging and fun filled.
- The Club has well equipped Gymnasium operating throughout the year.

Activities:

1. Arranged short treks for Officer Trainees of Phase-1: Two routes were chosen- George Everest and Lal Tibba.
2. LBSNAA Premier League was organized for the participants of Phase 1 in which Matches of all the games like Cricket, Badminton, Chess, Lawn Tennis, Volley Ball,

Table Tennis and Foosball were conducted by the Committee. Few matches of Phase 1 and Phase 3 participants were also conducted to build the camaraderie.

3. The Officer Trainees of Phase-1 were divided in four teams namely Gun Hill Shooters, Dalai Hill Raiders, George Everest Conquerors and Lal Tibba Warriors to encourage the spirit of participation and healthy competition. T-shirts of 4 different colors (different for each Team) with the names and numbers were given to each and every Officer Trainee to instill the sense of belonging to the Team.
4. Athletics Championship was also conducted in the Polo Ground in which there were 11 Track Events and 6 Field Events (including Men and Women)
5. One experienced and trained instructor for Skating was also engaged for the Officer Trainees of 2020 Batch.
6. One new Boxing Ring has been established in the Academy which has been dedicated to the achievements of Hon'ble MP Rajya Sabha and Olympic Medalist Ms. MC Mary Kom and was inaugurated by her to celebrate International Women's Day.

OFFICERS' MESS

- *Composition of the Committee: 1 President, 1 Secretary, 1 Treasurerand 5 Members*
- *Director's Nominee: Shri Vizay B. Vasanta, Professor*

Objectives:

The Officers' Mess in the premises of Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, is a sacred institution. It is a place where cultures, traditions, practices and beliefs converge through a variety of cuisines. This institution endlessly fosters and nurtures the spirit of universal brotherhood and fraternity amongst the officer trainees. The Mess has a mandate to achieve the highest standards in terms of decorum, conduct and services. Every officer trainee is an integral part of this institution. The Officers' Mess is run by the officer trainees. The members of the mess committee are from amongst the officer trainees. The mess committee consists of a President, a Secretary, a Treasurer and five other members, who take upon themselves the unquestioned duty to boost the underlying philosophy of esprit-de-corps. The Mess Committee functions under the overall guidance and supervision of the Director's Nominee of the Officers' Mess. The Mess is assisted by a full time Mess Officer, Manager Accounts, Store Keeper, and Supervisors. The strength of this institution, are the employees of the Officers' Mess which include cooks, helpers, table bearers, room bearers, sweepers and, dishwashers. Officers' Mess caters to about 500 people at the Karamshila, Gyanshila and Indira Bhawan Mess premises. The Officers' Mess serves (Prepared in house) a variety of cuisines from and across

the corners of this nation for the participants. Officers' Mess also offers its services through its cost centers:-

1. *A.N. Jha Plaza Cafe,*
2. *Home Turf Cafeteria,*
3. *Souvenir Shop, LBSNAA*

Activities:

1) Upgradation of kitchen equipments.
2) Inclusion of new items in the Souvenir Shop.
3) Organize the Zonal days, India Day and Fete.
4) Regional cuisines were introduced.
5) Various competitions were held among the officer trainees and faculty like, cooking, baking, Golgappa eating competition etc.
6) During the national lockdown announced by the Central government for taking preventive measures for pandemic Novel Corona Virus the salary to all daily wagers were given till 30.06.2020. A coupon of Rs. 2,000 was also given to each daily wager retrenched during Corona pandemic.
7) The discounted sale was also been organized at Souvenir Shop for clearance of the old stocks, and sale on perishable items was also done by Officers Mess.

The Officers' Mess has, as always, been instrumental in adding life, colour and flavor in all academic and non-academic activities of the Academy.

RIFLE AND ARCHERY CLUB

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 3 members*
- *Director's Nominee: Ms. Sunita Rani, Professor*

Objectives

To train the members of the Club in efficient handling of firearms and bows and arrows. To encourage and promote the art and science of marksmanshop among the members as a healthy sport. To organise periodic shooting competitions for teams and/or individuals and to

offer prizes. To sponsor/organise recreational programmes in both archery and shooting. To provide facilities for range and outdoor shooting with following six weapons: 12-Bore Rifle, Small Bore Rigle, Pistol and Revolver, Air Rifle and Bows & Arrows, such other items of marksmanship as may be thought fit by the Director's Nominee.

Activities

During the year the Rifle and Archery Club organised practice sessins for Officer Trainees in Rifle shooting as well as Archery. At the end of the sessions, competitions were held for best Marksmanship.

SOCIETY FOR CONTEMPORARY AFFAIRS

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 9 members*
- *Director's Nominee: Mr. Nitesh Jha, Reader*

Objectives

- To provide a forum for discussion, debate and study of all matters of general interest including current affairs, science and technology and subjects of topical interest.

- To provide a forum for all general activities to officers at the Academy not taken up specifically by other clubs and Societies.

Activities

- **Inter Hostel & MELA Quiz:** conducted by secretary of Society for Contemporary Affairs on 22nd and 29th November, 2020.

- **Extempore Evening**: The events were kickstarted by an Extempore Evening which was held on 6th January, 2021. The event saw enthusiastic participation from a lot of Officer Trainees. The participants had to speak for about two and a half minutes on a topic which was given to them on the spot and the topics covered various moral and social themes like animal rights, euthanasia etc.

- **Debate Competition**: On 25th January 2021, a debate competition was held on the theme of education to mark the International Day of Education which is celebrated on 24th January every year. The candidates participated in teams of two and not only presented their views for or against the motions that they were debating on but also rebutted the arguments presented by the opposite team. The faculty members who were adjudicating

the event were quite impressed by some of the arguments put forward by the OTs. The event again witnessed large-scale enthused participation from the Officer Trainees.

- **General Quiz**: On 2nd March 2021, a General Quiz was held with Jeydev as its quizmaster. The quiz comprised two rounds with varying levels of difficulty. Candidates participated in teams of 3 and prizes were given away to the top three teams.

- **Quiz on Women in creative Arts** : On 8th March 2021, to mark the International Day of Women, a Quiz on 'Women in Creative Arts' was held. The questions of the quiz covered women in various creative fields such as literature, entertainment, fashion industry, music, theatre, movies etc. The participation format was again kept as 3 participants per team.
- Apart from these events, the Society of Contemporary Affairs was also involved in the 'Afternoons with an Author' sessions in which the honourable Director Sir conversed with different authors about their recent or upcoming books. Members of the Society of Contemporary Affairs participated in the capacity of discussants and asked questions of the authors regarding various facets of their books.

SOCIETY FOR SOCIAL SERVICE

- *Composition of the Committee: 1 Secretary and 4 Members*
- *Director's Nominee: Ms. Monika Dhami, Deputy Director (Sr.)*

Objectives:

Society for Social Services (SSS) comprises of a Director's Nominee (who is usually a Deputy Director rank officer) heading the Society, one alternate nominee, a Secretary and four Members. The Secretary and members are elected as representatives of a particular course (training batch) by the participants of the concerned course to manage the affairs of the Society. Under the guidance of the Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration and the Director's Nominee, the Society is instrumental in organizing several initiatives to take care of not only the workers of the Academy, but also the residents of the local community and beyond.

Activities:

The Society for Social Services (SSS) has continued the tradition of previous batches by diligently carrying on the existing activities, as well as introducing new activities. This report is a consolidated brief of all the activities planned by Director's Nominee and the initiatives taken by the 95th Foundation Course and Phase-1 Professional Course of the 2020 batch of IAS Officer Trainees at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie:

1. Last year was a challenging year for Society of Social Service as Covid-19 struck and had an adverse impact on carrying out activities with a social outreach. But as it is said, adversity brings out the best in humans, the Director's Nominee from March to June, 2020, Smt Aswathy engaged the self-help group of stitching ladies to make special cloth masks for Covid at a time when mass production of these had not started and they were very much in demand. Around 1000 masks and more were stitched by local women and this was not only economically empowering for these ladies but also made Academy staff secure who wore these masks.

2. During the lockdown period the Society for Social Service distributed 100 ration kits (Atta, Rice, Dal, Salt, Spices, Oil etc.) among helpless and poor people who did not have any ration card. This was organized in co-ordination of SDM Mussoorie.

3. Another novel initiative, the first of its kind, was started by Director's Nominee, Ms Monika Dhami, who took over the Society from July, 2021 and continues till date. This

was to set up a Self Help Group called ‘SASHAKT’ which consists of local women who are expert knitters. Wool procured from Vardhman or other famous brand is given to these ladies who knit beautiful scarves, mufflers and sweaters on demand and also for various courses at the Academy.

Around 25 local women are involved in this project and a turnover of nearly 60,000/- Rs per month is achieved by selling these products on a cost basis and proceeds distributed among these women. The Officer Trainees of Phase-I, IAS 2020 batch, designed a brand logo, tag and carry bag for Self Help Group ‘SASHAKT’ which was officially launched and even made a small video clipping. Exhibition of woolen products of Self Help Group ‘SASHAKT’ was launched and more than 50,000/- Rs worth of woolen products sold on various occasions.

4. During the Foundation Course, the Officer Trainee George and his team enthusiastically launched a cleanliness competition among the OTs’ for their individual rooms as well as poster designing with a social message.

5. On the eve of New Year, fund raising activity was done for underprivileged women through selling of handmade Greeting cards by Officer Trainees of Phase-I, 2020 batch.

6. Swachhata week was initiated through Swachhta pledge-Oath administration by Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration. It comprised four days Swachhata drive-at Dalai Hills and Company Garden. Kala se Swachhta competition (waste to wealth) and Poster competition was also organized. Interaction of OTs with sanitation workers was also done to understand their issues. Cleanliness drive at Ganga beach site at Rishikesh was executed to raise awareness among locals. This was in consonance with Swachh Bharat Mission launched by Hon'ble Prime Ministry Modi.

7. Women Officer Trainees belonging to IAS 2020 batch shared their life struggle to raise awareness and motivate female academy staff and their children. It was attended by many women employees. This was done on the same day the scheme Beti Padhao Beti Bachao was launched.

8. Under the guidance of Director's Nominee, Ms Monika Dhami, who is also the Chairman of Kendriya Vidyalaya attached to Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, a drive to screen the health indicators of adolescent girls and boys at Kendriya Vidyalaya was undertaken on first Saturday of March, 2020. This was the first initiative of its type undertaken.

   Health screening and life skill sessions for 150 Kendriya Vidyalaya students were also organized. Team of Doctors comprising physician, Gynecologist and Dentist screened the students for basic diseases. Life Skill workshops at various topics like menstrual hygiene, career counseling, social media usage, healthy lifestyle were also undertaken.

9. **Interaction with UPSC aspirants of Delhi University:** Officer Trainees had orientation session with UPSC aspirants to clear their doubts and myths regarding preparation. They also provided preparation notes and few sessions to less resourced UPSC aspirants. This was done in an online mode.

10. **Administrative initiatives:** Creation of Online link and SMS facility for Information regarding Dispatch CRU section on Gyan Portal and Restarting of Dry cleaning Facility through Estate section was undertaken by our team. Provision of Weighing Machine: was done in Officers Mess to raise awareness about fitness of Officer Trainees and to reduce mess food wastages.

राहुल सांकृत्यायन हिंदी मंच

राहुल सांकृत्यायन हिंदी मंच द्वारा निदेशक महोदय के मार्गदर्शन में पूर्व निदेशक नामिती डॉ. कुमुदिनी नौटियाल तत्पश्चात श्री हरि प्रकाश तथा निदेशक सहनामिती डॉ. भावना पोरवाल एवं श्री सरफराज हुसैन खान के सहयोग से प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा आयोजित गतिविधियों का विवरण निम्न प्रकार से है:

व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-II (2018 बैच) के दौरान कराई गयी गतिविधियों का विवरण

अकादमी द्वारा कोविड-19 की परिस्थितियों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-II (2018 बैच) दिनांक 07 जुलाई, 2020 से 07 अगस्त, 2020 तक चलाया गया। पाठ्यक्रम ऑनलाइन आयोजित होने से **'राहुल सांकृत्यायन हिंदी मंच'** के चरण-II के सचिव श्री मनीष तथा सभी सदस्यों के प्रयास, सहयोग और उत्साह से ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें **''सप्तरंग'', ''पहचान कौन'' एवं ''बूझो तो जाने''** नामक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। 100 से अधिक भाषा-भाषी प्रशिक्षु अधिकारियों ने इन मनोरंजक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। विजेताओं को नकद पुरस्कार राशि एवं प्रमाण ऑनलाइन वितरित किए गए।

95 वां आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान कराई गयी गतिविधियों का विवरण

95 वां आधारिक पाठ्यक्रम कोरोना जैसी परिस्थितियों के कारण अब तक के आधारिक पाठ्यक्रम में सबसे अनूठा रहा। किंतु इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी हिंदी मंच के प्रत्येक सदस्य के योगदान से आयोजित की गई गतिविधियों द्वारा आधारिक पाठ्यक्रम का सफर प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए सुहाना हो गया ।

हिंदी भाषा के समृद्ध साहित्य का परिचय कराना, भाषा की मौलिकता को बनाये रखना, राजभाषा का विकास करता आदि उद्देश्यों को लेकर चलते हुए मंच ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया।

1. हिंदी साहित्यकारों की उक्तियों को ज्ञानशिला, ध्रुवशिला, कर्मशिला आदि महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार डिस्प्ले करना।
2. प्रश्नोत्तरी
3. काव्य लेखन प्रतियोगिता
4. कवि सम्मेलन
5. प्रदर्शनी
6. पत्रिका का प्रकाशन
7. कवि सम्मेलन

8. हिंदी मंच ने एक और कदम आगे बढ़कर भारतीय क्षेत्रीय, प्रांतीय व शास्त्रीय भाषाओं के विकास व प्रसार के लिए इंडिया डे पर सभी भाषाओं को मिलाकर एक वीडियो बनाया तथा उनके प्रसिद्ध वक्तव्य व सूक्तियों को डिस्प्ले किया।
9. अन्य क्लब के साथ मिलकर प्रतियोगिताएं आयोजित की।
10. एकाएक जब प्रशिक्षु अधिकारियों को 14 दिनों के लिए क्वारंटीन में रहना पड़ा तो मंच द्वारा प्रदान किया गया "दिल से दिल तक" वाट्सएप प्लेटफॉर्म विशेष आकर्षण का केंद्र रहा जहाँ कभी भी हमें अकेलापन महसूस नहीं हुआ।
11. "उड़ान" पत्रिका को नया स्वरूप देने व रुचिकर बनाने के लिए ये कभी फैकल्टी तो कभी स्टाफ के साक्षात्कार के लिए देर रात तक भी कार्य करते रहे तो कभी प्रशिक्षु अधिकारियों के दरवाजों पर जाकर उन्हें रचनाएँ देने हेतु प्रोत्साहित किया ।

फेज-1 के दौरान कराई गयी गतिविधियों का विवरण

सर्वप्रथम 10 जनवरी, 2021 को विश्व हिंदी दिवस पर दो प्रतियोगिताएं कराई गयी जिसमें राजभाषा अनुभाग ने भी सहयोग दिया।

(1) दिमाग का दही- इस प्रतियोगिता में कुल 2 चरण थे। प्रथम चरण में एक वक्तव्य (quote) दिखाकर आशुभाषण (extempore) आयोजित कराया गया। इसमें से चयनित प्रतिभागियों को द्वितीय चरण में मौका दिया गया। इस चरण में एक निश्चित समय अंतराल पर दो तस्वीरें दिखायी गयी जिसमें दोनों तस्वीरों को जोड़ते हुए अपना वक्तव्य प्रस्तुत करना था।

(2) **आओ कुछ लिखें**- लेखन प्रतियोगिता जिसमें निम्नलिखित थीम या विषयवस्तु पर प्रतिभागियों से लेख लिखकर जमा करने को कहा गया-

1. कोरोना - बनते बिगड़ते रिश्ते
2. नए साल में नया क्या
3. अकादमी - कुछ खट्टे मीठे पल

इन दोनों प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ-साथ स्टाफ ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया।

2. **एक शाम कविता के नाम**- गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या 25 जनवरी, 2021 को ''एक शाम – कविता के नाम'' कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमें अकादमी के निदेशक महोदय मुख्य अतिथि की भूमिका में उपस्थित रहे। इसमें प्रतिभागियों को अपनी पसंद की कोई भी रचना सुनाने

का अवसर दिया गया। रचना स्वरचित होने की कोई बाध्यता नहीं थी और साथ ही साथ थीम या विधा की भी कोई बंदिश नहीं थी। इसमें प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ संकाय सदस्यों, राजभाषा के सदस्यों और स्टाफ से भी लोगों ने बढ़- चढ़कर भाग लिया। साथ ही हिंदी के अलाव अन्य भारतीय भाषाओं में भी काव्य पाठ हुआ।

3. **दास्तां ए दिल** - फरवरी, 2021 के सुहाने मौसम और मोहब्बत के सप्ताह "Valentine Week" में इस प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इसमें प्रतिभागियों को अपने दिल के जज़्बात बयां करने का अवसर दिया गया। वो चाहे तो पत्र या किसी अन्य विधा जैसे कविता, ग़ज़ल, नज़्म आदि में हो सकते थे। बड़े उत्साह से प्रशिक्षु अधिकारियों ने इसमें भाग लिया और इस आयोजन को सफल बनाया।

4. **सहज क्वीज (SAHAJ QUIZ)**

S - Saahitya.
A - Art, culture and tradition of India.
H – History
A – Ati Prachin (Mythology).
J – Jollywood (Cinema and Theatre).

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जो काफी विस्तृत थीम्स पर आयोजित कराई गयी थी। इसमें मुख्य रूप से 3 राउंड थे। पहले राउंड में टीमों को शॉर्टलिस्ट कर लिया गया। उसके बाद राउंड-2 आयोजित कराया गया जिसमें कुल 3 चरण थे।

- आडियो/विडियो राउंड – इसमें सवालों को आडियो या विडियो माध्यम से पूछा गया।
- पिक्चर राउंड – इसमें स्क्रीन पर तस्वीर दिखाकर सवालों को पूछा गया।

- जम्बल वर्ड राउंड – इसमें शब्दों को जम्बल करके सवाल में दिया गया और सही शब्द बनाने को कहा गया।

राउंड-2 में चयनित प्रतिभागियों को राउंड 3 में भाग लेने का अवसर दिया गया। राउंड 3 में कुल 2 चरण थे। पहले में प्रश्नोत्तरी और दूसरे में बज़र राउंड अंतिम परिणाम राउंड 2 और राउंड 3 के स्कोर के आधार पर घोषित किया गया।

5. **Academy Lit fest (साहित्य महोत्सव)**- अकादमी में प्रत्येक वर्ष अयोजित होने वाले साहित्य महोत्सव को हिंदी मंच के सभी प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
6. **साहित्य प्रदर्शनी**- हिंदी के प्रसिद्ध कवियों और उनकी रचनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए अकादमी परिसर में समय-समय पर पोस्टर लगाना।

सभी गतिविधियों के दौरान कोविड-19 की गाइडलाईन्स का पूर्णत: पालन किया गया।

Training Support

NIC Training Unit

NIC Training Unit (NICTU), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie provides Information and Communication Technology related training to the officers of All India Services during all the training programmes conducted at the Academy. The following courses and activities were conducted during the training calendar of 2020-21:

IAS Professional Course Phase-I (2019-21 Batch) :	**Sessions** **9 x 2 = 18**	**Participants** **181**
Activities : Sensitivity Analysis, Financial Management, Capital Budgeting, Time Value of Money, Project Appraisal (Financial and Investment Criteria, Constructing Project Cash Flows, Case Studies – Small and Large), Technological demonstration on AI applications, What-if-Analysis, Descriptive Statistics and Graphical Analysis, Survey Analysis, Pivot Table and Pivot Chart, Introduction to Database Management System, Database Relational Concepts, Application Utility in DBMS.		
Phase-III Mid-Career Training Programmes (March 2020)	**Sessions** **08**	**Participants** **80**
Activities Absolute and Relative Cell Addressing, User Defined Formula and In-built Function, What-if Analysis, Financial Management, Capital Budgeting, Time Value of Money, Project Appraisal (Financial and Investment Criteria, Constructing Project Cash Flows, Case Studies – Small and Large),Technological demonstration on AI applications.		
95th Foundation Course (15 Weeks)	**Sessions** **34**	**Participants** **419**

Activities : Regional Languages Input, Adaptive learning, Collaborative tools i.e. Google Docs, Data Analytics, Introduction to work-stream collaboration applications to address the needs of content collaboration, review of document, track changes, document conversion, Document security, AutoSaving, recovery, Mail Merge, Visual tools to enhance the presentation, Customization of presentation, Object Animation, Mathematical, Statistical & Conditional Functions, Operators, Charts, Data Analysis, Descriptive Statistics, Trend Lines Analysis, Forecast, Analyzing large dataset using Pivot Table and Pivot Chart, Drill down to data to see the insights.		
122nd Induction Training Programme for IAS Officers	**Sessions** **04**	**Participants** **59**
Activities : Effective Document Management, Special Publication Features for Quality work, Boiler Plate Features to Minimize Time & Efforts, Presentation Basics, Visual Tools of Enhancement of Presentation, Customization of Presentation, Object Animation, Spread sheet Basics, Absolute and Relative Cell Referencing and User Defined Formula Vs in-built functions.		

METHODOLOGY ADOPTED:

- Initial assessment of skill levels
- Optional classes – compulsory for those not qualifying
- Hands-on Practice and Demonstration
- Case Studies
- Lecture sessions by experts

E-LEARNING CONTENT DEVELOPMENT:

Developed contents for Pre-FC Common Foundation Course on the 74 nos. of ICT topics under the following broad categories: Computer Fundamentals, Standalone office applications, Online Social collaboration tools and meetings solutions, Proprietary v/s Open Source software, Basics of Emerging technologies and their applications in Government/ Public Administration. The content was provided to develop e-learning material for uploading on iGOT, an online portal of Government of India under mission "KARMYOGI".

Curated, reviewed and finalized storyboards and scripts for finalized 74 Nos. of ICT topics for iGOT Platform.

Curated, reviewed and finalized 05 Nos. of videos for ICT contents at two levels (alpha, Gold) for specially abled probationers for uploading on iGOT Platform and GYAN (LMS) of Academy.

Curated, reviewed and finalized 74 Nos. of videos in English for ICT contents at two levels (alpha, Gold) for the probationers of 95th Foundation course for uploading on iGOT Platform and GYAN (LMS) of Academy.

Developed assessments for 74 Nos. of ICT topics for uploading on iGOT Platform of Government of India and GYAN (LMS) of Academy.

TECHNOLOGY INITIATIVES:

Implemented, coordinated and technically supported "Face Recognition based Attendance System" for contactless attendance of the officials of LBS Academy.

Implemented the BlockChain Technology demonstration in collaboration with Veermata Jijabai Technological Institute (VJTI), Mumbai and provided an option to the Officer Trainees and officials of LBSNAA to make cashless payments in Bitcoins within the LBSNAA campus.

GIS workshop was conducted for Probationers of 95th Foundation Course in collaboration with Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), Survey of India, and NIC's GIS Division. The topics covered were: Overview of GIS, GIS tools, Urban Planning and community development, Disaster management & mitigation and Watershed management and irrigation water management, Bharat Maps & Multi-layer GIS framework, Digital India Initiatives. A live demonstration on data collection using Drone was also shown out in the field to the probationers.

INSTITUTIONALISATION OF ENTERPRISE ARCHITECTURE:

The Head NICTU (Vinod Kumar Taneja) achieved the TOGAF9.2 (The Open Group Architecture Framework version 9.2) certification.

Organized training to sensitize about Enterprise Architecture for the faculty and officials of the Academy.

Provided technical supervision and coordination for the development of Enterprise Architecture document 2020.

Provided technical supervision and coordination for the development of Solution Architecture for ICT Infrastructure and ERP Solution.

Prepared ToR and RFP Document for inviting bids for "Revalidation of Enterprise Architecture (EA), solution architectures for ICT infrastructure & ERP solution and preparation of RFPs for EA implementation at LBSNAA Mussoorie".

OTHER ACTIVITIES:

A workshop on "Technology in Governance" conducted in February 2020 for review of ICT and e-Governance syllabus for the training programmes of Foundation Course, IAS Professional Course and Mid-Career Training Programmes. The participants were Academicians, IT experts from NIC, NeGD, NISG, Administrators of GoI and State Government.

Coordinated and provided technical support for Networking and Video Conferencing for the interactive session of Hon'ble Prime Minister of India with the faculty and the Officer Trainees of 95th Foundation Course from SoU, Kevadia, Gujarat on 31st October 2020.

Initiated Digital Lab@NICTU to showcase the emerging ICT Technologies like 3D Printing, AR/VR, AI/ML, IoT, Blockchain etc. and demonstration of successful eGov applications to the young civil servants and senior IAS officers during training at Academy.

Coordination for online sessions for the probationers of IAS Professional Course Phase-II and 95th Foundation Course.

The question paper was prepared for ICT online examinations for 95th Foundation Course.

WORKSHOP ON "TECHNOLOGY IN GOVERNANCE"

WORKSHOP ON APPLICATION OF GIS

Gandhi Smriti Library

The Academy has a well-stocked library. It is located in scenic surroundings which gives it a panoramic view of the majestic Himalayas and an eternal sense of togetherness with nature. The library is aptly named after Mahatma Gandhi as the "Gandhi Smriti Library". The library is computerized and the complete catalogue of the library is accessible online at http://192.168.1.28:70/.

The books/CDs/DVDs are RFID tagged and a RFID self-issue/return kiosk is installed at the library counter for issuing, renewing and returning of books by the users without using the library circulation counter. RFID book drop kiosks are placed at the entry of the Karmashila building and on the Gyanshilla building in the main campus. Library users can use this facility for returning books without coming to the library. This service is available 24x7.

Library Collections: The Gandhi Smriti Library is a treasure trove of resources containing over 1.98 lakh documents, including books-1.71 lakh, bound volumes of journals-8679, audio cassettes-2109, video-cassettes-1708, braille books-66 and CDs/DVDs-8497 (contain lecture recordings, documentaries, movies (English, Hindi, regional) and digital rare and old books - 6259 from the 19th century.

The Library subscribes to newspapers (29), magazines (76), foreign journals (12), Indian journals (77) and e-journals (33), published by various national and international organizations.

The library subscribes to the following E-resources:

RemoteXs: Remote authentication & access service for accessing the e-resources irrespective of the location has been subscribed to. RemoteXs is a service which allows remote access to e-resources subscribed by the library for users while they are away from the campus.

EBSCO Business Source Complete: database providing a collection of bibliographic and full text contents of more than 3000 journals/journal articles, covering disciplines of business, including marketing, management, management information systems, production & operations management, accounting, finance and economics.

EBSCO's EconLit with Full Text: provides full-text articles in all fields of economics, including capital markets, country studies, econometrics, economic forecasting, environmental economics, government regulations, labour economics, monetary theory, urban economics and much more.

EBSCO's Political Science Complete: Provides extensive coverage of global political topics with a worldwide focus, reflecting the globalisation of contemporary political discourse. It provides more than 340 full-text reference books and monographs and more than 44,000 full-text conference papers, which includes those from the International Political Science Association.

EBSCO's SocIndex with Full Text: This database is the world's most comprehensive and highest-quality sociology research database. It has nearly 900 full-text journals and contains informative abstracts for more than 1,500 core coverage journals dating as far back as 1895. In addition, it provides data mined from nearly 420 priority coverage journals and nearly 3,000 selective coverage journals.

JSTOR Online: a digital archive of scholarly journals in anthropology, Asian Afro American studies, ecology, economics, education, finance, general science, history, literature, mathematics, music, philosophy, political science, sociology, and statistics.

IndiaStats: Online Statistical Database covering comprehensive compilation of secondary level socio-economic statistical data about India and its States.

Supreme Court Cases (SSC Online): a legal database which covers legal cases etc. from Supreme Court, all High Courts, Tribunals and Commissions, Statutory material and many foreign jurisdiction and International material.

Manupatra: a legal database has enormous legal material of Indian as well as overseas countries.

IndianJournals.com: is the largest multidisciplinary platform of Indian Academic Journals and Research publications

EPW India Time Series: It is an online service provided by EPW Research Foundation (EPWRF). This envisages provision of long-term data series about thirteen modules covering a

wide range of macro-economic and financial sector variables in a manner convenient for research and analytical work.

Fair Observer: Fair Observer is an independent, non-profits media organization that engages in citizen journalism and civic education. The digital media platform has 2,500 contributors from 90 countries, cutting across borders, backgrounds and beliefs. With fact-checking and a rigorous editorial process, we provide diversity and quality in an era of echo chambers and fake news.

Intelligence Squared+: Intelligence Squared+ brings you live, interactive events online every week. This would allow faculty members to questions to speakers vote in live polls and interacts with other members of the audience. Intelligence Squared+ would give access to multiple events, live and on-demand, featuring the world's top thinkers and opinion formers.

Institutional membership for online resources for Persons with Visual Disabilities from the National Association for the Blind, Mumbai

Institutional membership for online resources for Persons with Visual Disabilities from the National Institute for the Empowerment of Persons with Visual Disabilities, Dehradun

Besides databases, the following eJournals are also subscribed and made available to the users of the Gandhi Smriti Library.

1.	Annals of Library & Information Science
2.	Appropriate Technology
3.	China Report
4.	City: Analysis of Urban Trends, Culture Theory, policy Action
5.	Conservation & Society
6.	Contribution to Indian Sociology
7.	Developing Economics
8.	Economic & Political Weekly
9.	Economist
10.	Energy Future
11.	Environment & Urbanization Asia
12.	Fair Observer
13.	Foreign Trade Review
14.	Indian Historical Review
15.	Indian Journal of Gender Studies
16.	Indian Journal of Labour Economics
17.	Intl Journal of Urban Sustainable Development
18.	Journal of International Economic Law
19.	Journal of Peasant Studies
20.	Journal of Resources, Energy & Development
21.	MIT Technology Review
22.	New Left Review
23.	P C Quest
24.	Performance Improvement Quarterly
25.	Science Reporter
26.	Seminar

27.	Sloan Management Review
28.	Social Change
29.	Studies in History
30.	TERI: Information Digest on Energy & Environment
31.	Urbanization
32.	World Digital Libraries

LBSNAA D-Space Repository: an online archive for collecting, preserving, and disseminating digital copies of the intellectual output of LBSNAA, particularly the course lectures.

In the month of October, Gas released from the Cylinder for the Fire Safety at the mezzanine floor of the Gandhi Smriti Library and the same has been reported to the CPWD immediately through the higher authorities. Around 250 CDs/DVDs got damaged.

Major achievements during 1st April to 31st March 2021:

- The library has added about 2500 books and CD/DVDS during April 2020 to March 2021.
- Migration of software: The Library migrated to its automation software from Libsys to Koha.
- App for Library: App has been designed by through outsourcing agency and uploading in the Google PlayStore, however yet to be announced.
- Making of the Nation: The Library is working on a project – "Making of the Nation" conceptualized by the Director, LBSNAA in which mapping of every book written by a civil servant on any subject. So far, about 2700 books have been collected and placed at the Making of the Nation section.
- Weeding out of books: 2732 books which are recommended by the faculty members have been weeded out from its main Collection.
- Subscription of online resources for Persons with Visual Disabilities from the NAB, Mumbai and NIEPVD, Dehradun.
- Organized mega Book Fair at Kalindi Lawns during 3-4 March 2021.
- Organized celebrations of Gandhi Jayanti and Lal Bahadur Shastri Jayanti at premises of Gandhi Smriti Library on October 2, 2020.
- Stock verification for CDs/DVDs.
- Digitization of the magazine 'the Administrator' published by the LBSNAA.

- Refilling of gas cylinders through the CPWD at the mezzanine floor (second floor) of the Gandhi Smriti Library.

Major projects initiated

- Up-gradation of Gandhi Smriti Library as National Library for Administration in India – Under process.

- Project of E-Consortium initiated. EoI has been called for requesting to submit the proposal from various Publishers/Aggregators. Around 20 proposed received and they are under process.

- Procurement of eBooks initiated. EoI has been called for requesting to submit the proposal from various Publishers/Aggregators. Around 18 proposed received and they are under process.

राजभाषा

भारत सरकार के कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार हिंदी पदों का सृजन किया जाना अपेक्षित है। अतः राजभाषा नीति के कर्यान्वयन हेतु लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन, अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए –

भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2020–21 के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, 'क', 'ख' तथा 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया गया। तदनुसार, अकादमी द्वारा 'क' क्षेत्र के साथ 95. 55%, 'ख' क्षेत्र के साथ 82.32% और 'ग' क्षेत्र के साथ 66.59% पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, इस अकादमी ने हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए 14.39 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया है। अकादमी के उप निदेशक वरिष्ठ की अध्यक्षता में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की गई तथा यथोचित मार्गदर्शन किया गया।

अकादमी में दिनांक 25 अगस्त, 2020 को 'प्रशासनिक शब्दावली का सरलीकरण' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में मुख्य रूप से देहरादून और मसूरी के केंद्रीय कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया और इसके अलावा भारत के अन्य राज्यों के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया। इस वेबिनार में उत्तराखंड के साथ–साथ बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों से 150 से ज्यादा प्रतिभागी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग के जरिए सम्मिलित हुए।

अकादमी में दिनांक 1 सितंबर से 14 सितंबर, 2020 तक 'दो सप्ताह हिन्दी के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में, अकादमी स्टाफ के लिए राजभाषा नीति से संबंधित सामान्य ज्ञान, दो वर्गों के लिए अलग–अलग हिंदी निबंध लेखन, श्रुत लेखन, यूनिकोड टाइपिंग तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

इस समारोह में, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना 2019–20 के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस तरह, इस समारोह में कुल 33 प्रतिभागियों को, निदेशक महोदय तथा उप निदेशक वरिष्ठ महोदया ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तथा पुरस्कार स्वरूप नकद धनराशि प्रदान की।

निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में अकादमी में हिंदी के प्रयोग को अधिकाधिक बढ़ाने पर जोर दिया तथा इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका के आठवें अंक 'सृजन' का विमोचन भी किया। इस अवसर पर निदेशक महोदय ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट करते हुए, सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया।
इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण, दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

COMPUTER CENTRE

The LBSNAA is using Information Technology ssolutions for most of its critical processes. LBSNAA has a fully networked campus and is increasingly relying on IT for its training and administrative needs. The critical components of IT infrastructure at LBSNAA are:

- Procurement and distribution of computer hardware and Software to all the employees and trainees of LBSNAA through GeM.
- Development and strengthening of existing computer facilities.
- Computer Centre (hosting e-Office Application, Workflow Application, Website, Email and Firewall Servers with redundancy)
- Stand-alone applications covering various modules for managing the activities of Academy such as Training, Estate, Administration, Accounts, Dispensary, Online feedback systems, online sharing of content, online examination systems, opinion pools/question answers for engaging Officer trainees and participants of various courses using clickers, Photo server, Learning Management Software (LMS), CGHS software for Medical Centre, KOHA software for online catalogue.
- Network Devices, Security Systems and LAN (which is primarily UTP based, but has been integrated with Wi-Fi devices in the classrooms).
- Computer Centre revamped the website of LBSNAA which is more interactive and dynamic.

- Computer Centre is also involved in the designing the course manual, training calendar, brochures, banners, posters, officer's directory, memoirs, photo rosters, LBSNAA diary and monthly calendar etc. Besides this computer centre is also involved in video film editing and mixing for the course participants. Thereafter the movie is being showcased during the valediction Programme.
- Centre helps Controller of Examination in preparing the course-related examination result and also involved in preparing the result of MA in Public Administration, JNU.
- Computer Centre gives computer assistance from time to time to the faculty, officer trainees and staff also.
- Computer Centre gives computer assistance from time to time to the faculty, officer trainees and staff also.
- LBSNAA is having 1 Gbps National Knowledge Network link for the use of Internet along with 100 Mbps backup link from Airtel.
- Computer Centre provides laptops to the Participants and Officer Trainees of different courses. Trainees could access the network through Wi-Fi and wired LAN from Hostel rooms and communicate to each other apart from enhancing their skill and getting acquainted with latest software's.
- Training Programmes are also organized by the Computer Centre time to time for all the employees of the Academy to train them on the new software's. Computer Centre also provides on-job training to all the sections of the Academy about the use and features of e-office.
- Most of the class rooms and conference halls are equipped with the Video Conferencing (VC) facility and other webinar software's. Most of the courses/classes were organized online using VC and other Webinar Software's by the Computer Centre during the COVID period.

Financial Statement of LBSNAA

Budget allocation of LBSNAA is made under "Demand No.073-Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions". The provision includes establishment related expenditure under Non-Scheme (Revenue). Infrastructure related expenditure is provided under Scheme (Revenue) and Scheme (Capital). The budget allocation is made for various core activities of the Academy that include training programme such as the Foundation Course, Refresher Courses, Mid-Career Training Programmes etc. Allocation are made under Scheme (Capital) and Scheme (Revenue) for improvement of Infrastructure and up-gradation of essential facilities at LBSNAA. The details of actual expenditure for 2018-19, 2019-20, 2020-21 and allocation for current financial year 2021-22 is as under.

(Figure in thousands)

S.No.	Non-Scheme(Revenue)	Actual Expenditure			Budget Allocation
		2018-19	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
1.	Salaries	1,68,540	1,78,500	1,62,877	1,85,200
2.	Wages	22,390	24,800	33,495	33,500
3.	Overtime allowance	14	74	0	50
4.	Medical Treatment	4,200	5,210	4,480	5,300
5.	Domestic travel expenses	5,000	7,500	5,996	6,000
6.	Foreign travel expenses	117	100	84	50
7.	Office expenses	65,589	82,650	88,950	89,000
8.	Rent, rates & taxes	1,492	1,543	1,998	2,000
9.	Publication	649	650	350	650
10.	Other administrative expenses	200	197	200	200
11.	Minor works	1,000	1,489	1,500	1,500
12.	Professional services	64,300	2,28,800	1,22,500	1,10,000
13.	Grant-in-aid	500	500	500	500
14.	Other Charges	3,900	5,700	5,200	4,000

15.	Salaries	2,493	2,600	1,660	2,700
16.	Overtime allowances	1	-	0	100
17.	Medical treatment	199	200	31	200
18.	Other Charges (Inf. Tech)	594	600	597	600
19.	Swachhta Action Plan	597	581	597	600
20.	Professional Services	44,398	60,000	9,000	60,000
21.	Total (Non-Plan)	3,86,173	6,01,694	4,40,015	5,02,150
22.	Scheme (Revenue)	1,10,000	1,10,000	1,10,000	1,10,000
23.	Scheme (Capital)	1,77,500	3,00,000	2,84,400	4,66,660

Activities related to budget management/payments etc will remain continued during the FY 2021-22 for optimum utilization of allocated budget as per the guidelines issued in this regard.

Faculty & Staff Skill Development Program

There is a systematic process at the Academy to upgrade and update the skills, knowledge and the instructional techniques of its faculty. To achieve this, programs are organised on campus and by deputing faculty members to reputed institutitons both within India and outside the country. The following faculty members were deputed for training, attending workshops, seminars and for exploring possibilities for collaboration both in India and abroad under Faculty Development Program:

Faculty Name (Mr./Ms./Dr.)	**Training/Workshop/Seminar**	**Duration**	**Institute**
Milind Ramteke	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Sunita Rani	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
P. Amudha	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore

Gauri Parasher Joshi	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Nandini Paliwal	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Vidya Bhushan	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Alankrita Singh	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Sanjeev Chopra	Course in "History and Appreciation of Indian Art and Culture"	08.08.2020 to 09.08.2020	IHC, Delhi
Sunita Rani	Organisational Leadership for the 21st Century	27.02.2021 to 21.03.2021	IIM, Ahmedabad
Alankrita Singh	Online Training Programme	One year beginning 30.06.2020	National Law University, Bangalore
Alankrita Singh	LLM (Professional) Online Programme	August, 2020 to June, 2021	National Law University, Delhi
Milind Ramteke	LLM (Professional) Online Programme	August, 2020 to June, 2021	National Law University, Delhi
Gauri Parasher Joshi	LLM (Professional) Online Programme	August, 2020 to June, 2021	National Law University, Delhi
Vidya Bhushan	LLM (Professional) Online Programme	August, 2020 to June, 2021	National Law University, Delhi
Sunita Rani	Online FDP on Pedagogy and Research Methodology	22.06.2020 to 28.07.2020	IIM, Ahmedabad
Vinod Kumar Taneja	To GAF 9 combined level 1 and level 2 (online) training programme	11.04.2020	Simplilearn

Vidya Bhushan	Challenges of Global poverty (part of DEDP Micro Masters programme)	18.08.2020	MIT
Vdiya Bhushan	Microeconomics (part of DEDP Micro Masters at MIT)	18.08.2020	MIT
Alankrita Singh	Fundamentals of Gender Equality	18.08.2020	Udemy
Alankrita Singh	Understanding Gender Inequality	18.08.2020	University of EXETER
Alankrita Singh	Gender and Intersectionality	18.08.2020	EDX, Harvard University
23 officials	Weninar on e-Procurement of Goods and Services, and related GoI Financial Rules	16.12.2020	National Productivity Council, New Delhi

Publications:

LBSNAA has been publishing "*The Administrator*" since 1961. Over its half a century long existence, the journal has provided a forum to civil servants and academicians to share their knowledge distilled from their experiences in the field. The contributors have primarily been civil servants but not exclusively so. The journal has been receiving contributions from intellectuals, scholars and eminent public figures who have applied their knowledge in the areas of Public Administration, Public Policy etc. In 2020–21, the Academy brought out Special editions on *Aarambh I, Silver Jubilee of National Gender and Child Centre, Em-Powering India* and *Paths to Good Governance: Thoughts and Words*.

Delegations/Teams that visited LBSNAA

Students of various institutions, participants of different training programmes and delgations of various nations visit the Academy every year. This is a mutual learning experience The visitors, as well as the Academy benefir from such interactions. However owing to restrictions and as measures of abundant preacaution in view of the ongoing Covid-19 Pandemic, only the following visit was held during 2020–2021:

- Visit of 52 students including 2 faculty members of Forest College and Research Institute, Telangange on 08.02.2021

Annexure-1: Physical Infrastructure

A. CLASS/LECTURE/CONFERENCE ROOM		**Capacity**
1.	Dr. Sampoornanand Auditorium	469 seats
2.	Ambedkar Hall (Aadharshila Block)	158 seats
3.	Tagore Hall (Aadharshila Block)	190 seats
4.	Vivekananda Hall (Aadharshila Block)	190 seats
5.	Homi Bhabha Computer Hall (Aadharshila Block)	108 Terminals
6.	Conference Hall (Karamshila Block)	35 seats
7.	Govind Ballabh Pant Hall (Karamshila Block)	115 seats
8.	Nehru Auditorium (Gyanshila Block)	82 seats
9.	Seminar Room – 1 to 5 (Gyanshila Block)	06 (Round Table) each total 30 seats
10.	Seminar Room – 6 & 7 (Gyanshila Block)	20 seats each
11.	Seminar Room – 8 to 12 (Gyanshila Block)	20 (Round Table each)
12.	Seminar Room – A & B (Gyanshila Block)	55 seats each
B. HOSTELS/ACCOMMODATION		
1.	Brahmaputra Niwas	12 rooms
2.	Ganga Hostel	78 rooms
3.	Happy Valley Hostel	25 rooms
4.	Indira Bhawan Hostel (Old)	20 rooms
5.	Kalinidi Visitors' Hotel	21 rooms
6.	Kaveri Hostel	33 rooms
7.	Mahanadi Hostel	39 rooms
8.	Naramada Hostel	22 rooms
9.	Silverwood Hostel	54 rooms
10.	Valley View Hostel (Indira Bhawan)	48 rooms

Annexure-2: Our Directors and Joint Directors

An officer of the rank of Secretary of Government of India heads the Academy. The Academy has had illustrious members of the service heading it. The name and tenure of Directors and Joint Directors of the Academy since the inception of the Academy are as follows:

Directors of LBSNAA

Sl. No.	Name	Duration
1.	Mr. A.N. Jha, ICS	01.09.1959 to 30.09.1962
2.	Mr. S.K. Datta, ICS	13.08.1963 to 02.07. 1965
3.	Mr. M.G. Pimputkar, ICS	04.09. 1965 to 29.04.1968
4.	Mr. K.K. Das, ICS	12.07.1968 to 24.02.1969
5.	Mr. D.D. Sathe, ICS	19.03.1969 to 11.05.1973
6.	Mr. Rajeshwar Prasad, IAS	11.05.1973 to 11.04.1977
7.	Mr. B.C. Mathur, IAS	17.05.1977 to 23.07.1977
8.	Mr. G.C.L. Joneja, IAS	23.07.1977 to 30.06.1980
9.	Mr. P.S. Appu, IAS	02.08.1980 to 01.03.1982
10.	Mr. I.C. Puri, IAS	16.06.1982 to 11.10.1982
11.	Mr. R.K. Shastri, IAS	09.11.1982 to 27.02.1984
12.	Mr. K. Ramanujam, IAS	27.02.1984 to 24.02.1985
13.	Mr. R.N. Chopra, IAS	06.06.1985 to 29.04.1988
14.	Mr. B.N. Yugandhar, IAS	26.05.1988 to 25.01.1993
15.	Mr. N.C. Saxena, IAS	25.05.1993 to 06.10.1996
16.	Mr. B.S. Baswan, IAS	06.10.1996 to 08.11.2000
17.	Mr. Wajahat Habibullah, IAS	08.11.2000 to13.01.2003
18.	Mr. Binod Kumar, IAS	20.01.2003 to 15.10. 2004
19.	Mr. D.S. Mathur, IAS	29.10.2004 to 06.04.2006
20.	Mr. Rudhra Gangadharan, IAS	06.04.2006 to 20.09.2009
21.	Mr. Padamvir Singh, IAS	02.09.2009 to 28.02.2014
22.	Mr. Rajeev Kapoor, IAS	20.05.2014 to 9.12.2016
23.	Ms. Upma Chawdhry, IAS	11.12.2016 to 31.12.2018
23.	Dr. Sanjeev Chopra, IAS	01.01.2019 to 31.03.2021

Joint Directors of LBSNAA

Sl. No.	Name	Duration
1.	Mr. J.C. Agarwal	19.06.1965 to 07.01.1967
2.	Mr. T.N. Chaturvedi	27.07.1967 to 09.02.1971
3.	Mr. S.S. Bisen	01.04.1971 to 09.09.1972
4.	Mr. M. Gopalakrishnan	20.09.1972 to 05.12.1973
5.	Mr. H.S. Dubey	03.03.1974 to 18.12.1976
6.	Mr. S.R. Adige	12.05.1977 to 07.01.1980
7.	Mr. S.C. Vaish	07.01.1980 to 07.07.1983
8.	Mr. S. Parthasarathy	18.05.1984 to 10.09.1987
9.	Mr. Lalit Mathur	10.09.1987 to 01.06.1991
10.	Dr. V.K. Agnihotri	31.08.1992 to 26.04.1998
11.	Mr. Binod Kumar	27.04.1998 to 28.06.2002
12.	Mr. Rudhra Gangadharan	23.11.2004 to 06.04.2006
13.	Mr. Padamvir Singh	12.03.2007 to 02.02.2009
14.	Mr. P.K. Gera	24.05.2010 to 20.05.2012
15.	Mr. Sanjeev Chopra	09.09.2010 to 05.12.2014
17.	Mr. Dushyant Nariala	24.12.2012 to 16.01.2016
16.	Ms. Ranjana Chopra	06.08.2013 to 15.12.2014
18.	Mr. Tejveer Singh	06.08.2013 to 31.3.2017
19.	Ms. Jaspreet Talwar	24.10.2014 to 31.3.2017
20.	Ms. Arti Ahuja (Special Director)	19.07.2017 to 19.05.2020
21.	Mr. Manoj Ahuja (Special Director)	06.11.2017 to 19.05.2020

Annexure-3: Participants in IAS Phase-I (2019 Batch)

Cadre	Male	Female	Participants
AGMUT	07	03	10
Andhra Pradesh	06	04	10
Assam-Meghalaya	05	02	07
Bihar	09	03	12
Chhattishgarh	03	02	05
Gujarat	07	00	07
Haryana	02	03	05
Himachal Pradesh	04	01	05
Jammu & Kashmir	01	00	01
Jharkhand	06	01	07
Karnataka	07	02	09
Kerala	04	04	08
Madhya Pradesh	07	03	10
Maharashtra	06	03	09
Manipur	04	00	04
Odisha	05	01	06
Punjab	03	01	04
Rajasthan	05	02	07
Royal Bhutan Civil Service	03	00	03
Sikkim	01	00	01
Tamil Nadu	06	05	11
Tripura	02	02	04
Telangana	05	03	08
Uttar Pradesh	10	07	17
Uttarakhand	03	00	03
West Bengal	06	06	12
Total	**127**	**58**	**185**

Annexure-4: Participants in IAS Phase-I (2020 Batch)

Cadre	Male	Female	Total
AGMUT	6	7	13
Andhra Pradesh	7	3	10
Assam Meghalaya	4	5	9
Bihar	6	2	8
Chhattisgarh	4	2	6
Gujarat	4	5	9
Haryana	4	1	5
Himachal Pradesh	4	0	4
Jharkhand	5	1	6
Karnataka	7	1	8
Kerala	6	3	9
Madhya Pradesh	7	1	8
Maharashtra	7	2	9
Manipur	2	0	2
Odisha	4	2	6
Punjab	3	1	4
Rajasthan	4	2	6
RBCS	2	1	3
Sikkim	0	1	1
Tamil Nadu	7	5	12
Telangana	7	2	9
Tripura	4	0	4
Uttar Pradesh	12	4	16
Uttarakhand	2	0	2
West Bengal	11	2	13
Total	**129**	**53**	**182**

Annexure-5: Participants in IAS Phase-II (2018 Batch)

State	Male	Female	Participants
AGMUT	04	03	07
Andhra Pradesh	06	07	13
Assam-Meghalaya	06	00	06
Bihar	08	03	11
Chhattishgarh	04	00	04
Gujarat	03	05	08
Haryana	03	01	04
Himachal Pradesh	05	01	06
Jammu & Kashmir	01	00	01
Jharkhand	05	01	06
Karnataka	06	03	09
Kerala	03	04	07
Madhya Pradesh	08	02	10
Maharashtra	05	02	07
Manipur	01	02	03
Nagaland	01	00	01
Odisha	05	00	05
Punjab	04	00	04
Rajasthan	08	04	12
Royal Bhutan Civil Service	03	00	03
Sikkim	01	00	01
Tamil Nadu	06	02	08
Tripura	01	00	01
Telangana	07	02	09
Uttar Pradesh	16	02	18
Uttarakhand	04	02	06
West Bengal	11	04	15
Total	**135**	**50**	**185**

Annexure-6: Participants in 95th Foundation Course

Service wise Break-up

Service	Male	Female	Total
Indian Administrative Service	125	52	177
Indian Audit And Accounts Service	06	04	10
Indian Civil Accounts Service	04	01	05
Indian Corporate Law Service	01	01	02
Indian Defence Accounts Service	06	01	07
Indian Defence Estate Service	01	00	01
Indian Economics Service	07	17	24
Indian Foreign Service	14	10	24
Indian Forest Services	27	04	31
Indian P And T Accounts And Finance Service	00	01	01
Indian Police Service	45	20	65
Indian Postal Service	03	01	04
Indian Railway Accounts Service	04	01	05
Indian Railway Personnel Service	02	01	03
Indian Railway Traffic Service	10	05	15
Indian Revenue Service (Customs And Central Excise)	08	05	13
Indian Revenue Service (IT)	17	10	27
Indian Trade Service	02	00	02
Royal Bhutan Civil Services	02	01	03
Royal Bhutan Forest Service	02	00	02
Royal Bhutan Police Services	05	01	06
Grand Total	**291**	**136**	**427**

Annexure-7: Participants in IAS Phase–III (16th Round) of Mid-Career Training Programme

Cadre	Female	Male	Total
AGMUT	3	5	8
Andhra Pradesh	1	1	2
Assam-Meghalaya	3	2	5
Bihar	0	4	4
Gujarat	0	8	8
Haryana	0	2	2
Himachal Pradesh	1	0	1
Jharkhand	1	4	5
Karnataka	0	1	1
Madhya Pradesh	6	6	12
Maharashtra	0	9	9
Manipur	2	1	3
Odisha	0	3	3
Punjab	2	3	5
Tamil Nadu	2	1	3
Tripura	0	2	2
Uttar Pradesh	1	3	4
West Bengal	3	2	5
Uttarakhand	0	1	1
Grand Total	**25**	**58**	**83**

Batch-wise profile in 16th Round of IAS Phase-III MCTP

Batch	No. of Participants
2005	1
2006	4
2007	10
2008	8
2009	18
2010	24
2011	15
2012	3
Grand Total	**83**

Annexure-8: Participants in IAS Phase–III (17th Round) of Mid-Career Training Programme

Cadre	Female	Male	Total
AGMUT		1	1
Assam-Meghalaya	1	2	3
Bihar		11	11
Gujarat		1	1
Haryana	1	1	2
Himachal Pradesh		6	6
Jammu & Kashmir		1	1
Jharkhand		2	2
Karnataka	2	1	3
Kerala		4	4
Madhya Pradesh	1	9	10
Odisha	1	4	5
Punjab	3	7	10
Rajasthan	2	4	6
Tamil Nadu	4	5	9
Telangana		2	2
Uttar Pradesh	1	3	4
Uttarakhand		2	2
West Bengal		2	2
Grand Total	**16**	**68**	**84**

Batch-wise profile in 17th Round of IAS Phase-III MCTP

Batch	No. of Participants
2006	2
2007	6
2008	7
2009	8
2010	18
2011	29
2012	9
2013	5
Grand Total	**84**

Annexure-9: Participants in 122nd Induction Training Programme for SCS

Cadre	Female	Male	Total
AGMUT	4	1	5
Andhra Pradesh	3	3	6
Gujarat	7	0	7
Haryana	9	1	10
Himachal Pradesh	2	0	2
Kerala	0	1	1
Madhya Pradesh	8	1	9
Nagaland	3	1	4
Rajasthan	4	2	6
Tamil Nadu	1	2	3
Uttar Pradesh	6	0	6
Grand Total	**47**	**12**	**59**

Batch-wise profile in 122nd Induction Training Programme for SCS

Batch	No. of Participants
2007	1
2008	1
2009	10
2010	12
2011	9
2012	9
2013	7
2014	5
2015	3
2018	2
Grand Total	59

Annexure-10: Faculty & Administration in the Academy

Faculty (As on 31.03.2021)

Sl. No.	Name	Designation
1.	Shri Sanjeev Chopra, IAS	Director
2.	Shri Manoj V. Nair, IFS	Deputy Director (Sr.)
3.	Ms. Monika Dhami, IRS	Deputy Director (Sr.)
4.	Shri Vizay B. Vasanta, IRS	Professor of Economics
5.	Smt. Aswathy S., IAS	Deputy Director (Sr.)
6.	Ms. Anandhi, IAS	Deputy Director
7.	Ms. Gauri Parasher Joshi, IAS	Deputy Director
8.	Shri Milind Ramteke, IAS	Deputy Director
9.	Shri Abhiram G Sankar, IAS	Deputy Director
10.	Ms. Disha Pannu, IPoS	Deputy Director
11.	Prof. Shri A. S. Ramachandra	Professor of Pol. Theory & Const. Law
12.	Prof (Ms.) Sunita Rani	Professor of Social Management
13.	Shri Hari Prakash, IAAS	Professor of Management
14.	Shri Nitesh Jha, IIS	Reader in Pol. Theory & Const. Law
15.	Shri Sachiv Kumar	Reader in Law
16.	Ms. Bhawana Porwal	Assistant Professor of Hindi
17.	Ms. Ekta Uniyal	Assistant Director
18.	Ms. Anupam Talwar	Assistant Director
19.	Ms. Alka Kulkarni	Language Instructor (Gujarati & Marathi)
20.	Shri Arshad M. Nandan	Language Instructor (Urdu & Punjabi)
21.	Shri K. Brijbhashi Singha	Language Instructor (Assamese & Manipuri)
22.	Shri Rama Krishan Murthy Noduru	Language Instructor (Telugu)
23.	Shri V. B. Muttinamath	Language Instructor (Kannada)
24.	Ms. Saudamini Bhuyan	Language Instructor (Oriya & BengalI)
25.	Shri Sarfaraz Hussain Khan	Hindi Instructor
26.	Shri Baljeet Singh	Riding Instructor
27.	Shri Rajendra Singh	Physical Training Instructor
28.	Shri Pawan Kumar Chaturvedi	Assistant Physical Training Instructor
29.	Shri Girdhari Lal	Assistant Riding Instructor

Administration (As on 31.03.2021)

1.	Shri Siva Prasad Senapathi	Library & Information Officer
2.	Shri Rajesh Kapoor	Assistant Director (Rajbhasha)
3.	Shri Vijender Singh Rana	Principal Private Secretary
4.	Shri Prakash Singh Dasila	Administrative Officer (Accounts)
5.	Shri Kailash Chand	Administrative Officer
6.	Shri Pawan Kumar Pal	Assistant Administrative Officer
7.	Shri Mukesh Kumar Garg	Assistant Administrative Officer

8.	Shri Rakesh Chandra	Assistant Administrative Officer
9.	Shri Laxmi Prasad	Senior Private Secretary
10.	Shri Mahesh Kumar Tyagi	Senior Private Secretary
11.	Shri Narayan Lal Bunkar	Private Secretary
12.	Shri Sunil Negi	Private Secretary
13.	Shri Neeraj Kumar	Private Secretary
14.	Ms. Darshani	Private Secretary
15.	Shri Ramesh Kumar	Assistant Library & Information Officer
16.	Shri Ram Milan Kewat	Assistant Library & Information Officer
17.	Shri Sucha Singh	Assistant Library & Information Officer
18.	Mohammad Aslam	Data Processing Assistant

Officers who left LBSNAA during the year 2020-21

Sl. No.	Name	Date of Relieving
1.	Ms. Kehkashan Siddiqui, Assistant Director	30.04.2020
2.	Ms. Arti Ahuja, Joint Director	19.05.2020
3.	Shri Manoj Ahuja, Joint Director	19.05.2020
4.	Shri C. Sridhar, Deputy Director (Sr.)	02.06.2020
5.	Ms. Kakali Barua, Professor of Economics	15.06.2020
6.	Ms. P. Amudha, Professor of Public Administration	24.07.2020
7.	Dr. Akash Jain, Medical Officer	07.08.2020
8.	Ms. Thulasi Maddineni, Deputy Director	19.08.2020
9.	Shri Satpal Singh, Riding Instructor	01.09.2020
10.	Shri Ashok Dalal, Administrative Officer (Accounts)	09.10.2020
11.	Shri Ajay Kumar, Assistant Riding Instructor	18.11.2020
12.	Shri N.K. Sudhansu, Professor of Economics	28.12.2020

Superannuation of staff in LBSNAA during the year 2020-21

Sl. No.	Name	Date of superannuation
1.	Shri Moti Lal, Multi Tasking Staff	30.06.2020
2.	Shri Kishan Chandra Joshi, Administrative Officer	31.07.2020
3.	Shri Jagbeer Singh, Multi Tasking Staff	31.07.2020
4.	Shri Ami Chand, Multi Tasking Staff	31.08.2020
5.	Shri Om Prakash, Staff Car Driver	31.12.2020
6.	Shri Jagdish Chandra Mathpal, Multi Tasking Staff	31.12.2020
7.	Shri J. P. Bahuguna, Administrative Officer	31.01.2021
8.	Ms. Poonam Sinha, Data Processing Assistant	28.02.2021
9.	Shri Ram Kumar, Multi Tasking Staff	10.03.2021 (VRS)
10.	Ms. Alka Kulkarni, Language Instructor (Gujarati & Marathi)	31.03.2021